**43**42

# The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

₩ 6 43 ]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 27, 1979 (कार्तिक 5, 1901)

No. 43 ]

NEW DELBI, SATURDAY, OCTOBER 27, 1979 (KARTIKA 5, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाली है जिससे कि यह उपलग संकलन के रूप में रखा जा लके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग Ш—खण्डा

#### PART III-SECTION 1

उच्च न्यायात्रयों, नियंत्रक और बहालेक्कापरीक्षक, संव लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संतरन और अधीन कार्याक्षयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the Migh Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

#### संघ लोक सेवा ग्रायोग

नर्ष दिल्ली-110011, दिनांक 14 मितम्बर, 1979

सं० पी०/1818-प्रशा० I—संव लोक सेवा ग्रायोग की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 4 ग्रगस्त, 1978 के ग्रनुक्रम में संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सनिव के पद पर डा० वी० सुब्रह्मण्यम की नियुक्ति को गृह मन्त्रालय, कार्मिक ग्रौर प्रणासनिक सुधार विभाग के पत्न सं० 39017/19/79-स्था० (ख) दिनांक 31-8-79 द्वारा ग्रनुमोदिन ग्रौर कार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 39/70/पी० पी० दिनांक 9-1-79 की णती के ग्रनुसार, 1 भिगम्बर, 1979 से 2 वर्ष की ग्रनिरिक्त ग्रविध के तिए अथवा ग्रायामी ग्रादेण तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया है।

#### दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० पी०/271-प्रणा०-I—मंघ लोक सेवा आयोग की सप-संख्यक श्रीधेसूचना दिनांक 15-3-79 के अनुक्रम में संघ जोक लग आयोग के कार्यालय में रोवा निवृत विशेष कार्य प्रविकारी (गोपनीय) श्री एस० पी० चक्रवर्ती की पुर्वित पुष्टिन की प्रविव 296GI/79 को 1-9-79 से 31-12-79 तक बढ़ा दिया गया है, जिसकी अनुमति गृह मंद्रालय, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के पद्म सं० 39017/16/79-स्था० (ख) दिनोंक 31-8-79 द्वारा दे दी गई है।

मं० ए० 32013/3/79-प्रणा०-I— संघ लोक मेवा घ्रायोग की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 16-6-79 के प्रनुक्रम में संघ मोक मेवा प्रायोग के मंवर्ग मं कंन्द्रोय सचिवालय सेवा के स्थायी ग्रेड 1 प्रधिकारी श्री एस० के० बोस को राष्ट्रपति द्वारा 19-8-79 से तीन मास की प्रविध के लिए ग्रयवा प्रायामी प्रदिण तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में उप सचिव के पद गर नदर्थ प्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

#### दिनांक 24 सितम्बर 1979

सं० ए० 32013/1/79-प्रजा०-1--संय लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निस्तितिका प्रिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट प्रविध के निष् प्रयत्रा प्राणानी आदेश नक, जो भो पहने हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा कुँके ग्रेड I में तदर्घ श्राधार पर श्रवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

ऋ० सं०	नाम		मवृधि
1. প্রী	ि पी० गोयल	(के०स०से० का ग्रनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी ग्रिधकारी)	17-8-79 से 30-9-79 तंक
	प्रार० एन० सना	(के०स०से० का ध्रनुभाग ग्रघिकारी ग्रेड के स्थायी ग्रघिकारी)	20-8-79 से 30-9-79 तक
	एम० एस० ापति राम	(के०स०स्टे०से० के ग्रेड क भ्रधिकारी)	6-8-79 से 30-9-79 सक
		एस०	बालचन्द्रन भ्रवर सचिव

गृह मंत्रालय का० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रक्तुबर 1979

सं० ए-19035/6/79-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री श्रार० एन० पाण्डे को दिनांक 7-9-79 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो में स्थानापश्च कार्यालय श्रादेश के रूप में नियुक्त करते हैं।

> की० ला० ग्रोवर प्रणासनिक श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

संघ लीक सेवा आयोग

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 प्रक्तूबर 1979

सं० श्रो० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) अथवा राजन् को 6-9-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा श्रिक्षकारी के पद पर सदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० श्री० दो० 1445/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना विवेदी को 14-9-79 के पूर्वाह्न से केवल छैं: माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तद्दर्थ रूप में नियुक्त किया है।

#### दिनांक ६ प्रक्तूबर 1979

सं० ग्रो० दो० 256/70-स्थापना—राष्ट्रपति श्री जी० एम० रतुरी को तदयं पदोन्नति पर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेन्ट के पद पर ग्रस्थाई कृप से नियुक्ति करते हैं।

श्री जी एस० रतुरी ने सहायक कमाण्डेन्ट 28 बटालियन सी० श्रार० पी० एफ० के पद का कार्यभार दिनांक 14 ग्रनस्त 1979 के श्रपराह्म से सम्भाला।

> ए० के० वन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, गुजरात

महमदाबाद-380001, दिनोक 4 धक्तूबर 1979

सं० स्था० (ए)/जोशी०/2153--महालेखाकार गुजरात ने भाधीन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री के० एम० नायर को दिनांक 24-9-79 पूर्वीह्न से लेकर अंगला श्रादेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

> के० पी० लक्ष्मण राव रूप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, महाराष्ट्र-1 बम्बई-400020, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० प्रशासन-1/म्राएडी/31-खण्ड 3/सी-1(1)/4—महा-लेखाकार, महाराष्ट्र-1 बम्बई म्रधिनस्य लेखा सेवा के निम्नलिखिन सदस्यों को उनके नाम के सन्मुख निर्दिष्ट किए गए दिनांक से म्रागामी म्रादेश तक स्थानापन्न रूप से लेखा म्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

क्रमांक नाम सं०			विनांक
1. श्री के० एल० देशपांडे		•	27-8-79 पूर्वाह्न
2. श्री एस० एन० पाझालकर	•	•	27-8-79 पूर्वाह्य
<ol> <li>श्री एम० बी० देणपाण्डे</li> </ol>		-	16-8-79 पूर्वाह्न
4. श्री एस० के० गोपूजकर			16-8-79 पूर्वाह्न

एस० भ्रार० मुखर्जी, वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

#### कार्यालय महालेखाकार, राजस्थान

#### जयपुर, विनोक 27 सितम्बर 1979

सं० प्रशा०-II/जी० नोटीफिकेशन/861--- महालेखाकार राजस्थान ने सर्व श्री राम प्रकाश बार्ष्णेय ग्रीर हरचरण सिंह, ग्रनुभाग ग्राधिकारियों को पदोन्नत करके दिनांक 10-9-79 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है।

> र० प्र० बोरकर अरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

# निदेशक, लेखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रेलवे बम्बई-1, दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० ए०यू० /ग्रंडमन/मिस/कान/ 7336 र श्री डी० श्रार० म्राम्बे, मनु० मधिकारी, (ले० परीक्षा), दिनांक 23-7-79 से इम कार्यालय में लेखा परीक्षा अधिकारी के कार्यभारी पद पर नियुक्त किये गये।

> श्रीमती पार० कृष्ण कुट्टी निदेशक लेखा परीक्षक

# सरकारी व्यय प्रायोग मई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1979

मं ० 1(8)-ए/सी ०पी ० ६०/७५ — वित्त मंत्रालय, मार्थिक कार्य विभाग से स्थानान्तरण होने पर, उक्त मंन्नालय के केन्द्रीय सचिवालय प्राणुलिपिक सैवा संवर्ग के ग्रेड 'बी' प्राणुलिपिक श्री एम ० एन ० शर्माको, 18 श्रगस्त, 1979 के दोपहरपूर्व से भ्रगले भ्रादेश होने तक सामान्य प्रतिनियुक्ति की शतौं पर 650-1040 रु० के वेतनमान में सरकारी व्यय भायोग म वरिष्ठ व्यैक्तिक सहायक (केन्द्रीय सचिवालय ग्राणुलिपिक **से**वा काग्रेड'बी०' में नियुक्त कियागया है।

> यू० एस० टेकचन्दानी भवर सचिव (प्रशासन)

#### रक्ता मंत्रासय

# मार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड,

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,

कलकत्ता, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं ० 47/79/जो---डों ० जो ० मो ० एफ ० महोदय, निम्म-लिखित प्रधीक्षकों को सहायक स्टाफ प्रफसर (श्रेणी:-11), राजपितत के पद पर दिनांक 28 मई, 1977 से नियुक्त करते हैं।

1. श्री गोविन्द चन्द्र भट्टाचार्जी (भव भवकाश प्राप्त)

2. श्री सत्यवत नाग (श्रव **भव**काश प्राप्त) 3. श्री भ्रमिया रंजन बोस

4. श्री शांति कुमार बनर्जी (भव भवकाश प्राप्त)

 श्री भ्रमरेन्द्र नाथ चौधुरी (भ्रब भ्रवकाश प्राप्त)

श्री कृष्ण लाल देवनाथ

 श्री नारायण दास चौधुरी (भव श्रवकाश प्राप्त)

8. श्री नलिनो मोहन चटर्जी (भ्रब श्रवकाश प्राप्त) (प्रब प्रवकाश प्राप्त)

9. श्री बिपुलेन्द्र नाथ मिल्ला 10. श्री व्यांम्केश मानिक

11. श्री रघुनाथ दासगुप्ता

12. श्री वी ० कैलाशन्

13. श्री पार्वती कुमार गोस्वामी

14. श्री प्रनिमेश दास गुप्त (भ्रब अवकाश प्राप्त)

15. श्री निर्मल चन्द्रदास

16. श्री प्रशांत कुमार मल्लिक

17. श्री रणजीत कुमार दास

18. श्री बिभूति भूषण चौधुरी

19. श्री कालिका प्रसाद सुकुल

20. श्री सन्तोष कुमार सेन

21. श्री मानिक लाल गंगुली (भव भवकाश प्राप्त)

22. श्री रामनारायण प्रसाद देव

23 श्री निर्माल्य भूषण चन्नवर्ती

24 श्री सवितान्शु प्रकाश गोस्वामी

25. श्री शिव चन्द्र सरकार (भव भ्रवकाश प्राप्त)

26. श्री बिनय भूषण चौधुरी

27. श्री दिलीप कुमार मिला

28. श्री प्रमोद चन्द्र राय

29. श्री बारीन्द्र नाथ घोष

30. श्री धीरेन्द्र नाथ साहा

31. श्री कृष्ण मोहन (अब अवकाण प्राप्त)

32. श्री जोगेश चन्द्र सेन

(भय भवकाश प्राप्त) 33. श्रीमती रानु राजागोपालन (भ्रव भ्रवकाण प्राप्त)

34 श्री सुशील चन्द्र राय

35. श्री एच ० बी० सेन शर्मा

36. श्रीमती बनलता मजुमदार (भव भवकाश प्राप्त)

37. श्री तुलसी घरण दास

(भव प्रवकाश प्राप्त)

38. श्री सुर्गः ल कुमार दास

39. श्री सुनिल कुमार सेन गुप्ता

40. श्री कालिदास गृहा (भव भवकाश प्राप्त)

41. श्री नारायण गंगोपाध्याय

42. भीमती ज्योत्स्ना सेन

43. भी बलराम पाइन

44. श्री सुधीर चन्द्र दास (धव अधकाश प्राप्त)

45. श्री प्रिय गोपालं गोस्वामी

46. श्री धमिया कुमार बोस

47. श्री शिशिर कुमार चक्रवर्सी

48. श्रा विश्वरंजन गुप्ता

49. श्रं: लक्ष्मं: नारायण सामन्त

50. श्रं: सुर्धःर कुमार दत्ता

(अब अवकाश प्राप्त)

51. श्री दिलीप सेन

सं० 48/79/जी ००० ईं।० जीं।० भ्रों० एफ ० महोदय, नियन-लिखित श्रफसर सुपर बाइजर गण को स्टाफ अफसर (वर्ग-I राजपत्नित) के पद पर दिनांक 28 मई, 1977 से नियुक्त करते हैं:०००

1. श्रां रर्जान्द्र नाथ बोस

(मब मदकाश प्राप्त)

2. श्री हरिभूषण घोष

3. श्री कनाई लाल मुखर्जी

(भ्रव श्रवकाश प्राप्त)

4. श्री हरिपद घटर्जी

(श्रव भ्रवकाश प्राप्त)

श्री प्राफुल्ल नाथ मान्याल

(भ्रव श्रवकाश प्राप्त)

6. श्री निर्मिर रंजन दत्ता

7. श्री भूपति भूषण विश्वास

8. श्रं। कृष्ण चन्द्र भट्टाचार्जी,

(श्रव श्रवकाश प्राप्त)

9. श्री मनमोह्न लाल नन्दा

(ग्रब दिवंगत)

# दिनां र 3 श्रन्तुबर 1979

सं० 49/79/जो ०—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री प्रार्० एन० बोस, स्थानापन्न सीनियर डी० ए० डी० जी० ग्रो० एफ०/मौलिक एवं स्थायां डी० ए० डी० जी० ग्रो० एफ० दिनांक 31 श्रगस्त, 1979 (प्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

# दिनांक 4 श्रक्तूबर, 1979

सं० 50/79/जें ००००-वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्राः के० संत० मुखर्जी, स्थानापन्न सीनियर छालए । डी ० जी ० एफ ०/मौलिक एवं स्थार्यः डी ०ए० डा ० जी ० एफ ० दिनांक 30 सिनम्बर, 1979 (श्राप्ता ह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

की ० के ० मेहता, सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्यि, नागरिक श्रापूर्ति, एवं सहकारिता मंद्रालय (घाणिज्य विभाग)

मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1979 श्रायात एवं निर्यात व्यापार नियन्त्रण (स्थापना)

सं० 6/1291/79-प्रणामन (राज०)/7127---मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात एतद् द्वारा पर्यटन तथा नागरिक विमानस मंत्रालय, लखनऊ के रेलवे मुरक्षा श्रनुभाग में सहायक, श्री फांसीस एंटोनी को संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, कलकना में नियन्त्रक, श्रायात-निर्यात (श्रेणी-ख) के ख्या में 31 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न ने याण्या शादेण जारी होने तक स्थानायन रूप से विष्युक्त करते हैं।

 नियन्त्रक के रुप में श्रो फ्रांसीस एंटोनी 650-30-740-35-810-द० री०-880-40-1000-द० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में वेतन प्राप्त करेंगे ।

> सी० एस० श्रायं, उप-मुख्य नियन्त्रक श्रायात-निर्यात

#### उद्योग मैत्रालय

#### श्रौद्योगिक विकास विभाग

## वस्त्र ग्रायुक्त का कार्यालय

वम्बई-20, दिनांक 5 श्रक्तूबर; 1979

सं 0 18(1)/77-सी० एल० बी०- — वस्स्र (शक्तिचार्सित करघों द्वारा उत्पादन) नियन्त्रण श्रादेश, 1956 के खंड-II में प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद द्वारा वस्त्र ग्रायुक्त की ग्रिधसूचना सं० टी० मी० (32-ए)59, दिनांक 16 मार्च, 1959 में निम्नलिखित श्रातिरिक्त संशोधन करना हं, श्रयीत्:—-

उक्त श्रिधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 4 के सामने स्तम्भ 2 में विद्धमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जायेंगी श्रर्थात :—

- "(1) उद्योग निदेशक/निदेशक (हाथकरघा श्रीर रेशम-उत्पादन)
  - (2) वस्त्र नियंत्रक
  - (3) न्यायाधीशगण
  - (4) पूर्ति (वस्त्र) निरीक्षकगण
  - (5) महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र"

म० वा० चें<mark>बुरकर,</mark> संयुक्त वस्त्र <mark>ग्रायुक्</mark>त

# पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन भ्रनुभाग-6)

नई विल्ली, विनांक 6 सितम्बर 1979

सं० ए-17011/41/72-ए-6—स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जी०) तथा निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में स्थाना-पन्न सहायक निरीक्षण ग्रधिकारी (इन्जी०) श्री पी० के० फुष्णन 13-8-79 (प्रपराह्म) से ऐच्छिक सेवा निबृत्त हो गये हैं।

पी० डी० सेठ उप निदेशक (प्रशासन) कृते महामिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

# नई दिल्ली, दिनांक 4 श्रक्तूबर 1979

सं० प्र० 6/247(229)—वर्णपुर निरोक्षणालय में स्थायी महायक निरोक्षण प्रधिकारी (धातु रसायन) श्री पी० एस० भट्टाचाओं निवर्तमाम प्रायु होने पर दिनांक 30 ज्न, 1979 के प्रपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

ए-17011/48/72-प्र०-6---राष्ट्रपति, भारतीय सं० निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III में सहायक निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) श्री बी० के० श्रीधर को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 के पूर्वाह्म से श्रौर श्रागामी आदेशों तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड- $\Pi$  में उप निर्देशक निरीक्षण (इस्जी०) के पद पर स्थानापन्न रूप मे तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री बी० के० श्रीधर ने पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय (निरीक्षण स्कन्ध) नई लिखली में दिनांक 31 श्रगस्त, 1979 के ग्रपराञ्च को सहायक निदेणक निरीक्षण का पदभार छोड़ दिया भ्रौर दिनांक 3 सितम्बर, 1979 के निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) का पदभार संभाल लिया ।

## दिनांक 10 श्रक्तूबर 1979

सं० प्र-1/1(589)—पूर्ति निदेशक (वस्त्र) बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक, श्री ई० सी० दस्तूर निवर्तमान श्राय होने पर दिनांक 30 सितम्बर, 1979 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गये।

> ,कृष्ण किशोर, उप निदेशक (प्रशासन) करते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

#### भारतीय सर्वेक्षण विभाग

# देहरादून, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1979

सं० मी० 5557/718-ए--श्री लक्ष्मीचन्द्रा, स्थानापन्न ग्रधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय, की नियुक्ति श्री एम० एम० चक्रवर्ती, स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी जो 31 ग्रगस्त, 1979 (ग्रपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गए हैं, के स्थान पर, पश्चिमी सिकल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग जयपुर में स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी (सा० सि० से० ग्रुप 'बी') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्न) से तवर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में की जाती है।

सं० सी-5558/594--निम्नलिखित तकनीकी सिले० ग्रेड, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक मानचित्र पुनरुत्पादन (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं:—

1. श्री जे० एन० कार्की 22 जून, 1979 (पूर्वाञ्च)

2. श्री चानन सिंह

14 जून, 1979 (पूर्वाह्म) के० एल० खोसला, मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक

## स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

## नई दिल्ली, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1979

सं० ए-12026/19/77 (जे०म्राई०पी०) छुट्टी/प्रशासन-I---स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रोमती जो० ग्रनुराधा विज्ञानिक श्रिक्षकारी सह-शिक्षक (शरीर विज्ञान) जवाहरलाल स्नात-कोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं श्रनुसंधान पांडिचेरी का त्याग पत्न 31 जुलाई, 1979 प्राप्ताह्म से स्वीकार करलिया है।

ए० 19019/3/77-(एन०एम०ई०पी०) प्रणासन- $\mathbf{I}$ —संवा निवृत्ति की श्रायु हो ज $\hat{\mathbf{r}}$ ने पर श्री श्रार० डी० माया, उप सहायक निदेशक (भण्डार) राष्ट्रीय भलेरिया उन्मूलन कर्याक्रम, दिल्ली 31 जुलाई, 1979 ग्रंपराह्म से मेवा निवृत्त हो गए हैं।

> शाम लाल क्ठियाला उप निदेशक प्रशासन

# नई दिल्लो, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1979

सं० ए-32015/4/78-स्टोर-1(भाग)--इस निदेशालय की 9 जुलाई, 1979 की ग्रधिसूचना संख्या ए-32015/4/78-स्टोर-1 (भाग) के ऋभ में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने परिवार कल्याण उप डिपो के वरिष्ठ तकनीकी सहायक श्री जे० के० लोल को 13 जुलाई, 1979 पूर्वाह्म से ग्रीर 6 महीने की श्रवधि के लिये उसी डिपो में सहायक डिपो प्रबन्धक के पद पर तदथ माधार पर नियुक्त किया है।

> प्रेम कुमार घई विशेष कार्य प्रधिकारी (भंडार)

ग्रामीण पूर्नीनर्भाण मंत्रालय विषणत एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1979

सं० ए०19023/74/78-प्रगा०-III--इस निवेशालय में विषणन प्रधिकारी (वर्ग-II) के पद पर निम्नलिखित प्रधि-कारियों की ग्रल्पकालीन नियुक्ति को 31-12-79 तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:---

- 1. श्री जी० के० परुसन
- 2. श्रीमती श्रार० एस० नेहते

## दिनाक 4 ग्रक्तूबर 1979

सं०ए० 19024/5/79-प्रशा०-III---श्री एस० श्रार० म्खर्जी, वरिष्ठ रसायनज्ञ को तारीख 11-9-79 (पूर्वाह्न) से तदर्थ स्राधार पर स्रगले स्रादेश होते तक स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के रूप में कानपुर में नियुक्त किया जाता है।

#### दिनांक 9 श्रक्तूबर 1979

सं० ए० 35014/2/78-प्रशाठ-III—- अण्डमान श्रीर निकोबार प्रशासन के ऋषि निदेशालय में विपणन अधिकारी के पद पर चयन होने के उपरान्त इस निदेशालय के विपणन अधिकारी श्री श्रार० सुझामण्यम की सेवाभ्रों को तारीख 17-9-79 (अपराह्म) से प्रतिनियुक्ति पर 2 साल के लिये श्रण्डमान भौर निकोबार प्रशासन के अधीन सौंपा जाता है।

सं० ए० 19026/2/79-प्रशा०-III—श्री ग्राई० एत० चहान्डे, श्रनुभाग ग्रिधिकारी (केन्द्रीय सचिवालय सेवा) को तारीख 5-9-1979 (ग्रपराह्र) से मंडी नियोजन एवं श्राकृति केन्द्र, नागपुर में एक वर्ष के लिये प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर या जब तक पद नियमित श्राधार पर भरा जाता है, स्थानापन्न प्रशासन ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए०-19023/9/79-प्रशा०-III—प्रत्यावर्तन होने के बाद श्री एच० एन० भटनागर ने तारीख 23-8-79 के श्रपराह्म में कानपुर में मुख्य रसायनज्ञ के पद का कार्यभार छोड़ दिया है श्रीर तारीख 3-9-1979 के पूर्वाह्म से बम्बई में विषणन श्रधिकारी (वर्ग-III) के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन इसे कृषि विपणन सलाहकार

# परमाणु ऊर्जा विभाग ऋय श्रौर भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1(3)/78-स्थापन/29854—
निदेशक, ऋष और भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग,
श्रीमती एंली मैथ्यूस, स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक (कनिष्ठ
भंडारी) तथा स्थानापन्न भंडारी को सहायक भंडार प्रधिकारी
पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने हेतु रुपये 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० ,रो०-401200 के वेतन-ऋम में ग्रस्थाई रूप से दिनांक 1 ग्रगस्त,
1979 (पूर्वाह्म) से श्रिप्रम ग्रादेशों तक, इसी निदेशालय में
नियकत करते हैं।

के० पी० जोसफ, प्रशासन ऋधिकारी

# राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना कोटा, दिमांक 31 जुलाई 1979

सं० रापविष/भर्ती/7(8)/79/स्थल/ 1016—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के एक स्थायी उच्चश्रेणी लिपिक और राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना में तदर्थ स्नाधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रीधकारी श्री के० आर०

के० राव, को इसी परियोजना में ही मई, 8, 1979 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक के लिये ग्रस्थाई ऋष से साहायक प्रशासन ग्राधिकारी के ग्रेड पद पर (रु० 650-960) स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह, प्रगासन प्रधिकारी (स्थापना) कृते मुख्य परियोजना इंजीनियर

# (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 5 ग्रक्तूबर 1979

सं० प० खा० प्र0-1/13/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खानिज प्रभाग के निदेशक श्री यू० पी० सिंह को परमाणु खानिज प्रभाग में 20 ग्रगस्त, 1979 ग्रगराह्म से लेकर ग्रागामी ग्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्रिक्षकारी/ग्रिभियन्ता ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एत० राव, वरिष्ठप्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

# ग्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय श्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

ग्रहमदाबाद-380 053, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० एस० एस० जी०/कं० सी० पी०/7/3055/79—-प्रत्न-रिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक इसी केन्द्र के ग्रस्थायी इंजीनियर 'एस० बी०' श्री सी० एस० ए० कामथ का सेवा से त्यागपत दिनांक 7 सितम्बर, 1979 के श्रपराह्म से स्वीकार करते हैं।

#### दिनांक 28 सितम्बर 1979

संग स्थापना/ग्राई० एस० सी० ई० एस०/८--- निदेशक, ग्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय ग्रन्तरिक्ष ग्रमुसंधान संगठन। ग्रन्तरिक्ष विभाग में श्री ए० ज० व्यास को इंजीनियर एस० बी० के पद पर ग्रस्थायी रूप में विनांक 15 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से आगामी श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० स्थापना/म्राई० एस० सी० ई० एस०/10—निदेशक, मन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय मन्तरिक्ष मनुसंधान संगठन/ मन्तरिक्ष विभाग में श्री ए० वी० ग्राप्टे को इंजीनियर एस० बी० के पव पर श्रस्थायी रूप से दिनांक 10 ग्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

सं० स्थापना/ग्राई० एस० सी० ई० एस०/11—निदेशक, श्रन्तिरिक्ष उपयोग केन्ब/भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन/अन्तरिक्ष विभाग में श्री राजकुमार अरोड़ा को इंजीनियर एस० बी० के पद पर श्रस्थायी रूप में दिनांक 10 श्रगस्त, 1978 के पूर्विक्ष से श्रागामी श्रादेश तक नियुक्त करते ह ।

सं० स्थापना/ग्राई०एस० सी० ई० एस०/12 — निदेशक, ग्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय भ्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन/ श्रन्तरिक्ष विभाग मे श्रा वा० एन० देसाई की इंजीनियर एस० बी० के पद पर स्थायो रूप में दिनाक 22 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से श्रागामा श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

> एस० जी० नायर प्रधान, कार्मिक तथा मामान्य प्रणामन

# पर्यटन भ्रौर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विभान विभाग नई दिल्लो-3, दिनांक ग्रक्तूबर, 1979 .

सं०  ${\bf g}$ ०(1)/03357—भारत मौसम विज्ञान विभाग के अन्तर्गत, प्रादेशिक, मौसम केन्द्र, मद्रास के निदेशिक के अधीनस्थ मौसम केन्द्र तिवेन्द्रम के श्रा एस० रामन, मौसम विज्ञानी श्रेणी  ${\bf I}$  की निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31-8-1979 के अपराह्म में सरकारों सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

गुरुमुख राम गुप्ता, निदेशक **कृते** मौसम विज्ञान के महानिदेशक

# महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 27 सितम्बर, 1979

सं ०ए० 32013/6/78-ई० सी ०—इस विभाग की दिनांक 30-6-79 की प्रधिसुचना सं० ए० 32013/4/78-ई० सी ० के ऋष में राष्ट्रपति ने निम्निलिखित दो प्रधिकारियों को, जो इस समय तदर्थ प्राधार पर वरिष्ठ संचार प्रधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, उनके नाम के मामने दी गई तारीखों से वरिष्ठ मंजार प्रधिकारी के ग्रेड सें नियमित रूप से नियुक्त कि गहैं। तैनाती स्टेणन प्रत्येक के नाम के मामने दिया गया है:

ऋप मं०	नाम	तैनाती म्टेणन	ग्रेड में नियमित नियुक्ति की नारीख
1. র্গ	ो भ्रार ०सो ० वितकारा	श्रद्धीय निदेशक, नागर विमानन विभाग. बम्बई	18-7-79
2. 최	ौग्न <b>्ब</b> े० माथुर	क्षत्रीय <sup>ं</sup> संचार नियंत्रक,कलकत्ता	3-9-79

इन वरिष्ठ संचार श्रिक्षिकारियों को उच्चनर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ मंचार श्रिष्ठकारी/वरिष्ठ नकनीकी श्रिष्ठकारी की संपुक्त पानना सूची में स्थान ग्रेड में उनकी नियमित नियुक्ति की नारीख के श्रेनुसार दिया जाएगा बणतें कि वरिष्ठ संचार श्रिष्ठकारी/वरिष्ठ नकनीकी श्रिष्ठकारी केग्रेड० में परस्पर वरिष्ठता कायम रखी जाती है श्रीर इसके साथ यह भी शर्त है कि कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के श्राधार पर नागर विमानन विभाग में नियुक्त श्रीधकारियों के मामले में उस परीक्षा में उनकी परम्पर वरिष्ठता तकनीकी श्रिश्वकारी /मंचार श्रीधकारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी मानी जाएगी।

#### दिनांक 28 सितम्बर 1979

मं० ए० 32014/4/78-ई० मं ०--महानिदेणक नागर विमानन श्रा एस० बो० चक्रवर्ती, महायक संचार, वैमानिक मंचार स्टेशन वाराणसी, को दिनांक 8-6-79 (पूर्वाह्न) से महायक संचार प्रधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं। श्रीर उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, लखनऊ में तैनात करते हैं।

सं०ए० 38012/1/79-ई० सी०: —िनवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप मरकारी सेवा से निवृत्त होने पर निम्निखित तीन महायक नकनीकी ग्रधिकारियों ने अपने नाम के सामने दिएगए स्टेशनों पर श्रीर दी गई तारीख को ग्रपने पदों का कार्यभार त्याग दिया है :—

ऋम	नाम	पदनाम	तैनाती	म्टेशन	सेवा	निवृति
सं०					कीं	तारीख
₹	<b>र्वश्री</b>					
1. 3	गै०सी०स	म्पत भ्रायंगर,	वैमानिक	संचार	3	1-8-78
1	न <mark>हायक त</mark>	कनीकी	स्टेशन, बंग	सौर	(%	ापराह्न)
ŧ	प्रधिकारी	ł				
2.	हें वी ० ज	ार्ज,	<b>वै</b> मानिक	संचार	3	1-8-79
7	<b>न्हायक</b>	तक <b>नीकी</b>	स्टेशन बम्ब	<b>\$</b> 1 .	(%)	पराह्न)
7	पधिकारी					
3. <b>a</b>	ी ० कुमार	,	वैमानिक	संचार	3	1-8-79
<b>₹</b>	⊬हायक र	तकनीकी	स्टेशन कल	कत्ता	(%	पराह्न)
8	मधिकार <u>ी</u>					(,,
				_		

सं० ए० 38015/13/79-ई० सी० --- (मूल नियम 56 (के) के प्रावधानों के अन्तर्गत सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री एन० पिचुमणि, सहायक संचार श्रीधकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई ने दिनांक 31-8-79 (अपराह्म) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

एस० एन० मोतवानी विशेष कार्य श्रधिकारी (ई)

#### नई दिल्ली, दिनांक 5 श्रक्तूबर 1979

मं० ए० 38013/1/79-ई० मीं. म्म्-निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने के परिणाम स्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर श्री बी० कार० तकनीकी, श्रीधकारी, वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता ने दिनांक 31-8-79 (श्रपराह्म) को श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

#### दिनांक 6 श्रक्तूबर 1979

सं० ए०32014/3/79-ई० सी० (भाग)---इस विभाग की दिनांक 30-7-79 की ग्राधिसुचना सं० ए०31014/3/79ई ० सी ०, दिनांक 22-8-79 की प्रधिसूचना सं ० ए० 32013/3/79 ई ० सं ० दिनांक 7 सितम्बर, 79 की प्रधिसूचना सं ० ए० 32013/3/79-ई ० सी ० तथा दिनांक 18-9-79 की प्रधिसूचना सं ० ए० 32014/3/79-ई ० मी ० तथा दिनांक के कम में सहानिदेशक नागर विमानन निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को, जो इस समय सहायक नकनीकी प्रधिकारी के रूप में नवर्ष प्राधार पर कार्य कर रहे हैं दिनांक 20-8-79 से सहायक तकनीकी प्रधिकारी के ग्रेड नियमित प्राधार पर नियुक्त करते हैं प्रौर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशनों पर तैनात करते हैं :---

कम सं०	नाम	तनाता स्टेमन
1	2	3
मर्बश्र	<del></del>	
1. एस०	त <b>ड़कसे</b>	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
2. ए०पी	० सदानन्दम	वैमानिक संचारस्टेशन, कलकत्ता

. 1	2	3
3.	श्रार० एस० सोखे	वैमानिक संचार स्टेणन, नई दिल्ली
4.	के ०एम ० स्नानन्द	वैमानिक संचार स्टेशन, ८.यपुर
5.	वी ० प्रार ० ग्रनन्तरमण	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
6.	के०वी० जार्ज	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
7.	ण्म०डब्ल्यू० श्रोती	वैमानिवः संचार स्टेशन, बम्बई
8.	एम०के० कृष्णन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
9.	एस ० के ० राई	वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास
10.	कुलवन्त मिह	वैमानिक संचार स्टेशन, भुवनेण्वर
11.	एन० वेंकटसुक्रह्मण्यन	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
12.	केशो नाथ	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई
13.	भ्रार ०एन ० मेहता	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम

ग्नार ० एन ० दास, सहायक निदेशक प्रशासन

# केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुरुक समाहर्तालय पटना, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

सं $\circ$ -II(7)2-०ई० आई/79/11990—इस कार्यालय के स्थापना घावेश संख्या 309/78, दिनांक 10-11-78 और 310/78, दिनांक 10-1 के के अनुमार निम्नलिखित निरीक्षकों को ६० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो० 40-1200/- तथ. नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थानापन्न प्रधीक्षक, ग्रुप बी" केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क के रूप में प्रोन्तन किया गया। उपर्युक्त, श्रादेशों के श्रनुसरण में उनके नाम के सामने दिखाये गये स्थान, तिथि श्रौर समयानुसार कार्यभार ग्रहण किया।

<del></del> ऋम	म्, नाम	जहां पद स्थापित किये गये	कार्यग्रहण की तिथि
1	2	3	4
	सर्वश्री ः		
1.	सी एग० जेराई	श्रधीक्षक, के० उ० शु० (नि०), जमग्रेदपुर	28-11-78 (पूर्वाह्न)
2.	तारीणी प्रसाद	 ग्रधीक्षक, सीमा णुरुक, सिमराही, (सहरसा)	29-12-78 (पूर्वाह्न)
3.	महेश चन्द्र प्रसाद	भ्राधीक्षक, के० उ० गु०, पटना (एस० म्रार० पी० <u>।</u> )	8-2-79 (पूर्वाह्न)
4.	तारकेश्वर नाथ सिंह	<b>ग्रधीक्षक</b> , के० उ० <b>शु० पटना प्रमण्ड</b> ल	17-11-78 (पूर्वाह्म)
5.	रेवती रमण सिन्हा नं० 1	अधीक्षक, सीमा गुल्क, मुजफ्फर पुर,	16-12-78 (पूर्वाह्म)
6.	लखन लाल .	 श्रधीक्षक, के० उ० गु०, करनपुरा (एस० ग्रार० पी०)	30-1-79 (पूर्वाह्म)
	कृष्ण कुमारसिन्हा .	ग्रधीक्षक, (स्वर्ण) <mark>(</mark> नि०), पटना	15-11-78 (पूर्वाह्न)
	बलराम प्रसाद	ग्रधीक्षक, सीमा णुल्क (नि०), रक्सौल	5-12-78 (पूर्वाह्म)
	ग्रहमद बसीर .	अधीक्षक, सीमा णुल्क गड़हड़ा, ट्रान्सिपमेंट यार्ड	12-3-79 (पूर्वाह्म)
	कल्याण कुमार राय	<mark>प्रधीक्षक, के</mark> ० उ० गु० जामावे <b>बा</b> (एस० भ्रार० पी०)	16-1-79 (पूर्वाह्स)
	विनध्याचल सिंह	 <b>ग्र</b> धीक्षक, सीमा णुल्क, मुजफ्फरपुर.	20-11-78 (पूर्वाह्न)
_	राजेक्वरी प्रसाद	 म्रधीक्षक, के० उ० शु० (नि०), धनबाद	16-11-78 (पूर्वाह्म)
	मुस्ताक म्रालम	 म्रधीक्षक, के० उ० गु० महुदा (एस० म्रार० पी०)	19-1-79 (पूर्वाह्म)
	सुन्नतो बनर्जी .	ग्रधीक्षक, हजारीबाग, (एस० श्रार० पी०)	12-12-78 (पूर्वाह्म)
	राम छबीला प्र०सिंह	 ग्रधीक्षक, के० उ० गु०, बरकाकाना (एस० ग्रार० पी०)	29-1-79 (पूर्वाह्म)

1	2	 		3	4
16.	हरि प्रसाद दुबे			श्रधीक्षक, सीमा शुल्क (नि०), फारविसगंज,	28-11-78 (पूर्वाह्म)
17.	हजारी सिंह			<mark>प्रधीक्षक, के</mark> ० उ० मु०, पूर्णिया रेंज,	16-3-79 (पूर्वाह्न)
18.	जनार्दन प्रसाद सिंह	•		ग्रधीक्षक, के० उ० गु०, सिजुग्रा, (एस० श्रार० पी०)	17-11-78 (পুৰক্ষি)
19.	मन मोहन पान्डे			<b>प्रधीक्षक</b> , के० उ० णु०, बेरमो	29-11-78 (पूर्वाह्म)
20.	के० सी० चक्रवर्ती			मधीक्षक, के० उ० गुँ०, बरौनी, (एस० म्रार० पी० रेंज)	23-11-78 (पूर्वाह्म)
21.	गजेन्द्र प्रसाद		,	<b>श्र</b> धीक्षक, के० उ० शु०, हटिया रेंज,	20-11-78 (पूर्वाह्न)
22.	रधुनाथ चौधरी			ग्रधीक्षक, के० उ० ग्०, भौवरा, (एस० ग्रार० पी०)	27-2-79 (पूर्वाह्न)
23.	लक्ष्मी नारायण			श्रधीक्षक, के० उ० मु०, पटना (एस०भार० पी०)	20-11-78 (पूर्वाह्न)
24.	सुबोध चन्द्र मुखर्जी	•		<b>श्र</b> धीक्षक, सीमा शुरुक, किसनगंज	26-12-78 (पूर्वाह्न)
25.	रणवीर प्रसाद			श्रधीक्षक, के० उ० गु०, कुसुनदा (एस० भ्रार० पी०)	27-11-78 (पूर्वाह्न)
26.	सीता राम मिश्रा			श्रधीक्षक, के० उ० गु०, मुगमा, (एस० श्रार० पी०)	18-1-79 (पूर्वाह्म)
27.	रामयश चौबे			अधीक्षक, के० उ० गुँ०, (एस० ग्रार० पी० रेंज, सौनारडीह)	22-1-79 (पूर्वाह्न)

डी० के० सरकार, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, पटना

# नौबहन श्रौर परिवहन मंत्रालय नौबहन महानिदेशालय बम्बई-400001, विनांक 9 श्रक्तूबर 1979 बाणिज्य नौबहन

सं० 6(2)-सी० श्रार० ए०/79—नौवहन महानिदेशक, बम्बई एतद द्वारा श्री जे० पी० पिटो को 8 श्रास्त, 1979 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न सहायक निदेशक, नाश्रिक नियोजन कार्यालय, बम्बई के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधु नौबहुन उप महानिदेशक

#### केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 10 सितम्बर 1979

सं० 19013/5/79-प्रशा०-चार, —- ग्रध्यक्ष केन्द्रीय जल श्रायोग श्री ए० पी० खन्ना को श्रितिरिक्त सहायक निदेणक (हाइड्रोमेट)के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 16-8-79 (पूर्वाह्म) से, श्रगको श्रादेण तक, पूर्णतः श्रस्थायी एवं तदर्थ श्राधार पर एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं। श्री खन्ना को केन्द्रीय बाढ़ पूर्वानुमान डिवीजन, लखनऊ में पदस्थापित किया जाता है।

> जं० के० साहा, श्रवर मचिव **कृते भ्र**ध्यक्ष, केन्द्रीय जल भ्रायोग

# नई दिल्ली-22, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1979

#### शद्भि-पत्र

सं० ए० 19012/715/78-प्रणा०-पांच--इस आयोग की ग्रिधिसूचना सं० ए-19012/707/78-प्रणा०-पांच, दिनांक 2--296 GI/79 24-7-1978 की कम सं० 6 में विखाई गई श्री एम० बी० देसाई, पर्यवेक्षक की पदोन्नित की तारीख 6-6-78 (पूर्वा) के स्थान पर 29-5-78 (पूर्वाह्म) पढ़ा जाए।

> जे० के० साहा, श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

# निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1979

सं० 27-ई० एन०(13)/75-ई० सी०-II--श्री एल० एन० नर्सिमह्न कार्यपालक इंजीनियर जो मुख्य इंजीनियर (सतर्कता) के० लो० नि० वि०, निर्माण भवन, नई दिल्ली के कार्यालय में काम कर रहे हैं, मूल नियम 56 (के) के प्रावधान के प्रधीन दिनांक 31-7-1979 (दोपहर बाद) को मरकारी सेवा मे स्वैच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हो गए है।

सु० सु० प्रकाशराय प्रशासन उप निदेशक इते निर्माण महा निदेशक

## नई दिल्ली, दिनांक 31 श्रगस्त 1979

मं० 1/296/69-ई० सी०-9—इम विभाग के मुख्य वास्तु-विद, श्रीमान सिंह एम० राणा वार्धक्य की श्रायु प्राप्त करने पर मरकारी सेवा से दिनांक 31-8-1979 (श्रपराह्न) को सेवा-निवृत्त हो गए।

#### दिनाक 4 श्रक्तूबर 1979

सं० 1/211/69-ई० सी०-9---निर्माण ग्रीर श्रावास मंत्रालय के 1979 के कार्यालय ग्रादेश मं० 430 के श्रनुमरण में श्री एच० आर० लारोया के एक विशेषक्र के नाते यू०एन० डी०पी० के ग्रन्तर्गत स्वेजीलैण्ड में संयुक्त राष्ट्र के नियत कार्य से स्वदेश लौटने पर उन्होंने के० लो० नि० वि० के मुख्य वास्तुविद के नाते रुपये 2250-125/2-2500-द० रो०- 125/2-2750 के वेतनमान में 18-9-79 (पूर्वाह्न) से कार्यभार संभाल लिया है ।

हर्ष देव सिन्हा, प्रणासन उपनिदेशक

#### मध्य रेल

बम्बई वी॰ टी॰, दिनांक 29 सितम्बर 1979

सं० एच० पी० बी०/220/जी/-II-एन---निम्नलिखित महायक सिग्नल एवं दूर संचार इंजीनियरों (श्रेणी-II) को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है।

नाम श्रेणी दो की सेवा
में स्थायीकरण की
तारीख
श्री डी० पिटो 9-2-1972
श्री एस० सी० मिश्रा 1-3-1975

कृष्ण **च**न्द्र महाप्रबन्धक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंद्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)
कम्पनी विधि बोर्ड
कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी रिजस्ट्रार का कार्यालय, श्रान्ध्र प्रदेश
कम्पनी अधिनियम, 1956 पोलियम पैकेजिज प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

हैदराबाद, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1979 सं० 1311/टी०ए०/560—कम्पनी श्रधिनियम की धारा 560 की खपधारा (5) के श्रनुसरण के हेतु द्वारा सूचना दी जाती है कि पोलियम पैकेजिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

> वी० एस० राजू कम्पनियों का रिजस्ट्रार औंध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर श्री दण्डायुद्दपानी हाई स्कुल कमिटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 4 श्रक्तुबर 1979

सं० 2864/560(5)/79~-कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री दण्डायुदपानी हाईस्कूल कमेटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० भ्रम्युतन कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कस्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर शाहजादा एन्ड शाहजादा लक्की स्कीमस (चिट फन्ड) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, विनांक ६ शक्तूबर, 1979

सं० जी०/फ्लेट/560-2541/6400—कम्पनी प्रधिनियम
1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के प्रनुसरण में
एतदहारा यह सूचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास
के प्रवसान पर णाहजादा एन्ड शाहजादा लक्की स्कीमस, (विट
फल्ड) प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिशात
न किया गया सो उक्त कम्पनी का नाम रिजस्टर से काट दिया
जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

सत्य प्रकाश तायल कम्पनी रजिस्ट्रार पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़ प्रकप भाई• टी• एत• एस•→

प्रायकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा** 269**व** (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता कलकता-19, दिनांक 9 मई 1979

निर्देश मं० 466/ए० कु० रें० III/79 80/कलकत्ता--श्रतः मुझे, भास्कर क्षेन भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसम इसके परवात् 'जनत प्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-व्यये से प्रधिक है

मीर जिसकी सं० 81/4 है तथा जो राजा एस० सी० मिल्लक रोड, कलकत्ता में स्थित है (मीर इससे इपाबड़ अनुसूधी में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता मिंधिनयम, कार्ति के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण मिंधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 181-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्तह प्रतिशत से मधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्त- विक क्य से कवित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त प्रिति-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी जन या अन्य भाक्तिकों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, बा धनकर भीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन भिम्नविधित न्यक्तियों, प्रचीत् :—

- (1) श्रीमती सुनीला चौधुरी, 81/4 राजा एस० सी० मल्लिक रोड, कलकत्ता-47। (म्रान्तरक)
- (2) श्री शिवत्रत भट्टाचार्य, 64 योधपुर पार्क, कलकत्ता 68।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं ।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध
  बाद में समान्त होती हो ; के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंतबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्योकरण:--- इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भर्य होगा, जो उस सद्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

समुचा 5.5 कट्टा जमीन साथ उस पर बनाया मकान का श्रविभक्त अर्धीण जो पौर सं० 81/4, राजा सुबोध चन्द्रं मल्लिक रोड, क्लकत्ता, थाना यादबपुर में स्रवस्थित ।

> भास्कर सेन, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 9-5-1979

प्रकप धाई॰ टी॰ एत॰ एस॰——— भायकर घिमियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भवीन सूचना

#### मारत सस्कार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-III 54, रफी अहमद किदबई रोड, कलकत्ता
कलकत्ता-16, दिनांक 9 मई 1979

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनियम मिनियम को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मिनिक है

स्रीर जिसकी सं० 81/4 है तथा जो राजा एस० सी० मिल्लिक रोड, करकत्ता में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 18-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमा। प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हा में किया नहों किया गया है:——

- (क) भ्रस्तरण से हुई किसी भाष को बावत उक्त भिन्नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
  - (ज) ऐसी कियो बार या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रधिनियम, या धन-कर ब्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त, मिधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्तनिया व्यक्तियों अर्थातः

- (1) श्रीमती सुनीला चौधुरी, 81/4 राजा एस० सी० मिल्लक रोड, कलकत्ता-47। (ध्रन्तरक)
- (2) श्रीताराव्रतभट्टाचार्य, 64योधपुरपार्क, कलकत्ता-68।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाह्यिं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूनता के राजपत में प्रकाशत की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रंधिनियम के ग्रम्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रम्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

समूचा 5.5 कठ्ठा जमीन उस पर बनाया मकान का ग्रविभक्त ग्राधीण जो पौर सं० 81/4, राजा सुबोध चन्द्र मल्लिक रोड, कलकत्ता, थाना यादबपुर में ग्रवस्थित।

> भास्कर सेन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

नारीख: 9-5-1979

प्रका धाई । टी । एत । एस ---

आयकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

#### 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सत्रायक भायकर भाय्कत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदबई रोड, कलक्ता-16 दिनांक 28 जून 1979

निर्देण मं० 475/एकुरें०--III/79-80/कलकता-- यतः, मुझे, भास्कर सेन,

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- स्पष् से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6-बी है तथा जो सुइनहो स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दूश्यमान प्रतिफन के निए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिशत से भ्रष्टिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि बिक्त में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जनत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम या घन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: धन, उन्त धिधितियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उन्त धिधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:-- (1) श्री मनीश्व कुमार गांगुली, 6-बी, सुद्दनहो स्ट्रीट, कलकत्ता।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं व्याजनीड़ को-ग्रापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 227-ए, रासिबहारी एवेन्यू, कलकत्ता, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्मवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के धर्नन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इन सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्वब्होत्तरग:--इयमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वही ध्रयं होगा जो उस भ्रद्धाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 12 छटांक 29 स्क्वेयर फुट जमीन जो 6-बी, मुइनहो स्ट्रीट, कलकत्ता पर श्रवस्थित है।

भास्कर सेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

वारोख: 2**8-**6-1979।

#### प्रकृप धाई • ही • एम • एस • ---

# मांगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्कण) अर्जन रेंज-I, 54, रफी अहमद किदबई रोड, कलकता कलकता-16, दिनांक 12 जुलाई 1979

निवेश सं० एस० एल० 497/टी० श्रार०-488/सी०-443/कलकत्ता-I/78-79—यतः मुझे, श्राई० वी० एस० जुनेजा,

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 25,000/- क से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० 8 है तथा जो प्रिटरिया स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नभेंट प्लेस, नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 12-1-1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाबार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए घन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से घषिक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) भीर घन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक के किये तय पाया गया प्रशिक्षण, निम्नणिवित उद्देश्य से जन्त घन्तरण लिखित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए। और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या ग्रन्थ धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीवित्यम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया चा; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निवे;

प्रतः, धन, उपतं प्रितियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त अधिनिया की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, प्रयादः—

- (1) सर्वंभी
  - (1) मोहनलाल गोर्येका
  - (2) सावरमल गोयेंका
  - (3) आत्माराम गोयेंका
  - (4) चन्द्रप्रकाश गोर्थेका

(मन्तरक)

(2) 1. विद्या मन्दिर सोसाइटी

(भ्रन्तरिती)

(3) 1. डियुटी कमिश्तर ग्राफ पुलिस (सिक्कुरिटी) पास पोर्ट, कलकत्ता।

> (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाझेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबधि या तत्संबंधी क्यांक्सियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सबधि, जो भी सबधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूजोंकत व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपन्न में प्रकाशन की तारी का से 4 के वित्त के मीतर उनत स्वायर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास सिव्यात में किए जा सकेंगें।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिक्षित्यम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस मध्याय में विया गया है।

## प्रनु**सूचो**

करीब 1 बीघा 18 कट्टा जमीन साथ उस पर बनाया दो तल्ला मकान जो 4, प्रिटरिया स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित है और जो रजिस्ट्रार भाफ एसुरेन्सेज, कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० श्राई-148/1979 के श्रनुसार है।

> भाई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16।

तारीख: 12-7-1979

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269 च (1) के मधीन सूचना

- भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, 54, रफी अहमद किदवई रोड, कलकत्ता कलकता-16, दिनांक

निर्देण सं० ए० सी०/रेंज-I/कलकत्ता/1979 80—
यतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख
के प्रधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—
इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 38 है तथा जो दारगा रोड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 25 जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान

पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर /या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भ्रभीन, निम्निसिखत क्यक्तियों, भ्रथीत→ (1) श्रीमती सुभा मित्र

(भ्रन्तरक)

(2) मुह्० ईसानुल हक

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरों।

स्पच्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त गड़ों झौर पदों का, जो उक्त भक्षिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषे होगा जो उस म्रज्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसू<del>ची</del>

38 नं० दारगा रोड कलकत्ता में भ्रवस्थित 3 कट्टा 25 वर्ग फीट जमीन 79, सालका I-395 डीड नं० भ्रनुसार रजिस्ट्रार भ्राफ ृ्एसुरेन्से का दफ्तर में रिजस्ट्री हुमा।

> माई० वी० एस० जुनेजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16।

तारी**ख**ः मोहरः प्रकृति प्राईण द्वाञ एवण एवज------

भायकर ग्रिश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के घषीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

कर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किदवई रीड कलकत्ता कलकत्ता-16 दिनांक 30 जुलाई 1979

निवेश सं० ए० सी० 45/रेंज |कलकत्ता/1979-80---थतः मुझे एस० के० दासगुप्ता,

लायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अश्रोत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- श्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संव दाग संव 496 है तथा जो हंसेश्वरी, शाना मगरा, हुगली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हुगली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए श्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत स्रधिक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरित (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रक्रिनियम के घ्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रधिनियम, था धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ शन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बार्जन, निकासिवत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) माधब प्रसाद मिल्र ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती योगमाया राणी घोष।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना बारो करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दो हरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त स्रिधिनयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

38, हंसेण्वरी रोड, थाना मगरा, जिला हुगली पर स्थित 0.076 एकड़ जमीन के सब फुछ जैसे कि 1978 का दलील सं० 100 में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-IV, कलकता-16।

तारीख: 30 जुलाई, 1979।

मोह्रः

प्रकल पाई• टी• एन॰ एस•----

प्रायकर प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 व (1) के प्रधीन मुक्ता

#### धारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-IV 54, रफीअहमद किदवई रोड कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 81 जुलाई 1979

निदेश सं० ए० सी० 49/रेंज 4/कलकत्ता/1979-80-यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता
पावकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गवा है),
कौ बारा 269-ख के जक्षीन सक्ष म प्राधिकारी को, वह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार
वृष्य 25,000/- घ० से धिक है
ग्रीर जिसकी दाग सं० 2552 है तथा जो थाना चिनसुरा,

मौर जिसकी दाग सं० 2552 है तथा जो थाना चिनसुरा, जिला-हुगली में स्थित है (भीर इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चिनसुरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-1979 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान अतिफल के निए सन्तरित की गई है मौर मृह्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मृश्य से उसके दृश्यमान अतिफल से पिए सन्तरित की गई है मौर यह कि सम्पत्त का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नकिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निवास करा का पाया गया प्रतिफल, निम्नकिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निवास गया है :---

- (क) भन्तरच से हुई किसी धाव की वाक्त, उक्त भवि-नियम, के धवीन कर देने के भन्तरक के वास्तिव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया थया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः, ाव उन्त धिविनयम की धारा 269म के अनुसरण में, में उत्तत अधिनियम की बारा 269 म की उपवारा (1) के अधीन निम्माविकत व्यक्तियों, अर्थात् ।—— 3—296G1/79 (1) श्रीनती अशोका राणी घोष

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमनी इलाबतीदत्त, शीबश्रंत दत्तं तथा देवग्रत दत्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

धनत सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी पाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकातन की तारीज से
  45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो
  भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताकारी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

ह्पस्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पवों का, जो उक्त प्रक्षित्यम, के भव्याय 20-क में परिमाधित है, वही धर्ष होगा को उस भव्याय में विया गया है।

## प्रमुची

जिता-हुगली, थाना-चिनसुरा, जे० ए**ल० सं० 19,** खतियान सं० 200, दांग सं० 2552, होल्डिंग सं० 53/ 47 स्थित .096 एकड़ जनीन के सब कुछ जैसे कि 1979 का बलील सं० 181 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16।

तारीखः 31 जुलाई, 1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज -1,54 रफीअहदद किंदबईरीड, कलकत्ता कलकत्ता 16,दिनांक 1 भगस्त 1979

निर्देश सं० एस० एल० 498/डी० ग्रार०-494/सी० कल हला-1/78-79—यतः, मुझे, ग्राई० वी० एस० जुनेजा ग्रायकर भित्रनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के धन्नीन महाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- हपए से भिन्न है

भीर जिसकी सं० 38 है तथा जो भ्रोये लिंगटन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भ्रोर इसके उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लकलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-1-1978 को

पूर्णोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरण से हुई किसी आप की वाबत उक्त ग्रीवित्यम के अवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बक्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रम्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर भिव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्यतियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के किए;

अतः मब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भनुमरण में, मैं, बक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखन व्यक्तियों, धर्मात्:--- (1) श्री कनक लाल साहा

(प्रन्तरक)

- (2) श्रोलिंगटन कोपरेटिव हाऊर्सिंग सोसाइटी लिमिटेड (श्रन्तरिती)
- (3) कलकत्ता डाई एन्ड क्लीनिंग की (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) सर्वश्री
  - एस० एम० पाईन,
  - (2) एम० के० चटर्जी
  - (3) श्रमल बनर्जी
  - (4) रमेश साहा
  - (5) ए० के० घोष
  - (6) एन० के० घोष
  - (७) एस० एन**० घट**र्जी
  - (8) निलय कुमार घोष।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक्तें।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ्रीधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

38 नं० निर्मेल चन्त्र दे स्ट्रीट (38, स्रोगेलिंगटन स्ट्रीट)
मैं 4 कट्ठा 440 वर्ग फीट जमीन पर स्रांशिक एक तल्ला
भीर भीशिक दो तल्ला मकान जो 79 साल में डीड नं०
81 का स्रनुसार रिनस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेज में रिजस्ट्री हुआ।

म्राई० बी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, कलक्ता-16

सारीख: 1-8-1979

प्रकृप भाई • दो • एत • एस •-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269व (1) के संधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज- $\Pi$  54, रफीअहमद किदवई रोड, कलकत्ता कलकता-16, दिनांक 2 भगस्त 1979

निर्देश सं० ए० सी० 19/रेंज-/-II कलकसा/1979-80—.
यतः मुझे, एस० सी० यादव
बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा
289-ध के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8-ए है तथा जो श्रलीपुर रोज, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलक्सा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-1979

16) के अधान, ताराख 16-1-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रात्तफल के लिए प्रत्यरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रात्तफल के, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पल्डह प्रतिशत सधिक है और धन्तरक (पन्तरकी) भीर पन्तरिती (प्रश्तरितयों) के बीच ऐसे प्रत्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त धन्तरण कि खिल में बास्त- विक अप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी धन या प्रस्थ बास्तियों को, जिन्हें भाषकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मारिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या वा किया जाना चाहिए था, कियाचे में सुविधा के लिए;

यतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरव में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व को क्य-धारा (1) के अधीन निम्मविक्ति व्यक्तियों वर्षाद्यः--- (1) श्रीमती कमला जिन्डास ।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती देविका चक्रवर्ती।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वीनत संपत्ति के धर्जन के जिल् कार्यशाहियाँ करता हूं।

उन्ह संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी खाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्याध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की धर्याध, जो भी धर्याध बाद में समान्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्शे का, जो धिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मनु**सूची

8-ए, भ्रतीपुर रोड, कलकत्ता में 4था मंजिल का 5 नं॰ प्लैट का भाधा भंश है, फ्लोर स्पेस 1000 वर्ग फुट।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

तारीख: 2-8-1979

मोह्नर :

# प्रकप साई० टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269क (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, 54, रफीअहमद किदबईरोड, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 3 प्रगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 20/रेंज II/कलकत्ता/1979-80— यतः मुझे एस० सी० यादव भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से भिष्ठिक है

ग्रीर जिसकी सं० 8 ए है, तथा जो श्रलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रवजस्त्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ग्राफ आसुरेन्सेस कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रश्रीन तारीख 24-1-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके बृयक्मान प्रतिकल से, ऐसे बृयक्मान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्तलिक त उद्देश्य से उचत अन्तरण निक्कित में बास्तविक अप से कथित नहीं किया वया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत सर्वि-नियम के सबीत कर देने के सन्तरक के दायित में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (स) ऐसी जिसी घाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रम्तरिकी हारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

धतः धव, उरत धिविनयम नी घारा 269-न के अनुसरण में, में, उनत धिविनयम, की बारा 269-व की उपकारा (1) के मधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, धर्मीत् :---- (1) श्रीमती कमला जिन्डाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी डालमिया

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिजित्यम के भ्रध्याय 20-मा, में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विधा क्या है।

# धनुतूची

8ए, म्रलीपुर रोड, कलकत्ता, ध्रवस्थित तीसरा मंजिल में एक फ्लैट का ग्राधा ग्रंग है। जमीन का पश्चिमान 2000 वर्ग फुट है।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राजुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेंज-I<sup>I</sup>, कलकत्ता

तारीख: 3-8-1979

मोहरः

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) क अधीन भूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 54, रफीअहमद किदबईरोड, कलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 3 ग्रगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-21/रेज-II/कलकता/1979-80--यतः मुझे एस० सी० यादव
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पनि, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8 ए है तथा जो श्रनीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-1-1979 को

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के वाँवत बाजार पृथ्य से कप के वृष्यमान प्रतिकल के लिए पम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त लग्गत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके इष्यमान प्रतिकल में, ऐस दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धम्लरक (धम्लरकों) और धम्तरिता (अम्तरितियां) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्ध्य से उन्त पम्तरण लिखित में वास्त्रिक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (स) अन्तरण से हुई सिसी आय की बाबत, खनत प्रावितियम के प्रधीन कर देन के प्रत्यरक के दायिस्व में क्ष्मी करने या उससे बचने में सुविशा के सिए; धीर/वा
- (क) ऐसी लिसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हों भारतीय भाय-कर मिसिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिसिनियम, या धन-कर धिनियम, या धन-कर धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः अम, उक्त पश्चिमियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त धश्चिमियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मुरलीधर जिन्दाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशीला देवी डालमिया

(भ्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके <mark>ग्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उत्तर वं।ति ल प्रतेत ह पत्रंध में काइ भी सक्षेपः—–

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन को ताराख से 45 चिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताप्रोल से 30 दिन की मजधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भातर पूचोक्त व्यक्तियों में से किसी वाक्ति वारा;
- (स्त्र) इस मुचना क राजपत्र में प्रकारन की नारीख से 45 विन क भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी यन (अधिक) द्वारा प्रधीहस्तावना के पात्र निखित में किए क प्रकरी।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें अयुका शब्दां भीर गदी हा, जो उक्त श्रिकि नियस, के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उन पथ्याय में दिना गया है।

## धनुसूची

8ए, भ्रलोपुर रोड कलकत्ता, श्रवस्थित तीसरा मंजिल में एच फ्लैट का श्राधा श्रंश है। जमीन का परिमान 2000 वर्ग फीट।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, कलकत्ता

तारीख : 3-8-1979।

मोहरः

प्रकृप साई• टी• एन• एस०----

भारकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369 घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्तम, सहायक जायकर प्रामुक्त (निरोक्कण)

भर्जन रेंज 54, रफीअहमद किदबई रोड, लकलकत्ता कलकत्ता-16, दिनांक 3 भगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-18/रेंज-II/कलकता/1979-80--यतः मुझे एस० सी० यादव
बायकर ग्रांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इमके पश्चात् 'उक्त ग्रांधनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के ग्रांधन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कसे अधिक है

श्रीर जिलकी सं० 8ए हैं तथा जो श्रलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-1979 को

16) के अधीन, तारीख 16-1-1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिचल
के लिये प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है
और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के भीण
ऐसे अन्तरण के सिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त भन्तरण शिक्ति में वास्तिक कप से कथित नहीं किया
गया है !----

- (क) अन्तरण से हुई किसी याय की वायत छक्त अधि-नियम के प्रधीन कर हेने के प्रकारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौद/या
- (ध) ऐती किसी पाय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिविनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकनलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ा--- (1) श्री मुरलीधर जिन्हाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती देविका चक्रवर्ती

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आधीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 48 दिन की भविष्ठ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितवढ़ किसं अन्य अपनित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकिस में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें अपूक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही भयें होगा, जो उन घटनाय में दिया गया है।

## धनुसूची

8ए, मलीपुर रोड, कलकत्ता में 4या मंजिल का 5 नं॰ फ्लैट का माधा मंग है। फ्लोर स्पेस 1000 वर्ग फीट।

> एस० सी० या**दव** सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्**त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, कलकत्ता

तारीख: 3-8-1979

प्रकृप माई॰ टी॰एन॰ एस॰----

आयसर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज III

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कबकत्ता-16 कलकत्ता, दिनांक 4 धगस्त, 1979

निदेश सं० 484/एकु रे० III/79-80/कलकत्ता— श्रतः मृझे भास्कर सेन भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका स्वित बाजार मृत्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 1 है तथा जो विवेकानन्द रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तर के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्देश्य से अन्त अन्तर्य लिखित में बास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धर्षिनियम के ध्रवीन कर देने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घर्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर घांधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घांधिनियम, या घन-कर घांधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः भव, उनत भधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उनत भिधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री बाबूलाल दुगर, 15, निम्मेंल लोहिया लेन, कलक्ता

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सोहनी देवी क्षेत्रिया, 1, विवेकानन्य रोड, कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

(4) सर्वश्री बिमल कुमार सेथिया, प्रेम दास सेथिया गौर देवि सेथिया चैनरूप सेथिया सागर दुगार (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधो-ध्रस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचता जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भ्रज्नेत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की घविध या तरसम्बन्धी क्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्वों का, जो उन्त अधि-नियम के प्रभ्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस प्रभ्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 5 कट्ठा 2 छटांक 2 वर्ग फुट जमीन साथ उस पर बनाया मकान का भविभक्त 1/10 हिस्सा जो 1, विवेका-नन्द रोड, कलकता पर भवस्थित है।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज III, कलकसा।

तारीख: 4-8-1979

प्रकप माई • टी • एत • एस • ————— मावकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्राजैन रेंज-IV कलकत्ता
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16
कलकता, दिनांक 9 श्रागस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 53/रेंज 4/कलकत्ता/1979-80---यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

भाषाकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- स्पर्य के प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० खितयान सं० 1095 है तथा जो मौजा श्रंकुरहाटि माकरदा, हावड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हाबड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान श्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तस्त्र श्रिकात धिषक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण चिचित में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) क्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत छक्त प्रक्षितियम के अधीन कर दैने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या ःससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (छ) ऐसी किसी प्राय पा किसी यन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः अव, उक्त घितियम की धारा 269-ए के सनुसरण में, सें, उक्त घितियम की घारा 269-ए की उपधारा (1) के अवीन निम्नजिबित व्यक्तियों अर्थात:— (1) सर्वेश्री प्रदीप कुमार मंखल, सुसान्ता कुमार मन्डल, नारायन मन्डल, श्रीमती रेखा मन्डल, जोत्स्ना मन्डल, चम्पा मन्डल, श्रीमती गायित्री इलमी, चन्डी मन्डल, एवं प्रलोक लता मन्डल।

(ग्रन्तरक)

(2) भैसर्स चेमिको प्रोडक्ट्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बग्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निलात में किए जा सकेंगे।

रपब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थं होगा जो उस प्रष्याय में विया गया है।

#### अनसची

खाँतियान सं 1095, मीजा श्रंकुरहाटि, मारकटा, हावड़ा स्थित 11 कट्ठा 3 छटांक जमीन पर स्थित मकान के सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं 53 में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीखा: 9-8-1979

त्ररूप धाई • टी • एन • एस • —-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54,रफीअहमद किदवाई रोड क्ष्लकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 9 म्रगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 54/रेंज-IV/कलकत्ता/1979-80---यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता

आधकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रश्निनियम' कहा गया है), की धारा 269-सा के प्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खतियान सं० 1095 है तथा जो मौजा भ्रंकुरहाटि माकरटा, हाबड़ा में स्थित **है (भ्रौ**र इससे उपाब**ढ़** प्रभुसूचो में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-हारो के कार्यातय, हावड़ा में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 8-1-79 को उप्पित बाजार मूल्य से कम के को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए ग्रन्तरित की दुश्यमान प्रतिफत्त विश्वास करने का कारण ग्रीर मुझे यस यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान से ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कवित्र नहीं किया गया है :---

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रिक्षि-नियम के भ्रमीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिसिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिसिनयम, या धनकर भिरित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव, उक्त मिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निक्निलिखित अपक्तियों, अर्थात्: --- 4--296GI/79

(1) सर्वश्री प्रवीप कुमार मन्डल, सुसांवा कुमार मन्डल, नारायन मन्डल, रेखा मन्डल, जोत्सना मन्डल, चम्पा मन्डल, गायिली डालमी चन्डी मन्डल, श्रलोकलता मन्डल।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स चे मिको प्रोडक्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

#### अनुसूची

खतियान सं० 1095, मौजा श्रंकुरहाटि, मारकटा, **हाबड़ा** स्थित 17 कट्ठा 13 छटांक 18 वर्ग फुट जमीन पर स्थित मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 52 में और पूर्ण रूप से विणित हैं।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकता-16।

तारीख : 9 **प्र**गस्त, 1979

# प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भायकर भिषित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्गालय, महायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रगस्त, 1979

निर्देश सं० ए० सी० 55/रेंज-4/कलकता/1979-80—
यतः मझे एस० के० दासगप्त
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण
है कि स्यावर समाति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/वर्ष से धिक है

और जिसकी ताज सं० 3075 हैं, जो मौजा नरीस जिला बर्धमान में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रासनसोल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-1-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिक्त के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उधित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्तल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल के पन्तर्ह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण, लिखित म वास्तरिक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी प्राप की वाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य भ्रास्तियो, की, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रिधितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधितियम या धन-कर भ्रिधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिद्या के लिए,

भतः भन, उका भिवित्यम को भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिभित्यम, की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्तिनिधित व्यक्तियों, भर्षात्:— (1) श्रीमती सरोजिनी चाटार्जी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम नारायन गुप्त

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वौक्त सम्पत्ति के मर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेपः ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ञ्च) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताश्वरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरबडीकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभावित हैं, वही भ्रषे होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# धनुसूची

खितियान सं० 2959, ताज सं० 3075, मौजा नरिसवानु बार्नपुर, जिला बर्धमान, स्थित 0.06 एकड़ जमीन के पर स्थित माकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 261 में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं।

एस० के० दासगुप्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) 54 रफीअहमद किद**वाई** रोड ंध्रजैन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख: 9-8-1979

# प्रकप माई• टी• एन• एस•---

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) से घंधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यावय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-Шा कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 22 ग्रगस्त, 1979

निदेश सं० 558/एकु० रें०-111/79-80/कलकता—
प्रतः मुझे भास्कर सेन
पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पण्यात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख
के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-६० से
अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 24 सी० ग्राई० टी० स्कीम सं० XLVII है तथा जो राजा बसन्त राय रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्ग्णत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिषक है और धन्तरक (अश्वरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी धाय को बाबत, जनत धिनियम के प्रधीन, कर देने के धम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के विष; धौर/या
- (क) ऐसी किसी माय या किसी मन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिमियम, या घन-कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के निए;

यत: ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नखिखित म्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) सर्वेश्री
  - 1. क्रुष्न प्रसाद दासगुप्त
  - 2. सती प्रसाद दासगुप्त
  - 3. निर्माल्य दासगप्त
  - 4. कल्यानी दासगुप्त
  - 5. धुलसी सेन
  - 6. कल्याणी दासगुप्त

पता 4/14 एकडालिया रोड, कलकता।

(भ्रन्तरक)

(2) शिभगक्ति कोन्नापरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड 3 मंगो लेन, कलकत्ता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त धाव-नियम, के भध्याय 20-क में परिमाणित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 5 कठ्ठा 15 छटांक 6 वर्ग फुट खाली जमीन जो प्लाट सं० 24, सी० ग्राई० टी० स्कीम सं० XLVII राजा बसन्त राय रोड में ग्रबस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54 रफीअहमद किदबाई रोड ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 22-8-1979

प्ररूप आई • टी ॰ एन ॰ एस ॰--

# मायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269ष(1) के सभीन सुचना

## भारत इंसरकार

कार्यालय, सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 धगस्त, 1979

निर्देश सं० 556/एकु० रें०-III/79-80/कलकता—प्रतः, मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घिषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- स्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 66 है तथा जो सोभाबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूधी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 18-1-1979 को

16) के प्रधीन, तारीख 18-1-1979 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के धंधीन कर देने के सम्प्रदक्क के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिंचियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिंचियम या घन-कर घिंचियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, में, उन्त भिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन मिम्नसिन्ति व्यक्तियों, अर्थात्।--- (1) श्री श्रसित कुमार घोष, 47, पाथुरियाघाटा स्ट्रीट, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दुर्गीदास साहा ग्रौर कालीदास साहा, 2 सोभाबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पब्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भिविषम के अध्याय 20—क में परिभा<sup>ति</sup>त हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

करीब 6 कट्ठा 3 छटांक जमीन जो सं० 66 सोभाबाजार स्ट्रीट, कलकत्ता पर श्रबस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54 रफीअहमद किदवाई रोड ग्रर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता-16

तारीख: 23-8-1979

## प्रकप चाई•टी•एन•एस•-----

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 मगस्त, 1979

निर्देश सं० सी० 30 रेंज-I/क्ल०/19 एस० सी० यादव आयकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके पश्चात् 'उक्त प्रधिनिधम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उजित्र बाजार मूल्य 25,000/- क्ष्प से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 9/4 है तथा जो सेवेन टैंक लेन, कलकत्ता-30 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकाधी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एसुरेन्सेज, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जोवत बाजार मूस्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित को गई है धौर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार मूल्य, उनके दूर्यमान प्रतिकत से, ऐसे दूरयमान प्रतिकल का स्टूह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) घौर प्रस्ति (प्रस्तरितियां) के बाव ऐस अन्तरक का लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में सास्तविक कर स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण स तुई किसो भाय की वाबत, उक्त भावि। नियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घथ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनायं घन्तिरिती द्वाच्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने मंसुनिधा के लिए।

यतः धन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री सुरेन्द्र नाथ बेरा, 9/4ए, सेवेन टैंक लेन, कलकत्ता-30। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सावित्री बोस, 1/2, राजा बागान लेन कलकत्ता-30।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई मी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रम्थ क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्छोकरण ।--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रम होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

## **मनुस्**ची

नं० 9/4-ए, सेवेन टैंक लेन पर स्थित 3 कट्टा तथा 39 वर्ग फुट जमीन श्रीर मकान का श्राधा हिस्सा।

> एस० सी० यावव श्व सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुत (निरीक्षण) 54, रफी अहमद किदवई रोड श्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

तारी**ख** : 24-8-1979

प्रकप भाई• टी• एन• एस•-

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यानय, महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 24 ग्रगस्त 1979

निदश सं० ए० सी०/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80--प्रत:, मुओ, एस० सी० यादव

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु• से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 9/4 ए हैं तथा जो सेवेन टैंक लेन, कल-कत्ता-30 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ इंगोरेन्स में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से प्रक्रिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माथ की बावत उक्त अधिनियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी अरने या उससे अवने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या धन्य ग्रास्त्यों को, जिन्हें भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अधः, उत्त अधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की घारा 269-च की क्वजारा (1) अधीन, विक्वितियत व्यक्तियों, सर्वात् !--- (1) श्रीमती विद्युत लता बेरा, 9/4ए, सेवेन टैंक लेन, कलकत्ता-30।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री बोस, 1/2, राजा बागान लेन, कलकत्ता-30।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रक्रंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भो भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
  प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस पूर्वना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ स्थक्ति द्वारा, ग्रधोइस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जासकोंगे।

स्वदक्षीक्षरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पढ़ों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रष्ठवाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, को उस धश्यक में दिया गया है।

#### धनुसूची

नं० 9/4-ए, सेवेन टेंक लेन पर स्थित, तीन कट्टा 39 वर्ग फीट जमीन श्रौर मकान का श्राधा हिस्सा।

> एस० सी० यादव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 24-8-1979

प्रकप धाई । दी । प्र एस ----

धायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के सभीत मूचना धारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० सी० 56/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80—यत:, मुझे, एस० के० धासगुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रज्ञीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व०

से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट सं० 2956 हैं तथा जो मौजा रानीगंज म्युनिसिपिलटी जिला बर्दबान में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रानीगंज में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिये भस्तिरत की गई है भीर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उत्तके बृश्यमान प्रतिफल का पत्वह प्रतिशत से धिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिशि (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरक के लिए तम पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से खक्त भन्तरक लिखित में वास्तिक कप से किंवत नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रसारत से हुई किसी आय की बायत उपन धिन निषम के ध्रधीन कर वेने में धन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी घन या प्रश्न भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाषकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर भिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भगरिती जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहियेथा, जिल्लाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उसा प्रतिनियम हो बारा 26 अना के बनुसरण में, में, उल्त प्रतियम की धारा 269-ज को उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिज्ञित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मोहनलाल लयालका

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम भ्रवतार बाजोरिया, श्री बम प्रकाश बाजोरिया, श्री राम गोपाल बाजोरिया। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरकेपूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करताहूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रुपब्हीकरण:—डसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहां धर्ष होगा, को उस ग्रह्माय में दिया गया है।

## प्रमुखी

मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी, जिला बर्दबान पर स्थित 2449 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 की दलील सं० 59 में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-[V, कलकत्ता-16।

तारीख : 1-9-1979

प्ररूप आई• टी• एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 89-म (1) क अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्ल (निरीक्षण)

प्रजेंन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० सी० 57/रेंज-IV /कलकता/1979-80---आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 25,000/- **२० से प्रक्रिक** है भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2956, 2950 है तथा जो मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी, जिला बर्दवान में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रानीगंज में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अगैर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे वृश्यमान मधिक है और धन्तरक रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखितमें वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायिरब में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐनी किनी आय या किसी वन या अन्य आस्तिभी को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिष्टिश्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के लिए;

अतः श्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त मिश्रनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— (1) श्री मोहनलाल लयालका

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिराजी देवी बाजोरिया

(ग्रन्तरिती)

को यह मूनना जारी ६२के पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस मूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 43 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अवधि, जो भी भवधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारोख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित45 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के
  पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रश्नेतीमा जो उस प्रश्नाय में दिया मया है।

#### अनुसूची

मौजा रानीगंज म्यनिसिपैलिटी जिला बर्दवान पर स्थित 2449 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैपे कि 1979 दलीन सं० 60 में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IV, कलकला

तारीख: 1-9-1979

प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर धर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के धर्धीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता कलकत्ता, विनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं० ए० सी० 58/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80—
यतः मुझे एस० के० दासगुप्ता
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य
25,000/- इपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सं० 2956 और 2950 है तथा

स्रोर जिसको स० प्लाट स० 2956 स्रोर 2950 है तथा जो मौजा रानीगंज म्युनिसिपैलिटी, जिला बर्षवान में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रानीगंज में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सारीख 8-1-1979 को

तारीख 8-1-1979 की पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का सचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से भिन्न है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण निक्ति में वास्तिव क कप से कबित नहीं किया गया है:—

- ( त ) श्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के घडीन कर देने के घन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः प्रवः, उक्त अधिरियम की धारा 26 %-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रक्षिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मनिखित व्यक्तियों, प्रवात्ः— 5—296GI/79 (1) श्री मोहनलाल लयालका

(मन्तरक)

(2) श्रीमती भगवती देवी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रता नारो करके पूर्वोक्त नम्यति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इप पुवना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

हाक्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रक्वों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20क में परिभावित है, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

#### प्रमुख्यो

मौजा रानीगंज ृम्युनिसिपैिलटी जिला बर्दवान पर स्थित 2667 वर्ग फुट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 दलील सं० 61 में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 1-9-1979

# प्ररूप नाई • टी • एन • एस • ----

# मायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 2694 (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ए० सी० 59/रेंज-4/कलकत्ता/1979-80--यतः मुझे एस० के० वासगुप्ता

मायकर प्रिविनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के बसीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 14 है तथा जो टी० एन० चटर्जी स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन्न श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कासीपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-2-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत धिक्क है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरितों (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित में वामनकित स्थान कियान निवास में वामनकित स्थान कियान निवास में

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (बा) ऐपी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय भन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः प्रव, उश्व चिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरक में, में, उक्त चिधिनियम, की धारा 269-र की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत् :-- (1) श्री सुभाष चन्द्र घर

(मन्तरक)

(2) श्रीमती पूर्णिमा सरकार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सर्वध में कोई भी पाक्षेपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की घविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, अक्षोह्स्ताझरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकर्णः --इसमें प्रयुक्त जन्तें धौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही पर्य होना, जो उस सध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मौजा पालपारा, 14 टी० एन० चटर्जी स्ट्रीट, 24-परगना पर स्थित 3 का० 11 छटांक 33 वर्ग फीट जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 981 में श्रौर पूर्ण रूप से दणित है।

> एस० के० दासगुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख: 1-9-1979

प्ररूप भाई • टी ० एत • एस • -----

आयकर घषिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-4 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ए० सी०-60/रेंज-4/कलकता/1979-80—
यतः मुझे एस० के० दास गुप्ता
धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/२० से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट सं० 99/315 है तथा जो मौजा देवग्राम खिवयान सं० 33/1 में स्थित है (श्रीर इससे उपा- वद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लिलीगुरी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 8-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्षित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत धिषक है और धन्तरक (अन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छदेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किवत नहीं किया गया है:——

- (क) बग्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत बांधिनियम, के घंधीन कर देने के घंग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविशा के लिए घोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भाय-कर भिष्ठतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठतियम, या धन-कर भिष्ठतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाइए था, खिषाने में स्विधा के सिए;

अतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नकिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) श्री नाथमन्त जारोडिया, सिबराम जारोडिया (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देबी बेद

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंजन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी स से 45 दिन की घषित्र मां तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घषित, बो भी धबि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबळ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के प्रव्याय 20-कं में परिनाणित हैं, वहीं धर्य होगा को उस प्रव्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मौजा देबीग्राम खतियान सं० 33/1, फ्लैंट सं० 99/ 315, सिलीगड़ी पर स्थित 2 एकड़ जमीन का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलील सं० 164 में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एस० के० दास गुप्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, 54, रफिअहमद किदवाई रोड क्लकत्ता

तारीख : 1-9-1979।

प्रकप धाई • टी • एन • एस • ---

भायक्र विधिनियम, 1961 (1981 का 43) की घारा 269-च (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता

फलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निद्दश सं० ए० एस०-61/रेंज-IV कल०/1979-80-यतः मुझे, एस० के० दास गुप्ता आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- क्पए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 99/315 तथा जो मौजा देवज्ञाम खित्यान सं०-33/1 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलिगुरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-1-79 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षक के जिये मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है प्रोर प्रस्तरक (अस्तरकों) भीर प्रन्तरितों (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नजिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाह्यक कर से किया नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी प्रायमा किसी घन या प्रश्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922का 11) या उपत श्रिधिनयम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भ्राना चाहिये था, छिपामे में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में; मैं, उक्त धविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निष्नजिक्ति व्यक्तियों, प्रयत् :—

- 1. श्री नाममल जारोडिया, शिवराम जारोडिया (धन्नरक)
- 2. श्रीमती संगिदा देबि बेंद (ग्रन्तरिती)

को यह मृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उथत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वधि या तत्सन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पट्योक्तरण:--इनर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दाका, जा उक्त भिन्न-नियम के अध्याय 20का में परिभाषित है जहीं सर्वे होता, जो उस अध्याय में विया गया है

# धमुसुची

मौजा — देबग्राम, खतियान सं० 33/1, प्लाट सं० 99/315, सिलिगुरि, दार्राजिलिंग पर स्थिति 66 डेसिमल जमीन का सब कुछ जैसे के 1979 का दिलल सं० 165 श्रोर पूर्णेख्प से वर्णित है।

एस० के० दास गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54 रफी, अहमद किदवई रोड ग्रजन रेंज—IV, कलकत्ता-16

तारीख: 1-9-1979

प्ररूप माई• टी॰ एन• एस• आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निदेश सं० 589/एकु० रें० IV /79–80/कल०— ग्रतः मुझे, भास्कर सेन,

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रुपये से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 11 ए०, है तथा जो यतिन्द्र मोहन एभिन्यु कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता म, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 2~9-1979 को

16) के अधान, ताराख 2-9-1979 का
पूर्वोंनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उकत अधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिस्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:---

- 1. श्री गिरधारी लाल सर्राफ 34 पूसा रोड़, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती गिनिया देवी सराफ 11 ए, यतिन्द्र मोहन एविन्यू, कलकत्ता। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

# अनुसूची

करीब 8 कट्टा 9 छटांक 14 स्को० फट जमीन साथ उसपर बनाया छय तल्ला मकान का 1/6 ग्रंश जो 11ए यतिन्द्र मोहन एविन्यु, कलकत्ता पर ग्रबस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-IV, कलकत्ता-16

तारीख: 1-9-1979

प्ररूप धाई• टी• एन• एस•~----

# आयक्तर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 599/रेंज-III/कल०/1979-80-यत:, मुझे, भास्कर सेन, आयक्तर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मूल्य 25,000/- रु∙ में प्रक्रिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 2 ई० र तथा जो 95, सादार्न एवेन्यू, कलकत्ता स्थित ह (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20-1-1979 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाजत, उक्त प्रक्रितियम के प्रश्नीन कर देने के अध्यारक के दाधि।व में कमी करने था उसके बचने में सुविधा के जिए; भौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों को जिन्हें आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए बा, किया में सुविधा के किए;

बता श्रव, उक्त श्रितियम की धारा 269-ग के बनुवरण में, में, उक्त अधिनियम, की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. लेक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (अन्तरक)
- 2. श्री अमिताव खास्तगिर (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभावित है, वही धर्म होया, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

रजिस्ट्रार आफ ग्रसिथोरेन्सेस, कलकत्ता के समीप 1979 का दलिल सं० 315 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्ने एवेन्यू, कलकत्ता स्थित समुचा प्लाट सं० 2 ई।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) 54 रिफअहमद किदवाई रोड ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979

प्रकप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 598/रेंज $\sim$ III/कल०/1979 $\sim$ 80 $\sim$ -यतः, मुझे, भास्कर सेन

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मंत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- स्पर्ये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट सं 3ई है तथा जो 95 सादा एवेन्यु, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 20-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृग्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिगत से अधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिक्षित्यम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किमी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के खधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. लेक को-श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (ग्रन्तरक)
  - 2. श्रीमती मंजुश्री सिंहा (ग्रन्तरिती)

को यह मूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रेप-

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में दितबड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

श्यकोक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्टाय 20-क में परिभाषित हैं वही भ्रषं होना जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

# अनुसूची

रिजस्ट्रार श्राफ श्रसियोरेन्सेस, कलकत्ता के समीप 1979 का दलिल सं० 314 में रिजस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू स्थित फ्लैट सं० 3ई।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54 रिफअहमद किदवाई रोड ग्रर्जन रेंज- , कलकत्ता-16

तारीख: 21~9~1979

मोहरः

प्ररूप धाई० टी० एन० एम०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 597/रेंज- /कल०/1979-80--यतः, मुझे, भास्कर सेन

धायकर ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 1 सी है तथा जो 95, सादार्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थिति है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

ग्रतः भ्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. लॅक कोभ्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रनी सेनगुप्ता (श्रन्तरिती)

को यह सूत्र सारी करते पूर्वीक्त सम्मति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेपः--

- (ह) इस सूबता के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ितो अन्त्र व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

रजिस्ट्रार भ्राफ भ्रसियोरेन्सेस, कलकत्ता के समीप 1979 का दलिल सं० 313 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू स्थित प्लाट सं० 1सी ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता-16

तारीख: 21-9-1979

मारत सरकार

कार्यानय, सङ्गायक श्रायकार प्रापृक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर 1979

भायकर भिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्मितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्भात सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से भिष्क है

और जिसकी सं० प्लाट सं० 6 सी है, तथा जो 95, सादार्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्त के लिए अस्तरित की वई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिक्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त, निम्तिविद्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविज्ञ कप से अधिक तरहीं किया गया है:--

- (क) प्रश्नरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिवियम के धश्रीन कर देने के धश्वरक के दाधिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (व) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रम्य धास्तिमों को, जिन्हों भारतीय ग्रायकर ग्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रविनियम या धन-कर ग्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिक्षा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रविनियम की धारा 269-ग के भ्रतुसरम में, में, उक्त भ्रविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, भ्रयाँव:—— 6—296 GI/79

- 1. लेक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मालनी भट्टाचार्जी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के ग्रजैन के यम्बन्ध में कोई भी ग्राक्रीप---

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवतीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का. जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा जो उस भ्रष्याय में दिया गैगया है।

#### अनुसूची

रजिस्ट्रार ऑफ ग्रसियोरेन्सेस, कलकत्ता के समीप 1979, का दलिल सं० 205 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्सु कलकत्ता स्थित समूचा प्लाट सं० 6/सि।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–III, कसकत्ता–16

तारी**ख**: 21-9-1979

मोहरः

प्ररूप पाई० टी । एन । एस • ----

आपमार प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के मधीन सूचना

धारत गरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 594/रेंज-III/कल०/1979-80-यत:, मुझे भास्कर सेन,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रांधिनियत' हहा अमा है), की धारा 269 का के अधीन सक्षय अधिक गरी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव संगिति जिसका प्रचित्र बाजार मुख्य 25,000/- कि अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3 डि० है तथा जो 95, सादर्ग एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची मं श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16-1-1979 को पूर्वोक्त संणांत के उचित गजार मृल्य से कम के दृश्यमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की नई है और मुझे यह विश्वाम करत का कारण है कि वणापूर्वाकत पंपत्ति था उचित गजार मृल्य, उपके दृश्यमान अतिफल में, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्दर श्रीतशत प्रधिक है पर प्रत्तरक (प्रन्तरकों) भीर श्रन्तरित (प्रन्तरित प्रधिक है पर प्रत्तरक के लिए तय प्राप्त गया प्रश्निकाल, निम्नलिखित इत्रेण में जनत श्रम्तरण लिखित में वास्तावक कप से संगत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किया अप की बाबत उका आधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी ककने या उससे बचने में भुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग का किमी धन या बस्य आस्तियों की, किस भारताय भायकर भिन्नियम, 1922 (192: कर 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अवाजनार्थ भन्तिरसी जारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध: के लिए;

श्रतः भव, उचतः अधिनियम की धनरा 269-म के अनुव सरण में मैं, उक्त अिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निश्नितिखत व्यक्तियों, मर्गातः—

- ा. लेक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पि० एम० ग्रनन्त नारायण (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉न सम्पत्ति के धार्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शक्यों खौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अख्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही यह होगा को उस मध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रजिस्ट्रार प्राफ प्रसियोरेन्सेस ,कलकत्ता के समीप 1979 का दलिल सं० 203 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादनै एविन्यू, कलकत्ता स्थित समूचा प्लाट सं० 3 डि०।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ш, कलकता--16

तारी**व** : 21-9-79

प्रकप बाई • टी • एन • एस • ---

आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 296-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता, विनांक 21 सिंतम्बर, 1979

निदश सं० 593/रेंज-III/कल०/1979-80---यतः, मुझे, भास्कर सेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, । असका उचित बाजार मूक्य 25,000/- दन से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 4 डी है तथा जो 95, सादार्न एकेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में आँग पूर्णेख्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-1979 को पूर्वोक्त समाति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकार से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्तिक, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रस्तरण कि लिए तय पाया प्रयाप्तिक, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रस्तरण कि लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रस्तरण कि लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रस्तरण कि लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रस्तरण कि लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्त प्रस्तरण कि लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उब्स श्रीवित्यम' के श्रीच कर देने के अल्डरक के दायिक्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/पा
- (ख) ऐसी किसी आय मा आसी धन या धन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर सिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनामं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने म मुविधा के लिए;

बश्चः सबः, उन्त अधिनियम की बारा 269-व के बनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-व की उप-धारा (1) के अबीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अवीत् ।--

- 1. लेक कोग्रापरेटिव हा उसिंग सोसायटी लि० (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुरेश चक्रवर्ती (ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारो कर हे पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

वक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी **स से**45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
  किसी ग्रन्य व्यक्ति दारा, श्रश्लोहरूताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्रविधानरण: -- इसमें प्रयूतः तन्तो पीर पर्ना का, जो उत्तन प्रधिनियम के प्रवाध 20-क में परिभाषित है, बहा अब होगा, को उस धन्याम में विधा गया है।

#### अमुजुषी

रजिस्ट्रार श्राफ श्रसियोरेत्सेस, कलकत्ता के समीप 1979 का दलिल सं० 200 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95 सादाने एवेन्यू, कलकत्ता स्थित समूचा प्लाट सं० 4 डि०।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, कलकत्ता–16

तारीख: 21-9-1979

मोहर

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-JII, कलकत्ता कक्षकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० 595/रेंज-III/कल०/1979-80--यतः, मुझे, भास्कर सेन,

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से अधिक है।

भीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3 बी० है तथा जो 95, सादार्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे पाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके यृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत श्रिधक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षितियम के भक्षीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधिन नम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- 1. लेक कोब्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि॰ (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती दीपिका सिकदार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राजपत में प्रकाशन की तारी अप से 45 दिन की अवधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन भूवना के राजान में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रन्य अपने द्वारा, प्रजीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त अन्तों और पदों का, जो उक्त प्रधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयंहीगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

रजिस्ट्रार म्राफ एग्योरेंसेस कलकत्ता के समीप 1979 का दक्षिल सं० 204 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू, कलकत्ता स्थित समूचा प्लाट सं० 3बी०।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता

तारीख: 21-9-1979

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।---

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के धियीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्योतच, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं०  $592/रेंज<math>\sim$ III/कल $\circ/1979-80$ —यतः, मुम्ने, भास्कर सेन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें दमक प्रचात् 'उनत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/— ६० से प्रधिक है,

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 3/ए है तथा जो 95, सादार्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-1-1979

को पूर्लोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मूम यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) क बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि ति वीच गया प्रतिकल के स्वाप्त के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि कि ति वीच गया प्रतिकल के स्वाप्त के लिए तय पाया गया प्रतिकल के प्रकारितियों के कि विश्व धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल के प्रकार के लिए तय पाया गया प्रतिकल के प्रवास्ति कि के विश्व गरी कि कि वा गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त बाधिक नियम के घंधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कभी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी प्राय वा किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भ्रत्यरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धरा ग्रन, उस्त ग्रांधिनियम को धारा 269-म के धनुसरण में, में, धनत ग्रांधिनियम को धारा 269-म की उपकारा (1) के बद्योल, निज्नानिखित ज्यन्तियों, बचौत्:---

- 1. लेक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसामटी लि० (अन्तरक).
- 2. श्री पी० के० सिकदार (भ्रन्सरिती)

को यह शूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यवादियों करता है।

जरत सम्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई जो बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख ने 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, खो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के थीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपाज में प्रकाशन को तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य स्थावत द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर वदो का, जो उन्त प्रश्चितियम के घश्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

रजिस्ट्रार श्राफ श्रसियोरेन्सेस, कलकला के समीप 1979 का दलिल सं० 199 द्वारा रजिस्ट्रीकृत 95, सादार्न एवेन्यू, कलकला स्थित समूचा प्लाट सं० 3/ए।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, कलकक्ता

तारीख: 21-9-1979

# कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1979

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1 ए हैं तथा जो 95 साउदार्न एभिन्यू, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पून्य, उनके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह अतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ना गया गया अतिकत, निम्नतिबित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निवित्त में बाहनिकह का ने हथिन नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रक्रिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

प्रत: यब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अक्षीन निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थीत :--

- ते शेक कोग्रापरेटिय इंडिसिंग सोसायटी लिमि० 95, साउदार्न एभिन्यू, कलकत्ता ।
   (प्रन्तरक)
- 2 श्रीमती कृष्ना सेनगुप्त, 95, साउदानं एभिन्यू, कलकत्ता। (ग्रन्तरिती)

को यह नूबना जारों करते पूर्वीवत सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
  प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### **मन्**ल्यो

समूचा फ्लैट सं० 1 ए/एक तज्ला पर जो 95 माउदार्न एभिन्यू, कलकत्ता पर अवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज–III, कलकत्ता

तारी**ख**: 9-10-1979

ं मोहर:

प्ररूप भाई० टी० एन• एय०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269ष (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज. कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 भ्रक्तूबर, 1979

निर्मेश सं० 601/एक्० रें० III/79-80/कल०--- प्रत:, मधी, भास्कर सेन, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त म्रधिनियम' कहा की **घारा** 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, भ्विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका अ**धित बा**जार मृत्य 25,000/- रुपये में प्रधिक है, और जिसकी सं० फ्लैट सं० 5 ष्टि० है तथा जो 95 साउदर्न एबिन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्व अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1979 की पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्दे**श्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त मधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में मुविधा के जिये श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत ग्रिधिनियम, या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मुविधा के लिये;

वतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में-हैं उस्त अधिनियन को धार। 269-घ को उपधारा, (1) के ाशीत, तिम्त्रतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. लेक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोमायटी लिमि० 95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता (ग्रन्तरक)

2. श्री एस० के० बासू, 95, साउदर्न एविन्यू, कलकत्ता (भ्रन्तरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के धर्जन के मंबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवब किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, अक्षेत्रस्तानरो के पास लिखित में किये जा मर्केंगे।

स्पवतीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जो उकत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभापित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

# अनुसूची

समूचा फ्लैट सं० 5 डि पांच तल्लापर जो 95 साउदर्न एविन्य, कलकत्ता पर ग्रबस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) 54, रफी अहमद किदबई रोड श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1979

प्रकप साई • ही • एन • एस •----

मायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 में (1) के ग्रंबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1979

निदेश मं० 602/एकुरे-III/79-80/कल०—श्रतः मुझे भास्कर सेन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपए

मे धिक हैं श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1-डी, है तथा जो 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में

श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर सन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रण्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिश्वन, निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरक लिखित में बास्थिक इप से कचित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राथ की बाबत, जक्त श्रिक्षिणयम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वाणित्य में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के जिए; भौर/था
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रोस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में मुविधा के सिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के बब्धरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपदारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत् :---

- लेक कोश्रापरेटिब हाउसिंग सोसाइटी, लिमिटेड,
   95, साउदर्न, एवेन्यू, कलकत्ता । (ग्रन्नरक)
- श्री चन्द दास गुप्त,
   95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्पवादियों करना हूं।

उक्त सम्मति के प्रवैत के संबंध में कीई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की संबंधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर् पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि गी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी पन्य स्थित द्वारा, घन्नो इस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

समूचा फ्लैंट सं० 1-डी /एक तल्ला पर जो सं० 95 साउदर्न एवेन्यू पर भ्रवस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किंदबई रोड, कलकता-16

तारीख: 9-10-1979

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 प(1) के बिबीन स्थाना भार (सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 9 भ्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० 603/एकुरे-III/79-80/कल०—- म्रतः मुझे भास्कर सेन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-आ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-व • से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट हैं तथा जो 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर भी पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-1-1979

की पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के बृहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स्रिक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रश्नितियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी अार या किसी वन या प्रश्य बास्तियों को, जिल्हें भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः प्रव, उनत अधिनियम की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उनत प्रिधिनियम की बारा 269-व की उपबारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---7---296GI/79

- लेक कोन्नापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
   95, साउदनं एवेन्यू, कलकत्ता । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ए० एम० गुप्त 158, प्रिन्स श्रानवार साह रोड, कलकत्ता । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारो अटके र्वोक्त संस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संत्रति के अर्जन के संबंध में कोई भी आसेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र नें प्रकाशन की तारी स से 48 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन अपिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वश्वीकरण :---इसमें अयुक्त जन्दों भीर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, बती भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

समूचा फ्लैट जो सं॰ 95, साउदर्ने एवेन्यू, पर धवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III,

54, रफीअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-79

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्तूबर 1979

निदेशं सं० 604/एकुरे-Ш1/78-79/कल०--- मृतः मुझे, भास्कर सेन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व के मधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 1-ई है तथा जो 95 साउदनें एवेन्यु, फलकत्ता में स्थित हैं (धौर इससे उपायद धनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजर्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्य रूप कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से घधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन व भाष्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भ्रतः भ्रब, उन्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्:---

- लेंक कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
   95, साउदर्ने एवेन्यु, कलकत्ता ।
   (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती साबिश्री वास ' 117/एम/2, पान नगर, कानपुर-5

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा श्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा संकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इपमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो ज़क्त ग्रिधि-नियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा, जो ज़स भ्रष्टवाय म दिया गया है।

#### अनुसूची

समुचा परीट सं० 1 इ/एक तल्ला पर जो 95 साउवमें एवेन्यु, कलकत्ता पर श्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीच 9-10-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

धायकर ग्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रजन रेंच, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अन्तूबर, 1979

निवेश सं० 605/एकरे-III/78-79/कल०—-प्रतः मृक्षे भास्कर सेन बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 8 मी है तथा जो 95, साउदार्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक्तित बहेश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक कप से कवित वहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम, के बधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रयोजनार्थं ग्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भतः भवः, उन्तं प्रधिनियम, कौ धारा 269-गं के धनु-सरण में, में, उन्तं अधिनियम की खारा 269-वं की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत् :— लेक कोम्रापरेटिंक हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
 95, साउदार्न, एकेन्यू, कलकत्ता

(मन्तरक)

रमैन्द्र नाथ घोष
 95, साउदानं एवेन्यु, कलकत्ता ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्बत्ति के प्रार्वेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन की सर्वधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी सासे 30 दिन की अवधि, जो भी सर्वधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनुसूची

संमुचा फ्लैट सं० 8 सी०/म्राट तस्ला पर जो 95 साउदानें एवेन्यु, कलकत्ता पर मवस्थित। दलिल सं०318 का मनुसार है।

> भास्कर सैन सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजेन रेंज-III, कलकत्ता

तारीख 9-10-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

# भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के भन्नीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 प्रक्तुबर 1979

निदेश सं० 606/एक् रे-III/79-80/कल०—श्रतः मुझे भास्कर सेन आयक्टर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 9 डि० है तथा जो 95 साउदर्ने एवेन्यु, लकलता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख 16-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि सन्तरक (धन्तरकों) और सम्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के शिए;

सतः प्रव, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के प्रमस्तरण में, उक्त प्रक्षिनियम की घारा 269-ग की उपजारा (1) के प्रधीन, निम्मलिखित स्यक्तियों, वर्षात् :--- लेक कोब्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड,
 95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता ।

(श्रन्तरक)

2. ए० पी० राय 95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वश्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शाशी भी र वदों का, जा 'उक्त श्रीध-नियम', के शश्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी सर्व होगा, जो उस प्रथमाय में विया गया है।

#### अनुसूची

समृचा फ्लैट सं० 9 डि./नय तल्लापर जो 95 साउदर्ने एवेन्यु, कलकसा पर प्रवस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता-16

नारी**ख**ः 9-10-1979

प्ररूप भाई । टी । एन । एस -----

जायकर प्रक्षितियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 9 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० 607/एकुरे-III/79-80/कल०-—श्रतः मुझे, भास्कर सेन

भायकर धिक्षित्यम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिक्षीम सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- द० से धिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैट सं० 4 सि है तथा जो 95, साउर्वन एवेन्यु, कलकता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) एजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 20-1-1979

को पूर्वोक्तं सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिकल, निश्निक्तित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) शन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त श्रीविनियम के श्रीम कर देने के शन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविका के किए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी बन या खन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिनियम, या अन कर घषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया खाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

धतः धव, उनतं धिविषयमं की धारा 269-म के सनुसरक में, मैं उनतं धिविषयमं की धारा 269-म की उपधारा (1) धारीम, निक्रमिकित स्पन्तियों, अर्थात् :--- लेक कोम्रापरेटिव हार्जिसग सोसाइटी लिमिटेड
 95, माउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

श्री एच० एन० गुहु
 95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के धर्जन के संबंध म कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवख किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षित्यम, के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं वही प्रयंहोगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

समूचा फ्लैंट सं० 4/सि/चार तल्ला पर जो 95 साउदर्न एवेन्यु, कलककत्ता पर भवस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किदवई रीड, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1979

मोहर 1

\_\_\_\_\_

प्रकृष धाई: हो • एन • एस • --- -

सायकर शिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन मुचना

मार्थ सरभार

कार्यालय, सङ्घात । भावक । प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-III, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1979

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्तात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सभम पाधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थापर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ ए० से यक्षिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० पलैट सं० 9 ई, है तथा जो 95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 16-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उति । बाका मूच्य ने हम के द्रश्यान प्रतिफल के लिए प्रकार । की गई है और मूच यह विश्वास करत का कारण है कि यथापूर्वोक्त लग्धित का उचित बाकार मूच्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिष्ठ है और पन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्य से उत्तर धन्तरण लिखिन में बास्विक हम से कथित नहीं किया गर है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी पाय की बावत सकत सकि-नियम, के प्रवीन कर देने के ग्रन्तरक के बाबिस्थ में कमी करने या जससे जनने में सुविद्या से लिए। सीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाव या किसी छन मा भन्य आस्तिमों को, जिस्हें भारतीय शायकर अधिनिभन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या छन-कर भिष्ठित्तमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती ज्ञारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः धर, उन्त अधिनियम का शारा 269-ग के धनु-सर्थ में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तिमों, अर्थात्:---  लेक कोम्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड 95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता

(भ्रन्तरक)

श्रीमती उमा सेन
 95, साउदर्न एवेन्यू, कलकत्ता

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना आरी अरके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजवंत्र में अज्ञागन की तारीका से 4.5 दिन की अविधि या तस्संत्री ध्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाव में लमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में स किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजन में प्रकाशन की लारी ख़ म 15 दिन के भीतर उक्त स्थाशर संपत्ति में हिन-वद्ध कियो अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरूताक्षरी के वास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडतीकरण 1---इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का. मी हद। अधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभावित हैं, नेती अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गर है।

# अनुसू ची

समूचा फ्लैट सं० 9 ई, /नय तल्ला पर जो 95 साउदर्न एवेन्यु फलकत्ता पर प्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज III, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1979

प्ररूप भाई • टी ० एत ० एस ०-----

ायकर श्रिष्ठालियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ब्राधीत वृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-III, अलकत्ता

कलकत्ता , दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1979

निदेश सं० 609/एकुरे-III/79-80/कल०—-श्रतः मुझे भास्कर सेन

भागकर घिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम् इसके पश्चात 'उक्त धिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के भ्रशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- अपण् से घिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट सं० 2 डि, है तथा जो 95, साउथर्न एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 190 8 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 20-1-1979

को पूर्वोतन सम्पत्ति के उचित बाजार भून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिक्षत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निकात में वाश्तविका कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्नरण से दूर किसी प्राय की बावतः उक्त बाधितयम के प्रधीन कर देने के धन्सरक के बायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था था किया जाना चाहिए का या, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः ग्रंब, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में. मैं उक्त ग्रंधिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

- लेक कोम्रापरेटिय हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड
   95, साउदर्न एवेन्यु, कलकत्ता
   (श्रन्तरक)
- श्री बि० एन० घोष
   95, प्रिन्स भ्रानवार साह रोड, कलकत्ता
   (ग्रन्तरिती)

को यह प्रता बारो अन्के पूर्वीका अम्यति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बनन सम्वति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की मवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की मवधि, जो भी मबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोकत व्यक्तियों सें से किसी व्यक्ति जारा;
- (ख) तम मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी जन्म क्यकित द्वारा, प्रश्लीहरताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त धर्धिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय मंदिया गया है।

# अनुसूची

समूचा पर्लंट सं० 2 डि/दो तल्ला पर जो 95 साउदर्म एवेन्यु, कलकत्ता पर ग्रवस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) - ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

सारीख 9-10-1979 मोहर : प्ररूप द्राई • टी • एन • एस • ---

आयकर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

/5-

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1979

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन संजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- स्पए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी प्लैट सं० 8 है तथा जो मौजा कांकुलिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 13-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए प्रक्तिरत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्यह प्रतिशत से भिष्ठक है भौर मन्तरक (भन्तरकों) भौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (स) प्रस्तरण से दुई सिसो प्राप को वान उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
  - (च) ऐसी किसी याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. श्रोरियेन्ट बीमारेज, लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. श्री मिहिर कुमार गंगोपाध्याय

(भ्रन्तरिती)

उना समाति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
  जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पर्दो का, जो उक्त मित्रिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गा है।

#### अमुसूची

करीब 1 कट्टा, 15 छटांक 12 स्को॰ फुट जमीन जो फ्लैट सं॰ 9 मौजा कांकुलिया थाना टालीगज पर ग्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम मधिकारी, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III,54, रफी अहमद किदबई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1979

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस० --

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रियोन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सब्रायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं०  $611/\eta$ कुरे-III/79-80/कल०—-श्रतः मुझे भास्कर सेन

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 9 है तथा जो मौजा कांकुलिया में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 15-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर धन्तरक (भन्तरकों) भीर भ्रम्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नकिश्चित सहैश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक का स्वाप्त नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के घाधीन कर देने के प्रान्तरक के दायित्व में धमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रीविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीविनियम, या धन-कर ग्रीविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायें भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः, श्रवः, उक्त श्रवितियम की धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, में, उक्त मिश्रियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन, निक्तिकाल क्यक्तियां, प्रधीत :---8--296G179 ा. श्रोरियन्ट बीमारेज लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती निर्मला घोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्गन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4,5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त भन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 2 कट्ठा, 13 छटांक, 32 स्क॰ फुट जमीन जो प्लैट सं० 9 मौजा कांकुलिया, थाना टालीगंज पर श्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54, रकी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

नारीख: 9-10-1979

प्रकृप भाई ०टी ० एस • एस •---

भायभर ग्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269भ(1) के मधीत सूचना

#### भारत सरकार

### भागित्य, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 9 ग्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० 612/एकुरे-III/79-80/कल०—श्रतः मुझे, भास्कर सेन

मायकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिमिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मिमिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से मिमिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट सं० 3 है तथा जो मौजा कांकुलिया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 11-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक कप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भविनियम के घडीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी धाय या किसी धन मा प्रस्य धारितयों को, जिन्हें धारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविनयम या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

भतः, यदः, उन्त धविनियम की बारा 269-न के अनुसरण में, में, उन्त धविनियम की बारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्तिनियम व्यक्तियों अर्थोतः ---

1. स्रोरियेन्ट बीमारेज लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. श्री कमलाकान्त दास

(भ्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये एतकृद्वारा कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध म कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद किसी भन्य स्थावत द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास निज्ञित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो उक्त ग्राजितियम के ग्राज्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्राणें होगा, जो उस ग्रान्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करीब 2 कट्ठा, 5 छटांक, 3 स्को॰ फुट जमीन जो फ्लैट सं॰ 3 मौजा कांकुलिया, थाना टालीगंज, पर स्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम ग्रधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1979

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के श्रीन सूचना

#### मारत प्रकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 अक्तूबर, 1979

निर्देश स० 613/एकुरे- ा / 79-80 कल० — प्रतः मुझे भास्कर सेन

मायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा मया है), को धारा 269-ख के प्रश्वीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रिष्ठिक है

भ्रौर जिसकी स॰ 21/1, है तथा जो प्रिन्स बितवार साह रोड, कलकत्ता पर स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत; इक्त ग्रीव्यत्म के ग्रामित कर देने के ग्रन्तरक के वायित्य में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रग्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या भन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

खतः सब, उन्त प्रवितियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उन्त प्रवितियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित म्यक्तियों अर्थीत्:— 1. भोरियन्ट बीमारेज लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. सुबोध चन्द मुखर्जी,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिस्य :—इसर्वे प्रयुक्त अन्दों ग्रीर पदों का, जो उकत प्रधिक नियम, के ग्रन्थाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थे होगा, जा उस प्रव्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

करीब 2 कट्ठा 10 छटांक, अमीन जो 21/1 प्रिन्स बिनतयार साह रोड, कलकत्ता पर श्रवस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम अधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-111, 54, रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

तारीख : 9-10-1979

प्ररूप माई॰ डी॰ एत० एत०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के ग्रधीन सूचना मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 प्रक्तूबर 1979

निर्देश सं० 614/एकुरे-III/79-80/कल०—-श्रत: मुझे, भास्कर सेन

प्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् /उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के अश्लीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मृक्ष 25,000/-रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० 7 है तथा जो कांकुलिया में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय श्रालपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूच्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (भन्तरक) भार अम्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अम्त भन्तरण निक्तित में बाहतिकक कप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) पश्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त पश्चित्रम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के धायित्व मॅक्सी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविवा के लिए.

शतः भग, उन्त पविभिन्न की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं: उन्त पविनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अजीन निम्नलिखिन व्यक्तियां, अर्थात्:--- 1<sup>.</sup> ग्रोरियन्ट बीमारेज, लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रमरेन्द्र नाथ गुप्त

(ग्रन्तरिती)

की यह भूतना गारा अरक पूजीका सम्पति के मर्जन के निर्कार्यवाहियां करना हूं।

इत्त सब्बति, इ.स.रेत हे सम्बद्ध में कोई भा पाक्षेत्र :---

- (क) इन जूजना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की उमील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सूबता के राजपत्र में प्रकागन की तारोख से 45 दिन के भीतर तका रचावर सम्पत्ति में हित्तक किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाइस्ताक्षरी के पास निबित में किए जा सकेंगे।

हराइटो कर गः --- इसमें प्रयुक्त तक दो और पदी का, जो उकत आंज नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहां यार्ष होना को उस प्रकार में विया गया है।

#### प्रनुस्ची

करीब 2 कट्ठा 7 स्का० फुट जमीन जो फ्लैंट सं० 7 मौजा कांकुलिया, थाना टालीगंज, पर ग्रबस्थित ।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, 54, रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
म्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1979

निर्वेश सं० 615/एकुरे-]]]/79-80/कल०——श्रतः मुझे भास्कर सेन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्टीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्वावर संगीत जिलका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ४० से भ्रष्टिक है

स्रौर जिसकी सं० पलैट सं० 14 हैं तथा जो मौजा कांकुलिया में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रालिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1979

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजन्र मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भौर भन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत उपत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिम्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः ग्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~ 1. ग्रोरियेन्ट बीमारेज लिमिटेड

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती मंजुला गुह

(भ्रन्तरिसी)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

उरत सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (ह) इन नूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की अविध, जो भी प्रविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किया व्यक्ति दारा;
- (ख) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया परम व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए ना सकेंगे।

हराध्योकरण :--इसमें प्रयुक्त पान्दों और पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के कश्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अथ होगा जो उस धाड्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

करीब 2 कट्ठा 3 छटांक, 3 स्को० फुट जमीन जो फ्लैंट सं० 14 मौजा कांकुलिया, थाना टालीगंज, परग्रवस्थित।

> भास्कर सेन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रोंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 9-10-79

# 

सायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269भ्य (1) के सधीन भूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

सं० 4/जून/79——यतः, मुझे, ओ० श्रानंद्राम बायकरः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इमर्मे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्वत्ति, जिसका उत्रित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है अगेर जिसकी सं० 31, न्यू श्रग्राहरम है, तथा जो डिन्डुगल में स्थित है (और इससे उपाबन्न श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एस० आर० डिन्डुगल डाकुमेंट सं० 21/78) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1979, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाआर भूस्य, उसके दुक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है गौर पन्तरक (मन्तरकों) मीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बाच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य म उक्त भन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित महीं कि गागया है।—-

- (भ) अन्तरण से हुई किसी जाय भी बाबत सकत मौधनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; भौर/या
- (छ) ऐसी किती आय या निक्षी घन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर मिविन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर मिविन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः ग्रन, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उनत मिधिनियम की घारा 269-म की उनमारा (1) के मधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, मर्गात् :---

- 1. (1) श्रीमती सब्बु लक्ष्मी ग्रम्माल,
  - (2) श्री के० वेन्कटसुक्रमनियन,
  - (3) श्री वी० गोपाल कृष्णन,
  - (4) श्री के० कृष्णमूर्थी,
  - (5) श्री के० सुन्द्ररामन, और
  - (6) श्रीमती एम० राजलक्ष्मी

(धन्तरक)

2. डा० जे० राजा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भजेन के सिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई मी बाअप: --

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीख से '45 दिन की धविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी अ्यक्ति द्वारा।
- (ख) इत त्रुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारों य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिनबंद किसी शन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताकारी के पास निष्तित में किसे जा सकेंसे।

श्याक्टी करबा: ---इसमें त्रयुक्त शक्यों सीर पदों का, जो उनव सिविनयम के सञ्चाय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं सर्व होगा, जो उस सब्धाय में दिया नया है।

# अनुसूची

डाकुमेंट नं० 21/79--एस० ग्रार० डिन्डुगल, भूमि और निर्माण डोर नं० 31, न्यू श्रग्रहारम, डिन्डुगल ।

> म्रो० म्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक त्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 26-5-1979

प्रकृप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर मित्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

हार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० 13 /जनवरी/78—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जञ्जीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० 449, 450, 451 ग्रौर 452 ग्रग्गापेट मैंन रोड है, तथा जो सेलम-3 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० ग्रो०-1 सेलम (डाकुमेंट नं० 4849/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख 16 जनवरी 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है धौर धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तर्य किखित में
वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भश्वरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अभिनयम के अधीन कर देने के भस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या भ्रम्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना काद्विए था, छिपासे में मुविधा के लिए।

बत: बब, उनत प्रविनियम, की भारा 269-न के भन-महण में, में, उनन प्रविनियम की धारा 269-व की अपनारा (1) के ब्रह्मीन निक्नविक्वित व्यक्तियों अर्थात् !--- 1. श्रीमती के० सोरनम्माल ध्रम्माल

(श्रन्तरक)

2. श्री एम० पी० सुक्रह्मण्यम मुदलियार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त तम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकींगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो तकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्च होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

#### अनुसूची

डाकुमेंट नं० 4849/79 जे० एस० म्रार० म्रो०-I सेलम भूमि म्रीर निर्माण डोर नं० 449, 450,451 म्रौर 452 भ्रम्मापेट , मैन रोड, सेलम ।

स्रो० भ्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 6-8-1979

प्र€प आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 ना 43) की धारा 269 घ (1) के अभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, भद्रास

मद्रास, दिनांक 6 श्रगस्त 1979

निर्देण सं० 28/जनवरी/79—यतः, मुझे, श्रो० श्रानंद्राम, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का श्रारण है श्रि स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाआर मृस्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 75 नार्थ स्ट्रीट है, तथा जो सिंगरामर कालौनी नरीमेंड, मदुरें में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्टिकारी के कार्यालय, मवुरें-20 (डाकुमेंट नं० 123/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्टीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को पूर्वोंकत सम्पक्ति के उचित वाशार मूस्य से सम के वृश्यमान श्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित वालार मूस्य, उसके वृश्यमान श्रिक्त से एसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् श्रिक्त प्रक्रिक श्रीर धन्तरिक (शन्तरकों) भौर धन्तरिकी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिए तय पाया गया श्रिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में व्यक्तिक अप से किन्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबन, उक्त धिष्ठनियम के भन्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए भौर/या
- (आ) ऐसी किसी याय या किसी धन या अभ्य आस्तियों की जिन्हें धायकर विधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अभ्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उनत भीविनियम की धारा 269-गं के बनुषरन में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --- 1. (1) श्री राजरतिन सामी नाडार

(भ्रन्तरक)

2. श्री के वनसक्ता

(अन्तरिती)

को यह सूचना शारी कर ह पूर्वीकत सम्बक्ति के सर्वत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उनत अंपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी काक्ति देता;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य स्थक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकीं !

रपक्कीकरण :---इसमें प्रमुक्त शक्दों मौर पतों का जो उक्स धिनियम के घंडगाय 20-क में परिभाषित हैं, नदी धर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# वनुसूची

डाकुमेंट नं० 123/79 ए.प० म्रार० म्रो० शेनामनगर, मदुरै भूमि म्रौर निर्माण, डोर नं० 75, नार्थ स्ट्रीट, सिंगरामर कालौनी, नरीमेडु, मदुरै ।

> श्रो० श्रानंद्राम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-्1, मद्रास

तारीख: 6-8-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एग०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जंद रेंज् 1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० तं० 27 3/1 बी, 2,3,274/2 बी 3 रा, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उत्पंक्तियालयम में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, कोयम्बट्र (डाकुमेंट सं० 417/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 190 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) भ्रोर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती आरा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः भ्रब, उनन अधिनियम की बारा 269-ग के मनुमरण में, में, उनत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषत्:— 9--296 GI/79 1. श्री जे० बनन्जामगी श्रीर श्रदरस

(ग्रन्तरक)

2. दि कोयम्बत्र रियल एस्टेट कम्पनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के आर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजात में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रत्य व्यक्ति बारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रष्ट्याय-20क में परिभाषित है, वही सर्थ होगा जो उन श्रव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एस० सं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी3 रा 275, डाक्टर जगन्नाथ नगर उप्पिलियालयम (डाकुमेंट सं० 417/79) ।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-9-1979

क्राध्यक्त संज्ञासक्त कार्य क्राप्त स्थान स् अक्रम आर्द्द की स्थान स्थान

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023--यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन,

धायकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख मे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने ा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है न्नीर जिसकी सं० 273, 1बी, 2, 3, 274/2 बी० 3ए, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उप्पिलिपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यलय कोयप्बर्दर (डाक्सेंट नं० 426/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16 जनवरी 1979 को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की नई है भीर नुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वीका सम्पत्ति का उत्तित बाजार पुरुष, उसके दुश्यमान प्रतिपक्त से, ऐसे ्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिजत धर्षिक है और भन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त

(क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रिथितियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व म कमी करने या उससे बचने म सुविधाः के किए; भौर/या

प्रदेश्य से उक्त धन्तरण निकास में वास्त्रविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:---

(च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या धन्य घारिलयों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त घिनियम, या धन-कर मिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

भ्रत: प्रव, उनत प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरक में, भें, जनत प्रविनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रयति:--- 1. श्री जे० वनजाक्षी ग्रौर धदर्स

(ब्रन्तरक)

 दि, कोयम्बट्र रियल एस्टेट कम्पनी । ((ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों धौर पदों का, जो उनत ग्रीधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं ग्रंथ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अन<u>ु स</u>ुच्ही

एस० नं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर उप्पिलिपालयम (डाकुमेंट सं० 426 79)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-9-1979

प्ररूप भाइं टी० एन० एस०---

आयकर आंधनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 2694(1) के मधीन मुखना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सक्षायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्वास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

मं०10023---यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, बायकर प्रश्वितियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 ला के सधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्भानि, जिमका उचिन नाजार मून्य 25,000/- रु. स अधिय है न्नौर जिसकी सं० 273/1 बी, 2, 3, 274/2 बी, 3 ए, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उप्पिलिपालायाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बट्टर में (डाक्मेंट सं० 427/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 के प्रधीन, तारीख जनवरी को पृषोक्त सम्बन्ति के उचित बाजार सम्बन्ध से कम के दृष्यमध्य प्रतिफान के लिए प्रस्थरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करत का कारण है कि यथाएगीकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दुश्यक्षान प्रतिफल स, ऐस दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक है । धर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरितो (अन्तरितियों) के बोच ऐसे मन्दरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिलित उद्देश्य ये उस्त अस्तरण निजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं ं या भवा है:---

- (क) अम्परण से हुई किया साथ को बाबत. उसत आखे-नियम के प्रधीन कर तेने के स्वत्यक के टायिख में कमी करने था उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राहितयों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सबः रक्ष घितियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त प्रधितियम को धारा 269-च की उरधारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. जे० वानाजानशी भौर भदर्स

(ग्रन्तरक)

2. वि कोयम्बटूर रियल एस्टेट कम्पनी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अविध, या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामीण में 30 दिन की अविध, जो शी प्रविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका ज्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इ.स.
- (ख) इस सूत्रता के राजपन्न में प्रकाशन की नार्रास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबद्ध किया भस्य अक्ति हारा प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---ध्रमणें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्छ। का, जो अकत अधिनियम, के बठमाय 20-क में परिचाषित है, बढ़ी अर्थ हाला, ं उप अध्याम में दिया भया है।

#### अनुसूची

273/, 1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए॰, 275 डाक्टर जगसाथ नगर छिप्पलिपालायाम (डाकुमेंट स427/79)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-9-79

# प्रकप बाई • टी • एन • एस • ---

# भायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 म (1) के भ्रमीन मुचना

#### भारत गरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन आग्नकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- स्पर् से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए, 275 डाक्टर जगन्नाथ नगर है, तथा जो उप्पिलिपालायाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 429/79) जनवरी 1979 का 16) के ग्रधीन, तारीख को (वींपत समाति के उचित बाजार मूह्य से कम के प्रथमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर यन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) सस्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उनत अधिकियम के मधीन कर देने के अन्तरफ के बामित्य में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य भास्तियों की; जिन्हें भारतीय धाय-कर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत मिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भागरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रक्षितियम की घारा 269-ग के अनुसरण में; में, उक्त प्रवित्तियम. की धारा 269-घ की उपवारा (1) के बधीन निम्नलिखित स्यक्तियों अवित्:--- 1. भी जे० वानाजाकशी भीर भवसं

(भन्तरक)

2. दि कोयम्बट्र रियल एस्टेट कम्पनी

(मन्तरिती)

को महसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उन्त सम्पत्ति के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी झाक्षेप: ---

- (क) इस मूज्यना के राजपत में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अथिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अथिय, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रक्षोहस्ताक्षरी के भास निखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उनत मिश्वनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

#### यन्सूषी

एस० सं० 273/1 बी 2, 3, 274/2 बी 3 ए, 275, डाक्टर जगन्नाथ नगर उप्पिलिपालायाम (डाकुमेंट सं० 429/79)। $\frac{1}{4}$ 

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-II, मद्रास

तारीख: 5-9-79

प्रकृप भाई • टी ० एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर ब्रायुक्त, (निरीकण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10023—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-मा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से मिधिक है,

25,000/- के स पासक है,

श्रीर जिसकी सं० 273/1बी, 2, 3, 274/2बी 3ए, 275
है, जो डाक्टर जगन्नाथ नगर, उप्पिलिपालयम में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं०
430/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908
का 16) के श्रिधीन, जनवरी 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृष्यमान
श्रितकल के लिए धन्रित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,
उसके दृष्यमान श्रितकल से, ऐसे दृष्यमान श्रितकल का पन्दह
प्रतिशत से अधिक है श्रीर धन्तरक (धन्तरकों) श्रीर धन्तरिती
(धन्तरितियों) के श्रीच ऐसे धन्तरक (धन्तरकों) श्रीर धन्तरिती
(धन्तरितियों) के श्रीच ऐसे धन्तरक (धन्तरकों) श्रीर धन्तरिती
(धन्तरितियों) के श्रीच ऐसे धन्तरक (धन्तरकों)

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनी मान या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिले भारतीय गायकर मिश्वनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर मिश्वनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, तका लावितियम की वारा 269-म के अनु-भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री जे० वनजाकणी श्रौर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

2. दि कोयम्बट्र रियल एस्टेट कम्पनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यपत्त में प्रकाशन को तारी सांस्व 45 दिन की घवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामीछ से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण : --इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उकत श्रिक्षितमम के शब्दाय 20-क में परिमाधित हैं, वही शर्य होगा जो, उस शब्दाय में दिया गया है।

#### प्रमुखी

आर॰ एस॰ सं॰ 273/1 बी 2, 3, 274/2, 3बी 2ए, 275, डाक्टर जगन्नाथ नगर, उपिलिपालयम (डाकुमेंट सं॰ 430/ 79)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-9-79

प्ररूप आई• टी• एन• एस०-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6925--यतः, मुझे, राधा वालकृष्णन, वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-मृग्य **४**०ये से **धधिक है** श्रौर जिसकी सं० है, जो 1 चारी चेट्टी स्ट्रीट, मद्रास-17 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, (डाकुमेंट सं० 90/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भौर गुझे वह विष्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकां) भौर मन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्म से उक्त प्रम्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाषि-नियम, के अधीन कर देने के अम्तरक के दायिख में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय मायकर छिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त ाधिनियम, या घन कर मधिनियम, 1957 (1957 कि 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए:

धतः, धन, उन्। धांधनियम की धारा 269न्म के मनु-नगण में, में, उन्त मधिनियम की धारा 269 च की उपवारा के (1) अधीन निकालिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री ए० एम० कौतनठपानी तेवर, शक्ष्मी भ्रमाल। (भ्रन्तरक)

2. श्री एन० रंगनायकी ध्रौर अदर्स। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपत मम्यति के बार्गन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति बादा;
- (ध) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख़ न 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जो सकेंगे।

ह्यब्दीकरण:---इसर्ने प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उत्तन प्रधि-नियम के घडनाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण, 1, चारी चेट्टी स्ट्रीट, मब्रास-17 (डाकुभेंट सं॰ 90/79)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 6-9-1979

प्र**क्षम आई॰** टीक प्रक एस००००

आध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269 व (1) के अधीन मुचना

भारत स**रका**ण

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 8478—यतः, मुले, राधा बाल कृष्णन, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसके प्रधान 'उक्क प्रधिनियम' कहा एक हैं), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सब्बन, जिसकी सं० 107, बोठि चेट्टी स्ट्रीट है, जो निक्ष्या-पुलियूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कठलूर (डाकुमेंट सं० 98/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जनवरी 1979

को पूर्व वस सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अम्तरित की पर्दे है चौर मृद्धे पह विकास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्यत्ति का उतित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकाल में, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है चौर मन्तरक (धन्तरकों) मौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत लिम्नांलिखत उद्देश्य से उक्त सन्तरण निकास में बास्तिक रूप से कांचत महीं किया गया है :---

- (क) धन्तरम में हुई छिने प्राय को नावत क्रमन अधि-नियम, के धिधीन कर देने के धन्तरक के दायित में कभी अपने या उसने बचने में सुविधा के सिए; नोज/ता
- (ख) ऐसी किनी धाम या किनी द्वा या प्रस्य आस्तियों को, निन्हें भारतीय आयकर प्रवित्तियस, 1922 (1922 का 11) या उच्च प्रवित्तियस, या धनकर अधि-नियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं दृश्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, द्विपाने में सुविशा के लिए:

अतः अस, उन्हें पश्चितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की जवसारा (1) के धनीन, निम्निक्षित स्पृक्तियों, अस्ति:--- 1. श्री डी० बीरप्पन चेट्टियार ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जी० घतसला देवी।

(ग्रन्तरिती)

को यह जूबना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के गर्अंत के बिय कार्यवाद्विया करता है :

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी यासेप: - -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सबित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रवित, की भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एकोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मुक्ता के राजपत्त से प्रकाशन की तारोख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर पर्म्पत्त में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहरनाक्षरी के पास सिश्चित में किये का सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त अन्तों धौर वधों का, जो उक्त घेष्ठि-नियम के घश्याय 20-क में यथा परिभावित हैं, बही धर्ष होगा जो जम धश्याय में दिया क्या है।

### धनुष्धी

भूमि श्रौर निर्माण 107, बोठी चेट्टी स्ट्रीट, तिरूपापुलिय्र (डाकुमेंट सं० 98/79) ।

> राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 5-9-1979

प्रकृप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भायकर प्रक्रितियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10007—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्राधिक है

म्रीर जिसकी सं० एम० सं० 459/2, 468/12, 469/470. 471/1, 472 है, तथा जो पैरियनाखनपालयम में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता म्रियकारी के कार्यालय, पेरियनायखनपालयम (डाकुमेंट सं० 51/79) में भारती रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन, तरीख 16 जनवरी 1979 की

का 16) के ग्रधीन, तरीख 16 जनवरी 1979 को ]
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये भग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उकत भाष-नियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व मन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिष्टिनयम, या धन-कर ध्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, ने, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :--- 1. सक्ष्मी मशीन बौरक्स लिमिटेड

(भन्तरक)

 लक्ष्मी कारठ कुलोतिनघ मैनुफैक्चरिंग कम्पनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी} करके भूविक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन। के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वात के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त गन्धों ग्रीर पद्दों का, जो उक्त ग्रिख-नियम के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# बमुस्ची

भिम ग्रार० एस० सं० 459/2, 468/1, श्रीर 2, 469, 470, 471/1, 472, पैरियनायखनपालयम (डाकुमेंट सं० 51/79)।

राधा बालकृष्णन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 5-9-79

प्रकप आई० ३० एन० एस० --

1. श्रीमती भार० भ्रम्बनदम

(मन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के बन्नीन सूचना

2. लवली टामस

(भ्रन्तरिती)

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10016—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूह्य 25,000/— स्पए से ग्राधिक है

स्पर् स साधक हैं

स्प्रीर जिसकी सं० एम० सं० 243, है, तथा जो पल्लठम में
स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लठम में
(डाकुमेंट सं० 44/79) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 जनवरी 1979
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान
प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पम्मह प्रतिशत से प्रविक है भीर अन्तरकाँ)
भीरः अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए
स्म पाया गया प्रतिफल निम्मिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिवित में वाक्तिक कर से कचित महीं किया गया है।—--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, सक्त भिष्ठित्यम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिन्नित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नियम, या धन-कर भिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिसी हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः भव, उन्त मिसिनयम की धारा 269-ग के भनुसरक में, भें, उन्त मिसिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अजीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जबात् :---10--296GI/79 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रवंत के निए कार्यवाहियां करना हं ।

उन्द सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप ।-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रस्य क्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
  सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### घनुभू वी

भूमि ग्रीर घर एस० सं० 243, पल्लठम (डाक्नुमेंट स० 44/79) ।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रज-II, मद्रास

तारीख: 5-9-1979

प्रारूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भागकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2698 (1) के प्रश्नीत सूचना

थारत सरकार

कार्योजम, सहायक भायकर भायनत (निरीजन)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निदश सं० 10031—यतः, मझे, राधा बाल कृष्णन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िअसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 59, 60, 70 और 71 है, तथा जो उटकमेंड में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय, उटी (डाकुमेंट सं० 144/79) में रिजस्ट्रीकरण प्रिक्षित्तयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 16 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान शितफल के लिए मन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीत ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिश्वित उद्देश से उन्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरक से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रीध-नियम के भ्रधीन कर देने के सन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किबी माय या किसी बन या मन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या बन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अर्थः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—- 1: राके मोहमद

(भ्रन्तरक)

2. श्रीराम गल मोहमद सेयद

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्तिके अर्जन के संबंध में कीई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की धविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य क्यन्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण श्रार० राम सं० 2525 उटकमंड, (डाक्र्मेंट सं० 144/79)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 5-9-1079

प्रारूप आई० ठी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्रण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10068—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के भ्रधीन सक्षम भ्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- चपए से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 55/2 ए 2 ग्रौर 56/2 ए 2, है, सथा जो सनधनूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कोयम्बद्र (डाकुमेंट सं० 367/79) में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 को 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण जिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, बक्स अधिनियम के धनीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने मा बससे बचने में तुविधा के बिए; भौर/वा
- (ख) ऐसी किसी साय या किसी सभ या अध्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या सन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्तरिती हारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए या, स्थिपाने में सुविद्या के किए;

भतः धव, चक्त भविनियम की बारा 269-न के भनुसरक में, मैं, चक्त अधिनियम की घारा 269-व की चपमारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री ए० श्रीनिवासन

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती के नीलावती

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तानीज से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्पीशरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों भीर पर्दों का, जो उक्त श्रिमियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिशायित हैं; वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

## घनु सूची

भूमि ग्रौर निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 55/2 ए 2 ग्रौर 56/2 ए 2, सनधनूर, 14/21-1 शिवानंदा कालोनी कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं॰ 367/79)।

राधा बालक्वरूपन सञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

तारीख: 5-9-1979

प्रकप भाई• टी• एत• एस•-----

मावनर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सुबना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सङ्घायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मब्रास

मन्नास, दिनांक 27 ग्रगस्त 1979

निदश स० 6920—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० 53, उसमान रोड है, तथा जो ी० नगर, मद्रास-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीश्रती प्रधिकारी के कार्या लय, टी० नगर, मद्रास (डाकुमेंट स० 5/79) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के जियत वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास सरने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का जियत वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और वन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिथित में वास्तिवक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (अ) ग्रन्तरण से हुई जिसी याय की बाबत उक्त सिक्ष-नियम के मधीन कर वेने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या धन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविका के लिए;

धतः धनः उत्त प्रधितियमः, की बारा 269-य के सनुसरण में, में, उत्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीतः, निम्मतिश्वित व्यक्तियों, प्रवादः— 1. श्रीमती जे० जमुना

(ग्रन्तरक)

2. श्री जी० रामकृष्णन गीतांजली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हार;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में द्वित- वद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण: —-इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो आयकर ग्रीमियम के ग्रीड्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा जो उस ग्रीड्या गया है।

## भनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—53, उसमाण रोड मद्रास-17 (डाकुमेंट स॰ 5-79)।

> राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-9-1979

प्रकप बाई • टी • एन • एस •----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1979

जिदेंग स० 10023—यतः, मुझे, राधा बालकृष्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

ध्रौर जिसकी सं० 14, डाक्टर वरदराजन रोड है, तथा जो गुन्टूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चेंकलपेट (डाकुमेंट सं० 145/79) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिश्वत से मधिक है और मन्तरिक (धन्तरिकों) भीर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्त्विक इप से किचत नहीं किया गया है ।--

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की वाबत, उन्त स्विध-नियम के सधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; सीर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम. या अनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 ग के घनुसरण में, मैं, उक्त धिवनियम की धारा 269व की उपधारा (1)के घडीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—ः 1. श्रीमती वठवल्ली भ्रम्माल

(भ्रन्तरक)

2. श्रीपी० के० ठौरेस्वामी रेट्टियार

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वश्व किसी प्रन्य क्यक्ति द्वारा अचीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पन्नीकरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रक्षि-नियम के घड़्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस घड़्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण 14, डाक्टर वरदराजन स्ट्रीट गुन्टूर (डाकुमेंट सं० 145/79)।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 6-9-1979

प्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

ा १० टी • एन • एस • — - ा. श्री मञ्जूल मजीद खान श्रीर मदरस

(श्रन्तरक)

थायकर चंधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-व (1) के धंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्तम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6932—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सझाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- के सीक्षक है

श्रीर जिसकी सं० 315 श्रीर 316 है, तथा जो मीडं रोड, मद्रास18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट सं० 128/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कन के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे वह विश्वात करने का कारण है कि ववापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान श्रतिफल का पन्तरह श्रतिकात से श्रीक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम बाजा गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक उप से काखत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, अक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ब्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने कें सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी माथ या किसी घन या अध्य आहितयों को, जिन्हें जारतीय माय-कर मिलिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्त मिलिनयम, या मन-कर मिलिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा या या किया जाना चाहिए चा, जियाने में कृष्या के लिए;

बतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसर्घ में, में उनत समिनियम की धारा 269-ग की उपबारा (1) के अजीन, निम्मलिजित स्पन्तियों,- अविष्:-- टेन इंडिया वाटुल एक्सट्रेक्टस कम्पनी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अपित ना तत्सम्मन्ती व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की मनवि; जो भी
  भवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस तूथना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हिसके हैं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोद्दश्ताकारी के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पाधीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पत्नों का, जो 'उस्त अधिनियम', के ग्रष्ट्याय 20-क में परिवाधित हैं, वही वर्ष होना, जो उस ग्रष्ट्याय में विद्या गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 315 श्रौर 316, मौंड रोड, मब्रास-18 (डाकुमेंट सं० 128/79)।

> राधा बाल कृष्णन, सक्षम प्राविकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 6-9-1979 मोहर : प्रकप शाई० टी० एत • एस • ---

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10052—यतः, मुझे, राधा बाल कृष्णन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ र० से अधिक है

भौर जिसकी सं० धार० एस० सं० 1165, 1162, 1163 है तथा जो एबनेसर विल्ला मिशनरी हिल, उटी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उटी (अकुमेंट सं० 233/79) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 16 फरवरी 1979

के प्रधान, ताराख 16 फरवरी 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रनारित की गई है भीर मुझे यह विश्वमस करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिश्वत से
अधिक है और मन्तरक (प्रनारकों) भीर सन्तरिती (धन्तरितियों)
के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से इक्त प्रनारण निचित में बाक्यविक अप से क्यात नहीं
किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत जनत प्रधितयम, के ग्रमीन कर देने के ग्रम्तरक के दायिश्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के जिए; पौर/या
- (च) ऐसी निसी भाग या किसी घन या अन्य प्रास्सियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

अंतः श्रम, उनत प्रश्चितियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में. उन्त श्रश्चितियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रश्चीन, निम्निखिक्षा व्यक्तियों, श्रश्चीन :--- 1. श्री बी० बी० मुदकुर

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती बालबीर कौर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सघोहस्तावारी के पास जिखात में किए जा मर्केंगे।

रपब्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त ग्रेक्षिनियम के मध्याय 20-क में परिमाषित हैं, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भृमि श्रौर निर्माण स्बनेसर विल्ला मिशनरी हिल, उटकमंड (डाकुमेंट सं० 233/79)।

> राधा बाल कृण्णन्, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-9-1979

धकप धाई• टी० एन• एस•----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के मधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक श्रायकर भाषुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10015—यतः, मुझेश् राघा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास-करने का कारण है कि स्वावर संगत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 7, ग्रानमलाई हिल्स है, तथा जो वालमौर (मस्तमलै एस्टेट) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रानमलै (डाकुमेंट सं० 26/ 79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी 1979 को

क अधान ताराख जनवरा 1979 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान श्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्वरक (अन्वरकों) 'भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निवित्त में वाश्यक्षिक कप से क्षिप्त नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यारण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रवि-नियम, के प्रश्नीन कर देने के प्रत्यारक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी वन या मन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविधा के लिए;

मत: सब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- र् 1. श्री एस० नाचिमल घोंडर श्रीर श्रदर्ज।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० भ्रन्तमेलु ग्राची श्रीर श्रदर्ज

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपर्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.प. सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये चा सकेंगे।

स्पटीकरण।---इसमें प्रयुक्त क्षड्वों भीर पदों का, जो उनत स्रिधिनयम के सध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 7, जी० एस० सं० 1/1, ई०-1, न्नानमले हिल्स, बालपीर (मृतुमले एस्टेट) (ज्ञाकुमेंट सं० 26/79) ।

राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, मद्रास 🌡

तारीख: 7-9-1979

प्रकृष भाई। टी। एन। एस।---

आयकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन मुखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 10015—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, **बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारभ है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/- व • से अधिक है। घौर जिसकी सं० प्लाट सं० 6 है, तथा जो धानमलै हिल्स बालपारे (रामरमले एस्टेट) में स्थित है (ग्रौर इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भविकारी के कार्यालय, भ्रानमलै (डाकुमेंट सं० 27/79) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) प्रधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्तिका अधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पूर्वामान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिकत प्रधिक है भीर भन्तरक (अतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए त्वयं पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्षित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किती भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी घन या प्रम्य धास्तिबों को जिन्हें मारतीय धाय-कर घिषित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त घिषित्यम, वा धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनावं धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया वया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के बिए;

बत: भव, उस्त यांत्रियम की धारा 269-व के अबुसरच में, में, इस्त धांत्रियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:---- 11---296GI/79

1. श्री एम० नाचिमुतु घौं र श्रौर श्रवसं।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सी० भ्रतमेलु ग्राचि ग्रौर ग्रदर्स।

(भ्रन्तरिती)

को यह भूवना बारो करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त अध्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाओर :--

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकातन की तारीब से 48 दिन की घविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी धविध बाब में समात होती हो, के सीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा फिसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्तासारी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्योका, जो उक्त व्यक्षितियम के घष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं पर्य होता जो उस घष्ट्याय में दिशा स्या है।

#### अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 6, श्रानमलै हिल्स बालवारे (रामरमलै एस्टेट) (डाकुमेंट सं० 27/79)।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा : 7-9-1979

# प्रकप आईं • टी • एन • एस • ---

# भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक धापकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6952~ (यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन घिषिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से घष्टिक है ग्रीर जिसकी सं० 6/17 सी (89) है, तथा जो ग्रन्ना सालै, मद्रास-2 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन, मद्रास (डाकुमेंट सं० 81/79) में रिजस्द्रीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधोन, तारोख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **बुश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे** यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से ऐसे बृह्यमान प्रतिकल कः पन्द्रह् प्रतिशत से ग्रधिक है और म्रम्तरक (मन्तरकों) भौर भन्नरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित बहेश्य से उना अध्वरण जिबि। में बास्तविक ऋप से कथित नहीं िच्या गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की नावत उप। प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के सम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; धौर/या
- (ख) ऐसा किसी आप या तिसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें पारतीय भाव-कर धिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या तक्त अधितियम या अन-कर धिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, जिलाने में सुविधा के लिए;

भतः भग, उन्त प्रविनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपन्धास (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

1. एस्टेट आफ लेण्ड इटालिया

(ग्रन्तरक)

2. श्रामती एस ० एम ० रजीता बीवी ए० मोहमद जमील (ग्रन्तरिती)

को यह नूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्मति के सर्जन के संबंध में कोई भी साध्येप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि;
  जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रवाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबढ़ किसी मन्य श्यक्ति द्वारा, घघोत्रस्थाक्वरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्दों कोर पदों का, जो उक्त का वि-नियम के कह्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षर्य होगा, जो उस बह्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 89 ( $6/17 \, \mathrm{th}^2$ ) श्रश्ना मालै, मद्रास-2 (डाकुमेंट सं० 81/79) ।

राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-9-1979

प्रदेश भाई० टी॰ एन॰ एस०----

पायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269 म (1) में मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालव, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 8475/79—(यत:, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एउटा उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास खरने का कारण है कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- दे वे प्रधिक है

प्रौर जिसकी सं ० टी एस नं ० 3604/4 है, तथा जो जैल रोड, पुडुकोट्टे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रीकारी के कार्यालय, पुडुकोट्टे (डाकुमट सं ० 182/79) में, रजिस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1979 की ब्रुवॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृक्यमान प्रतिफल के लिए प्रकारित की गई है धौर मुखे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके वृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिभात से प्रधिक है धौर प्रस्तरक (प्रकारकों) धौर प्रकारिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे प्रकारण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण जिल्हात में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (का) ग्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबा, उक्त घितिबय के घिति कर देते के घन्सरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रग्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त घितियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के धवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री बी० के० एस० प्रब्दुल मजीद
  - (2) श्रीः बी० के० एम० कलीफुल्ला,
  - (3) वीं ० के ० एम ० जफक्ला

(भ्रन्तरक)

2. श्री पी० प्रब्दुल ग्रमीद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंका सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाखेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों क्षिमें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धन्य ध्यक्ति, द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी जक्त ग्रीधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, नो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# श्रमुसूची

डाकुर्मेट सं० 182/79 एम० ग्रार० ग्रो० पुडुकोई भूमि ग्रीर निर्माण टि० एस० नं० 3604/4 जैल रोड, पुडुकोई ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10-9-1979

# प्रकप माई । टी । एन । एस ----

धायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महाबह बायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, विनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 8473/79(यत—मुझे, राधा बालकृष्णन, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी स ० 46 है, तथा जो यानण वेंकटासल पिल्लै स्ट्रीट, पांडिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूनी में श्रीर पूर्ण रूप से वींणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जे० एम ० श्रार ० [ पांडिवेरो (11/79) में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रोत, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उवित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से श्रीक है और श्राप्तरक (श्राप्तरकों) धौर अन्तरिती (श्रा्तरित्यों) के बीच ऐसे श्राप्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नाचिंदत उद्देष्य से उक्त श्राप्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) प्रकारण से हुई किसी प्राप्त की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर केने के प्रमारक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या जिसी धन या भन्य पारिनयों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के बच्चीन, निस्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :-- उ

- 1. (1) श्रो सेंतुयर चिन्नप्पन
  - (2) श्री सेंलयर वलन्तणि

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस ० किलमन्टीण सैंट गेस सेंट गेस सैमण (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारहे पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धायोप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकातन की तारीख से
  45 विभ की अविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  सूचना की तारीख से 30 विभ की सबित जो की
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (चा) इस सूचना के पाजपन में अकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अस्य व्यक्ति हारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित वहीं पूर्व होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसू ची

डाकुमैट नं० 11/79 जे० एस० भार० I पांडिचेरी भूमि घौर निर्माण डोर नं० 46, यानण वेंकटासक पिल्ली स्ट्रीट पांडिचेरी ।

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रमयुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12-9-1979

प्रकृष साई। हो। एस। एस।---

अरंथकार धिव्रतियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

200 व (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सञ्चायक पायकर पायुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय

मब्रास, विनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं ० 6926/79-(यत:, मुझे, राधा बाल कृष्णन, भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीश्चानियम' कहा वया 🛊 ), की धारा 269न्य के प्रजीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका प्रनित बाजार बृत्य 25,900/- 🕶 🖢 प्रक्रिक ै भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है, तथा जो स्टर्लिंग रोष्ट, नुगेमपाक्कम, मद्रास 34 में स्थित है (भौर इससे उपाबद **बनुसुच**िमें ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, टं। ० नगर, मद्रास-17 में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से प्रतिकल के लिए अन्तरित की कम के दुश्यमान गई है और मुझे यह विश्वास करने है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य, उसके हुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, ग्रीर मन्तरक (मन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरन के लिए तय पाया वका निम्यविक्ति पहेरव से सक्त प्रस्तरम सिवित में बास्यविक

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त धीर्धनियम, के मधीन कर वेने के जन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/वा

🕶 से कथित नहीं किया नदा है:---

(ख) ऐंदी किसी बाप या किसी बन या प्रम्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय पाय-कर प्रश्निमयम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रश्निमयम, या धन-कर प्रशित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे प्रस्तिति द्वारा प्रकट नहीं किया वया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविशा के लिए;

बतः, मन, उस्त प्रधिनियम की घारा 269-म के अनुसरण में, में, उस्त प्रधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के निवकीन, म्नलिजित ज्यक्तिमों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती राजम वैदिमनातण

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बारती

(भन्तरिती)

ं को यह पूजना जारी करके पूजींका सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवादियां करता हूं ।

उपत सम्मति के बर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से
  45 विन की घनधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  मूचना की तामील से 30 विन की खनधि
  वो भी घनधि बाव में समान्त होती हो, के
  जीतर पूर्णोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  हारा;
- (ख) इस सूचता के राज्यक में बकातन की तारीक से
  45 किन के जीतर उक्त स्थावर सम्मति में
  दिलवड किसी घन्य व्यक्ति हारा, प्रधोहस्ताक्षरी
  के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्थलीकरका ---इसमें प्रयुक्त अन्तों घोर पर्वो का, जो उक्त धिविषम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उत्तय अन्याय में दिया गया है।

## थन्सची

डाकुमेंट सं० 97/79 एस० द्यार० द्यो० टी० नगर, मद्रास भूमि द्यौर निर्माण प्लाट नं० 3, द्यार० एस० नं० 533/25, स्टर्सलग रोड, जंगमपाककम, मद्रास-34।

> राधा बाल कृष्णन सक्षम श्रधिकारी सहायक **भा**यकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-9-1979

प्ररूप बाई • टी • एन • एस • ----

अध्यक्तर प्रश्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

🕟 कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, मद्रास कार्यालय मद्रास, विनोक 18 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० 6958/पी० 1/79-(यत:, मुझे, राधा बाल कृष्णन, आयकंष् प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रु० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जेम्स डोर नं० 71 है, तथा जो ग्रन्ना सालै मब्रास-2 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची ग्रीर पूर्ण- रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, तिरुपिलिकेन मब्रास (डाकुमेंट सं० 38/पी० 1/79) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1979

अधीन, तारीख जनवरी 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्द बाकार मूल्य से कम के पृश्यमान
प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यंवापृश्वित सम्पत्ति का जिन्द बाजार
मूक्स, जसके दृश्यमान प्रतिकत से ऐसे पृश्यमान प्रतिकत का
पन्नाह प्रतिकत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरक शिखित में बास्तिक
कथ से किंवत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रम्भारण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रम्भारक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के (अए; भौर/मा
- (च) ऐ शे किसी पाय मा किसी घर या प्रश्य आ ित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रश्वितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधितियम, या घत-कर प्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गम या या किया जाना पाहिए था, श्रिपाने में सुविधा के निए;

अमा अब, उक्त अधिनियम की धारा 269म के प्रमुखरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269य की व्यवारा (1) के खबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात: -- 1. श्री जगडोटु डिन्डा इटालिया

(भ्रन्तरक)

2. दि सेंट्रल को ० ग्राप ० प्रिटिंग वर्कस लि ०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोस्त सम्पत्ति के सर्वत के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन और तारी करें 45 विन की घवित्र या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी से 30 विन की ग्रन्नि, को भी ग्रव्सि बाद में समाष्ट्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सक्तेंगे।

क्ष्यविक्रण :- इसमें प्रयुक्त सब्बों घोर पहाँ का, बो क्षत धिक्षियम के बद्ध्याय 20-क में परिशायित हैं, वही धर्च होगा, बो उस ध्राव्याय में दिया गया है।

## मनुष्यी

डाकुमेंट नं० 38/79/पो० 1 एम० ग्रार० ग्रो० तिरुपि-लिकेन, मदास

भूमि श्रीर निर्माण--- डोर नं० 71, श्रन्ना सालै मद्रास-2।

राधा बाल कृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्स (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 18-9-1979

प्ररूप भाई ० टी० एन० एस०---

**प्रा**यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 6958/पी० 2/79—यतः, मुझे, राधा बालक्रुष्णन,

भायकर, भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त भिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भिधिक है और जिसकी सं०

नं ० 77, अन्ना साले हैं, तथा जो मद्रास-2
में स्थित है (श्रीर उससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तिरुपलिकेन
मद्रास 38/पी 2/79) में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908,
(1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1979
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिब क
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण चे हुई किसी आय की बात उक्त श्रिध-नियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, उद्दतः धिविनयम, की धारा 269-ग के ग्रानुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रार्थीत,:-- 1. श्री जमशेद डिन्शा इटालिया

(भ्रन्तरक)

2. दि सेंट्रल को ० भ्राप ० प्रिटिंग वर्क लि ० (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचन की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबंद्ध किसी अन्य व्यक्ति बारा अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्राधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

डाकुमेंट नं० 38/पी० 2/79 एस० श्रार० श्रो० तिरुपिलिकेन, मदास मूभि और निर्माण ---डोर नं० 77, श्रका सालै मद्रास-2

> राधा बालकृष्णन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम

तारीख: 18-9-1979

प्ररूप प्रार्ड टी एत एस ---

मायकर ग्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, विनांक 18 सितम्बर 1979

ग्रौर जिसकी सं० 201 प है तथा जो 3rd स्ट्रीट, गांबीपुरम्, कोयंबसूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, गांबीपुरम्, कोयंबतूर (डाक नं० 195√79) में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवितः वाकार मूहण से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये सन्तरिस की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथानूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहण, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रस्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उकत प्रस्तरण निखन में वास्तविष का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त धर्धि-नियम, के घर्धीन कर देने के धस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टित्यम, या धन-कर घिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिर्मियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त धिर्मियम की धारा 269-व की उपधारा(1) अधीन निम्ननिकित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्रीमती पी० एख० कोही।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) बलुभपुरी सोमनातण भौर
  - (2) पसनिमप्पण ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका वस्तरि के ग्राजीन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इत सूचता के राजाद में प्रमाणत की तारीख से 48 विन की भवित या तस्तेकी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 39 विन की भवित, जो की क्वीब बाक में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसीं अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपद्धीबद्धणः :-- इसमें प्रयुक्त पत्धी सौर पर्यो का, जो जनस प्रधिनियस, के प्रध्याय 20-न में परिचापिक्ष है, नहीं सर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में विधा गुसर है ।

## अनुसूची

डाकूमेंट नं० 195/79 एस० ग्रार० ग्रो० गांदीपुरम् कोयंबतूर।

भूमि म्रौर निर्माण—डोर नं० 201-ए अर्थ स्ट्रीट, गांदी-पुरम्, कोयंबतूर।

> राधा बालकृष्णन् सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 18-9-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० —

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 ध्रगस्त 1979

निर्देश सं० 1019/ए/सहारनपुर—म्ग्रतः मुझे, भरत घन्द चतुर बेदी,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2/424/1 है तथा जो मोहल्ला सराय धर्मासह में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालवे सहारनपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-3-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उबत श्रिधिनयम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म की उपभ्रारा (1) भ्रधीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—12—296GI/79

 श्री गजेन्दर सिंह पुत्र सन्त सिंह दुधा निवासी भ्रम्बाला रोड़, सहारतपुर।

(भ्रन्तरक)

 सरदार इकबाल सिंह पुत्र सन्त सिंह निवासी पटेल नगर, सहारनपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुखना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

गृह सम्पत्ति नं० 2/424/1, स्थित मोहल्ला सराय धूम ज़िह्र गली सहारनपुर में 30,000/- रु० की बेची गयी है।

> भरत चन्द चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-8-1979

प्रक्षप आई• टी • एन • एस •-----

माधकर मर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के समीन मुचना

भारत सरधार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) कानपुर, दिनांक 17 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० 742/ए/इटावा—यतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ब० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 377, 380, 393, 427 528 है तथा जो बाके राधोपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इटावा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30~5~1979 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कार्य है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशव अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए क्यापाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उधेक्य से उक्त प्रस्तरण, लिखत में वास्तिक रूप ये कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसो आय को बाबत, उबत ग्रधि-नियम के अधीन कर येने के श्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या सम्य भाक्तियों को, जिन्हें भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गक्षा गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- 1. श्री देवेन्द्र प्रसाद पुत्न श्री जय चन्द्र नि० ग्रहर इटावा मुहल्ला गौगाल। (श्रग्तरक)
- 2. सु कौर जौन्रेवजे श्री दर्शन सिंह, श्री सन्तोष सिंह पुत्र दला सिंह नि० शहर इटावा मुहल्ला चौगुनी व मोहन लाल चन्द पुत्र महादेव प्रसाद और हरीश चन्द पुत्र बालेश्वर प्रसाद नि० इटावा मुहल्ला व्यास गंज व श्रब्दूल मिलक व श्रब्दूल सलीम पुत्र हाजी श्रब्दूल गफ्फार नि० शहर इटावा मुहल्ला नौरंगाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माध्येप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्वदी तरण: - - इन में प्रयुक्त शक्यों और वदों का, जो उक्त खिल-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित है यही अर्थ होगा, जो उस भड़्याय में विमा गया है।

# अनुसूची

वाके राधो पुर में कृषि भूमि 20,000 की बेजी गई। भ च चतुर्बेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 17-8-1979

# प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

# भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के भिष्ठीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, विनांक 18 भ्रगस्त, 1979

निर्देश सं० 902-ए/ग० बाह--श्रतः मुझे, भरत चन्द भतुषदी

श्रायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीष्ठिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीष्ठकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से श्रीक है

भीर जिसकी सं० प्लाट हैं तथा जो जी० टी० रोड़ गानिया बाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31~1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अग्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कावत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रक्षितियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भव, उक्त श्रंधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रंधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के शंधीन निम्नकिखित व्यक्तियों, ग्रंचीत्:--- 1. मैं सर्स दि जनरल टाकीज लिमिटड 7 एम० जे० बिल्डिंग, चांदनी चौक, देहली। (श्रन्तरक)

2. मैंसर्स गोपाल दास स्टेट एण्ड हार्जामंग प्राइवेट लिमिटड 28 बारा खभा रोड़, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति ने धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी
  भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
  किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इमम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 4600 स्कुयर यार्ड स्थित आग माटियारी जी० टी० रोड़, गाजियाबाद में 7,00,000/-६० का बेचा गया।

> भरत चन्द चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 18-8-1979

प्ररूप भाई • ही • एन • एस • ---

धायकर ग्रम्भित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ग्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 20 ग्रगस्त, 1979

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- स्पये से प्रधिक है और जिसकी सं० 3 प्लाट है तथा जो हजारी का प्याओं में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रतस्त्री में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 क 16) के ग्रिधीन तारीख 2-1-1979 के

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत जक्त प्रधि-नियम, के घंधीन कर देने के घंग्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/या
- (भ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः धवः, उत्तत प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पन्तियों, अर्थात्:

- 1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह नि० सरस्वती मन्दिर सूरजकुन्ड रोड़, मेरठ सिटी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री फिसल मली पुत्र जाफर म्रली खान नि० भाई० मार॰ ए॰ लाईन्स मेरठ कैन्ट। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

जनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्षित्र नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी भर्ष होगा जो उस भ्रष्टवाय में विया गया है ।

#### अनुभूची

प्लाट नं० 3 सलीमेन्ट स्ट्रीट हजारी का प्याऊ मेरठ सिटी में 48750/2 की बेची गयी/जिसका कि वास्तिबक बाजारी मूल्य 75,000/- हैं।

> भ० च० **चतुर्वेदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 20-8-1979

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० 648-ए--- प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेदी गायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन मञ्जम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- हपत् से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० 19/1 है तथा जो मोहनी रोड, देहरादून में स्थित है (भीर इससे उपावड श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-1-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिग्रत से प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धम्तरण विखित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त श्रीक्षित्यम के प्रश्नीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरक में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  श्री चन्द्र भान गावा पुत्र धनी मल गावा निवासी मकान न० 1 लाल सिंह क्वाटर, 4 धमन वाला देहराष्ट्रन। (ग्रन्तरक)

2. श्री लाल बहादुर लाल पुत्र गुरदीन निवासी 13/ 342 परमट कानपुर वर्तमान निवासी 19/1 भोहनी रोइ, देहरादून। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त गर्व्यों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गृह सम्पत्ति नम्बर 19/1 मोहनी रोड़, देहरादून में 40,000/- ६० की बेची गयी।

बी० सी० चसुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-8-1979

नोहर:

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • -----

अध्यकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर त्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

निवेश सं० 922-एने/मेरठ 7980--- प्रतः मुझे, बी० सी० चतुर्वेथी,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से मिधिक है

भौर जिसकी सं० है, तथा जो श्रग्नवाल मण्डी तह० बागपत, मेरठ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बागपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन 15-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्शोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिबात उद्देश्य से उच्छ अन्तरण निम्निजिबात में बास्तविक कप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य पास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती दौरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरक भें, भें, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ब्राचीन, निम्नविविध व्यक्तियों, ग्रयींस्:--

- 1. श्री चन्दभान पिसर स्व० श्री मुन्शीलाल कपिल, (नाबालिक), सभुभन, सहदेव झशोक पुत्र गदाचन्द भान निवासी टटोरी परगना व तह० बागपत पो० खास जिला मेरठ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रामेश्यर दयाल पुत्र लाला बाबूराम व श्रीमती श्रंगूरी देवी पत्नी देवकरण दास निवासी श्रग्रवाल मन्डी टटोरी परगना व तह० बागपत पो० खास जिला मेरठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवा किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दी हरग:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उन्ह प्रधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सिख श्रहाता सभीर पुन्ता श्रथनाल मन्डी टटोरीबन्दर हदद चटाउन एरिया परगना व शह० बागपत जिला भेरठ म 1,00,000 ६० यम बचा गया है।

> बी० सी० **चसुर्वेदी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, कामपुर

तारीख: 1-9-1979

मीहर:

प्रकप प्राई•टी०एन•एस०-

बायकर अधितिथम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1979

नियम सं० 899-ए-गाजियाबाव/7980--- अतः मुझे, बी० सी० चसुर्वेदी बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्वात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च

के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1030 व 1030 ए है तथा जो मुरादनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गाजिया-बाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख 17-1-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिकल का वक्दह प्रतिशत प्रतिक है, और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) गौर प्रशादिती (प्रश्वरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्राविनियम के भ्रभीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या भन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायक श्रायकिया, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या वन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के भयोजना चें भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा यां निया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसर्क में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की वंशवारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- चौबरी देणराज सिंह पुत्र चौधरी छोटू राम निवासी 12 श्रोल्ड पाकेट मालविय नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री वेद प्रकाश णर्मा पुत्र श्री निरंजीलाल णर्मा निवासी 10001 बस्ट गोरखपार्क शाहदरा, देहली-32 ब श्रीमती सुदेश चावला पत्नी श्री पिशोरी लाल चावला निवासी 1/9263 बैस्ट रोहनाश नगर णाहदरा, देहली-32। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोचन सम्पत्ति के प्रजंत के विषय कार्यवाहियां करना हूं।

# उन्त सन्ति के धर्मन के सन्तन्त्र में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की भवित्र या तत्मम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 जिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीनर पूर्वीकत अविधि में किसी न्यक्ति हारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत्त में प्रकाशन को सारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी धक्य अपनित द्वारा, धक्षोहक्ताकारी के पास
  सिखित में किए आ सकेंगे।

रक्षतीकरणः - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त ग्राज्ञनियम, के श्राच्याय 20-क में परिमाणित हैं बही ग्रायं होगा, जो उस श्राध्याय में विका गया है :

#### अनुसुधी

एक सिनेमा भवन नं० 1030 एवं 1030 ए स्थित मुरावनगर परगना जलाबाद जिला गाजियाबाद में 4,50,000 रु० का बेचा गया।

> बी० सी० चतुर्नेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख": 1-9-1979

प्ररूप भाई० टी । एन० एस०----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1979

निर्देश सं० 1013/एक्वि०/ग्रागरा/78-79--ग्रत. मुझे, भ० च० चतुर्वेदी , आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 25/35 प्लाट 21 ए है तथा जो विनय नगर कालोनी, श्रागरा में स्थित

- है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रागरा में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12-1-1979
- तारीख 12-1-1979
  को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
  प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
  फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
  मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
  पन्तरह प्रतिशत प्रविक है भीर धन्तरक (भन्तरकों)
  भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए
  तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण,
  लिखित में बास्तविक कप से कवित महीं किया गया है :---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त प्रिष्ठ-विसम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्य में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के विए; बीर/या
  - (स) ऐसी जिसी घाय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को जिन्हें भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए चा, छिपाने स्विधा के लिए;

भतः भन, उक्त भिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन निष्निसिखत व्यक्तियों, प्रयात्:--- 1. श्रीमती विद्याधरी जौहरी वेवा श्री चन्द धर जौहरी श्री प्रभात कुमार जौहरी साकिनान 56 हैलमट रोड़, कलकत्ता प्रोजेक्ट इन्जीनियर इंडियन एक्सप्लोसिय लिमिटेड कलकत्ता मख्तारस्राम व पुत्र श्रीमती विद्याधर जौहरी माजकूट हाल वादी श्रागरा। (श्रन्तरक)

2. श्री गीविन्द प्रसाद व महेश चन्द्र व अशोक कुमार व वैकुन्ठ नाथ व गोपाल दास व क्रिज बिहारी पुत्रगण श्री फूल चन्द सिकनान नमक की मण्डी ग्रागरा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्ववदीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्न नियम, के प्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस भव्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

एक किता कोठी 25/35 मशहूर प्लाट नं० 21 ऐ० वाके विजय नगर कालौनी श्रागरा में 2,40,000/- रु० की बेची गयी।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-9-1979

प्रसप मार्ड । टी० एउ० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के धन्नीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

आयकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- ४० से भिष्ठिक है

श्रीर जिसकी सं० 104 है तथा जो मीर पुर कला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9-1-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से भधिक है भीर अन्तरक (मन्तरका) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिख्नित में बाहतियह हुए है कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त ग्रीति-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्नरक के वायिस्थ में कमी करने या जससे सकत थे सुनिश्चा के लिए। ग्रीप्र
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्सियों को, जिल्हें भारतीय आयक्तर प्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव, उक्त धांधनियम की आरः 269-ग के घर्-सरण में, में, उक्त धांधनियम की धारा 269 व की जनकारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रष्टीत् :---

- 1. श्री रवेन्द सिंह पुत्र श्रीसम सिंह नि॰ ग्राम बामनौली पो॰ खास पर॰ व तह॰ सरधना जि॰ मेरठ। (ग्रम्तरक)
- 2. श्री इन्द्र जीत सिंह वेदी पुत्र चंचेल सिंह बेदी देणबन्धु मार्ग, पहाड़ गंज, देहली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्जोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में अकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूचना के राप्रपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोद्दस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

## अनुसूची

श्रायकर निरीक्षक की रिपोर्ट के ग्राधार पर तथा सम्पत्ति का उचित बाजारी मूल्य के ग्रनुसार इस भूमि की कीमत 1,38,000/- रु० अ० की गयो है यह कृषि भूमि ग्राम मीरपुर कला पर० व तह० हापुड़ जि० गाजियाबाद में 70,000/- रु० की बेची गई है।

> भ० च० घतुवदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-9-1979

मोहरः

प्ररूप आई• टी० एन• एस•----

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के भिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

की पूर्वीक्त सम्यक्ति के उत्तित राजार मूल्य से कन के दृश्यसन प्रतिका के लिए मन्तरित को गई है मौर मृते यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह् प्रतिकृत से मिक है भौर भन्तरित (मन्तरिकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरिण के लिये तय पाया गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित में वास्त्रीक रूप से किया नर्ती किया गया है:--

- (क) अन्तरण स हुई कि ग्रं। प्राप्त की बाबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीत कर देने के श्रन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किया धन प्रायनियम, 1922 की जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिवाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त पितियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अन्धानयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित वपक्तियों अर्थात् :——

- श्री वैध विष्णू दत्त पुत्र स्व० प० वैध रामचन्द निवासी मोहल्ला राजघाट कनखल डा० खास पर० ज्वालापुर तह० ग्डकी जिला सहारनपुर। (श्रन्तरक)
- मैसर्स हिमालय प्रापर्टी एजेन्ट्स अपर रोड़ हरिदार मोहल्ला लाटोबालों हिस्सेदार हिमालय प्रापर्टी एजेन्ट्स अपर रोड़ हरिद्वार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्वत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी पार्शेंग :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर इर्गका व्यक्ति बादा में स्थान होती हा, के भीतर इर्गका व्यक्ति बादा है
- (ख) इ.३ नूचना के राजपत्र में त्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किमा अन्य व्यक्ति द्वारा मनोड्स्नाशरी के यास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों स्रोर पदी का, जो उक्त प्राविक नियम के प्रध्याय 20-क में परिकाधित हैं, वहां अर्थ होगा, जा उस ग्रष्ट्याय में रिवा गया है।

## अमुसृघी

इस कार्यालय की जांच रिपोर्ट के अनुसार एवं इकट्ठा किये गये सबूतों के अनुसार इस कृषि भूमि का बाजारी मूल्य वास्तविक मूल्य से 15 प्रतिशत से अधिक आता है।

> बी० मी० चनुर्षेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-9-1979

प्रक्ष आई• टी॰ एन॰ एस•----

भावनर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के धर्धीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यांत्रव, सद्दावक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज सोनीपत रोड

रोहतक., दिनांक 9 ग्रगस्त, 1979

निर्वेश सं० जी० श्रार० जी० 27/78-79--ग्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियां निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहतक

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'बक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 व के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-क से श्रीधक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि रकवा 20 कनाल 6 मरले तथा द्यूबवेल है तथा जो ग्राम दौलतपुर नजीराबाद (गुड़गांव) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचं में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राक्त श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्राकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाबार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पत्नह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (मन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर अबिकियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मदः सन, उक्त मधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269भ की उपघारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री समपत पुत्र श्री दीप चन्द ग्रहीर निवासी ग्राम मुलाहेड़ा तहसील तथा जिला, गुड़गांव। (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स क्या सटड तथा ध्रग्नीकलचर फारम (प्र) लि॰, ग्राम दौलतपुर नजीराबाद जिला गुड़गांव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्रीप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की श्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत थें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबढ़ किसी मन्य म्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त ग्रीध-नियम, के ग्रव्याय 20-क मे परिभाषित हैं वहीं श्रष्ट होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 20 कनाल 6 मरले ट्यूबवैल सहित जोिक ग्राम दौलतपुर नजीराबाद जिला गुड़गांव में स्थित है तथा जैसे कि रजिस्ट्र'कृत गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3663 तिथि 2-2-1973 पर दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां सक्षम प्राधिकारी; सद्दायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारोख: 9-8-1979

प्रस्प धाई० टी॰ एन० एस०---

मानकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा . 269-म (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 9 अगस्त 1979

निर्देश सं० पी० एन० पी० 11/78-79--- अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां, निरीक्षी सहायक ब्रायकर ब्रायक्त श्चर्जन रेंज ,रोहतक आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम, कहा गया है), की घारा 269-ख के प्राचीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका मृल्य 25,000/-रुपये से मधिक है ग्नौर जिसकी सं० भूमि रकबा 5 बीघा 2 विसवा है तथा जो पती राजपूतन, पानीपत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध **अनुसू**ची में **भौ**र पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रध-कारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और मन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित जहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित महीं कियामबाद्देः—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की वाबत उक्त, भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें, भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मन, उन्त भिर्मित्यमं की धारा 269-म के अनु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयातः ---

- 1. श्रोमती बिमला चौधरो, विधवा श्री लक्षमन दास मकान नं 188, माङ्गल टाउन, पानीपत। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री राधे शाम पुत्र श्री किदार नाथ (2) श्री रूप चन्द पुत्र श्री लछमन दास निवासी पानीपत। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ब्राजेंन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपद्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रषे होंगा, जो उस ग्रज्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 5 बीघा 2 बिसवा जोिक पती राजपूतन पानोपत में स्थित है तथा जैसा कि रजिस्ट्रें।कर्ता पानोपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 4264 तिथि 19-1-1979 पर दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 9-8-1979

प्रकृष भाई० टी॰ एन० एस**॰----**

आयकर ग्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ(1) के ग्रधीन नुभना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, सीनीयत रोड

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जीं० श्रार० जीं०/15/78⊢79⊢⊷श्रतः मुझे, ईं० के० कोशी, निरीक्षीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त, श्रर्जन रेंज, रोहसक

आयकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रवीत सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृस्य, 25,000/- ६० से श्रीविक है

श्रीर जिसकी सं० 1/8 भाग कोठा नं० 3, सिविल लाईन्स है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकरी श्रधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्राकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के बृश्यमान श्रिक्ति के सिए सन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मून्य उसके वृश्यमान श्रिक्ति के ऐसे वृश्यमान श्रिक्ति का पन्द्रह श्रिक्ति से अधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रिक्ति, निम्नकिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में नास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से बुई किसी आय की बाबत उन्त बधिन नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिये; और/या
- (ख) ऐसी किसा आय या किया धन या प्रस्य पास्तियां को. निस्त्रें भारतीय प्रायकर पांधनियम, 1922 (1922 का 11) गालका अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के विवे;

अतः अभ, उन्त अधिनियम का धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री सतोश कुमार जैन पुत्र राजा रत्ती राम जैन,
   सिविल लाईन्स, गुडुगांव। (म्रन्तरक)
- 2. श्रो राजपाल सिंह, सरना पुत्र श्री ईश्वर सिंह सरना श्री ईश्वर सिंह सरना पुत्र श्री इन्दर सिंह सरना निवासी जी-ज्ञलाक हरि नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खास 45 दिन की भविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, यो भी भविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारोख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकरी के पास निक्षित में किथे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसन प्रयुक्त शब्दी श्रीर पदी की, जो उक्त अधिनियम के शब्दाउ 20-६ में परिमाणित है, बही अर्थ होता, जो उन ग्रह्माय में दिया गुरा है।

#### अनुसूची

सम्प्रित 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्स गुड़गांव तथा जैसे कि रिजस्ट्रोकती गुड़गांव के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 3586 तिथि 25-1-79 पर दर्ज है।

> ईं ० के ० कोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-9-1979

मोहरः

प्रस्य बाईं⇒ टी• एन०एस०——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी ० श्रार ० जी ०/16/78-79--श्रत: मुझे, ई ० के ० कोर्गाः, निरंक्षाः सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, रोहतक

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्द प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्माम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्मति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क सं प्रधिक है

श्रीर जिसके। सं ० 1/8 भाग कोठी नं ० 3, सिबिल लाईन्स, है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप में विणत है), रिलस्ट्रंकिता श्रिधिकारी के कार्यालय, गुड़गांव में, रिजस्ट्रंकिरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधंन, तारीख जनवरी, 1979 की पूर्वोक्त सम्पति के उवित बाबार मूख ने कम के दृश्यमान श्रीतिक के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्भति का उचित बाजार पूर्य, उसके एवान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का 15 प्रतिकात से श्रीवक है भीर मन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे सन्तरिक (अन्तरित विण् तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ग विदित्त में गम्तिविण रूप से अग्नित नहीं किया गया है:----

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर वेने के प्रश्तरक के दायिख में कमो करने या अससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या कियो धन या अन्य आस्तियों की जिण्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 2699 की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एस० के० जैन पुत्र श्री राजा रत्ती राम जैन
 सिविल लाईन्ज, गृङ्गांव।

(भ्रन्तरक)

 श्री हरिवन्द्र सिंह छतवाल पुत्र श्री दर्शन सिंह छत-वाल ,निवासी 136, गौतम नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अपित दारा;
- (ख) इत सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त पिंधिनियम के ब्राध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जी उस ब्राध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3, मिबिल लाईन्स गुड़गांवा तथा जैसे कि रजिस्ङ्रीकर्ता गुड़गांवा के कार्यालय में रजिस्ट्रो क्रमांक 3587 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है।

> ई० के० कोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-9-79

प्रकृप वाई• टी• एन• एस•----

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, सोनीपन रोड

रोहतक, दिनांक 1 मितम्बर, 1979

निर्देण सं० जंं० ग्रार्० जीं०/17/78-79--म्प्रतः मुझे ई० के० कोशी, निरीक्षो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, भ्रर्जन रेज रोहनक

ह्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-इंश्वे अधिक है

श्रीर जिसकी सं 0 1/8 भाग कोठा नं 0 3, सिविल लाइन्ज़ है तथा जो गुड़गांब में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनु सूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, गुड़गांव में, रजिस्ट्रोकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, तारोख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए धन्तरित की गई है धर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूस्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दृश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह प्रतिशत मधिक है और धन्तरक (धन्तरिकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, जिप्न निवित्त उद्देश्य से उक्त धन्तरण सिवित में बास्तविक रूप धे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण में हुई किसी भाग की बायत, उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

%तः धव उक्त प्रश्चितियम की घारा 269-म के धनुसरण में. में, उक्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपधारः (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात:----  श्रं/ एस० के० जैन पुत्र राजा रत्तो राम जैन 1, सिबिल लाईनज, गुड़गांव।

(भ्रन्तरक)

 श्रामतो जसबीर कौर पत्ना श्रा जगजीत सिंह सा~7 ग्रोन पार्क श्रवसटैंगन, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) अस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के नास निख्यित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उन्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं ग्रंथ होगा जो उम अध्याय में विद्यागया है।

#### अमुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3 सिविल लाइनज, गुड़-गांव तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3588 तिथि 25⊢1⊢1979 पुर दर्ज है।

> ई० के० कोणी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-9-1979

प्रकाश शाई•टी•एन•एस•----

आयकर अधिनियन, 1961 (1981 का 43) की धारा 289-भ (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, सोनीपत रोड

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जो० ग्रार० जो०/18/78-79--ग्रतः मुझे, ई० के० कोशो, निरोक्षो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रोड, रोहतक

श्वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

मूल्य 25,000/- ६० में मिश्रक है
प्रीर जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्स
है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में प्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, गुड़गांवा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास
करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वन से प्रधिक है भौर भन्तरक
(भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे
सम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण निखित में बास्तविक कप से कथित
नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन जर देने के भन्तरक के दायिस्य में समी करने या उन्हें करों ने सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों का जिन्हें भारतीय प्रायत्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त व्यधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधानतार्थ पन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या निया चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त ग्रिजियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्जलिखित व्यक्तियों, यर्थान्:——  श्री एस० के० जैन पुत्र राजा रत्ती राम जैन 1, सिविल लाइन्स, गुडुगांव।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कलबन्त कौर पत्नी श्री जसवीर सिंह सो-7, ग्रीन पार्क एक्सटेंगन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्पन्टोकरण: -- - इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भीधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स, गुड़गांवा तथा जैसे कि रजिस्ट्रोकर्ता गुड़गांवा के कार्यालय में रजिस्ट्रो क्रमांक 3589 तिथि 25–1–1979 पर दर्ज है।

> ईं० के० कोणो सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-9-1979

प्रकृष भाई० टी०एन० एन०----

आयक्षर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० जी ० ग्रार० जी ०/19/78-79---श्रतः मुझे, ४० के० कोशी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

मूल्य 25,000/- क्पंए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, निविल लाईन्स,
है तथा जो गुड़गांद्वा में स्थिति है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी
के कार्यालय, गुड़गांवा में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979
को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए श्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यद्यापूर्वीक्त सम्पत्ति का अबित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्र प्रतिशत से भिषक है भीर भन्तरक (श्रन्तरकों) भीर
भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचन धन्तरण निखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उनत श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के शन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रय्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रयतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः घव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के चनुमरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
14—296GI/79

- 1. श्री एम० के० जैन पुत्र श्री राजा रत्ती राम जैन 1, सिविल लाईन्ज, गुड़गांवा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जसबीर सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह श्रतनाल सी--7, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधि-तियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रार्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 1/2 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाईन्ज, गुड़गांवा तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्त गुड़गांवा के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक नं० 3590 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है।

> ई० के० कोषी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 1-9-1979

मोहरः

प्रकप भाई• टी• एन• एस•---

माबकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निदेश सं० जी०श्रार० जी०/20/78-79—श्रतः मुझे ई० के० कोशी,

आयकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- स्पमे से मधिक है

घौर जिसकी सं० 1/8 भाग, कोठी नं० 3, सित्रिल लाइन्स है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1979

को पूर्वोकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत स्रिक्षक है सौर मन्तरक (सग्तरकों) धौर प्रन्तरिती (मन्तरितियों) के शोच ऐसे अग्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अग्तरण जिजित में नास्तिक हम से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त मिश्रिनियम के अधीन कर देने के मस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (ज) ऐसी कियो प्राय या कियो श्रेत या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रन्तिरती दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने प्रें सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— श्री एस० के० जैन, पुत्न राजा रत्ती राम जैन,
 तिवल लाइन्स, गुड़गौँव ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कीरतन कौर, पत्नी श्री दर्शन सिंह छतवाल निवासी सी-7, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरीं के पास जिल्लात में किए जा सकेंगे।

पप्रकाशिकरण :--इनर्ने प्रयुक्त शक्तों सीर पदों का, जो उक्त सिंसियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठी नं० 3 सिविल लाइन्स, गुड़गांवा तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 3591 तिथि 25-1-1979 पर दर्ज है ।

> ई० के० कीशी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-9-1979 मोहर: प्ररूप आई० दी० एन० एस०----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, सोनीपीत रोड, रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निदेश सं० जी० ग्रार० जी० | 21 | 78-79— ग्रतः मुझे ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, ग्रर्जन रेंज, रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिश्वनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पल्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000 | • से मिथिक है

भौर जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3 सिविल लाइन्स, है तथा जो गुड़गांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुड़गांव में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाआर प्रथ से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पम्द्रइ प्रतिशत से प्रधिक है और भग्तरक (भग्तरकों) भीर भग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण मिश्वित में बास्तविक अप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; धीर/वा
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घरा प्राहितयों को जिन्हें भारतीय भाय-कर धर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षिनियम, या धन-कर धर्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धर्मिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपवादा (1) के बधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री एस० के० जैन, पुत्र राजा रत्ती राम जैन,
 तिविल लाइन्स, गुड़गांव।

(भ्रन्तरक)

 श्री दर्शन सिंह छतवाल पुत्र श्री महताब सिंह 136, गौतम नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी वाक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबब किसी धन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वयद्शीवारण: — इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त ग्राधिः नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रावें हागा ना उस पश्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

सम्पत्ति 1/8 भाग, कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स, गुड़गांव तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 3592, दिनांक 25-1-1979 पर दर्ज है।

> ई० के० कोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-9-1979 मोहर:

## प्रकप धाई० टी॰ एन॰ एस∙----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्नर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, दिनांक 1 सितम्बर, 1979

निदेश सं० जी० श्रार० जी०/22/78-79:—-श्रतः मुझे ई० के० कोशी,

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम 'कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से मिक है

भीर जिसकी सं० 1/8 भाग कोठी नं० 3, सिविल लाइन्स हैं तथा जो गुड़गांव में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय गुड़गाव में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृथश्मान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) भीर अन्तरिती (अन्तरिक्तों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) धग्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उनत अबि-नियम के अबीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या प्रग्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रव्यरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

भतः प्रवः उषतं प्रधिनियमं कौ धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपवारा (1) के प्रधीन निम्नसिबित व्यक्तियों, प्रपत् :--- श्री एस० के० जैन, पुत्र श्री राजा रत्ती राम जैन,
 1, सिविल लाइन्स, गुड़गांव ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह छतवाल, सी-7, ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी भाक्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध
  बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-का, में परिभाजित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

#### भगवधी

सम्पत्ति 1/8 भाग कोठो नं० 3 यिविल लाइन्स, गुड़गांव तथा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता गुड़गांव के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक नं० 3593 दिनांक 25-1-1979 पर दर्ज हैं।

> ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मानुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 1-9-1979 मोहर :

## प्रकप भाई•टी०एन•एस०---

## थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के सभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निदेश सं० ए० एस० डी/2/78-79—- ग्रतः मझे ई० के० कोशी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूह्य 25,000/- एक से क्षाबक के

श्रीर जिसकी सं० भूमि रकका 79 कनाल, 14 मरला, है तथा जो ग्राम मूनक, तहसील ग्रासन्ध में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रासन्ध में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जनवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्मित के जिया बाजार मूल्य में कम के बृश्यमान प्रतिफल के निए प्रतिरित की गई है और मुझे पह विश्वार करने का फारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्मित का जिला बाजार मुख्य, उसके बृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिक है, और अन्तरक (प्रश्तरकों) भीर प्रस्तरिती (प्रश्तरितीं) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित ज्रेश्य से उक्त अन्तरण जिलात में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) भ्रष्यरण से हुई किसी भाय की बाक्त उपत भ्रष्ठिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के निए;

अतः सन, उक्त अधिनियम को खारा 269-ग के अनुतरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यन्तियों अर्थीत् :---

- श्री परसा पुत्र श्री तेलू राम निवासी ग्राम मनक, तहसील ग्रासन्ध। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रत्तर सिंह पुत्न श्री दया राम निवासी ग्राम गगसीना, तहसील ग्रासन्ध। (ग्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रकृत के सम्बन्ध में कोई भी आखेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारीज से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविद्यामें में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस नूबना के राजयत में प्रकाणन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हिसबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहक्ताकारी के पास
  किस्तित में किए जा सकेंगे।

श्रवक्षी चरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जी उक्त प्रधिनियम, के घष्याय 20-क में परिशासित हैं, बही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में विका गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकवा 79 कनाल 14 मरले, जो कि ग्राम मनक में स्थित है तथा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रासन्ध के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2091 दिनांक 9-1-1979 पर दर्ज है।

> ई० के० कोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज, रोहतक

तारीख 21-9-1979 मोहर:

## प्रकप आई० टी॰ एन॰ एस॰--

# भागकर प्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के प्रधीम सूचना

भारत सरकार

भ्रार्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16, दिनांक 4 श्रगस्त, 1979

निदेश सं० एल० सी० 314/79-80—यतः मुझे के० नारायण मेनन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व॰ से अधिक है

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 22-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत धिक है धीर मन्तरक (धन्तरकों) धीर मन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए उपपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरम, जिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिक नियम के अधीन कर वेने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घर या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिविनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के निए;

अतः सब, उक्त समिनियम की भ्रारा 269-ग के अनु-भरण में, में, उक्त अधिनियम की भ्रारा 269-च की उपधारा (1) के सभीम, निक्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात्—

- 1. (1) डा० इन्दिरा देवी,
  - (2) श्रीकृष्णन
  - (3) श्री गोविन्दन
- · (इन्दिरा देवी के द्वारा)
- (4) श्री शिवन
- (5) श्री विजयन
- (6) जोसक मैक्षिकल एन्ड ब्रवर्स (जोसफ मास्यू के द्वारा) (ग्रन्तरिती)
- 2. (1) श्रीमती गिरिजा वेबी
  - (2) श्रीमती सरस्वती
  - (3) श्रीमती नलिनी
  - (4) श्रीमती पारवती
  - (5) श्रीमती शिवराम कृष्णन (गिरिजा देवी के द्वारा)

(ग्रन्तरक)

को यह सुचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किश्ची भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के धड्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस घड्याय में बिमा गया है।

## अनुत्वी

½ right over 58.5 Cents of land and building as per schedule attached to document No. 222/79.

कें० नारायण मैनन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 4-8-1979

त्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-16, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी०/319/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भ्रनुसूची के श्रनुसार है जो तिरुवनतपुरम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चाले में रजिस्ट्रीकरण म्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनाक 16-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति में उचित बाजार मृत्य से कम के के लिए भन्तरित की व्श्यमान त्रतिफल भौर मुझे विश्वास करने का कारण यस् ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर धन्तरितो (प्रन्तरितियों) के कीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से क्षित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उनत ग्रांबि-नियम के ग्रंबीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (भ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ध्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भवः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निक्निकित व्यक्तियों, अर्थात्: --

1. श्री एन० शिवताण् पिल्लै,

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) सर्वश्री मात्यू,
  - (2) शोशाम्मा,
  - (3) रोय० एम० भारयू
  - (4) निस्सी मात्यू
  - (5) शोशाम्मा माम्मन
  - (6) बेंली मात्यु

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ने भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति से प्रजैन से सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख छ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रिधितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया हुआ है।

## अनुसूची

43 Cents of land in Survey No. 2613/2, 2615/2 of Chengazhassery village.

के० नारायण मेनन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज -, एरणाकुलम

तारीख 7-9-1979 मोहर : प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन नुवार

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम एरणकुलम, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश मं० एल० सी० 333/79-80—यतः मुझें के० नारायण मेनोन

भायकर श्रिमित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिमित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिमीन प्रक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- कु से श्रीमिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो लितस्वनन्त-पुरम, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रगुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिर-बनतपुरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3:1-1979

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है यौर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वों ना समाति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) श्रौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक ख्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; श्रीर/या
- (था) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनायं श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. मान्य

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रम्भिणी वलसन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूबता के राजगत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अबिध या तत्मंत्रंधी व्यक्तियों पर सूबता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्होक्तरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के स्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही स्रयं होगा, जो उन स्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

9 Cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No. 37/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम,

तारीख 10-9-79 मोहर: प्रस्थ बाई । थी । एम । एम । -----

यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 265 व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम, एरणाकुलम, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 331/79-80-- अतः मझे, के० नारायणा मेंनोन पायकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवाल 'अपत धिविनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्ष म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उचित बाजार पुन्य 25,000/- ६० मे प्रधिक है ग्रौर जिसकीं सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो वर्कला में स्थित है और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर जो पूर्णरूप से वर्णित है)रजि-स्दीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 28-1-1979 को पर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है घोर मुधे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य से उसके इश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह विश्वित से मिन्निक है, भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तिविवां) के बीच ऐसे धन्तरण के जिए अम वामा गया प्रतिफल, निम्ननिश्चित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिजिक अप में कवित नहीं किया गया है :--

- (क) धन्नरण से हुई किसी घाय की सावत, उक्त प्रक्षित नियम, के धन्नीम कर देंगे के अम्लरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बुचने शे सुनिधा के लिए; और/णा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर धिधिनयम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

भतः, श्रम उक्त प्रश्निनियम की क्षारा 269य के अनुसरण में, में उक्त व्यक्तियम की बारा 269 व की उपधारा (1) के अभीन निम्नक्षिणित व्यक्तियों, वर्षात् ।—— 15 — 296GI/79 1. श्रीमती बी० भ्रानदवल्ली.

(म्रन्तरक)

- 2 (1) श्री पी० देवादासन नायर
  - (2) पी० प्रक्युतन नायर

(भ्रन्ति)

को यह सूबना जारो हरके पूर्वीकन सध्यति के स्रजेन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रकृत के मम्बन्ध में कोई भी पातन :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यत्रित द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिश्वरण :---इनमें प्रयुक्त शब्दों सीर पदों का, जो उक्त स्वितियम, के सब्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी सर्च होगा जो उस सब्याय में दिया गया है ।

#### **धनुसूची**

40 Cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No. 328/79.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख 10-9-1979 मोहर: प्रकप भाई । टी । एन । एस ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 332/79-80—यतः मुझे के० नारायणा मेनौन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मुख्य 25,000/- इपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के ध्रनुसार हैं तथा जो वर्कला में स्थित हैं (ध्रौर इससे उपावड ध्रनुसूची में ध्रौर जो पूर्णस्प से वर्णित हैं)रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय कोल्लम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन 29-1-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रिष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधिनियम की धारा 289-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती बी० मानंदवल्ली

(ग्रम्तरक)

2. श्री ए० ग्रवरफ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्रासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी अ्थिक्तयों पर सूचना की तारीख से 30 दिश की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रषें होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

### अनुसूची

61 Cents of land as per schedule attached to doc. No. 327/79.

सक्षम प्राधिकारी
कें नारायणा मेनोन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणा लम

तारीख : 20-9-1979

प्ररूप बाई । टी । एन । एस ----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के भवीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, विनांक 13 सितम्बर, 1979

निदेण मं० एल० सी० 335/79-80/---यतः मुझे के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भौर जिसकी सं० धनुसूची के धनुसार है तथा जो कोल्लम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय कोल्लम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के धिधीन दिनांक 30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है भौर मुझे गई विभवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भिक्त है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, निखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) घन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य धास्तिकों को जिन्हें भाय-कर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना चाहिए था, छिपाने सविधा के लिए;

भतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के भनुमरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीम निक्मलिखित व्यक्तियों, श्रंथाँत:--- 1. श्री प्रब्दुल करी

(भ्रन्तरक)

2. मोहनन नायर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्परदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिध-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषिष है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### अनुसूची

30 Cents of land as per schedule attached to doc. No. 348/79.

के० नारायण मेनोन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, एरण(कुलम

नारी**ख** 13-9-1979 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० ----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के म्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी० 336/79-80—पतः मुझे के० नारायण मेनोन ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

. रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है नथा जो कोल्लम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रमुसरण म, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ध की उपघारा (1) धर्धीन, के निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थीत्ः--- 1. प्रब्युल करीम

(म्रन्तरक

2. डा० के० परमेश्वन नायर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इपमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

12 Cents of land with building as per schedule attached to doc. No. 349/79.

सक्षम प्राधिकारी के० नारायण मनोन सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 13-9-1979

प्रकृप आई॰ डी॰ एन० एस०---

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

निदेश सं० एल० सी०337/79-80—यतः मुझे, के० नारायण मेनोन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूक्य 25,000/-रुपए से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कौल्लम में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से अति । आत्रार तूर्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वाद करने का कारण है कि अव्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिकृति से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (त्रन्तरकों) और। अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया यता प्रतिफल निम्नाविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाश्विक इन म निम्नाविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नाश्विक इन म निम्नाविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त ग्रीधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व म कमा करन या उससे बचन में सुविक्षा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसा बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों की जिन्हें नारतिय आय-कर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधितियम, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहा किया गया था यह स्तिया काना चाहिए था, छिपाने में,सुविधा के लिए;

बत: यह, उन्न श्रिविनयम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उनत श्रीविनयन की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री ग्रब्दुल करीम

(के॰ मैतीन कुंज एन्ड संस प्रा॰ लिमिटेडके लिये) (ऋन्तरक)

को यह गुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति क अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की जामील में 30 दिन की भविधि, वो भी भविदि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकें।

स्पड्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदी का, जो उक्त अधि-नियम, के यद्यात 20-क में विरिधापित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम ग्राष्ट्रणय से दिन गया है।

### ग्रनुसू वो

30 Cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No. 350/79.

के० नारायण मेनौन सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण), ग्रर्जन रोज, एरणाकुलम

तारीख 13-9-1979 मोहर: बक्प भाई• ठी० एन• एस•----

आयकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2694 (1) के ब्रधीन नूचना

#### मारत सरकार

## कार्यालय, सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 17 म्रप्रैल, 1979

निदेश सं० 111-317/ग्रर्जन/79-80/131----ग्रनः मुझे, ज्योनीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावः संगति, जिमका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र॰ से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो गंची में स्थित है (श्रीर इसते उपाब ब अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंची में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 8-1-79 पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के शेव ऐसे पन्तरित के लिए सम्पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय को नावत, उन्न अधि-नियम, क अधीन कर बेने के प्रन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे नजने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त था किसी घन गा मन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था किया जाना नाहिए था, छिएकों में सुविधा के किए;

मतः मन, उन्त प्रवित्यमं का धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात्:→-

 श्री ज्वालाप्रसाद जलान श्रौर गावल राम जलान पुत्रश्री स्वर्गीय मेली राम जलान नं० 8/श्राईए, नफर कुन्डुरोड, कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

श्री शमर सिंह जायशवाल
 प्रबन्ध निदेशक,
 मैंसर्स वरधन बदर्स, (प्रा०) लिमिटेड
 27'बी', कैमेम स्ट्रीट कलकत्ता ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इन नूबना के राजपत में प्रकाशन की शारी स से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकते।

स्कटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, वही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कई टेकड़े, जमीब्र जिसका रकवा 9 एकड़, 61 डीसमल जमीन मकान मय लाजवंत जो,

प्लैट नं०	खाता नं०
158	2/16
167	2/11
170	2/11
147	2/15
204, 205, 206	39
152	39
207	40/5
161, 162, 163, 164, 165, तथा 166 51	
533 श्रीर 534	52
160	51
147	2/16
487	38

ग्राम दुदरी, ग्रौर मुरहू परगना सोनापुर, थाना ग्रौर भ्रवर निबन्धक खूंटी, जिला रांची में स्थित है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 7 दिनांक 8-1-79 में विणित है।

> ज्योतिन्द्रानाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रेंज, पटना

नारीख 1*7-4*-1979 मोहर: श्रक्त शार्व• टी• एत• एस•----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के ग्रधीन सूचना

भारत परकार

हार्यातय, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 28 जून, 1979

निदेश सं० 111-333/म्रर्जन/77-80--म्रतः मुझे ज्योतिन्द्र

नाथ आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत भिन्नित्यम' कहा गया है), की घारा 269-अं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु॰ में का कि

भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नम्बर, 237, खाता नम्बर, 2है तथा तोजी नम्यर, 9 खवात नं० 1, है तथा जो बहादुर पुर, जिला पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रिविकारी के कार्यालय पटना सिटी में रिजस्ट्रीकरण श्रिवियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 12-1-79

को पूर्वीवत सम्यक्ति के उचित बाजार मूहय से कम के दुश्यवान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्डह प्रतिगत से बिक्कि है भीर भन्तरक (अन्तरकों) धीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक का म कथित नहीं किया गया है ...

- (6) अन्यरण से हुई जिल्ली भाष को बाजन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कभी करने था उलसे बचन में सुविधा के मिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या मन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर धिंधतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिंधतियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता काहिए वा, जिलाने में सुविधा के लिए।

बत: बब, उन्त धीवनियम, की बारा 269ना के धन्-सरण में, में, उन्त घीवनियम की धारा 269न्व की वपवारा (1) के बबीन निम्नलिकित क्षत्रिक्तों. अर्थात :----

- मैसर्म "बिहार के बुल कंपनी" के कड़ बाग रोड, थाना सुलतान गंज, जिला पटना द्वारा माझेदार:
  - (1) श्री मदन लाल विश्वनोई
  - (2) श्र डा० गांन्ति लाल विसनोई दोनों बल्दान श्री हरिदत्त विसनोई निवासी बोरोंग रोड, थानाकोतवाली, जिलापटना।
  - (3) श्रीमती सुरेश कुमार विसनोई, जौजे श्री रतनलाल विसनोई, निवासी श्री कृष्ण पुरी थाना कोतवाली जिला पटना।
  - (4) श्री भ्रंजिन कुमार विसनोई बल्द श्री मदन लाल बिसनोई निवासी बोरींग, के नाम रोड, थाना

- कोतवाली, जिला पटना, श्रपने श्रापको दर्शाते हैं इारा कानूनी, एटोरनी श्री मदन लाल विसनोई बल्द श्री देशी दत्ता विसनोई, निवासी बोरिंग केनाल, रोड, थाना कोतवाली, जिला पटना।
- (5) श्री उदय बिसनोई बल्द श्री रतन लाल विसनोई निवासी श्री कृष्ण पुरी, थाना कितेतवाली, जिला पटना ।
- (6) श्री देवेन्द्र कुमार गिह
  - (7) श्री योगेन्द्र कुमार सह दोनों बल्दान श्री राजेन्द्र कुमार सिंह निवासी बरादरी थाना कोतवाली जिला मुरादाबाद श्रपने श्राप को दर्शात हैं द्वारा कानूनी एटोरनी श्री रतनलाल विमनोई बल्द श्री हरिदत्त विसनोई मुहल्ला श्री कृष्ण पुरी, थाना कोटवाली जिला पटना। (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स रोड, ट्रान्सपोर्ट कार्पोरेशन प्रधान कार्यालय 14 तारा चन्द दल गली, कलकत्ता-13 जोबल कार्यालय ग्रारके०के० भट्टाचार्य रोड, पटना-1 द्वारा जोनल मैनेजर श्री बी० एम० जैन, बल्द स्वर्गीय श्री उज्जर जैन, सभी साझेदारी के मुख्तयारनामा मैंसर्स रोड, ट्रान्सपोर्ट कारपोरेशन, बनाम श्री किशन लाल श्रुरेका बल्द स्वर्गीय श्री कातीराम सुरेका,:
  - (1) श्री घनम्याम दास गोयल
  - (2) श्री ब्रह्मात्रन्द गोयल
  - (3) श्री श्रोमप्रकाश गीयल
- (4) श्री ताराचन्द मुरेका बल्द स्वर्गीय श्री कातीराम सुरेका । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रजंत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के खर्बन के सम्बन्ध में कोई भी धान्नेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की शबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की शबिध जो भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य स्थक्ति द्वारा, भ्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंग।

स्यब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

रिहायशी जमीन के सभी टुकड़े, जिसका रकवा करीब 25.5 कट्ठा है जिसमें तीन गोदाम एक पक्का कमरा एक ट्रान्स-फारमर कमरा एक कच्जा रूम बना हुआ है तथा तीन तरफ से बिरा हुआ है दिवाल जो 155 फीट 'पुरव से पश्चिम मेन रोड, और 235 फीट उत्तर से दक्षिण पूर्व की श्रोर 145 फीट पूरव से पश्चिम दक्षिण की श्रोर श्रीर 220 फीट उत्तर से दक्षिण पश्चिम की श्रोर से बना है। इसका प्लाट नम्बर, 237 खाता नं० 2 तौजी नं० 9 खवात नं० 1 जो मौजा बहादुरपुर परगना श्रजीमाबाद, सर्वेथाना पीरवहाँर, हाल केकड़वाग थाना

मुलतानगंज, धाना नम्बर 10 जिला पटनामें स्थित है। इसका पंजी हरण अवर निबंधक, पटना सिटी में दस्तावेज संख्या 142 दिनांक 12-1-79 के द्वारा हुन्ना है।

ज्योतीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी, सहायतः ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, पटना

तारीख 28-6-79 · मोहर:

प्ररूप माई०टी० एन• एस०---

भायभर भविनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269प(1) के भवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 25 सितम्बर, 1979 सं० 111--346/ग्रर्जन-79/80:---ग्रतः

निदेश सं० 111-346/ग्रर्जन-79/80:---ग्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्मित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्मित सक्षम'प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० से भिन्न है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 8 (पुराना) 15 (नया) सर्कील है, तथा जो नम्बर 23, सीट नम्बर 67 होलींग नम्बर 6 ग्रशोक राजपथ पटना (पटना मार्केट के सभीप) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन तारीख 15-1-1979

को पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है: ——

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उसत ग्रिभियम के भ्रमीत कर देने के भन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

पतः, धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ को वयधारा (1) के अधीन निम्तनिविध अभिनायों,ग्रयति:—-

- (1) श्री श्रब्दुल मोइज पुत्र सेख ग्रब्दुल श्रजीत मोहल्ला मुरादपुर भाना पीरबहौर पटना सहर, पटना । (श्रन्तकर)
- (2) श्री जय नाथ प्रसाद सपुत्र स्वर्गीय श्री देवी लाल साह निवासी राधिका निवास, श्रनुग्रह नारायण रोड (न्यू ऐरीया) कदम कुंग्रां जिला-पटना । (श्रन्तरिती)
- (3) (1) मैंसर्स-टाप टेलरिंग मुरादपुर (पटना)
- (2) मैसर्स वीग वेन बाचेज मुरादपुर, पटना । (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है) ।

की यह भूजना जारी करके पूर्वेक्ति सम्यन्ति के अर्जन के नियं **एतक्द्रारा** कार्येबाहिया करणाडू !

उन्त सम्मति के प्रजीत के सम्बन्ध भ कोई भी भ्राष्ट्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्यें होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान का हिस्सा 2 म्राना 8 पाई जिसका रकबा 37 कड़ी है जो मुरादपुर अशोक राज पथ थाना पीरवहौर पटना में स्थित है भौर पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 247 दिनांक 15-1-79 में वर्णित है भौर जो जिला भवर निबन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

्ष्योतीन्द्र नाथ, गक्षम ग्रधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन क्षेत्र, पटना

तारीख: 25-9-/9।

प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

धायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, निांक 23 मगस्त, 1979

निदेश संख्या राज/सहा० घा० प्रर्जन/589:— यत: मृझे, एम० प्रार० प्रग्रवाल ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वांस करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ष० से मिनक है

गौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रजमेर में स्थित है, (गौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जग्रमेर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 9 मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है ग्रीर धन्तरिक (अन्तरिकों) गौर धन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए त्य पाया गंग वित्फल, निम्नितिबित उद्देश्य से उचत धन्तरण निम्नितिवत में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत ४कत भ्रांत्रिनियन के भ्रधीन कर देन के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी वन या वण्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रीविनयम, या वनकर श्रीविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय श्रम्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए या, छिपाने में सुविधा के खिए;

बतः प्रव, उवत अधिनियम, को धारा 269-म के धनुमरण में, में, उवत प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री राम स्वरूप हिगड पुत्र गणेशी लाल हिगड, 2. धनपत झुमार नाबालिग, 3. कुमुमलता नाबालिग पुत्र एवं पुत्री श्री रामस्वरूप हिगड, नेहरु नगर, व्यावर । (श्रन्तरक)
- (2) 1. रंगलाल, 2. हरदीन पिसरान मंगला, 3. गणपत नाबालिग पुत्र मंगला बवलायत मंगला जाटनिवासी यान दीतड़ा तह, श्रजभेर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उनत निम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इप प्रता के राजरत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की प्रतिध या तक्सम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रता की नामीन से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यांवर सम्पत्ति में दिवबढ़ कितो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोद्दस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

क्ष्यव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के घट्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भय होगा जो उस शब्दाय में दिवा नवा है।

#### पन्यू को

37 बीघा 12 बिस्वा कृषि भूमि मय कुंघा वाके मौजा वात्रज्ञा तहसील ग्रजमेर जो उप पंजियक, ग्रजमेर द्वारा कर्माक 680 विनोक 9 मार्च, 1979 में ग्रौर ग्रधिक विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० भार० भ्रेप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन र्रेज, जमपूर

तारीखं : 23 भगस्त, 1979

प्रकप शाहं । ने । एन । एस । ---

आ4कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अधा 269न्य (1) के जर्भन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण)

### ग्रर्जन रेंज, जयपुर

### जयपुर, दिनांक 31 ग्रगस्त 1979

निदेश संख्या राज/सहा०/ग्रा० ग्रर्जन/590—यतः मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रवाल, अयकर अधिनियन, १५६१ (19६१ रा 43) (जिसे इसमें इनके पश्चान उक्त अधिनियमें कहा गया है). की पारा 269-छ कथ्यीन सम्भ प्रधिकारी का, २० विश्वाम करने का कारण है कि स्थार निर्मात, जिन र उपने व्यक्तर मूच्य 25,900/- रुपये से अधिक है तथा जो मदनगंज किशनगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत

है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय किशनगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 मार्च, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह पित्रशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकी) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीव ऐसे अन्तरिक के जिल्ल तथ पाया गया अतिफल, निम्लिखित उद्देश में उक्त अन्तर्थ लिखत में वास्तिक कप में कियत

नहीं कि ः गयः हैं:---

- (क) बनाइन से हुई किसी आय की बाबत खकत अधिनियम, के प्रशेषिक कर उने के शस्त्र रहे के दासिस्थ में नयी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/ा
- (ब : एसी िन आय । किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, निक्य भारतीय शायवर श्रीधनिक्रम, 1922 : 1922 को 11) रा उक्क श्राधनिक्रम, या विच्यार गण्यस्थित, 195, (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं प्रया गया वा या किया काना चाहिए का खिपानं में सुविधा के निष्

अदः धन, उनः अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं. उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात ---

- (1) मैसर्स महावरी साईजिंग फैक्ट्री द्वारा इसके पार्टनर्सः श्री लादू लाल, श्री प्रकाश चन्द, श्री महावीर प्रसाद पुत्रान श्री नवरतन मल गंगवाल, जैन, निवासी ग्राम दादीया, तहसील किशनगढ़।
- (2) श्री जतन सिंह, श्री गोपो चन्द, श्री नाहर सिंह, पुतान श्री गुलाब सिंह मेहता, निवासी ग्राम ढसूक तहसील किशनगढ़।

(ग्रन्तरक)

- (2) मैसर्स ओसबाल साईजिंग इण्डस्ट्री, द्वारा इसके पार्टनर्स:—
  - (1) श्री जबरी लाल मोडू लाल (एच० य्० एफ०) द्वारा श्री तिलोक चन्द पुत्र श्री जबरी लाल, श्रीमित प्रेम देवी पित श्री सोहन लाल, श्रीमित सिरिया देवी पित श्री तिलोक चन्द, निवासी बागसुरी तहसील एवं जिला अजमेर।
  - (2) श्री महावीर प्रसाद पुत्र श्री भैरु सिंह जामड़ श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र गुलाब सिंह सकलेचा, श्री ग्रशोक कुमार पुत्र जेठमल मेहता, मदनगंज किशनगढ़, ग्रजमेर। (श्रन्तरिती)

धी प्रमुखना जारी करके पूर्वन्ति सम्पास के धनन के खनन के खनन के

उक्त मंपत्ति के प्रजेत के भंजेप्र में कोई वा वाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीब से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंकेट दारा।
- (ख) १ ( पूचना के राजरत में प्रकाशन ता नाराह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनडड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किसे जा सकेंसे।

श्वध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दी श्रीर पदी का, जा उक्ष धिविषम के सदयाय 20-क में यथा परिशाधित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया क्या है।

## अनुसूची

म्राजादपुर, मदनगंज किशनगढ़ में स्थित मकान सम्पत्ति जो उपपंजियक, किशनगढ़ द्वारा ऋम संख्या 119 दिनांक 26-3-1979 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० म्रार० म्रप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 31 ग्रगस्त, 1979

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • --

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के धर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनोक 23 घगस्त, 1979

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्रम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० ए०-29 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उापाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जनवरी, 1979

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है यह विश्वास प्रोर करने का कारण मुस यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धांधक है मौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निमिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कवित भहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रश्चिम कियम के प्रश्नीत कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यां में सुविधा के जिस; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए;

धतः, धव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निकासिक्षत व्यक्तियों, प्रधातः :—

- (1) श्री कमल चन्द नवलखा पुत्र सेठ सिरह मल जैन ग्रोसवाल नवलखा रास्ता भैंकं जी कुन्दीगरान चौ, घाटदरवाजा, जयपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामेश्वर लाल दालवाला पुत्र श्री घीसी लाल वैश्य ध्रप्रवाल, निवासी चौक नथमल जी का चोकड़ी घाट दरवाजा, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य क्यक्ति झारा, अघोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कोंगे।

रपक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्षे होगा, जो उस शब्धाय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं॰ ए॰-२९ पश्चिम मुखी, जनता कालोनी, जयपुर पर स्थित मकामात जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 16 दिनोक 6-1-1979 पर पंजियक विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० प्रार० प्रग्नवाल, सज्जम प्राधिकारी' सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 23 धगस्त, 1979

प्रकप आई॰ टी॰ एन॰ एस•---

पायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भज रज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर, 1979

निदेश संख्या : राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/592:---यतः मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रवाल,

कायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथन प्रविनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रजीत संदाम प्राधिकारी को, यह जिश्वास करने का बारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्प 25,000/-रुपमे से अधिक है

धौर जिसकी सं० तथा जो जयपुर में स्थित है (धौर इससे उपबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जनवरी, 1979 को पूर्वोंचत सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से चम के बृध्यमान अतिकत के लिए जन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का धारण है कि यथापूर्वोंचत सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, असके वृध्यमान अतिकत में ऐसे वृध्यमान अतिकत का पम्द्र अतिकत प्रक्रिक है घीर पन्तरक (धन्तरकों) घीर पन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से जन्त धन्तरण लिखित में अधनवत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, बक्त प्रश्नियम के प्रश्नीत कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने वश्ने में सुविधा के सिए भौर/वा
- (था) ऐसी किसी भाग वा किसी धन या व्यव्य वास्तियों को जिन्हें भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया वया था या क्या वानाचाहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

अतः प्रव, वक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग्रेके धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-थ की उपकारा (1) के क्यीन निम्मलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः—

- (1) कुमारी रश्मि बंसल पुत्नी श्रीकिशन बंसल, प्लाट मं० ए-27, कान्ति चन्त्र मार्ग, बनी पार्क, जयपुर । (अन्तरक)
- (2) श्री श्यामसुन्दर लाल बाफना पुछ श्री विष्णु लाल बाफना निवासी 7 क 15, जवाहर नगर, जयपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो तरंहरूकों कासम्बक्तिके प्रवेत के लिए। कार्ववाहियों करता हैं।

बनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषीय :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी अपित दारा;
- (था) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति हिनबढ़ किसी अस्य स्थक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

श्यकीकरण 1---इमर्ने प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का जो उक्त धिनियम के घड्याय 20-क में परिमाधित हैं, बही धर्च होगा जो उस बड्याय में दिया क्या है।

### वनुसूचो

बंसल भवन का भाग, गुलाब पथ, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर जो उप-पंजियक, जयपुर द्वारा कमांक 116 दिनांक 27-1-1979 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० म्रार० म्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रॅंज, जयपुर

तारीख: 4 सिसम्बर, 1979

प्रक्रम भाई । टी • एन • एन • ----

आयकर भंधित्यः, 1961 (1961 का 43) की भारा 2694(1) के भ्रभीन नूचना

#### भारत सरकार

कार्गालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निदेश संख्या राज/सहा० भ्रा० श्रर्जन/593---यतः मुझे. एम० भार० भ्रग्रवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाबार मूख्य 25,000/- द॰ से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 21 जन०,

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझं यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकात अधिक है मीर मन्तरक (बालरकों) और बन्तरिती (भन्तिशिवयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से धुई कियो आय की बाबत, उक्त अधिमियम के प्रधीत कर देने के प्रनारक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविज्ञा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या प्रम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11: या उन्नत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे भन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बक: धव, अला धाधनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, अना धाधनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:—

- (1) कुमारी रिषम बंसल पुत्ती भी भी किशम बंसल, प्लाट नं ० ए-27, कान्ति चन्द्र मार्ग, बनी पार्क, जयपुर । (अन्सरक)
- (2) श्री स्थाम सुन्दर लाल बाफना पुत्र श्री विष्णुलाल बाफना, 7 क 15, जवाहर नगर, जयपुर ।

(भन्तरिती)

(3) मैसर्स नेशनल मीड्स कारपोरेशन (किरायधार) जयपुर।.

> (वह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना अरा करक पूर्वानन सम्बन्ध के सर्वान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त नन्यति के अर्जेत के सन्दन्ध में कोई भी पाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रकान की तामील से 30 दिन की सबिध, आ धी धवधि बाद में समान्त होती हो, के भातर प्रबॉक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकातन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितक के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में हितक के भीति के पास सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शढ़ों और पदों का, जा उथत बाधिनियम के घड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही घर्ष होता को तस घड़वाय में दिया स्था है।

#### पमुख्यी

बंसल भवन का भाग जो गुलाब पथ, सरवार पटेल मार्ग, सी इकीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कमांक 28 दिनांक 21-1-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में भीर विस्तृत रूप से विपंरणित है।

> एम० घार० ग्रप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जबपुर

तारीख: 4 सितम्बर, 1979

### प्रकप आई+ ही+ एन+ एस+--

## मायकर घष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-म (1) के घष्टीन सुमता

#### भारत सरकार

## कार्यालय, यहायक धायकर घायुक्त (निरीक्क)

प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्देश सं० राज/सहा० ग्राठ भर्जन/594—यतः मुझे, एम० ग्रार० अप्रवाल, भामभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- क्पये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 जनवरी, 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कप के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचितं बाजार मूल्य, असके वृश्यमान प्रतिफल ने ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भी पन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित ब्रह्म्य से उका जन्तरम जिल्डित में वास्तविक अप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (अ) धामरण से हुई किसी धाम की बाबत उक्त घोडानियम, के धाडीन कर देने के घम्परक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसा किसी आप या ित्मी क्षत या अग्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय धाय-कर धिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिवित्यम या घन-कर धिवित्यम, 1957 (1967 का 27) क प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मका था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में शुविधा के निए;

भतः मन, उक्त प्रधिनियम, ही बारा 269न के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-भ की उप-धारा (1) के अबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- (1) कुमारी रिश्म बंसल पुत्री श्री श्रीकिशन बंसल, प्लाट नं० ए-27, कान्ति चन्द्र मार्ग, बनी पार्क, जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी ग्रहणा बाफना पुत्री श्री श्यामसुन्दर लाल बाफना, निवासी 7 क 15 जवाहर नगर, जयपुर । (श्रन्तरिती)
- (3) मैसर्स नेणनल सीड्स कारपोरेशन, जयपुर (किरायदार) (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)। ग्रनुसूची

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के मंबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धर्याध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी धर्याध बाद में नमाप्त डाती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स िसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रशासन की वारीख़ से

  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति

  में हिलाबद्ध किसी सम्य ग्यक्ति द्वारा, भ्रधाहण्सा
  करो के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्वीकरण: -- अनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भव्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस प्रध्याम में दिवा गया है।

#### अनुसूची

बंसल भवन का भाग, गुलाब पथ, सरदारपटेल मार्ग, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कमांक 117 दिनांक 27 जनवरी, 1979 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं। एम० श्रार० श्रग्रवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4 सितम्बर, 1979।

प्ररूप भाई ० टा ० एन ० एस ० →

**मा**यकर घिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-घ(1) के अवंति सुनना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 सिम्तबर, 1979

निर्देश संख्या राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/595—यतः मुझे, एम० ग्रार० ग्रग्रवाल,

न्नायकर, मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० के मधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो जयपुर में स्थित है, (और इससे उापबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30 जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरेकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) भ्रन्तरण चे हुई किसी ग्राय की बात उक्त भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः स्रब, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्रवीत,:-- ५

- (1) कुमारी रिष्म बंसल पुती श्रीकिशन बंसल प्लाट नं ए-27, क्रान्ति चन्द्र मार्ग, बनी पार्क, जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सरदार कृमारी पत्नि श्री श्यामसुन्वर लाल बाफना निवासी 7 क 15 जवाहर नगर, जयपुर । (अन्तरिती)
- (3) मैंसर्स नेशनल सीड्स कारफोरेशन, जयपुर । (यह व्यक्ति जिसके श्रिष्ठिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सुचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन लिये कार्येषाहियां करता हूं।

उन्ता सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई/भी भाक्षोप :---

- (क) इस सुजता के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख कूंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्कों।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

### भनुसूची

बंसल भवत" नामक भवन का भाग, जो गुलाब पथ, सरवार पटेल मार्ग, जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा कर्माक 192 दिनांक 30-1-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० मार० मग्रवास, सक्षम प्राधिकारी. सहायक मायकर मायुक्त (निराक्षण) मुर्जन रेंज, जयपुर

तारींख : 4-9-79

मोहरः

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०--

मायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

र्मंत रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 4 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जुन/596—यतः मुझे, एम० ग्रार० ग्रप्रवास,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं ० प्लाट नं ० जे-47 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 फरवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण कि बिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीवितयम के ग्रीवित कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के छिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाम में स्विधाके लिए;

भतः ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, प्रभीत्:—

- श्रीमती स्थामा देवी विधवा स्व० श्री कपूर चन्द संघी प्लाट नं० जे-47, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री निद्दाल वन्द पुत्र श्री गुलाक वन्द कामलीवाल, ब्लाट नं० जे-47, क्रूब्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर। (श्रन्नरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मूरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस पूजा क राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी अत्रधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध ितनो प्रभ्य वाकित द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो जक्त प्रिविनयम के ग्रध्याय 20- रु में परिभाषित है, वही सर्य होगा जो जन श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सस्पत्ति जो प्लाट नं० जे-47, कृष्णा मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋमांक 265 दिनांक 9-2-79 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> एम० घार० भग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 4 सितम्बर, 1979

## 

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोषाल/1324/79-80--श्रतः मुझे, कृ० का० राय,

धायकर ग्रिधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीत सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पर्ये से ग्रिधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णहप से वर्णित ह), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 1-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अलिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर यह कि प्रन्तरक (ध्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखिन में त्रास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
17—296GI/79

- (1) श्री बन्सी लाल वल्द लक्ष्मी चन्द जैन 775, बकतरपुरा, जबलपुर। (म्रन्तरक)
- (2) श्री छगन लाल बल्द केछारीमल एवं (2) मांगी लाल पन्ना लाल, बल्द छगन लाल, सदर बाजार, जबलपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टी करचा: --इसमें प्रयुक्त गम्दों भीर पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

#### अमुसूची

प्लाट नं० 166/1 पर बना मकान नं. 288 स्थित गोरखपुर, जबलपुर।

> कृ० का० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-8-1979

प्ररूप भाई • टी • एन • एत • --

आयक्र अधिनियम, 1961 (1961का 43) की घारा 269-थ (1) के घंधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, यहायक सायकर भायुक्त (निरीकण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 अगस्त 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्थी०/1322/79-80—श्रतः, मुझे, के० के० राय,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25000/- रूपए से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13 मार्च, 1979

को पूर्वोकत सम्पति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के सिये अन्तरित की गई है और मुखे यह विषयास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत
पश्चिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या
प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में
बाह्यविक का से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) यस्तरण से हुई किसी ग्राण की शामन, उक्त अधिनियम के सधीन कर देने के भन्तरक के दायि**रव में** कमी करने या उससे **वचने में** सुविधा के सिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय मा किसी श्रन या घरन धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर घिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम के. बारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नानिका व्यक्तियों, प्रयात् :—

- (1) श्री बीरेन्ट कुमार समैया (2) ग्ररिवेन्द्र कुमार समैया (3) सन्तोष कुमार सभी पुत्र श्री षासी राम समैया 548, हनुमानलाज जबलपुर। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रमृत लाल जैन (2) दयाचन्द जैन (3) राजेन्द्र कुमार जैन (4) केवलचन्द (5) प्रकाश चन्द (6) श्रजप कुमार (7) राजकुमार सभी पुत्र श्रमृतलाल जैन 117 लाई गंज जबलपुर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना अारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घर्वीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घर्वीय, जो भी घर्वीय बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तांदीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबह
  किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास
  लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरणः—-इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पर्वो का, जो उक्त प्रधि-नियम के ध्रव्याय 20-क में परिमाचित है, वहीं प्रचें होगा, को उस अध्याय में विया गया है

### प्रनुसूची

मकान नं० 874 प्लाट नं० 45 पर मिजीरिंग 1100 स्कॉयर फुट लार्डेगंज जबलपुर।

> कें० के० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-8-1979

प्रकृष भाई० टी• एत• एस०---

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 ग्रगस्त, 1979

भायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान तथा प्लाट ह जो देवास में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पृर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 18-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फान के लिए प्रत्यरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चन्त्र भन्तरण लिखिन में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बागत, उकत अधि-नियम, के भन्नीत कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे वक्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या ग्रम्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायंकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त पधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीम निम्मसिखित ृज्यक्षियों, प्रथात्ः ज्  वसन्त विम्बक राव पाण्डे (2) रजनीकान्त (3) मधुसूदन श्रीमती पार्वती वाई (4) यशयन्त निवासी 12 जेलरोड, देवास।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स साधवी बदर्स महाराजा तुकाजी राव क्लाथ मार्किट इन्दौर द्वारा पार्टनर्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणत की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का नारी व से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रस्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्रकों भीर पदों का, जो उक्त प्रक्किनियम के अध्याय 20क में परिभावित है, वही अर्थं होगा जो उस प्रक्ष्माय में दिया गया है।

#### प्रमुखी

प्रापटी "किसुरकुंज" नाम से प्रसिद्ध है। जो कि देवास उज्जैन रोड देवास में स्थित हैं। प्राट मिजीरिंग 3.84 एकड़ श्राउट श्राफ सर्वे नं० 65 श्राफ देवास प्लाट विच स्ट्रक्चर स्टेन्डिंग देयर श्रान इन वार्ड नं० 4 देवास।

> के० के० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः 29-8-1979

मोहरः

### प्रकृप आई • टी • एन • एस • -----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 265म (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 ग्रगस्त 1979

निदेश सं ० ग्राई० ए०सी० /एक्बी०/भोपाल/1324/79-80--ग्रतः, मझे, कु० का० राय

सायकर शिविनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, विसका उचित बाचार मूल्य 25,000/- क्वये से पश्चिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन, 2-3-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान अविकल के निए अन्तरित को गई है भौर मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पण्डह प्रतिकृत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक क्य से कथा निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तिक क्य से कथात नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम से हुई किसी भाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अग्य धास्तियों को, जिन्हें कारतीय भाय-कर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उबत श्रश्नितयम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उबत श्रश्नितयम, की श्रारा 269-व की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, श्रयीत् :---

- (1) सरदार हरबन सिंह पिता सरदार वाजिर सिंह 12, लाजपत कुंज, जबलपुर ' (भ्रन्तरक)
- (2) श्री खुणीराम पिता हीरानन्द काकवानी नई बस्ती, कटनी, (ग्रातरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्प्रति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा:
- (का) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अरथ व्यक्ति झारा, असंब्र्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए दा नकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त भन्दीं घीर पहीं का, जो उन्त बिधिनयम, के श्रद्ध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बंदी धर्य होगा, जो उन पश्याय में दिया गया है.

## अनुसूची

नैपियर टाउन, जबलपुर में 2245 वर्गफुट जमीन पर बना मकान नं० 12

> कृ० का० राय सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-9-1979

कार्यालय, सङ्ख्यक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 श्रगस्त 1979

निदेश सं० ग्राई ०ए० संः०/एवर्वः ०/भोपाल/ 1325/ 79-80── श्रतः, मुझे, के० के० राय

भायकर भिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के भिधीन सक्षम श्रिधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से भिक्क है

श्रीर जिसकी सं ० मकान हैं, जो जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीक करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 31-3-1979 की

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रक्षिक है और यह कि यन्तरक (यन्तरकों) और अन्तरिती (यन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिखित उद्देश्य मे उकत अन्तरण जिलिखत में वास्तविश क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) प्रतरक में हुई कियों पाय की बाबत उपल धितियम के प्रजीत कर देते के धन्तरक के दायित्व में कमो करते या उपसे बचते में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी हिनो बाब वा किमो धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

यतः यब, उक्त प्रशितियम की धारा 269-ग के धनुसरक में, मैं, उक्त प्रधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, प्रयात:—

- 1. श्रामती फेनी इस्तमजी पतनी श्रा इस्तम जी बोमेंजी गार्डे नेपियर टाउन, जबलपुर (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्रो रोचीराम पुत्र अमूलमल (2) चन्द्र लाल (3) लाल चन्द (4) नारायणदास सभी पुत्र रोचीराम श्रमूल मार्किट श्रोमेली जबलपुर प्राप्तिति।

का यद् सूचता जारो करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त समात्ति के अर्थन के प्रम्बन्त्र में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इन नूपना के राचात में ाकागन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भवीहस्ताकारी के पास विधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ दोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 776 नार्थ सिविल लाइन (नेपियर टाउन) नजूल प्लाट नं० 20/2 ब्लाक नं० 1 सिुविल लाइन स्टेशन जवलपुर मिजोरिंग 20473 स्क० फुट ।

> कें० कें० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-8-1979

प्ररूप बाई• टी• एन• एस•---

बायकर ग्रम्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 प (1) के ग्रग्रीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, किनाँक 29-8-1979

निदेश सं०आई ए०/सी०/एक्वी०/भोपाल/1326/79-80∽ श्रतः, मुझे, कृ० का० राय

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है(भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16सें के श्रधीन 31-3-1979

को पूर्वोक्त मन्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गई है भीर मृत्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में यास्त्विक इप से किया नहीं किया गया है !——

- (स) अन्तरण से हुई किसी धार की वायत, उक्त समिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रश्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या कियो वन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर भिष्ठिनयम, या धन-कर भिष्ठिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में भृतिष्ठा के लिए;

भता अन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बबुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात :---

- (1) सरदार राजेन्द्र सिंह सरीन, नं० 4 लाजपत कुंज जबलपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भगवान दास बल्द बूलचन्द रुपचन्दानी (2) श्रीमती होरा बाई पति भगवान दास (3) श्री दश्वर लाल रुपचन्दानी, 1071 नेपियर टाउन, जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्यानि के अर्थन के संबंध में कोई भी भाक्षीप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, बो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) ६म सूचना के राजपव में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पर्दो का, जी उक्त ग्रिश्चित्यम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

मकान नं० 1071 -बी० से बी०/2 स्थित नेपियर टाउन, जबलपुर।

> कृ० का०राय सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 29-8-1979

प्रकप भाई। ो। एन। एस।

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्थालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 अगस्त 1979

निदेश सं०श्राई० ए०सी ०/एक्वी ०/भोपाल/1327/79-80⊷ श्रतः मुझे, कृ० का०राय

प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क० से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं ० सकान है, जो इन्दौर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है भीर प्रस्तरक (भन्तरकों) ग्रीर व्यन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल किकालिबात उद्देश्य से उसत भन्तरण कि जिल्ला में वास्तिविक कप से क्षित नहीं किया प्रया है:——

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त आधि। नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय वा किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः सब, उन्त मिनियम की धारा 269-म के सन्धरण में, में, उन्त पिनियम की भारा 269-म की उपकारा (1) के अभीन, निश्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्रीमता ईश्वरी बाई पत्नि 213, पलशीकर कालोनी, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सेवाराम पिता बाशाराम जी, 213, पलशीकर कालोनी, इन्दौर (ध्रन्तरिती)

को यह मूचना बारी करके पूर्वीका सम्पति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, खो भी मबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मिधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रवं द्वीणा जो उस मध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

पलशीकर कालोनी में रकवा 2241.6 वर्गफुट जमीन पर बना मकान नं० 212, एक मंजिला।

> कृ० का० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-8-1979

पहर बाई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर धितियम. 1961 (1961 का 43) दी धारा 269-म (1) के अक्षीत सूचना भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० प्राई ० ए० सी ०/एक्वी ०/भोपाल/ 1328/79-80-ग्रतः मुझे, कृ०का० राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूख्य 25,000/- म की अधिक है

और जिसकी सं ० मकान (भाग) है, जो उज्जैन में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूर्या में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, उज्जैन, में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 4-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिल्ला आबार मूस्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित वाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और सम्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य में उक्त प्रकरण निर्वेषण में अन्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण अल्र्ड (क्रिक्ते) धाम की बाक्त, उन्त ग्रिधितियम अल्रुधीन कर देने के शस्तरक के दाबित्व में कभी करने या असरी तचने में मुख्या के जिए; और/या
- (ख) देती किया भारता हिएते कर या अन्य पास्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन-कर प्रतिनियम, 1957 (1957 का 27) े प्रयोजनार्थ अन्तरिती अपरा अबट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सुविक्षा के लिए;

अक्षः अव, उटा शिलियन में भारत 269-ग के श्रनुसरण में, म उक्त अधिनियम की गारा 26-ए की लपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्ति । व्यक्ति !--

- (1) श्री छोटा भाई पुत्रश्री पुरुषोत्तम दासजी पटैल, माधव नगरं, उज्जैत । (श्रन्तरक)
- (2) श्री केशव देव पुत्र श्री हरप्रशाद जी गुप्ता, माधव नगर, उज्जैन। (अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के मंगंध में कोई ची भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्मम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्यक्तियों में से किसी अविध द्वारा :
- (ख) इस भुवना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वर्त प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया

## अनुसूची

म्युनिसिपल मकान न ० 6/328 का भाग (नया नं ० 51) स्थित श्रमर सिंह मार्ग, उर्जन।

> क्रु०का०राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोगाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं ० श्राई ० ए ० सी ०/एनवी ०/भोपाल/ 79-80/1329--

अतः, मुझे, कृ० का० राय,
श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
धियनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
धिचत बाजार मूल्य 25,000/- वपये से अधिक है,

प्रीर जिसकी सं ० मकान है, जो सौहागपुर में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिपरिया में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थीन, 4-1-1979

की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान मिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्हेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिवियम, के घंधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी ग्राय मा किसी धन या ग्रन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रन कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः सन, उन्त भिन्नियम की धारा 269 ग के भनुसरण में, में उन्त भिन्नियम की धारा 269-न की उपधारा, (1) के भन्नीन, निम्निसित न्यन्तियों, अर्थात् :-15-296GI/70

- (1) श्रीमती सिरे कुंबर परिन श्री बल्लभ दाम जी भट्टर, पिपरिया तह ० सौहागपुर जिला होशंगा- बाद । (ग्रान्तरक)
- (2) श्री ईश्वरदास पुत्र श्री मानक चन्द गांधी (महेश्वरी) द्वारा मैं सर्स मोहन लाल मानकचन्द गोल बाजार, पिपरिया तह० सोहागपुर जिला: होशंगाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पति के भर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :→-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबक किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधे हस्तान्नरों के पास लिखित में किय जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भिक्षित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्षे होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं ० 105 पर स्थित मकान खसरा णं ० 178, तिलक वार्ड, देवगांव, पिपरिया तह ० सौंहागपुर जिला, होशंगाबाव।

> कृ० का० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारोख: 7-9-1979

प्रस्प बाई • टी • एन • एस •----

आं अं कर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के प्रवीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देण मं० म्राई० ए० सो ०/एक्बी ०/भोगाल-1330/79-80---मत: मुझे, कु० का० राय,

आमकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की प्रारा 269-का के प्रधीन सकाम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व्यये से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और 'इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वावत, उक्त मिनियम के मिनि कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों,
  की जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने
  में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अपक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्रोगनपत राव पुत्र श्रो रामराव जी झवर 34, बन्सी प्रैस की पिछली चाल, मालवा मिल्स, इन्दौर। (अन्तरक)
- (2) रखबचन्द्र पुक्त श्री हीरा लाल जैन 7, मारोठिया बाजार, इन्दौर। (म्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी घालेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपब में प्रकाशन की तारी क से 45 विन की धवधि पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्मावद सम्मति में हितवढ़ किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रपृक्त जन्मों भीर पदों का, जो उनत मिन-नियम के मन्याय 20-क में परिशाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 19 रकवा 1788 वर्गफुट राम-लक्ष्मण बाजार, धन्दौर।

> हैं० का० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-9-1979

मोहरः

प्रकप छाई। टी। एन। एस।---

बायकर ग्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के ग्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्नी/भोपाल/79-80/1334—
अतः मुझे, कु० का० राय 
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/द से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रौर (इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15 ग्रप्रैल, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्छइ प्रतिशत प्रधिक है और प्रस्तरिक (प्रम्तरिकों) भीर प्रम्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निशिक्त उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण कि बिद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन, उक्त खाँछ-नियम के ससीम कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी मात्र या किसी घन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत. धर उन्स यश्वितियम की घारा 269-ग के मनुसरक में, में, उन्त प्रधितियम की घारा 269-व की उपकारा (1) के प्रधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, प्रचीतः-- 1. श्री सदािषाय शंकर रानडें

(अन्तरक)

 श्रीमती णारदा बाई पत्नी श्री गणेश भालेराव 48-बी, राजेन्द्र नगर, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अबत सम्वति के सर्वन के संबंध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की शब्धि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी करें 30 विन की धबिध, जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उब्ह प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही धर्म होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अ**नुसृष्**री

मकान नं० 48 बी, राजेन्द्र नगर, इन्दौर।

कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 7-9-1979

## प्रकप धाई • री • एन • एस • --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर ग्रायुक्त (निरीधन)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्की/भोपाल 79-80/
1332—यतः मुझे, कृ० कां० राय,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' नहा गया है), की धारा
269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का
कारन ह कि स्वावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/द० से प्रधिक है

दे से साधक हैं
और जसकी सं० मकान है, तथा जो मानगज में स्थित हैं
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दमोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
बरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
असके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पश्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बाह पिक
क्य से सथित नहीं किया यथा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत सक्त सकि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के बाबिस्थ में समी करने या उससे सबने में सुविद्या से लिए। सीर/सा
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अग्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रजितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शब्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविज्ञा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम को पारा 269-ग के प्रवु-प्ररण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपजार। (1) के बधीन निम्नजिजित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री राषवेन्द्र सिंह
  - (2) श्रीवन माली सिंह
  - (3) श्री यदुनाथ सिंह सभी पुत्र ठाकुर मकुन्द सिंह राजपूत, रामपुर तह० व जिला दर्मात (ग्रन्तरक)
- श्री देवन्द्र कुमार पुत्र श्री बाबू लाल जैन मोहल्ला मान गंज, जिला दमोह।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्वेवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक स 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी धविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में द्वित-बद्ध निसी अन्य न्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास विकित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण :-- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्न सिंतियम के भ्राध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्राध्याय में दिया गारहै।

### अमुसू ची

मकान नं 2 59 मोहल्ला नं ० 1, मानगंग तह ० व जिला दमोह।

> कु० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के ग्रमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/79-80/1433/—यतः मुझे, कृ० का० राय, नायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए से ग्राधिक है

भीर जिसकी सं० मकान ई, तथा जो मानगंज में स्थित हैं (भीर इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दमोह में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 3-4-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए धन्तिरत की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रज्ञ प्रतिशत से प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण के लिये लिखित में बास्तविक कप से कावत महीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त ग्राहि-नियम, के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर प्रिमियम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिश्रियम, या बन-कर प्रिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

सत्। सक्, उक्त प्रविनियम, की घारा 269-ग के सनु-सरज में;मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन विम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात्:—  श्री देवेन्द्र कमार पुत्र श्री बाबूलाल जैन, मानगंज नं० तह० व जिला —दमोह्न।

(मन्तरक)

- 2. (1) श्री मकुन्द सिंह
  - (2) श्री राघवेन्द्र सिंह
  - (3) श्री देशराज सिंह
  - (5) श्री वनमाली सिंह
  - (5) श्री मदुनाथ सिंह्
  - (6) श्री भगतसिंह, रामपुर तह व जिला दमोह। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप:--

- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारी आह से 45 दित की धावधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तामी स से 30 दिन की अवधि, जो भी धावधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि वियरिंग नं० बी० 306 पर स्थित मकान हल्का नं० 50 ए, मानगंज मोहल्ला नं० 4, तह० व जिला—दामोह

> क्टु० कां० राय, स**क्षम श्रधिकारी,** स**हा**यक **ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 7-9-1979 :

मोइर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

## सायकर अक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा अध्यक्ष अक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित हैं (भौर इससे उपावश्व भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण भिष्वित्तम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पण्यह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिबक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिशियम के ग्रिशीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

सतः सद, उस्त असिनियम की वारा 269-ग के समसरण में, उस्त पश्चिनियम की वारा 269-ग की क्वारा (1) के प्रशीन, निम्मिखितित व्यक्तियों, क्याँत् :—  श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र श्री फूलचन्द यादव 181, मोहल्ला दिक्षित पुरा, उपरेनगंज वार्ड, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रकाशचन्द्र व राजेन्द्र कुमार (अवयस्क) दोनों पुत श्री बालाराम साहू द्वारा अभिभावक मां श्रीमती गोपी बाई पत्नी श्री बालाराम साहू 228, उपरेनगंज बार्ड, जबलपुर वर्तमान पारासर कालौनी, चेरीताल वार्ड, जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो ऋरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्गन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि गृद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद विभी भन्य क्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शर्धां जीर पदों का, जो 'उक्त श्रधि-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नगर निगम नं० 90/जे० व से 90/जे7, **घे**रीताल वार्ड, जबलपुर ।

> कृ० कां० राय स**क्षम प्राधिकारी** सहायक श्रायकर श्रायु**क्**त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 7-9**-**1979

मोश्वर

प्ररूप माई • टी • एन • एस • — — — अायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्योलय, सहायक मायकर माय्कत (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्नी/भोपाल/79-80/1335 ----यतः मुझे , क्र० का० राय

यायकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रिष्ठितयम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- व्यण् से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान व भूमि है, तथा जो मन्दसौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणिप है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मन्दसौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 12 जनवरी 1979

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिकत से प्रसिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा चया प्रतिकत, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण लिखित में वास्त्विक कप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के घ्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में क्यमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर ग्रिंघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रींघिनियम या घन-कर ग्रींघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए का या, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उत्तत श्रवितियम की धारा 269-ण के श्रनुसरण में, मैं उत्तत श्रविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री सदाणिवराव पुत्र श्री शंकरराव श्रकोलकट, स्टेशन रोड, मन्दसौर।

(भ्रन्तरक)

 श्री भ्रोमप्रकाण पुत्र श्री भूरालाल जी सुतार णर्मी, मन्दसौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना बारो करके पूर्वी रन सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों सें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिन्नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं ० 29 का भाग साव बुसी भूमि स्थित स्टेशक रोड, मन्दसौर।

> क्रु०कां०राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-9-1979

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देण सं० श्राई० ए० सी०/एक्नी/भोपाल/79-80/1336— यत: मुझे, कु० कां० राय

आगकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

ष्मीर जिसकी सं० भूमि व गैरेज है, तथा जो मन्दसीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मन्दसीर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधिनियम तारीखं 12 जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से मधिक है भौर प्रश्तरक (प्रग्तरकों) भौर प्रग्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धग्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (त) प्रत्परण ने दूई किसी प्राय को वाबन उक्त प्रधिसियम के प्रधीन कर देने के घण्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के शिए; घोर/या
  - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —  श्री सदाणिव पुत्र श्री शंकर राव प्रकोलकर, स्टेशन रोइ, मन्दर्मीर ।

(ग्रन्तरक)

 श्री भगवान स्वरूप व श्री मुकेण दोनों पुत्र श्री श्रोम प्रकाश शर्मा 29, स्टेशन रोड़, मन्दसौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों ना, जो उक्त भिधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भयं होगा जो उस भव्याय में विया नया है।

## अनुसूची

खुला प्लाट साथ गैरेज व पक्का आरेला कुल रकबा 3048.75 वर्ग फुट स्टेशन रोड़, मन्दसौर।

> कृ० का० राय सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-9-1979

प्रकप धार्ड० टी० एन० एम०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 प(1) के सदीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० द्याई० ए० सी०/एक्बी/भोपाल/1337/79-80 --यतः मुझे, कु० कां० राय,

शायकर प्रसिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रसिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के गरीन मधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 25,000/-व∘ से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट है, तथा जो रत्तलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के बृध्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके बृध्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्लाह प्रतिश्वत माधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त धिविनियम के घष्टीम कर वेने के घन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या िसी धन या घण्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर धिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में गुणिका के लिए।

श्वतः प्रव, उक्त अधिनियम की चारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त, शिविनयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--  श्रीमती श्रनूप कुमारी पत्नी श्री अतोबीलाल धरवजैन डालु मोती वाजार, रतलाम।

(म्रन्तरक)

2. श्री तस्दुक हुमैन पुत्र श्री यूमुफ श्रली बोहरा तालवाला, चांदनी चौक, लक्कडपीठा, रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करते पूर्वोका संगति के अर्थेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त पंत्रति के प्रवेत के पंवेच में कोई नो प्राक्षीत :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ट्रामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाषरण: --इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदी का, जो उक्त अधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## **भ**नुसूची

प्लाट गं० 12/337 रकबा 7000 वर्ग फुट मिल्न निवास रोड, रतलाम।

कुं० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोगाल

तारीख: 10-9-1079

मोहर:

19-296 GI/79

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 सितम्बर, 1979

निर्देण सं० म्राई० ए० सी०/एक्वी/भोपाल/1338/79-80 ---यतः मुझे, कृ० कां० राय

मायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृख्य 25,000/- व॰ से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट हैं, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं, रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में,रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के बृष्यमान ब्रितिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ब्रिधक है धौर बन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरित (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के बिय तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बाक्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त धीवनियम के घंधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के किए; भीर/या
- (■) ऐसी किसी घाय या किसी बन या खन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिषित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या घन कर घिषित्यम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्यं झन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धतः धव, उक्त धिवनियम की धारा 269-म के धनुसरक में, मैं अक्त धिवनियम की घारा | 269-म की उपवारा (1) सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती श्रनूप कुमारी पत्नी श्री श्रनोखलालजी 6ख डाल्मोदी बाजार, रतलाम।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शब्बीर भाई पुत्र हकीम उद्दीन बोहरा सिंगापुर बाला, चांदनी चौक, लक्कड्रपीठा, रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भजैन के संबंध म कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

हपद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त गढ़दों भीर पर्वो का, जो उक्त श्रीवित्यम, के घश्याय 20क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस श्रामाय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाटनं० 12/337 का भाग रक्षबा 7000 वर्ग फुट मिन्न निवास रोड़, रतलाम।

कृ० कां० राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-9-1979

प्रकृष भाई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के संघीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निदण सं० श्राई० ए० सी०/एसवी/भोपाल/1339/79-80 ---अतः मुझे, कु० कां० राय,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-दं से स्थिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3 जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर घन्तरित (धन्तरितयों) को बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण शिक्ति में बाह्त- विक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या घन्य बास्तियों की, जिन्हें भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उपल भिष्ठित्यम, या धनकर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिमाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त मधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-व की उप-आरा (1) के अधीन निम्नतिथित व्यक्तिमों अवीत्।---

- श्री हसीब एहमद व मोहम्मद एहमद दोनों पुत्र श्री एहमद मुजतुबा, श्रमीर गंज, णाहजानाबाद, भोपाल (अन्तरक)
- 2. श्री नरेश कुमार पुत्र श्री हरीश चन्द्र श्रीर श्री हरीश चन्द्र पुत्र श्री जिमंदमल बहैसियत वली संरक्षक श्रयने पुत्र श्री कमलेश, सुन्दर व प्रकाश चन्द्र, शाहजानाबाद, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संगति के मर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भनिध, जो भी भनिध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ∫ भस्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्दों का, श्रो भिधितियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 3 रकबा 3248 वर्ग फुट, प्रमीर गंज, शाहजानाबाद, भोपाल।

> क्व० कां० राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 12-9-1979

मोहरः

# प्र**क्ष धार्च**• टी• एत• प्रस०---

# मानकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के मधीन सूचना

## मारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० 249/79-80/एक्ट्री/ ----यतः मुझे, पी० रंगनाथन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं मकान नं 1064 जो अवस्थान नंबर 49 पर है, जो के ब्रांतर पुरम, जि के ब्रांव हामन में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हासन, अंडर डाक्युमेंट नंबर 3316 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-1-1979 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उनित अवार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिये अस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से प्रधिक है और अन्तरिक ऐसे वृश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण कि लिय तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण विश्वत में वास्तिक अप से कथिल नहीं लिया गया है :---

- (क) मन्तरम से दुई किसी गांग की बाबत उक्त अधि-मियम के प्रशीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा) ऐसी किसी भाष म किनी ग्रा या पर्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिलियम, 1922 (1922 की 11) मा उक्त मिलियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में मुक्तिश के निम्;

अतः अव, तक्त अधिनियम की धारा 269-ग हे पन्सरण में, में, उक्त मिलियम की धारा 269-ए की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त अधिनमों अर्थात् —  श्रीमती गौरम्मा, परनी श्री एच० ए० हनुमंतया 35, मैन रोड़, यादविगिरि, मैसूर-2।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती नूर ऐंशा पत्नी श्री फिरोज हजरत रहिम 4286 बलभाई रोड़, हासन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की शबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अञ्च व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणा⊸--इतर्ने प्रयुक्त शांदी श्रीर पदी का, जो उक्त श्रीधनियम, के प्रध्याय 20-क में परिचाणित हैं, बही सर्व होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

संपत्ति जिसका नं० हैं घर नं० 1064 जो भ्रवस्थान नं० 49 पर है भ्रौर जो मकान एवं जगह' मोटर घर, भ्रौर उप ग्रह, जो के भ्रार० पुरम, जि०के० बड़ाब हामन में स्थित है।

> पि० रंगनाथन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, धारवाड

तारीष: 30-7-1979

प्रकप धाई० टी० एतः इसः---

माय हर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा

2.6 ३ म (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, ाहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड़, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० 250/79-80/ एक्का --यक्षः मुझे, पि० रगनाथन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'अक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राक्षिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रेबेन्यू नं० 450 श्रौर प्लाट रिजि नं० 38964 है, जो पर्वोरिम सोकोरो गांव सेब्ब्ला तालूक बार्डेज में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्न रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मापुमा बार्डेज जो डाक्युमेंट नं० 17 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख 6-1-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वस्त करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके
दुःयभान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबा उपत समित्यम, के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रष्टारक के बायित्थ भूमें कभी करने या उससे अपने में सुविधा के 'लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी नाय मा किना जन या अन्य पास्तियों की जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज मन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिना में मुविश्वा के लिए;

अर्थः शव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के धमभरण में. मैं. उन्त प्रधित्यम की प्रारा 269 घ की उन्धारः (1) के शदीन निम्नलिखित व्यक्तियों, गर्थातु:---

- 1. (1) मैं सर्स फ्रान्सिस्को कसोवियर टियोडोर डि॰ मिरांडा
  - (बी) श्रीर श्रीमती मरियां डोस श्रंजोस श्रंडेलिना गोन्साल्वेस् मिरांडा लौटूलिम, सालसेट
  - (2) म्रांटोनियो रिनेटो मेनेजेस भ्रौर (बी) श्रीमती मारिया लूइमा ग्रनो रिविरोड़ा कोस्टा मैनेजेम, पर्योरिम बारड़ेज
  - (3) मिस मरिया प्यान्युलू पाविस्तिना लुसियाना बेरेटटो स्केवियर मरगोवा
  - (4) श्री जोस क्षिस्टोगन् पिटो श्रीर (बी) श्रीमती तेमा मार्जेलिना डिसा ए पिटो, बेतिम बारडेज गोवा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शयाम शंकर दाम नथानी पर्वोरिम--गोवा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके दुवींका सम्मत्ति के स्रजैन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के प्रजैत के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्क में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविघ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविघ, जो भी घविघ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

# अनुसूची

फांडम गुलूम और "विनग मायेम" नाम के संपत्ति जिसके रेवेन्यू नं० 450 जिसमें श्राविशानिक घर श्रौर दो उपगृह में विद्युत उत्पादन संस्थान श्रौर मानणाला सम्मिलित है। यह सम्पत्ति से छला तालूक के सोकरे गांव के प्रेकिशिया के पर्वोरिम में स्थित है।

पि० रंनगन(थन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

नारीषा: 30-7-1979

# प्रकप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ममीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, काकीनाड़ा काकीनाड़ा, दिनांक 6 जुलाई 1979

निर्देण सं० 897—यतः मुझे, बि० वि० सुङ्बाराय आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह अरबास करने का कारच है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-द० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है, जो दुग्गिराला में स्थित है स्रौर (इससे उपावद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दुग्गिराला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-1-1979

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उक्ति बाबार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाबार मूल्य, उसके वृश्यमान अतिफल से, ऐसे बृश्यमाम प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक इप से कवित नी किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वायत, सकत ग्रिशिनयम के ग्रिशीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या चससे वचने वें सुविधा के लिख; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाब या किसी धम वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में कुषिका के निए।

जता अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में उनत प्रक्षिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अबीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

1. श्री निम्मगढा सब्यनारायण पिता: रामुलु, दुग्गि।रला

(भ्रन्तरक)

 श्री कंभंपाटि वेंकटेश्वर राव पुत्र श्री सीतारामप्य्या, दुग्गिराला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि वा सत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध; जो की धविध बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा प्रश्नोहस्ताकारी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

श्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाणित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दुग्गिराला रिजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 21-1-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 52 में निगमित ग्रनुसुची संपत्ती।

> वि० वि० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रासुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 6-7-79

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्रण)

ग्रजंन रेंज, काकीनाडा,

काकीनाडा, दिनांक 7 धगस्त 1979

सं० 901-यतः मुझे, के० सुब्बाराय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मरुग 25,000/- रापए से मधिक है ग्नौर जिसकी सं० 33-1 655 है, जो मैन बाजार काकिनाडा रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्दीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 3 जनवरी 1799 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रस्तरक (अन्तरकों) पन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, सक्छ भिष्ठियम के भिष्ठीत कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनयम, या धन-कर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- मैसर्स पोलपु वेंकटरमना थ्रौर तदितर, तेल व्यापारी, श्रिष्ठिप होटल के सामने मैन बाजार, काकीनाडा। (श्रन्तरक)
- श्री बादम प्रभाकर राव, जबहर गल्ली, काकीनाडा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो जक्त घिनियम; के घट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्षे होगा जो उस घट्याय में विया गया है।

# घनु सूची

कागीनाडा रिजिस्ट्री श्रधिकारी से पक्षिक श्रंत 15-7-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 34 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति। के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

प्रारूप भाई • टी • एन • एन •---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के प्रतीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 श्रगस्त, 1979

सं 102-यतः मुझे, के० सुब्बाराव म्रायकर भ्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भीर जिसका सं० 2-42-72 है, जो राजमंडी में स्थित है (ग्रोर इससे उपासिद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजमंडी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 8 जनवरी 1979 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्न के लिए भ्रम्तरित की गई है भीर मुझे गद्व विश्शास करने का कारण है कि यथापूर्वी सा संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है पौर मन्तरक (मन्तरकों) बोर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीव ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफश निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्त ण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय था किसी यन पा प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधितियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया पा या किया जाना चानिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अशः अब, उक्त ग्रिधिनियम की बारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिबिनियम की बारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  श्रीमती रेबेकम्मा, पी० रूत, चिलडून होम बोम्मूरु रोड, राजमंडी।

(भन्तरक)

 श्री पी० जे० रनजान, डाइरेक्टर एबेनजिलस्टर्नस हेल्पिंग हेंड बोम्मूरू, राजमंद्री तालुक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुसना जारी करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के भ्राप्तंन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्तिके अर्जन के संबंध में कोई को वाक्षीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति अरा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीज से
  45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वादीकरण:--इनमें प्रयुक्त शब्दों और वर्ध का, जी उक्त अधिनियम के ब्रह्माय 20-क में परि-भाषित हैं, बही मर्च होगा, जो जस मन्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

राममंड्री रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 126 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> के० सुझ्त्राराव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

किया गया है :-- -

# प्ररूप आई • टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

का सलय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, काकीनाड काकीनाडा, दिनांक 7 श्चर्यस्त 1979

सं 103-यतः मुझ के सुब्बाराव आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके परवात 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-६० से मधिकहैं ग्रौर जिसकी सं० 20-40-86 है, जो पहली रोड़, रामजमंड्री में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, राजमंड़ी में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के बुश्यभान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण 🖁 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कवित नहीं

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बागत, उक्त बाधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रस्य प्रास्तियों को, जिक्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रश्नष्ट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविद्या के लिए;

अतः सद, उक्त घिनियम की घारा 269 ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपधारा (1) के सधीन, निम्निश्वितः व्यक्तियों अर्थात्—:
20—296GI/79

1. डाक्टर पी० रामम्मूर्ति, घर का संख्या 14—76 गांधीपुरम-2 राजमंड्री।

(भ्रन्तरक)

2 श्री पी० जे० रंजन, डाइरेक्टर, एवेनजिलस्टस हेलपिंग हेंड, बोम्मूरू, राजमंद्री तालुक। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवढ किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा अवोड्स्नाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्यों भीर पदों का, जो उक्त भक्षि-नियम के भक्ष्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

# अनुसुची

राजमंड्री रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 15-1-79 में पंजीकृत वस्तावेज नं० 248 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

प्रकृत माई∙ टी• एन• एन•~----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के ग्राप्तीत सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 ग्रगस्त, 1979

सं० 907—यतः मुझे, के० सुब्बाराव आयकर प्रधितिगभ, 1961 (1961 का 43) (जिल इसमें इसके पश्चात् 'उन्त्य प्रधितियम' कहा गया है), को बारा 269-ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-रु० ये अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16/227 है, जो 16 वार्ड राजमंद्री में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजमंद्री भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का 'उचित बाजार महस्य, उसके ब्रथमान प्रतिफल से, ऐसे ब्रथमान प्रतिफल का पण्ट्रह प्रतिशत अधिक है और प्रम्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उपन अन्तरण जिल्लित में अन्तरिक का ने किजत नहीं कि गायधा है !---

- (\*) धन्तरण से हुं ितियों बाय की बाबत, उक्त धिविषय के प्रधीन कर देने के ग्रग्तरक के दायित्व य कमी करने या उससे उचन में सूमिशा के लिए: भीरोया
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी घन या धम्य प्रास्तियों की जिन्हें धाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त द्राधिनियम, या घन-कर धिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विश्वा खामा वाद्विए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सब, उश्त प्रक्षितियम की बारा 269-ग के प्रमुखरण में, में उत्तर प्रक्षितियम की बारा 269-थ की नवजारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- 1. (1) श्रीमती ग्रंदि रंगवायकम्मा, पुत्री बंहानंदम
  - (2) श्री जी० वेंकटरमणा
  - (3) जी० रामकृष्ण पुत्र बंहानंदम
  - (4) जी० लक्ष्मीनारायण
  - (5) जी० वीरन्ना
  - (6) जी० सूर्यनारायणा
  - (7) जी० नागराजु यह सब ब्रहानंदम के पुक्ष हैं। (श्रन्तरक)
- मैसर्स बोनम कृष्णा मूर्ति श्रौर वेणुगोपाल राव, लक्ष्मीवार-वारपुपेट, राजमंड्री । वेणगोपालस्वामी गली, राजमंड्री ।

(ग्रन्तरिती)

 यह सूचना अपरो ऋरके पूर्वोक्त सम्पति के भर्जन के निए कार्यवाहियां करना हुं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में और ी माक्षेप :--

- (क) इस गुधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की घविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीख से 30 दिन की घविधि, जो घी
  धविधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी प्रन्य व्यक्ति बारा, प्रघोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पब्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्ब होगा जो उस सब्याय में विया गया है।

# प्रनुसुची

राजमंड्री रिजस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 110 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-79

प्रभाग धाई व तो । एन । एस ----

आयकर स्रितियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 व (1) के भ्रषीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 धगस्त 1979

सं०/908-यतः मुझे के० सुब्बाराव मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रांश्वनियय' कहा गया 🛊), की घारा 269-का के प्रभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्हास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ७० वे प्रक्षिक 🖠 श्रौर जिसकी सं० 8-3-15 है, जो गंढु स्ट्रीट, श्रमलापुरम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक्क अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 25-1-79 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से प्रतिफल के लिए अन्तरित की कम के दुश्यमान गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है,

ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरितो (अन्तरितियों) के

बीच ऐसे अन्तरम के जिए तय पाया गया प्रतिकत,

निम्नलिखित **उद्देश्य से उक्त भश्तरण** तिखित में बास्तविक

कप संकथिय नहीं किया गवा है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उनत मधिनियम, के प्रधान कर देने के बन्बरफ क दामित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के बिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी अन वा भग्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर भिंधतियम, 1922 (1922 का 11) या समत प्रिधित्यम, या भन-कर अधित्यम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया ववा वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविज्ञा के किए;

अतः, प्रवा, उक्त प्रश्चिमियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिमियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रचीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. (1) श्रीमती रामदेव रानी पुत्र सत्यनारायण
  - (2) कूर्माराव
  - (3) नागेश्वर राव पुत्र सत्यनारायण
  - (4) मुरली कृष्णा पुत्र संस्थनारायण जगन्नायकपूर काकीनाजा।

(म्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती बंडारूलक्ष्मी पुत्री सत्यनारायण
  - (2) श्रीमती बाग्यलक्ष्मी पुत्री वेंकट कोटेश्वर राव
  - (3) श्रीमती सूर्य कमारो पुत्री रामु वानपल्लीवारी वीदी श्रमलापुरम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी अरके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उपस सम्पत्ति के अर्थेत है गम्मस्य में होई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना है एचण्ड में एकाइम की नारोख में ♣5 देन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पूजना की अभीन में 30 दिए भी अवधि भी भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में म किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शितर उका स्थावर सम्पत्ति में हित्तबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

भगव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्सें घोर पदों का, जो उन्त प्रधिनियम के प्रव्याय 20-क में परिनाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भगसंची

काकिनाडा रजिस्ट्री श्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 393 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> के० नुब्बाराव, सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोंज, काकीनाडा

तारीख: 7-8-79

# प्रकप धाई • डी • एन • एस • -----

अत्यकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के ग्रधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 ग्रगस्त 1979

सं० /909—यतः मेहो—के० सुब्बाराव
कृष्णन, आयकरं ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है),
की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास
करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उश्वित बाजार मृक्य
25,000/- र० से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० 11-47-10 है, जो पूजारिवारी गल्ली विजयवाडा-1, में स्थित हैं (श्रोर इससे उपावका अनुसूची म भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के बजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्नह प्रतिगत से प्रचिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित छद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (स) ऐनी किसी पाय या किसी घन या पत्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, प्रधनियम, प्रधनियम, प्रधनियम, प्रधनियम, प्रधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपानें में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधितियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में उक्त अधितियम की घारा 269य की चपद्यारा (1) के श्रवीन; निम्निसिबात व्यक्तियों, अर्थातु:~~  श्रीमती पाटिबंडला कामेण्यरम्मा, पुत्र कामेण्यरराव के मार्फत श्री एस० रामकृष्णा, वकील, पाटिबंडला वारी गल्ली, विजयवाडा 1।

(अन्तरक)

 श्री हीराचंद जानी, राजेंद्र स्टील सेंटर, गूड्रियारी स्ट्रीट विजयवाडा-1।

(अन्तरिती)

4. श्री मंगीलाल गवार, के० मार्फत राजेंद्र कुमार को ब्राहिमन गली विजयवाडा।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भवोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सक्तें।

स्वव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो उवत भिवित्यम के बद्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अद्याय में दिया यया है।

# अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 196 में निगमिनुसूचीत संपत्ति।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन, काकीनाडा

तारीख: 7-8-1979

प्रका पाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 म (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

सार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 श्रगस्त 1979 सं० 910---यतः मुझे , के० सुब्बाराव

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उत्तरात् उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर पत्नति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिपकी मं० 11 47-10 है, जो पूजारिवारि गली विजय-वाड़ा में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय,विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 जनवरी 1979 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अनारण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (आ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रव, उन्त श्रिप्तियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उन्त श्रिप्तियम की धारा 269-घ की उपनारा (1) के प्रशीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:—  पुटबंपाटिल कामेण्यरम्ना ड० कृष्णमूर्ति के मार्फत रामकृष्णा, एस० वकील पेहिबोटल वारी गली विजयवाडा 2।

(अन्तरक)

 श्री एस० इंद्रमल पुत्र सादाजी, शेशय्या गली, विजयवाङा।

(ग्रन्तरिती)

 श्रीमंगीलाल गयहर, के मार्फत राजेंद्र कुमार को० ब्राह्मिन गली , विजयवाड़ा।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम, के शब्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक श्रंत 31-7-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 197 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति।

> के० सुम्बाराव सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेज,काकीनाडा

नारीखा: 7-8-1979

प्रकप धाई• टी• एन• एस•-----

आयकर श्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के श्रीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० 939---पतः मुझे, के० सुब्बाराय आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचिटा बाजार मूल्य 25,000/- रु∙ में प्रक्रिक है श्रीर जिसकी सं० है, जो गुणवत्ता, श्रार० एस० नं० 395/2 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वॉणन हैं), रिजिल्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जनवरी 1979 को पूर्वोत्त सम्मिक उवित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रात्यात अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्डरितियों) के बीच ऐसे मन्तरच के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्सित उद्देश्य से उस्त भन्तरण लिक्सित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया पया है:-

- (क) धन्तरण स हुई किसी धाय की बावत, उक्ट धिवियम के घडीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसके बचने में सुविधा के सिए; धीर/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी बन या घन्य घास्तियों को जिन्हें घायकर धिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

बतः धन, उन्त धिविनयम को धारा 269-ग के ब्रेबनुनरण में, मैं, उन्त अधिनियम, को धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती कोम्मा लक्ष्मी साम्रात्यम परनी रंगाराव, परमट लंका, विजयवाडा।

(भन्तरक)

2. मैंसर्स बी० नवरंग कोम्रापरेटिव होसिंग सोसाइटी, रेप बै० नल्लमिल्ली बास्कर एस० बी० म्रो० कालोनी-3 गुणदला, विजयवाडा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता बारी ६२के पूर्वोक्त सम्मित के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की धारीब से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीका से 45 विश्व के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पा निकार में किए जा सकींगे।

स्पथ्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, ओ उन्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विसा गया है।

# अनुसूची

विजयवाडा रजिस्ट्री ग्रधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 31-1-79 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 275 में निगमित ग्रनुसूची संपत्ति।

> के० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज,काकीनाडा

तारीख*ुं: 7-9*-79 मो**हर**ु: प्ररूप भाई • टी० एन • एस • अायकर प्रवित्यम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकः भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० जे० आर० 1/4119. 9/79—यतः मुझे वी० एस० शंषाद्री
अत्यक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 38 बी वोरली डिबीजन है जो

में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, ए० बेसेन्ट रोड़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से सम के यूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पल्लाइ प्रतिबत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी अथ या किसी धन या मन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भागकर मिधिनयम, 1922, (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर भिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त मर्मिनियम की धारा 269-ए के मनुसरण में में, उक्त ग्रमिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्रीमती भुमति बाई मारोतराव धनवंटे

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती राजलक्ष्मी एन० पत्रार

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) मैसर्म श्रौक्वो प्रा० लि०
  - (2) मैंसर्न मेहरा कारपेट शौरूम
  - (3) मैसर्स मोटर इन्डस्ट्रीज कं० लि०
  - (4) मैंसर्स जे० एल० मोरिसन संस एण्ड जोन्स (इंडिया) लि०
  - (5) मैसर्स टेक्सटाइसल कमिटी
  - (6) मैसर्स ब्राडमा आफ इंडिया लि०। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भावोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविद हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० 2240/73/बंबई उप-रिजस्ट्रार ग्रिधिकारी द्वारा दिनांक 16-1-79 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० ग्रेंषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज- 1, बम्बई

तारीख: 30-6-79

मोहरः

# प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून, 1979

निर्देश सं० 1/4120.10/79—यतः मुझे, वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम श्रीधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क के बाबा है

श्रोर जिसकी सं० नं० 98 बी श्राफ वरली डा० ऐ बेसेन्ट रोड में स्थित हैं (श्रोर इससे खवाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय में बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 16 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रियिनियम के ग्रियीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी घन व श्रम्य श्राक्तियों की जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रंतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीननिम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— 1. श्री सुमती बाई मारोतराव धनवटे

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती नंदिनी देवी पंत प्रधीनी

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) भैंसर्स स्नारवो प्रा० लि०
  - (2) मैसर्स मेहरा करपेट शारूम
  - (3) मैसर्स मोटर इंडस्ट्रीज कं० लि०
  - (4) मैसर्स जे० एल० मोरीसन शंसन एण्ड जान्स इंडिया लि०
  - (5) मैसर्स टेक्सटाइल्म कमिटी
  - (6) मैंसर्स बंडमा आफ इंडिया लि०। (वह व्यक्ति जिसको बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इपमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टवाय म दिया गया है।

### अनुसूची

श्रनुसूचि जैसा कि विलेख सं० 2241/73/बांम्बे सम्बर्ध उन रजिस्ट्रार श्रिधकारी द्वांरा दिनांक 16-1-79 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषात्री सक्षम प्राधिकारी, महायक प्रायक्त प्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज 1, **बम्बई**

तारीखाः 30-6-1979

प्ररुप आई० एन० टी० एन०

श्रायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बस्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1979

निदश सं० ए० श्रार० 1/4121.11/79--यतः मुझे, वी० एस० शेषाद्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि और मंपति विसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी०एस० नं० 98 बी आफ वारली डा० ए० वन्त रोड में स्थित हैं (श्रीर इपमें उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत हैं), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-79

को पूर्वोक्स संपंति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल से के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने जा कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिथक का में किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी माय की बाबत उकत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या निसी धन या भग्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

मतः भव, उक्त भिधितियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, भवीतः ----21—296GI/79 1. श्रीमती सुमतीबाई मारींतराव धनवटे

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती संयोगीता विजय धनवटे

(ग्रन्तरिती)

3. (1) मैसर्स भावो प्रा॰ लि॰

(2) मैसर्स मेहरा कारपेट शो रूम

(3) मैसर्स मोटर इंडस्ट्रीज लि॰

- (4) मैंसर्स जे॰ एल॰ मारीसन मन एवा जोन्स जोन्स (इंडिया) लि॰
- (5) मैसर्स टेक्सटाइल कमेटा
- (6) मैसर्स आइम प्राफ इंडिया लिए।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में स्सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करक (श्रीकत सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भ्रमंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेत:---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की धवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ब्रह्मोहस्ताकारी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तोक्तरण: --इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यो का, को आयकर प्रधिनियम के सम्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस सम्याय में दिया गया है।

# वनुस्ची

अनुसूचित जैसा कि विलेख सं० 2242/73/बाम्बे बम्बई उपरजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा विनांक 16-1-79 के रजिस्टडं किया गया है।

> वी० एस० **गोषात्री** सक्ष**म प्राधि**कारी सहायक **प्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ्श्रजैन रें**ज-**I, बस्**यई**

ृ्तारीखंः ॒30-6-1979 मोहरः प्रकप भाई• टी• एन• एस•-

श्रायकर श्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज -I, बम्बई

बम्बई, विनांक 30 जून 1979

निर्देश सं० ए० श्रार० 1/4118/8/79—यतः मुझे, वी॰ एस० शेषादी

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से अधिक है

म्रौर जिसकी मं० सी० एस० मं० 98 है तथा जो हा० ए० वेशन्द रोड में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्याक्षय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 16-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यनान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है भौर मन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय एस गया प्रतिकत, निम्नितिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिब हु क्य से किया गया है:——

- (क) श्रस्तरण से हुई क्षिसी भाग की बाबत उक्त श्रीवित्यम के श्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किमी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मत: यब, उत्तत मिधिनियम की घारा 269-न के मनुसरन में, में, उत्तर प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्चीत:--- 1. श्रोमती मारुतीराव घनवंटे

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती उपादेवी शंकर राष पथार

(भन्तरिती)

- (1) मैंसर्स भोरवो प्रा० लि०
  - (2) मैंसर्स मेहरा कारपेट शो रूम
  - (3) मैतर्स मोटर इंडस्ट्रीज कं० लि०
  - (4) मैसर्स जे॰ एल॰ मोरीसन सन एण्ड जोनस (इंडिया) लि॰
  - (5) मैंसर्स टेक्सटाइल कमेटी
  - (6) मैसर्स कादमा आफ इंडिया लि॰। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभीग में सम्पत्ति है

की यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी खंसे 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

भ्रतुसूची जैसा कि वेलेख नं० 2239/73/बाम्बे उपरिजस्ट्रार श्रिधि हारी द्वारा दिनांक 16-1-79 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषाद्री, सक्षम प्राधिकारी. सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-I, बम्बई

तारीख: 30-6-1979

मोहरः

# प्रक्ष पाई • टी • एन • एस • —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज-I, बस्बई बम्बई, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० झार०-1/4111-1-1/जवनवरी-79—यत:
मुझे बी० एस० शेषाद्री
आयकर सिंचिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के सिंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृह्य
25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 85/1 है तथा जो मादुंगा दादर बिवीजन में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), राजिस्ट्री हती श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 1 जनवरी 1979

ा जनवरा 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिकृत के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके उध्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पन्तह् प्रतिशत से प्रविक्त है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रस्तरिती
(प्रस्तरित्तयों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया स्था
स्विकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण विखित में वास्तविकृत्य से कथित भक्षों किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी थाय की वाबत 'उक्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिका में कभी करने या उससे सचने में मृतिधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी बाय मा किसी बन या घन्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में मुविधा के जिए;

यदः भव, कक्त ग्रधिनियम की बारा 269-व के बनुसरण में, में, क्क्त अधिनियम की धारा 269-व की उप-बारा (1) के ग्रदीन, जिन्नलिकित स्वश्चितीं, अवस्ति :--

- 1. (1) श्री रामचंद्र एस० बीलमपाली
  - (2) इंदिराबाई एस० बीलमपाली
  - (3) श्री विजयकुमार एस० बीलमपाली
  - (4) श्री अनिलक्मार एस० बीलमपाली
  - (5) श्री हनमंत एस० वीलमपाली
  - (6) श्री एस० एस० बीलमपाली
  - (7) मु॰ मंगला एस॰ बीलमपाली।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री नवनीतलाल मनीलाल
  - (2) श्रीमती लीलावती एन० शाह।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त मण्डल के अजंन के सम्बग्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की भविद्य या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविद्य, जो भी भविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्दोक्तरण: ---इसमें प्रयुक्त ग्रन्थं ग्रोर पदी का, जो उन्धर ग्रिजियम के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रमं होगा, जो उस ग्रद्भाय में विया गया है।

### अमुसूषा

भनुसूची जैसा कि विलेख नं ० बम्बई / 236 / 78 उप रिजस्ट्रार द्वारा विनाक 1-1-79 को रिजस्टर्ड किया गया है।

व्ही०एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 30-7-1979

# प्रकप बाई• टी• एन॰ एस•----

भायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के प्रक्षीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक मायुकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० एश्वार आई/4117-7/जन्बरी-79---यतः मुझे, सी० एस० शेषादी

भायकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत भिषितियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अभीत सभाग भाषिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-क्या से भिषक है

ग्रीर जिसकी सं 165 हैं, जो मालाबार मबाला में स्थित हिल डिवीजन में स्थित रश्रीर इससे उपायद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 18 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरक, लिखित म वास्तविक क्य से कांग्रत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबक्ष उक्त प्रक्रिमियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के वाभित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के शिए; प्रौर/पा
- (क) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या बन्य प्रास्तियों।
  को, जिन्हें भारतीय भागकर भिवित्यम 1922
  (1922 का 11) या उन्त प्रक्रितियम या धन-कर प्रवित्यम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रवोजनार्थ पुन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भवः भन, उनत प्रधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरश में, में, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अप्रीम नियमनिक्षित व्यक्तियों, प्रविद्:—

- 1. (1) श्रीमती नश्नीमा ग्रलमा लिति प
  - (2) श्रीमती जमीला एम० लुखमानी
  - (3) श्री करन ए० लतीफ
  - (4) श्री डंनीयल ए० लतीफ
  - (5) श्री इकबाल एम० लुखानी
  - (6) श्रीमती नसरीन महैंबुब लतीफ
  - (7) श्रीमती श्रनजुम फरहान लुखानी
  - (8) मीस यसमीन एम० लुखानी
  - (8) मीस नसीम मेंहबूब लतीफ
  - (10) मीम अजरा कें लतीफ
  - (11) श्रग ग्रंज्म के० लतीफ

2.

(12) मीस इ० इसेफ मेहबूब लतीफ

(ग्रन्तरकः)

2. मैंसर्स कल्पतरू बिल्डर्स (प्रा०) लि० । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के ग्रर्जन के चिए कार्यवाहियो करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहरूताकरी के पास विचित में किए जा सब्सेंगे।

स्पथ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों भौर पदों का, जो सक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्च होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### पनुसूची

धनुसूची जैसा, कि विलेख ने० 3464/73 बस्बई उप रिजस्ट्रार मधिकारी द्वारा दिनांक 4-4-77 के रिजस्टर्ड किया गया है।

बी०एस० शेषात्री सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) 54 रफीअहमद किद**बाई रीड** श्रर्जन रेंज 1, बम्बई

तरीख: 1 जुलाई 1979

प्रस्य भाई। टी० एत० एस०-----

आयकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-JV, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं० ए० ग्रार०-4/873.4/79-80--- यतः मझ, नी० एस० शेषाद्री

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से भश्चिक है और

जिसकी सं० प्लाट नं० 109 टाइप-III है जो घाटकोपर, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-करण, ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रबीन, तारीख 17 जनवरी 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, वसे दृश्यमान प्रतिफल से, वसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रतिशत अधिक है बौर भन्तरक (अग्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तथ पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरना लिखित में वास्तविक कथ में काक्तर नहीं किया गमा है:——

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, क भवीन घर देन के अन्तरक के वायिश्व में सभी करने या उत्तर बजने में सुभिश के लिए धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें याय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, खियाने में सविधा के किए;

अधः प्रव, उदल विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपल प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री ज्योति परसराम नारंग

(भ्रन्तरक)

- 2. मसर्स न्यू विश्वा ज्योत को० हा० सोसायटी लिमिटेड । (अन्तरिती)
- 3. (1) श्रीमती बीमला कृष्णन
  - (2) श्रीमती पंचना णारदा भास्कर नायर।
  - (3) श्रीमती बेलजी वेलजी नाथानी
  - (4) श्री नुलसीदास मोरारजी सांमपूर
  - (5) श्री मनीलाल लक्ष्मीचंद वोरा
  - (6) श्री कानजी पुरुशोत्तम टोपरानी
  - (7) श्री सत्येन्द्र वीठहलदास ठक्कर
  - (8) श्रीमती मालती जमनादास हरीयानी श्रीमती नीरमला मंगलदास कापडीया
  - (9) श्रीमती कुसूमबेन कान्तीलाल भूपतीनी
  - (10) श्री सूमनलाल दलपतराम टेलर
  - (11) श्री अर्रावंदभाय इशवरलाल पटेल
  - (12) श्री वरदराजा श्रय्यर महादेवन।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुवना <mark>जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रजंन के</mark> लिए कार्यवाधिक अस्ता हूं

# उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस अवता के समया में प्रवाणत की तारीख से क्कारित को स्विधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर अविश्विमील ने 30 दिए की भविष्ठ, जो भी यविष्ठ बाद में अमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविषयों में से कियो क्यकित द्वारा:
- (सा) अत्र युवना ६ राजनल में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भव्याय 20-क में शिरभाषित हैं, यही भर्ष होगा जो उस जव्याय में दिया गया है।

#### अनुसूर्ची

ग्रमुसूची जैसा कि विलेख नं० 5252/10 बंबई उप-रिजस्ट्रार ग्रिधकारी द्वारा दिनांक 17-1-79 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> वी० एस० शेषाद्री सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IV, बम्बई

**लारीख:** 31-7-1979

प्ररूप ग्राई० टी∙ एन० एस∙--

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म(1) के मिनि सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 श्रगस्त 1979

निदश सं अ ई ०-2/2744-6/जनवरी-79/ - यतः, मुझे पी० एल० ऋंगठा बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उ≯त अधिनियम कहा गया है),की धारा 269-ख के ग्रापीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 45 अन्तिम प्लाट नं० 1223 टी० पी० एस० 4 माहीस बंबई 25 है तथा जो कंडल रोड़ माहीम बम्बई में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 8 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मुल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृथ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखेत में शस्त्रकित रूप से तथित नहीं किया गया है :→-

- (ह) अनरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिक्षियम के अश्रीन कर देने के धन्तरक के अधिन्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के किए;

अतः थ्रब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:——

- 1. मसर्स ग्नासावेल (इंडिया) प्रा० लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- वी एन्टरप्राइसेस को-आप० प्रिमायसिस सोसाइटी। (श्रन्तरिती)
  - 3. (1) मिसेस सबीना डिसोझा
    - (2) श्रीमती नेताली डिसोझा
    - (3) श्रीमती नेताली बृंडिसोझा
    - (4) श्री देवजी काशीनाथ पाटील
    - (5) श्री पांडु राम भोइर
    - (6) श्री बेंजामीन स्नीनीदाद
    - (7) श्री एम० एम० त्रीतो
    - (8) श्री फैलीक्स डिसोझा
    - (9) श्री थॉमस डिमेलो
    - (10) श्री बालु सदाशीय
    - (11) मैसर्स जय मोटर रीपेरींग
    - (12) मैसर्स केवल ब्रोस
    - (13) मैं नर्स श्रहुजा टाइप फोड़ी
    - (14) मैंसर्स आयडल प्रींटर्स
    - (15) मैसर्स डायना इक्कलीप्स कं०
    - (16) मैसर्स वागले प्रोसन स्टुडियो
    - (17) मैसर्स जोनेफ लेसली एण्ड कंऽ
    - (18) श्रीमती पुष्पा जे० सयानी
    - (19) मैसर्स पाली पैक
    - (20) मैंसर्स स्वस्तीक देवसटाइल
    - (21) मैसस सुमन ब्रार्ट प्रीन्टर्स
    - (22) मधर्स मोडिमाझ इंजीनियर्स
    - (23) श्री टी०ए० काचवाला
    - (24) मैसर्स जन मैटल इंडस्ट्रीज
    - (25) श्री रसी कलाल एम० शाह
    - (26) मैसर्स पन्ना पाँडक्टस
    - (27) मैसर्स बीटीश डायस इनवीप्ट
    - (28) मसर्स बी० ई० एस० टी० अडरटेकिंग
    - (29) मैसर्स एम० सी० मोदी
    - (30) मैसर्स एम०सो० मोदी
    - (31) श्रीमती मीनाक्शी एम० झवेरी
    - (32) श्रीमती सुधा ज० झवेरी
    - . (33) मैसर्स मीरंको इंडस्ट्रीज
    - (34) मसर्स ब्रहुजा टाइप फोन्ड्री
    - (35) श्री वीनायक पी० वेरेकर
    - (36) मसर्से जय मोटर रीपेरींग
    - (37) मैसर्स ग्ररून हाँटेल
    - (38) श्रीमती लिला बी० बलानी
    - (39) मैसर्स वीजेता ट्रेडिंग कारपोरेशन
    - (40) श्री भजनलाल बी ग्रौद
    - (41) मैसर्स गोपीलाल बी० लुन्ड
    - (42) मैसर्स प्रवीन बी० गान्धी
    - (43) मैसर्स बी० ए० बच्चुग्रली
    - (44) मैसर्स शांफ मल्टी स्नास्ट
    - (45) नैसर्स पैक ब्रार्ट प्रीन्टस

- (46) श्री शवानग्रली रमझान भ्रली
- (47) मैसर्स माता श्री मुद्रनालय
- (48) श्री टी० एन० गैनाय
- (49) मैसर्स मीरा बुटिक।
- (50) मैसर्स श्री राजमुद्रा
- (51) मैसर्स युनीटी प्रंटिंग प्रेस
- (52) मैसर्स श्रलंका
- (53) डा० एस० डी० दाभोलकर
- (54) मैसर्स श्ररूका इंड्रस्ट्रीज
- (55) मैसर्स ब्ल् स्टार लि०
- (56) श्री गजानन एन० चोनकर
- (57) मैंसर्स पेस्टनजी एण्ड कं०
- (58)-----,,-
- (59) मैसर्स ग्रर्फी इनकॉपरपोरेटेड
- (60) डा० रतन एच० डॉक्टर
- (61) मैसर्स जी० बी० सी० प्रींटींग
- (62) मैं सँस भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
- (63) मैर्मस कंबाला इलेक्ट्रॉनिक्स
- (64) -----,,----
- (65) मैसर्स रेमीट मन्यु० कं०
- (66) श्रीमती स्मीता एम० सबनीस
- (67) प्रैसर्स सोवर्रासंग प्रीन्टरी
- (68) मैसर्स दिपक प्रीन्टर्स
- (69) श्री एस० पी० शर्मा
- (70) श्रीमती यशोदाबाई सी० गप्ता
- (71) श्री जी० डी० मोहोता
- (72) श्री रसीकलाल ए० डागली
- (73) श्री नवलचंद जे० शाहा
- (74) श्री बी० के० शीवदासानी
- (75) श्री हरीभ्रोम लाल परमानंद
- (76) श्रीपती रेनुंका एच० वासवानी
- (77) श्रीमती प्रवादीनी एव० ग्रेयागले
- (78) मैर्सस नोबल ट्रेडिंग
- (79) श्री सतीश जें० श्रीन्गी
- (80) मर्संस वीन वीश कां०
- (81) मैंसेंस मंकसन्स प्रा० लि०
- (82) मैंसर्स टंक्टोग्राह्मर्स
- (83) मैसर्स इलेक्टोमंग मथङ
- (84) श्री उल्हास एस० पै०
- (85) में संस वी० एस० सोनी एन्ड कं०
- (86) मैसर्स एम०पी०एण्डजी० एम० श्रद्धवानी
- (87) मैसर्स द ह्वंक्यम फौरीमंग
- (88) मैसर्स प्रवीन लंबरोटरी
- (89) मैसर्स नीना प्रीन्टर्स
- (90) मैसर्स इंडस्ट्रीयल इक्कीप्स
- (91) ~~~
- (92) मैसर्स इंडस्ट्रीयल इंस्ट्रमेंट्स
- (93) श्री पी० ए० कुस्टांन जम्स
- (94) श्रीमती कमलाबाई गोपालवास

- (95) श्रीमती मंगलाबेन मोहनलाल
- (96) मैंसर्स जे० श्रार० चौहान एण्ड कं०
- (97) श्रीमती रेखा एम० मेहतानी
- (98) श्री श्रशा एच०मीरचंद्रानी।

(बहु व्यक्ति, जिनके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

4. दि चर्च ऑफ भ्रावर लेडी ऑफ सालव्हेशन, दादर बंबई-281

> (वह अयक्ति, जिसके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

की **यह सूचना जारी** करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाद्यियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (अप) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पब्दीकरण:--इ**समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी उक्त ुम्रिमिनयम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बनुसूची

भनुसूची जैसा कि विलेख नं० 3575/10(बांम्बे) बंबई उप रजिस्ट्रार ग्रधिकारी द्वारा दिनांक 8-1-1979 रजिस्टर किया गया है।

> पी०एग० ऋंगठा सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-2, बम्बई

तारीख: 8 अगस्त 1979

प्रकार **आई० टी०** एस**० एस∙ ~~~** 

प्रायकर आंधांना ... 1961 (1961का 43) की प्रारू 265-व (1) र प्रधीन गुलना

#### भारत सरकार

कार्याजय, पहायक आयक्तर आयुक्त (तिरोक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपन रोड़, रोहनक

रोहतक दिनांक 15 श्रक्तूबर, 1979

निवेश सं० श्रार० डब्ल्यू श्रार/सी० ए० एल/ 1 मे 3/78-79—-श्रतः मुझे ई० के० कोशी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायक्त श्रर्जन रेंज रोहतक

श्रायकर ग्रिशितयम, 1961 (1961 का 48) (जिसे दसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशितयम' कहा गया है), की खारा 269-प के ग्रिशीत संसम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 -क से प्रधिक है

स्रोर जिसकी संख्या मकाननं 2823, गोकल बाजार (मोती चौक) है तथा जो रिवाड़ी में स्थित हैं (स्रोर इयसे उपाबद प्रनुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं). रिजस्ट्रीकर्ता स्रिक्षिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण स्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के स्रिक्षीत, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के छिनत बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द प्रतिकात से प्रविक्ष है भीर अन्तरक (प्रग्तरकों) और प्रन्तरितं (प्रग्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरक (प्रग्तरकों) और प्रन्तरितं (प्रग्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया अप प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्ष प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किसो ध्राय का बाबत उक्त अधिनयम के बधीन कर देने के मन्तरक के बायित्व में कभी करने था उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्त धास्त्यों की, जिन्हें भ्रायकार प्रिनियत 1922 (1922 का 11) या उक्षत अधितियत, या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती होता प्रकट नहीं किया था। या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूतिका के लिए।

अतः अत्र, तक्त अधिनियम का धारा 269-एकं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-एका उपधारा (1) अधीन, विक्तिनियम व्यक्तियों, अवीत्। --

- श्रीमित गैंडी देवी विडावाला निवासी 6. हंसपुतार, फस्ट लेग कलकत्ता-7 (ग्रसाएक)
- 2. (1) श्री मुरेन्द्र जैन

(प्रन्तरिती)

- (2) श्रीमति किरन माला जैन
- (3) श्री सुभाष चन्द जैन

निवासी प्रकान नं 2 2823, मोती चौक रिवाड़ी (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभीग में सम्पत्ति है)

- (1) रोणन लाल यादव
- (2) तिरम्गी भार्गव
- (3) जगदीश प्रकाश पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण
- (4) खुणी राम पुत्र श्री मूल चन्द
- (5) सक्ष लाल वजीर चन्द
- (6) मृल चन्द्र ग्रदियाल
- (7) फतेह चन्द
- (8) त्रिमल लाल पुत्र श्री टिकाया राम
- (9) नारायण दास पुत्र श्री खुशी राम
- (10) चिमन लाल पुत्र श्री टिकाया राम
- (11) राम प्रशाद
- (12) मोहन लाल पुत्र श्री न।रायण
- (13) पंजाब नेशनल बैंक

को अह सूर्यता अगा करक पूर्वोक्त सम्योत के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति ह अर्जन के लंबंज में हाउ मां पान्नेर:---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशत को तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्षितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस भूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी मन्य स्थिति हारा, घधी हस्ताक्षरी के पास जिलित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: - इसमें प्रमुक्त जन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिप्तियम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस प्रध्याय में बिया गया हैं।

### धनुसूची

सम्पत्ति सकान नं० 2823, गोकल बाजार (मोती चौक) रिवाड़ी तथा जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कलकत्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री कमाक 279, 289 तथा 323 निथि 19-1-79 ग्रोर 20-1-79 पर दर्ज हैं)।

> ई० के० कोशी, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-10-79

प्रकप भाई •टी • एन • एस • ----

**पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ** 

धारा 269व (1) के ग्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 भ्रम्तूबर 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/I/एस० आर०-/III • 1-79/935/78-79—म्प्रतः, मुझे, कु० श्रंजनी श्रोझा, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/• क्पए से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षकाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-1-1979 को पूर्वोच्च सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोच्च सम्पत्ति का उच्चित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्वरक (अन्दरकों) भीर अन्दरितीं (अन्दरितियों) के बीच ऐसे अन्दरक अन्दर्श के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्दरण लिखिय में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त भिक्ष नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वाधिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय घाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात्:— 22—296GI/79  श्री राम सिंह पुत्र निहाल सिंह, पता गांव बिज-वासन, तहसील मैंहरौली, नई दिल्ली। (भन्तरक)

2. श्री महाबीर सिंह पुत्र श्री नन्हेमल, पता गांव बिजवासन, तहसील में हरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भवंत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी सम्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शन्दों मोर पर्वो का, जो उक्त मधि-नियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्च होया जो उस मध्याय में दिया गया है।

## प्रनुसुची

कृषि भूमि 19 वीघा 4 बिस्वा खसरा नं० 21/16 (4-16), 21/17 (4-16), 21/18 (4-16), 21/19 (4-1.6) स्थित गांव बिजवासन, तहसील मैहरौली, नई दिल्ली।

कु० अंजनी मोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 11-10-1979

प्ररूप आई। टी० एन० एस०--

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 11 श्रक्तूबर, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० झार०-III/
1-79/961—अतः मुझे कु० धन्जनी श्रोझा
भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि हैं तथा जो गांव साहुरपुर तहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबंध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्री-रिजस्ट्री कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 20-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए खय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण खिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) पन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ध्रिष्ठितयम के श्रधीन कर देने के ध्रम्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिविनियम या धन-कर भिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, जियाने में सुविधा के निए;

भत: भव, उन्त प्रधितियम को धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखत व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) सर्वेश्री श्री भीखन, घतर, रामफल, छोटे सुपुल श्री सूरजमल, पाता गांव साहुरपुर, सह्सील महरोली, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रवी एस० वाछानी, सुपुत्र श्री सुन्दर टी० वाछानो, पता : बी०-22, मेय फेयर गार्डन, होज खास, इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

ं को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से.
  45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी
  धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

**१पच्छीकरण:—-इ**समें प्रयुक्त शब्दों श्रीर परों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभा<sup>तित</sup>त हैं, वहीं धर्य होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि जिसका नाप 6 बीघा ग्रौर 14-2/3 बिस्सा है जो गांव साहुरपुर तहसील महरोली में स्थित हैं, जिसकी विवरण तथा रजिस्ट्री दिनांक 20-1-1979 है।

> कु० श्रंजनी स्रोझा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 11-10-1979

#### SUPREME COURT OF INDIA

#### New Delhi, the 3rd October 1979

No. F. 6/79-SCA (I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed the following Officers to the post shown against each with effect from the forenoon of 3rd October, 1979, until further orders:

S. No. Name	Post held	Post to which appointed
1. Shri Yoginder Lal .	Private Secretary to Hon'ble Judge (at present on deputation to Lok Sabha Sectt.)	Offg. Assistant Registrar (proforma)
2. Shri Brij Mohan Sharma	Court Master	Offg. Assistant Registrar
3. Shri K. K. Sehgal	Private Secretary to Hon'ble Judge	Offg. Assistant Registrar
4. Shri S. Varadarajan	Section Officer	Offg. Assistant Registrar
5. Shri K. B. Lal	Section Officer (Offg. Court Master)	Offg. Assistant Registrar

2. The Hon'ble the Chief Justice of India has also promoted and appointed S/Shri D. R. Nagpal and Jagan Nath, Assistants as Officiating Section Officers with effect from the forenoon of 21st September, 1979, until further orders.

MAHESH PRASAD, Deputy Registrar (Admn.J)

# UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 11th September 1979

No. P/1818/Admn.1.—In continuation of Union Public Service Commission Notification of even No., dated 4th August, 1978, the appointment of Dr. V. Subramanyan as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission has been softened for a further period of two years with effect from 1st September, 1979 or until further orders whichever is earlier, in terms of the Department of Personnel & Administrative Reforms OM No. 39/70/PP, dated 9-1-79, with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/19/79-Estt. (B), dated 31-8-79.

### The 17th September 1979

No. P/271-Admn.I —In continuation of Union Public Service Commission, Notification of even No., dated 15-3-79, the reemployment of Shri S. P. Chakravarty beyond superannuation in the post Officer On Special Duty (Confidential) in the office of Union Public Service Commission has been continued further from 1-9-79 to 31-12-79; with the concurrence of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel & Administrative Reforms vide their letter No. 39017/16/79-Estt.(B), dated 31-8-79.

No. A. 32013/3/79-Admn.I.—In continuation of Union Public Service Commission notification of even No., dated 16-6-79 the President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose, a permanent Grade I officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on ad hoc basis for a period of three months with effect from 19-8-79 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 24th September 1979

No. A. 32013/1/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

Sl. No.	Name	Period
	.P. Goel (Permanent Officer of on Officers' Grade of CSS)	17-8-79 to 30-9-79
	N. Khurana (Permanent Officer of n Officers' Grade of CSS;	20-8-79 to 30-9-79
	A.A. Ganapathy Ram, le A Officer of CSSS)	6-8-79 to 30-9-79

# S. BALACHANDRAN,

Under Secy.,

Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

# (DEPTT, OF PERSONNEL & A.R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 3rd October 1979

No. A-19025/6/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri R. N. Pandey to officiate as Office Supdt., in the Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 7-9-79, and until further orders.

Q. L. GHOVER, Administrative Officer (E)

# DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110001, the 3rd October 1979

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Mangala Rajan as Junior Medical Officer on ad-hoc basis with effect from 6-9-79 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1445/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 14.9.79 (FN) for a period of six months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

#### The 6th October 1979

No. O.II-256/70-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion on ad hoc basis Shri G. S. Raturi as Assistant Commandant in the CRPF in a temporary capacity until further orders.

2. Shri G. S. Raturi took over charge of the post of Assistant Commandant 28th Bn. CRPF on the afternoon of 14-8-79.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Admn.)

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUIARAT

Ahmedabad, the 4th October 1979

No. Estt.(A)/GO/2153.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint Shri K M. Nair a permanent member of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General. Gujarat, Ahmedabal with effect from 24-9-79(FN) until turther orders.

K. P. LAKSHMANA RAO, Deputy Accountant General (Admn).

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MAHARASHTRA

#### Bombay-400 020, the 17th September 1979

No. Admn I/Genl/31-vol.III/C1(1)/4,—The Accountant General, Maharashtra I, Bombay is pleased to appoint the following members of the SAS to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the date mentioned against them, until further orders.

1. Shri K, L. Deshpande	27-8-79 FN
2. Shri S. N. Padalkar	27-8-79 FN
3. Shri M. B. Deshpande	16-8-79 FN

4. Shri S. K. Gopujkar 16-8-79 FN

S. R. MUKHERJEE,

Sr. Dy. Accountant General (A)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, RAJASTHAN

#### Jaipur, the 27th September 1979

No. Admn.II/G.Notifl./861.—The Accountant General is pleased to promote S/Shri Ram Prakash Varshney and Har Charan Singh, Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officers with effect from 10.9.79 (Forenoon) until further orders.

R. A. BORKAR,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFIC OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL RAILWAY

#### Bombay V.T., the 29th September 1979

No. Au/Admn/Misc/Con/7336.—Shri D. R. Ambre, Permanent Section Officer (Audit) of this office is promoted as Audit Officer in the officiating capacity with effect from 23.7.79 (A.N.).

Smt. R. KRISHNAN KUTTY,

Director of Audit.

## COMMISSION ON PUBLIC EXPENDITURE

## New Delhi, the 11th September 1979

No. 1(8)-A/CPE/79.—On transfer from the Ministry of Finance, Deptt. of Economic Affairs, Shri M. N. Sharma, Stenographer Grade B of the C.S.S.S. of the Cadre of that Ministry is appointed as Senior Personal Assit. (Grade 'B' of C.S.S.S.) in the Commission on Public Expenditure in the scale of Rs. 650-1040 on usual deputation terms with effect from the froenoon of 18th August, 1979, until further orders.

U. S. TECKCHANDANI, Under Secy. (Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

## ORDNANCE FACTORY BOARD

# D.G.O.F. HEADQUARTERS CIVIL SERVICE

Calcutta, the 22nd September 1979

No. 47/79/G.—The DGOF is pleased to appoint the undermentioned Superintendents to the grade of Assistant Staff Officer (Class-II) Gezetted with effect from 28th May, 1977:—

- (1) Shri Govind Chandra BHATTACHARJEE (Since retired).
- (2) Shri Satyabrata NAG (Since retired),
- (3) Shri Amiya Ranjan BOSE.
- (4) Shri Santi Kumar BANERJEE (Since retired).
- (5) Shri Amarendra Nath CHOWDHURY (Since retired).
- (6) Shri Krishna Lal DEBNATH.
- (7) Shri Narayan Das CHAUDHURY (Since retired).
- (8) Shri Nalini Mohan CHATTERJEE (Since retired).

- (9) Shri Bipulendra Nath MITRA (Since retired).
- (10) Shri Byomkesh MANIK.
- (11) Shri Raghunath DASGUPTA.
- (12) Shri V. KAILASAN.
- (13) Shri Parbati Kumar GOSWAMI.
- (14) Shri Animesh DASGUPTA (Since retired).
- (15) Shri Nirmal Chandra DAS,
- (16) Shri Prasanta Kumar MALLICK.
- (17) Shri Ranjit Kumar DAS.
- (18, Shri Bibhuti Bhusan CHOWDHURY.
- (19) Shri Kalika Prasad SUKUL,
- (20) Shri Santosh Kumar SEN.
- (21) Shri Manik Lol GANGULI (Since retired),
- (22) Shri Ram Narayan Prasad DEO.
- (23) Shri Nirmalaya Bhusan CHAKRABORTY.
- (24) Shri Sabitansu Prokash GOSWAMI.
- (25) Shri Shiv Chandra SARKAR (Since retired).
- (26) Shri Benoy Bhusan CHOWDHURY.
- (27) Shri Dilip Kumar MITRA.
- (28) Shri Promode Chandra ROY.
- (29) Shri Barindra Nath GHOSH.
- (30) Shri Dhirendra Nath SAHA,
- (31) Shri Krishan MOHAN (Since retired),
- (32) Shri Jogesh Chandra SEN (Since retired).
- (33) Smt. Ranu RAJAGOPALAN (Since retired).
- (34) Shri Sushil Chandra ROY.
- (35) Shri H. B. SENSHARMA,
- (36) Smt. Banalata Majumdar (Since retired).
- (37) Shri Tulsi Charan DAS (Since retired).
- (38) Shri Sushil Kumar DAS.
- (39) Shri Sunil Kumar SENGUPTA.
- (40) Shri Kalidas GUHA. (Since retired).
- (41) Shri Narayan GANGOPADHYAY.
- (42) Smt. Jyotsna SEN.
- (43) Shri Balaram PAIN.
- (44) Shri Sudhir Chandra DAS (Since retired).
- (45) Shri Priya Gopal GOSWAMI.
- (46) Shri Amiya Kumar BOSE.
- (47) Shri Sisir Kumar CHAKRAVORTY.
- (48) Shri Biswa Ranjan GUPTA,
- (49) Shri Lakshmi Narayan SAMANTA.
- (50) Shri Sudhir Kumar DUTTA (Since retired).
- (51) Shri Dilip SEN.

No. 48/79/G.—The DGOF is pleased to appoint the undermentioned Officers Supervisors to the grade of Staff Officers (Class-I Gazetted) with effect from 28th May 1977:—

- (1) Shri Rabindra Nath BOSE (Since retired).
- (2) Shri Hari Bhusan GHOSH.
- (3) Shri Kanai Lal MUKHERJFE (Since retired).
- (4) Shri Hari Pada CHATTERJEE (Since retired).
- (5) Shri Prafulla Nath SANYAL (Since retired).
- (6) Shri Timir Ranjan DUTTA.
- (7) Shri Bhupati Bhusan BISWAS.
- (8) Shri Krishna Chandra BHATTACHARJEE (Since retired).
- (9) Shri Monmohan Lal NANDA (Since expired).

#### The 3rd October 1979

No. 49/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. N. Bose, Offg. Sr. DADGOF/Subst. & Permt. DADGOF retired from service w.e.f. 31st August 1979 (A.N.).

#### The 4th October 1979

No. 50/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri K. C. Mukherjee, Offg. Sr. DADGOF/Subst, & Permt. DADGOF retired from service w.e.f. 30th September 1979 (A.N.).

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

# MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 3rd October 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

# ORGANISATION (ESTABLISHMENT)

No. 6/1291/79-Admn(G)/7127.—The Chief Controller of Imports and Exports hereby appoints Shri Francis Antony, Assistant in the Railway Safety Section of the Ministry of Tourism and Civil Aviation, Lucknow as Controller of Imports and Exports (Category 'B') in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta in an officiating capacity with effect from the forenoon of 31st August 1979, until further orders.

2. Shri Francis Antony as Controller will draw pay in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-880-40-1000-EB-40-1200.

C. S. ARYA

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 5th October 1979

No. 18(1)/77-CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms) Control Order, 1956, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. T.C. (32-A) 59, dated 16th March 1959, namely:—

In the table appended to the said notification, in column 2 for the existing entries against S. No. 4, the following shall be substituted namely:—

- "(i) Director of Industries/Director (Handloom and Sericulture).
- (ii) Textile Controller.
- (iii) Magistrates.
- (iv) Supply (cloth) Inspectors.
- (v) General Manager, District Industries Centre."

M. W. CHEMBURKAR Joint Textile Commissioner

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(A-6 SECTION)

New Delhi, the 6th September 1979

No. A-17011/41/72-A-6.—Shri P. K. Krishnan, permanent Examiner of stores (Engg.) and officiating Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay voluntarily retired from Govt. service w.e.f. 13th August 1979 (A.N.).

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi-1, the 4th October 1979

No. A-6/247(229).—Shri P. S. Bhattacharjee, a permanent Assistant Inspecting Officer (Met-chem) in the Eurnpur Inspectorate retired from service with effect from the afternoon of 30th June 1979 on attaining the age of superannuation.

- No. A-17011/48/72-A6.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Shridhar, Assistant Director of Inspection (Engg.) in Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) to officiate on ad-hoc basis as Deputy Director of Inspection (Fings.) in Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Engg. Branch) with effect from the forenoon of 3rd September 1979 and until further orders.
- 2. Shri V. K. Shridhar relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Engg.) in the Directorate General of Supplies and Disposals (Inspection Wing), New Delhi on the afternoon of 31st August 1979 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Engineering) in the office of Director of Inspection, Bombay on the forenoon of 3rd September 1979.

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

The 10th October 1979

No. A-1/1(589).—Shri E. C. Dastur, offg. Asstt. Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies (Tex.). Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 30th September 1979 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. KISHORE

Dy. Director (Administration) for Director General of Supplies and Disposals

### SURVEY OF INDIA

#### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 5th October 1979

No. C-5557/718-A.—Shri Lakshmi Chandra, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post) on ad-hoc basis in Western Circle Office, Survey of India, Jaipur in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 3rd September 1979 (FN) vice Shri M. M. Chakrabarti, Establishment and Accounts Officer, retired on 31st August 1979 (AN).

No. C-5558/594.—The undermentioned Technical Assistants, Selection Grade are appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post), Survey of India on *ud-lioc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as stated against each:—

- 1. Shri J. N. Karki-22nd June 1979 (FN).
- 2. Shri Chanan Singh-14th June 1979 (FN).

K. L. KHOSLA Major General Surveyor General of India

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 3rd October 1979

No. A.12026/19/77(JIP)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Smt. G. Anuradha, Scientific Officer-Cum-Tutor (Physiology), Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the afternoon of the 31st July 1979.

No. A.19019/3/77(NMEP)/Admn.I.—On attaining the age of superannuation, Shri R. D. Marya, Deputy Assistant Director (Stores) in the National Malaria Evadication Programme, Delhi retired from service on the afternoon of 31st July 1979

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

#### (STORE I SECTION)

New Delhi, the 5th September 1979

No. A.32015/4/78-SI(Part).—In continuation of the orders contained in this Directorate notification No. A.32015/4/78-SI (Part), dated 9-7-79, the Director General of Health Services is pleased to appoint Shri J. K. Laul, Sr. Technical Asstt., Family Welfare Sub-Depot, to the post of Asstt. Depot

Manager in the same Depot on an ad-hoc basis for a further period of six months with effect from the forenoon of 13-7-79

P. K. GHAI, Officer on Special Duty (Stores)

# MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd October 1979

No. A-19023/74/78-A.III.—The short-term appointments of the following officers in the posts of Marketing Officer (Group II) under this Directorate have been extended upto 31-12-79 or until regular appointments are made, whichever is earlier:—

- 1. Shri G. K. Pallan,
- 2. Smt. R. S. Nehete.

#### The 4th October 1979

No. A-19024/5/79-A.111.—Shri S. R. Mukherjec, Senior Chemist is appointed to officiate as Chief Chemist at Kanpur on ad hoc basis, w.e.f. 11-9-79 (F.N.), until further orders.

#### The 9th October 1979

No. A-35014/2/78-A.III.—Consequent on his selection to the post on Marketing Officer in the Directorate of Agriculture, Andaman & Nicobar Administration, the services of Shri R. Subramanyam, Marketing Officer of this Directorate at Bombay, are placed at the disposal of the A. & N. Admn. on deputation for a period of 2 years w.e.f. 17-9-79 (A.N.).

No. A-19026/2/79-A.III.—Shri I N. Chahande, Section Officer (C.S.S.) is appointed on deputation basis to officiate as Administrative Officer in the Market Planning & Design Centre, Nagpur, for a period of one year w.e.f. 5-9-79 (afternoon) or till the post is filled in on regular basis, whichever is earlier.

No. A.19023/9/79-A.HI.—On his reversion Shri H. N. Bhatnagar relinquished charge of the post of Chief Chemist at Kanpur in the afternoon of 23-8-79 and took over charge of the post of Marketing Officer (Group III) at Bombay in the forenoon of 3-9-79.

B. L. MANIHAR,

Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 29th September 1979

No. DPS/21/1(3)/78-Est/29854.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Smt. Aley Mathews, a permanent Upper Division Clerk (Junior Storekeeper) and officiating Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB —40—1200 with effect from the forenoon of August 1, 1979 until further orders.

K. P. JOSEPH, Administrative Officer

## RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 31st July 1979

No. RAPP/Rectt./7(8)/79/S/1016.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri K. R. K. Rao, a permanent Upper Division Clerk of Central Pool of Power Projects Engineering Division and officiating Assistant Personnel Officer on ad hoc basis in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as an Officer in the Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650—960/-) in a temporary capacity in the same Project with

effect from the forenoon of 8th May 1979 until further

GOPAL SINGH Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 5th October 1979

No. AMD-1/13/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri U. P. Singh as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the afternoon of 20th August 1979 until further orders.

M. S. RAO

Sr. Administrative & Accounts Officer

# (DEPARTMENT OF SPACE)

### INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

#### SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 17th September 1979

No. SSG/KCP/7/3055/79.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri C. S. A. Kamath, a temporary Engineer 'SB' of this Centre with effect from the afternoon of the September 7, 1979.

#### The 28th September 1979

No. EST/ISCES/8.—The Director is pleased to appoint Shri A. J. Vyas as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of July 15, 1978 until further orders.

#### The 29th September 1979

No. EST/ISCES/10.—The Director is pleased to appoint Shri A. V. Apte as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of August 10, 1978 until further orders.

No. EST/ISCES/11.—The Director is pleased to appoint Shri Rajkumar Arora as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of August 10, 1978 until further orders.

No. EST/ISCES/12.—The Director is pleased to appoint Shri V. N. Desai as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of August 22, 1978 until further orders.

S. G. NAIR Head, Personnel and General Admn.

# MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 5th October 1979

No. E(1)03357.—Shri S. Raman, Meteorologist Grade I, Meteorological Centre, Trivandrum, under the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st August 1979 on attaining the age of superannuation.

G. R. GUPTA
Director
for Director General of Meteorology

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 27th September 1979

No. A. 32013/6/78-EC—In continuation of this Deptt. Notification No. A. 32013/4/78-EC dated 30-6-79, the President is pleased to appoint the following two officers, at present working as Senior Communication Officers on adhoc basis, to the grade of Senior Communication Officer on regular basis, with effect from the dates and to the stations indicated against each:—

S. No. Name	Station of posting	Date of regular! appointment in the grade
1. Shri R, C, Chitkara	Regional Director, Civil Aviation Deptt., Bombay.	18-7-79
2. Shri N.B. Mathur	Regional Controller of Communication, Calcutta.	3-9-79

2. These Senior Communication Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer, for higher promotion, according to the date of their regular appointment in the grade, subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of Senior Technical Officer/Senior Communication Officer, and subject to the condition that in case of officers appointed in the Civil Aviation Department on the basis of the Engineering Services Examination, their inter-se seniority in the said examination for appointment as Technical Officer/Communication Officer will also be maintained.

#### The 28th September 1979

No. A.32014/4/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri S. B. Chakraborty, Communication Assistant, ACS, Varanasi, to the grade of Asstt. Communication Officer, on regular basis, with effect from 8th June 1979 (FN), and to post him at ACS, Lucknow.

No. A. 38012/1/79-EC—The undermentioned three Asstt Tech. Officers relinquished charge of office, on retirement from. Govt. service, on attaining the age of superannuation, on the dates and at the stations indicated against each:—

S. Name & Design. No.	Station of posting	Date of retirement
1. Shri G.S. Sampath Iyenger, Asstt. Tech. Officer	Aero. Comm. Station, Bangalore	31-8-79 (AN)
<ol> <li>Shri K.V. George,</li></ol>	Aero Comm. Stn,	31-8-79
Asstt. Tech. Officer	Bombay	(AN)
3. Shri B. Kumar,	Aero. Comm. Stn,	31-8-79
Asstt. Tech. Officer	Calcutta	(AN)

No. A.38015/13/79-EC.—Shri N. Pichumani, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay, relinquished charge of office on 31st August 1979 (AN), on retirement from Government service, under the provisions of FR. 56 (k).

S. N. MOTWANI Officer on Special Duty (E)

#### New Delhi, the 5th October 1979

No. A.38013/1/79-EC.—Shri B. Kar, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta relinquished charge of his office on the 31st August 1979 (AN), on retirement from Government service, on attaining the age of superannuation.

#### The 6th October 1979

No. A. 32014/3/79-EC (Pt)—In continuation of this Department Notification No. A. 32014/3/79-EC dated 30-7-79, No. A. 32013/3/79-EC dated 22-8-79 and A. 32013/3/79-EC dated 7th Sept. 1979 and No. A. 32014/3/79-EC dated 18-9-79 the Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following 13 Technical Assistants at present working as Asstt. Technical Officer on ad-hoc basis to the grade of Asstt. Technical Officer on regular basis with effect from 20-8-79 and to post them to the station indicated against each:—

S. No.	Name			Station of posting
1. Shri	S. Tadkase			A.C.S., Bombay
2, Shri	A. P. Sadananda	ım		A.C.S., Calcutta
3. Shri	R.S. Sokhey			A.C.S., New Delhi
4. Shri	K.S. Anand			A.C.S., Jaipur
5. Shri	V. R. Ananthara	man		A.C.S., Madras
6. Shri	K. V. George			A.C.S., Bombay
7. Shri	M. W. Shrouti			A.C.S., Bombay
8, Shri	M. K. Krishnan			A.C.S., Bombay
9. Shri	S. K. Rao			A.C.S., Madras
10. Shri	Kulwant Singh			A.C.S., Bhubaneswar
11. Shri	N. Venkatasubra	amani	an	A.C.S., Bombay
12. Shri	Kesho Nath			A.C.S., Bombay
13. Shri	R. N. Mehta			A,C.S., Palam.

R. N. Das
Assistant Director of Administration

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOM

#### Patna, the 12th September 1979

No. II (7) 2-ET/79/11990—In pursuance of this office E.O. No. 309/78 dated 10-11-78, and 310/78 dt. 10-11-78 following Inspectors of Central Excise/Customs promoted to officiate as superintendent Group 'B', Central Excise/Customs in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200/- plus other usual allowances as admissible under rules have assumed charge as Superintendent, Group 'B', Central Excise/Customs at the places and with effect from the dates and hours as indicated below against each:—

Sl. No. Name	Place of posting	Date of assumption of charge
(1) (2)	(3)	(4)
S/Shri		
1. C. M. Zerai	. Supdt., Central Excise (P) Jamshedpur	28-11 <b>-</b> 78 (F.N.)
2, Tarini Prasad	. Supdt., Customs, Simrahi (Saharsa)	29-12-78 (F.N.)
3. Mahesh Chanda Prasad	Supdt., Central Excise(SRP I) Patna	8-2-79 (F.N.)
4. Tarkeshwar Na Singh	Supdt., Central Excise Patna Divison	17-11-78 (F.N.)
5. Rewati Raman Sinha, No. 1	Supdt., Customs Muzaffarpur.	16-12-78 (F.N.)
6. Lakhan Lal	. Supdt., Central Excise Karanpura (SRP)	30-1-79 (F.N.)
7. Krishna Kr. Sir	na Supdt Gold (Prev) Patna.	15-11-78 F.N.
8. Balram Prasad	Supdt., Customs(P) Raxaul.	12-78 (F.N.)

(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
9. Ahm	ad Bashir	Supdt., Customs Garhara T.Y.	12-3-79 (F.N.)
10. Kaly	an Kr. Roy	Supdt., Contral Excise Jamadoba (SRP)	16-1-79 (F.N.)
11. Bindh	nyachal Singh	Supdt., Customs Muzaffarpur	20-11-78 (F.N.)
12. Rajes	shwari Prasad	Supdt, Central Excise (P) Dhaubad	16-11 <b>-78</b> (F.N.)
13. Must	aq Alam	Supdt., Central Excise Mahuda (SRP)	19-1-79 (F.N.)
14. S. Ba	nerjec	Supdt., Hazaribagh (SRP)	12-12-78 (FN)
15. Ram Singh	Chhabila Pd.	Supdt., Central Excise Barkakana (SRP)	29-1-79 (F.N.)
16. Hari l	Pd. Dubey	Supdt., Customs (P) Forbesganj	28-11-78 (F.N.)
17. Hazar	i Singh	Supdt., Central Excise Purnea Range	16-3-79 (F.N.)
18. Janar	dan Pd. Singh	Supdt., Central Excise Sijua (SRP)	17-11-78 (F.N.)
19. Man l	Mohan Pandy	Superintendent, C. Ex. Bermo	29-11-78 (F.N.)
20. K.C. (	Chakraborty	Supdt., Central Excise Barauni (SRP) Range	23-11-78 (F.N.)
21. Gajen	dra Prasad	Supdt., Central Excise Hatia Range	20-11-78 (F.N.)
22. Raghu	ınath Chaudhary	Supdt., Central Excise SRP Bhowra	27-2-79 (FN.)
23. Laxmi	Narain	Supdt., Central Excise (SRP) Patna	20-11-78 (F.N.)
4. Subod Mukh	h Chandra erjeo	Supdt., Customs. Kishanganj	26-12-78 (F.N.)
25. Ranve	er Prasad	Supdt., Central Excise Kusunda (SRP)	27-11-78 (F.N.)
26. Sita R	am Mishra	Supdt., Central Excise Mugma (SRP)	18-1-79 (F.N.)
7. Ramy	ash Choubey	Supdt., Central Excise Sonardih (SRP) Range	22-1-79 (F.N.)

D. K. SARKAR, Collector Central Excise: Patna

# MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 9th October 1979

#### MERCHANT SHIPPING

No. 6(2) CRA/79.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri J. P. Pinto to Officiate as Asstt. Director, Seamen's Employment Office, Bombay with effect from the forenoon of the 8th August 1979 and until further orders.

K. S. SIDHU Dy. Director General of Shipping

#### CENTRAL WATER COMMISSION

## New Delhi-110022, the 1st September 1979

No. 19013/5/79-Adm.IV.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri A. P. Khanna to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Hydromet), on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 16th August 1979 (FN) until further orders.

Shri Khanna is posted at the Central Flood Forecasting Division at Lucknow.

J. K. SAHA Under Secy.

[PART III- SEC. 1

for Chairman, Central Water Commission

# New Delhi-110022, the 3rd October 1979 CORRIGENDUM

No. A-19012/715/78-Adm.V.—The date of promotion appearing against S. No. 6 in respect of Shri M. V. Desai, Supervisor in this Commission's Notification No. A-19012/707/78-Adm.V, dated 24-7-78 may be read 29-5-78 (F.N.) instead of 6-6-78 (F.N.).

J. K. SAHA Under Secy. Central Water Commission

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS) CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 28th September 1979

No. 27-E/N(13)/75-ECII(Vol.II).—Shri L. N. Narasimhan, Executive Fngineer (Civil), working as E.E. (Vigilance) in the office of Chief Fngineer (Vigilance), C.P.W.D., New Delhi has retired voluntarily from Government service under the provisions of F.R. 56 (K) with effect from 31st July 1979 (A.N.).

S. S. P. RAU

Dy. Director of Administration for Director General (Works)

New Delhi, the 31st August 1979

No. 1/296/69-F.CIX.—Shri Mansinh M. Rana, Chief Architect of this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 31st August 1979.

#### The 4th October 1979

No. 1/211/69-ECJX.—In pursuance of Ministry of Works and Housing Office Order No. 430 of 1979 Shri H. R. Luroya has taken over as Chief Architect, CPWD in the scale of Rs. 2250—125/2—2500—EB—125/2—2750 with effect from 18th September 1979 (FN) on repartriation from the U.N. assignment in Swaziland under U.N.D.P. as an expert.

H. D. SINHA
Dy. Director of Administration

## CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 29th September 1979

No. HPB/220/G/II/N.—The following Officiating Assistant Signal and Telecommunication Engineers (Class II) are confirmed in that appointment from the dates shown against each:—

- Sr. No., Name and Date of Confirmation in Class II
  - 1. Shri D. Pinto-9-2-1972.
  - 2. Shri S. C. Misra—1-3-1975.

KRISHAN CHANDRA General Manager

# MINISTRY OF LAW JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Polyam Packages Private Limited

Hyderabad, the 3rd October 1979

No. 1311/TA/560/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Polyam Packages Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. S. RAJU Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of Companies Act 1956 and of M/s Sri Dhandayuthapani High School Committee Private Limited

Madras-600 006, the 4th October 1979

No. DN/2864/560(5)/79.—Notice is hereby given pursu-

ant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956 that the name of M/s Sri Dhandayuthapani High School Committee Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

C. ACHUTHAN
Addl./Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Shahzada and Shahzada Lucky Schemes (Chit Fund) Pyt-Llmited

Jullundur, the 6th October 1979

No. G/Stat/560/2541/6400.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Shahzada and Shahzada Lucky Schemes (Chit Fund) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the/said company will be dissolved.

S. P. TAYAL Registrar of Companies Punjab, H.P. & Chandigarh

#### FORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 9th May 1979

Ref. No. 470/Acq. R-III/79-80/Cal.—Whereas I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

81/4, situated at Raja S. C. Mullick Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sunila Choudhuri, 81/4, Raja S. C. Mullick Road, Calcutta-47.

(Transferor)

(2) Shri Tarabrata Bhattacharya 64, Jodhpur Park, Calcutta-68.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided half share in premises No. 81/4, Raja Subodh Chandra Mullick Road, P. S. Jadavpur, Calcutta, consisting of 5.5 cottahs of land with building thereon,

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-Ill, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 9-5-1979

Seal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 28th June 1979

Ref. No. 475/Acq.R-II1/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6B,

situated at Swinhoe Street, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 5.1.1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transfer to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Manindra Kr. Ganguly, 6B, Swinhoe Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) M/s. Sukhaneerh Co-operative Housing Society Limited, 227A, Rashbehari Avenue, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 3 cottahs 12 chittacks 29 s q.ft. more or less situated at and being the western portion of premises No. 6B, Swinhoe Street, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 28.6.1979.

Seal:

#### FORM ITNS...

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

COMPETENT AUTHORITY, IAC: ACQ, RANG.-I, CAL.

Calcutta, the 12th July 1979

Ref. No. Sl.497/TR-488/C-443/Cal-1/78-79.—Whereas, I, V, S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

4 situated at Pretoria St., Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Calcutta on 12-1-79

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, famely:—

(1) (1) Mohonal Goenka

(2) Sawar Mal Goenka (3) Atmaram Goenka

(4) Chandra Prakash Goenka

(Transferors)

(2) Shri Vidya Mandir Society

(Transferee)

(3) Deputy Commissioner of Police (Security Passport,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storeyed building together with land-containing an area of one Bigha and Eighteen Cottahs more or less being premises No. 4, Pretoria Street, Calcutta registered before the Registrar of Assurance, Calcutta under deed No. I-148 of 1979.

I. V. S. JUNEJA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date: 12-7-1979.

Seal:

(1) Sm. Subha Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Md. Ehsanul Haque

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COMPETENT AUTHORITY, IAC: ACQ. RANG.-I, CAL.

Calcutta, the 30th July 1979

Rcf. No. TR-501/C-455/Cal-1/78-79,---Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38, situated at Darga Road, Colcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been nor which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Land measuring 3 cottahs 0 Chittack and 25 Sft. situated at 38, Dargah Road, registered by the Registrar of Assurance, Calcutta under Deed No. 1-395 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 30-7-1979.

(1) Sri Madhab Prosad Mitra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Jogamaya Rani Ghosh

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 30th July 1979

Ref. AC-45/Acq.R-IV/Cal/79-80,—Whereas, I. S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag no. 496 situated at Hanscswari, P. S. Morgra, Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 10-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.076 acres situated at Holding no. 38, Hanseswari Road, P. S. Mogra, District, Hooghly more particularly as per deed no. 100 of 1979

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta.
Ludhiana.

Date: 30-7-79

Soal:

. . . . . .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Smt. Ashoka Rani Ghosh

(Transferor)

(2) 1. Smt. Habati Dutta2. Sri Sibabrata Dutta &3. Sri Debabrata Dutta

(Transferees)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV: CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1979

Ref. AC-49/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dag no. 2552 situated at P. S. Chinsurah, District: Hooghly (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chinsurah on 25-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring .096 acres situated District: Hooghly, P. S. Chinsurah, J. L. No. 19, Kh. No. 200, Dag no. 2552, Holding no. 53/47, more particularly as per deed no. 181 of 1979.

S. K. DASGUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Runge-IV,54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 3-7-1979

INCOME.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY IAC: ACQ. RANGE-1, CALCUTTA

Calcutta, the 1st August 1979

Ref. No. Sl.498/TR-494/C-442/Cal-1/78-79.—Whereas, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

38 situated at Wellington St., Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Calcutta on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Kanek Lal Saba

(Transferor)

- (2) Wellington Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)
- (3) Calcutta Dyeing and Cleaning Co.

(Person in occupation of the property)

(4) 1. S. M. Pyne. 2. Dr. M. K. Chatterjee 3. Amal Banerjee 4. Ramesh Saha 5. A. K. Ghosh 6. Nirmal K. Ghosh 7. S. N. Chatterjee. 8. Nilay Kr. Ghosh. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Partly one & partly two storeyed building on an area of 4 cottahs and 440 sft. being premises No. 38 Nirmal Chandra Street, Cal., (also known as 38, Wellington St., Cal.) registered before the Registrar of Assurance, Calcutta, under deed No. 81 of 1979.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutte

Date: 1-8-1979

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 2nd August 1979

Ref. No. AC-19/R-II/Ca1/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

8A situated at Alipore Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Registrar of Assurances, Calcutto on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24-296G1/79

(1) Smt. Kamala Jindal 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Debika Chakravarty Flat No. 5, 4th floor, 8A, Alipore Road Calcutta. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half share of and in flat No. 5 of fourth floor of premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta, and 1/4th share in laud measuring 8-cottahs, 16-chittaks & 29-sq. ft. more or less, Flat space-1000 sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II. 54, Rafi Ahmed
Kidwai Rd., Calcutta-16.

Date: 2-8-1979.

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<del>an dan menggan kanalan kanalan</del>

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1979

Ref. No. Ac-20/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 8A situated at Alipore Road Calcutta (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin, the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kamala Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Debi Dalmia, 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferce)

(3) Vendee.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One-half share of one flat lying on the 3rd floor of the premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta, containing an area of 2000 sq. ft.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 3-8-1979 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1979

Ref. No. Ac-21/R-II/Cal/79-80.-Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Murlidhar Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sushila Debi Dalmia, 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Vendee.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

One-half share of one flat lying on the 3rd floor of premises No. 8A, Alipore Road, Calcutta, containing an area of 2000-sq. ft.

S. C. YADAV.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 3-8-1979 Seal:

### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Shti Muralidhar Jindal, 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Debika Chakravarty, Flat No. 5, 4th floor, 8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 3rd August 1979

Ref. No. Ac-18/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No 8A situated at Alipore Road Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ot Registrar of Assurances, Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Half (½) share of and Flat No. 5 of Fourth floor of premises No. 8A, Alipore Road and 1/44th share in land measuring 8-cottahs, 10-chittaks & 29-sq. ft. more or less. Floor space = 1000 sq. ft.

S. C. YADAV, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 3-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-HIF
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 4th August 1979

Ref. No. 484/Acq.R-IIi/79-80/Cal,--Whereas, I. VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1, situated at Vivekananda Road, Calcutta,

(and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-1-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '—

(1) Shri Babulal Dugar, 15, Noormal Lohia Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Sohani Devi Sethia 1, Vivekananda Road,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided one tenth share in premises No. 1, Vivekananda Road, Calcutta, consisting of land of 5 cottahs two chittacks and two sq. ft. together with a six storied building thereon.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 4-8-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-53/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kh. No. 1095 situated at Mouza Ankurhati Makardah, Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Pradip Kr. Mondal,
  - (2) Shri Susanta Kr. Mondal,
  - (3) Shri Narayan Mondal,
  - (4) Shri Chandi Charan Mondal,
  - (5) Smt. Rekha Mondal,
  - (6) Shri Jyotshna Mondal.(7) Smt. Champa Mondal,
  - (8) Smt. Gayatri Dalmi and
    - ) Smt. Alok Lata Mondal.

(Transferors)

(2) M/s. Chemoco Products, Tosh House.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11 cottahs 3 chittacks with building thereon situated at Mouza Ankurhati Makardah, P. S. Doomjur, District: Howrah, Kh. No. 1095, more particularly as per deed No. 53 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 9-8-1979

FORM ITNS ----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX

### ACOUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. AC-54/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing

No. Kh. No. 1095 situated at Mouza Ankurhati Makardah, Dist. Howrah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 8-1-1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) (1) Shri Pradip Kr. Mondal,

(2) Shil Susanta Er. Mondal, (3) Shri Narayan Mondal,

(4) Shri Chandi Charan Mondal,

(5) Smt. Rekha Mondal,

(6) Shri Jyotshna Mondel,(7) Smt. Champa Mondal,

(8) Smt. Gayatri Dalmi and

(9) Smt. Alok Lata Mondal.

(Transferor)

(2) M/s. Chemoco Products, Tosh House.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 17 cottah 13 chittacks 18 sft. with building thereon situated at Mouza Ankurhati Makardah, P. S. Doomjur, District: Howrah Kh. No. 1095, more particularly as per deed No. 52 of 1979.

> S. K. DASGUPTA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-IV, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 9-8-1979

Scal:

FORM ITNS --- --

(1) Lint Sarophi Chattopadhay

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri Ramnarayan Gupta (Agarwal).

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV-CAI CUTTA

Calcutta, the 9th August 1979

Ref. No. Ac-55/Acq.R-IV/Cn1/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUIPTA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 3075, situated at Mouze Narsingh Bund, Distt. Burdwan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Asansol on 29-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 0.06 acres with building thereon situated at Kh. No. 2059 Dag no, 3075, Mouza Narsingh Bund, Burnpur, Distt. Burdwan, more particularly as per deed no. 261 of 1979.

S. K. DASGUPTA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-IV, Calcutta-700016.

Date: 9-8-1979

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### (1) (1) Shri Krishna Prosad Dasgupta,

Shri Sati Prasad Das Gupta,

(3) Nirmalya Das Gupta,

(4) Smt. Kalyani Das Gupta,

(5) Smt. Tulsi Sen,(6) Smt. Kalyani Sen Gupta,

4/14, Ekdalia Road, Calcutta,

(Transferor)

(2) Shiyashakti Co-operative Housing Society Ltd., 3, Mangoe Lane, Calcutta.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CAI CUTTA-16

Calcutta, 22th August 1979

Ref. No. 558/Acq.R-III/79-80/Cal.-Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 24 C1.T. Scheme XLVII situated at Raja Basanta Roy Road, Calcutta,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-25-296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days f.om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land containing an area of 5 cottens 15 chittacks 9 sq. (t more or less situated at plot No. 24 of C.I.T. Scheme No. XLVII on Raja Basanta Roy Road, Calcutta.

> VASKAR SEN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 22-8-1979 Seal:

FORM ITNS ...

(1) Shri Asit Kumar Ghosh, 47. Pathuriaghata Street, Calcutta.

Shri Durgadas Saha and Kalidus Saha,
 Sovabazid Street, Calcutta.

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-HI 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

OF INCOME-TAX.

Calcutta-16, the 23rd August 1979

Ref. No. 559/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 66 situated at Sovabazar Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Dffice of the Registering Officer Calcutta on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land containing an area of 6 cottabs 3 chittocks more or less situated at premises No. 66, Sovabazar Street, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date 23-8-1979

(1) Sri Surendra Nath Bera, 94A, Seven Tank Lane, Calcutta-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Sabitri Pose, 2. Raja Bagan Lane, Calcutta-30.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 24th August 1979

Ref. No. Ac-30/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing, No. 9/4 A situated at seven Tank (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with building measuring one-half portion of 3-cottahs and 30-sq. f. being premises No. 9/4, Seven Tank Lane, Calcutta-30.

S. C. YADAV,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 24-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calculta, the 24th August 1979

Ref. No. Ac-31/R-II/Cal/79-80.—Whereas, I, S. C. YADAV being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9/4A situated at Seven Tank Lane, Calcutta-30.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 24-1-1979

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt Bidyutlata Bera, 9/4A, Seven Tank Lanc, Culcutta-30.

(Transferor)

(2) Smt. Sabitri Bose, 1, 2 Raja Engan Lane, Calcutta-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land with building measuring one-half portion of 3-cottahs and 30-sq. ft. being premises No. 9/4, Seven Tank Lane, Calcutta-30.

S. C. YADAV, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 24-8-1979

FORM ITNS - ---

(1) Sri Mohanlal Loyalka,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ram Abatar, Shri Omprakash Bajoria and Shri Ram Gopal Bojoria,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CAI.CUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. AC-56/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing

Plot No. 2956 situated at Mouza Raniganj Municipality, Dist. Burdwan.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raniganj on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2449 sq. ft. situated at Mouza Raniganj Municipality, Kh. No. 886 and 2625, plot no. 2956 and 2950/3006, Dist. Burdwan more particularly as per deed no. 59 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-IV,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Celcutta-16.

Date: 1-9-1979

(1) Sri Mohanlal Loyalka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Biraji Devi Bajoria,

#### (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. ΛC-57/Acq R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 2956 & 2950 situated at Mouza Raniganj Municipality, Dist. Burdwan,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranigani on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2234 sq. ft. situated at Mouza Rangani Municipality, Kh. No. 886 and 2625, Plot No. 2950 and 2956/3006, Dist. Burdwan, more particularly as per deed no. 60 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-9-1979

### FORM ITNS-

(1) Sri Mohanlal Loyalka,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (2) Smt. Bhagawati Debi.

(Transferee)

### INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No.  $\Delta C$ -58/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding Rs. 25,090/and bearing

Plot No. 2956 & 82950 situated at Mouza Raniganj Municipality, Dist. Burdwan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranigani on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2667 sq. ft. situated at Mouza Ranigani Municipality, Kh. No. 886 and 2625, Plot No. 2950 and 2956/3006, Dist. Burdwan, more particularly as per deed No. 61 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-9-1979

FORM JTNS---

(1) Sri Subhas Chandra Dhar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

-----

(2) Smt. Purnima Sarkar:

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV
54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. AC-59/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S.K. DASGUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14 situated at T. N. Chatterjee Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cossipore on 14-2-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 3 cottahs 11 chittaks 33 sq. ft. situated at 14, T. N. Chatterjee Street, Mouza Palpara, District 24-Pargana, more particularly as per deed no, 981 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54. Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-9-1979

(1) Sri Nuthmal Joradia and Sri Sivram Joradia.
(Transferor)

(2) Kamala Devi Baid.

(Transferee)

NOTICE UNPER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref. No. AC-60/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 99/315 situated at Mouza Debgram, Kh. No. 33/1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siliguri on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 acres situated at Mouza Debgram, Kh. 33/1, Plot no. 99/315, Siliguri, Distt. Mouza Darjeeling, more particularly as per deed no. 164 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-9-1979

Scal:

26-296GI/79

(2) Sri Nathmal Jorodia, and Smt. Shivram Joradia.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sangita Devi Baid.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Ref No. AC-61/Acq.R-IV/Cal/79-80.—Whereas, I, S. K. DASGUPTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 99/315 situated at Mouza Dehgram, Kh. No. 33/1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shiliguri on 8-1-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 66 Decimal situated at Mouza Debgram, Kh. No. 33/1, Plot no. 99/315 Shiliguri, Dist. Darjeeling more particularly as per deed no. 165 of 1979.

S. K. DASGUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-9-1979

(1) Sri Girdharilal Swaf, 34, Pussa Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ginia Devi Saraf, 11, Jatindra Mohan Avenue, Calcutta,

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st September 1979

Rcf. No. 589/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 11A. situated at Jatindra Mohan Avenue, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 2-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms nd expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that one sixth share in the six storied building containing an area of 8 cottahs 9 chitteeks 14 sq. ft. of land situated at 11A, Jatindra Mohan Avenue, Calcutta,

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-9-1979

95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Amitava Khastgir, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd.,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWΛΙ ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 599/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat No. 2E at 95, Southern Avenue, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 2E situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. 315 of 1979.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 1-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 21st September 1979

Ref. No.  $598/\Lambda eq.R-HII/79-80/Cal.$ —Whereas, I, S. K. SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/, and bearing

Flat No. AE at 95, Southern Avenue, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Manjusree Sinha, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 3E situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under deed No. 314 of 1979 before the Registrar of Assurances, Colcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 21-9-1979

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 597/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. IC at 95,

situated at Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sm. Jharna Sengupta, 95 Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SHEDULE

All that entire flat No. 1C situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under deed No. 313 of 1979 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date: 21-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANG-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 596/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6/C

situated at 95 Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sm. Malati Bhattacharjee, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 6/C situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under deed No. 205 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta.

Date: 21-9-1979

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANG-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 594/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 3D situated at 95 Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sri P.S. Ananta Narayan, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 3D situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under Deed No. 203 of 1979 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

VASKAR SEN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 21-9-1979

FORM JINS-

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd. 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Sri Suresh Chakraborty, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANG-ΠΙ, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 593/Acq.R-III/79-80/Cal.-Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. Flat No. 4D situated at 95, Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for ...the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:-27-296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 4D situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered under Deed No. 200 of 1979 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

> VASKAR SEN, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 21-9-1979

Scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANG-UI, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 595/Acq.R-III/79-80./Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Flat No. 3/B

situated at 95, Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

Sm. Dipika Sikdar,
 Southern Avenue, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 3/B, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. 204 of 1979.

VASKAR SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta.

Date: 21-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANG-III, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 21st September 1979

Ref. No. 592/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Flat No. 3/A situated at 95, Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sri R. K. Sikdar, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 3/A situated 95, Southern Avenue, Calcutta registered before the Registrar of Assurances, Calcutta under Deed No. 199 of 1979.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Date: 21-9-1979

M's. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Krishna Sengupta, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 600/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

Flat No. 1A situated at 95 Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 1A on the 1st floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 9-10-1979

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

### FORM ITNS----

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri S. K. Basu, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 601/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 5D situated at 95, Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said, instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions; used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 5D on the 5th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1979

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta,

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Chanda Das Gupta, 95, Southern Avenue, Calcutta. (Transfereo)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 602/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 1D, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 1D on the 1st floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta,

VASKAR \$EN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1979

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Sri A., Gupto, 158 P. A. Sha Road, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA
Calcutta, the 9th October 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. 603/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing No.

Flat No. 8C, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 8C on the 8th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1979

M's. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Sabitri Das, 117/M/2, Pann Nagar, Kanpur-5.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 604/Acq.R-III/79-80/Cal,—Whereas, I. VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1F, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such, transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inistrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that entire at No. 1E on the 1st floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 9-10-1979

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri Ramendra Nath Ghosh. 95. Southern Avenue, Calcutta.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 605/Acq.R-JII/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8C, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—28—296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. 8C on the 8th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 9-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 606/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 9D, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-79.

for an apparent consideration which is I so than the fair market value of the aforgoald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

Sri A. P. Roy, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. 9D on the 9th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 9-10-1979

M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sri H. N. Guha, 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 607/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 4C, situated at 95 Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nit been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that entire Flat No. 4C on the 4th floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1979

[PART III—SEC. 1

#### FORM ITNS-

1. M/s. Lake 'Co-operative Housing Society Ltd., 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Smt. Uma Sen 95, Southern Avenue, Calcutta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 608/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASAKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 9E, situated at 95, Southern Avenue, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-1-79.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that entire flat No. 9E on the 9th floor situated at 95. Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date: 9-10-1979

1. M/s. Lake Co-operative Housing Society Ltd., 95. Southern Avenue, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 2. Sri B. N. Ghosh 95, Southern Avenue, Calcutta

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 609/Acq.R-III/79-80/Cal.---Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 2D, situated at 95 Southern Avenue, Cal.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that entire flat No. 2D on the 2nd floor situated at 95, Southern Avenue, Calcutta.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date: 9-10-1979

Soal:

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Mihir Kumar Gangopadhyay

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 610/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 8, situated at Mouza Kankulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Alipore on 13-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (3) As mentioned at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

  [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 1 cottah 15 chittack's 12 sq. ft. situated at plot No. 8 of Mouza Kankulia, P. S. Tolligange.

VASKAR SEN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date: 9-10-1979

### FORM ITNS----

#### 1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

2. Nilima Ghosh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 611/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 9 situated at Mouza Kankulia (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 15-1-79.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 Cottah 13 Ch. 32 Sq. ft. situated at plot No. 9 of Mouza Kankulia P. S. Tollygange

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III,
Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1979

8504

#### FORM ITNS----

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

PART III-- SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 2. Kamala Kanta Ghosh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 612/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 3, situated at Mouza Kankulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Alipore on 11-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottans 5 chittacks 3 Sq. ft. situated at plot No. 3 of Mouza Kankulia, P. S. Tollygunge.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date: 9-10-1979

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 2. Sh. Subodh Chandra Mukherjee

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 613/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, J. VASKAR SEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 21/1, situated at Prince Baktier Shah Rd. Calcutta.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Alipore on 11-1-79.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
29—296GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottahs 10 chittacks by portion of 21/1 Prince Baktier Shah Rd., Calcutta.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta.

Date: 9-10-1979

#### FORM ITNS —

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Shri Amarendra Nath Gupta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. 615/Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7, situated at Mouza Kankulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottah 7 Sq. ft. situated at plot No. 7 Mouza Kankulia P. S. Tollygunge.

VASKAR SEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acsuisition Range-III
Calcutta.

Date: 9-10-1979

1. Orient Beverages Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) 2. Manzula Guha

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 9th October 1979

Ref. No. Acq.R-III/79-80/Cal.—Whereas, I, VASKAR SEN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 14, situated at Mouza Kankulia

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 12-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 2 cottah 3 Chittacks 3 Sq. ft. situated at plot No. 14 Mouza Kankulia P. S. Tollygunge.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acsuisition Range-III
Calcutta.

Date: 9-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 26th May 1979

Ref. No. 4/JAN/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 situated at New Agraharam, Dindigul

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dindigul (Doc. No. 21/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Smt. Subbulakshmi Ammal,

  - 1. Shit. Suboliassinii Ainhai,
    2. Sri K. Venkatosubramanian,
    3. Sri V. Gopalakrishnan,
    4. Sri K. Krishnamurthy,
    5. Srl K. Sundararaman &
    6. Smt. S. Rajalakshmi,
    66, Habibullah Road, T. Nagar, Madras-17. (Transferor)
- (2) Dr. J. Raja, M.B.B.S., 31, New Agraharam, Dindigul.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 21/79-S. R. Dindigul

Land & Building at Door No. 31 New Agraharam, DINDIGUL.

> O. ANADARAM, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 26-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th August 1979

Rcf. No. 13/JAN/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. 449, 450, 451 & 452 situated at Ammapet Main Road, Salem-3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Salem. (Doc. No. 4849/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. K. Sornammal Ammal, W/o Shri A. Kandosamy Mudaliar, Opp: Subramania Swami Temple, Fairlands, Salem.

(Transferor)

(2) Shri M. P. Subramania Mudaliar, No. 8, Kanakkar Street, Salem-1.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 4849/79 JSRO I, Salem

Land & Buildings at Door No. 449, 450, 451 & 452, Ammapet Main Road, Salem-3.

O. ANADARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 6-8-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

Madras-600006, the 6th August 1979

Ref. No. 28/JAN/79.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

75, situated at North Street, Singarayar Colony, Narimedu, Madurai

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ut SRO Shenoynagar, Madurai (Doc. No. 123/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajarathinasamy Nadar, No. 67-B, Tamil Sangam Road, Madurai.

(Transferor)

 Smt. K. Vatsala, D/o Shri S. Karuppiah, No. 44/11, Aruna Nagar, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 123/79 SRO Shenoynagar, Madural

Land & Buildings at Door No. 75, North Street, Singarayar Colony, Narimedu, Madurai.

O. ANADARAM.
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600006.

Date: 6-8-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 2731/1 B, 2, 3, 274/2B, 3A, situated at 275 (Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore (Doc. No. 417/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) J. Vanajakshi Dr. J. Sanathkumar J. Balagopal, "Maheswari", G. D. Naidu St., Coimbatore-18

(Transferor)

(2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout No. 1, "B" Block, Coimbatore14.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at S.No. 273/1B, 2, 3, 274/2B, 3A 275 (Part) (Doc. No. 429/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date: 5-9-1979

#### FORM LTNS .-

(1) J. Vanajakshi Dr. J. Sanath Kumar J. Balagopal "Maheswari" G. D. Naidu St., Coimbatore-18,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout No. 1, "B" Block, Coimbatore-14.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madros-600006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 273/1B, 2, 3, 274/2B. 3A, situated at 275 (Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. No. 426/79) on January 1979 for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arking from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 273/1B, 2, 3, 274/2B, 3A, 275/(Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam. (Doc. No. 426/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600006.

Date: 5-9-1979

SeaI:

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whercas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

273/1B 2, 3, 274/2B 3A, situated at 275 (Part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 427/79) in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—296GI/79

(1) J. Vanajakshi Dr. J. Sanathkumar J. Balagopal, "Maheswari" G. D. Naidu St., Coimbatore-18.

(Transferor)

(2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout . No. 1, "B" Block, Coimbatore14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey Nos. 273/1B 2, 274/2B3A, 275/Part Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam (Doc. No. 427/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madray-60006

Date: 5-9-1979

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## ME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

273/1B2, 3, 274/2B3A, 275 (Part) situated at Dr. Jagannatha Nagar, Upplipalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 429/79) in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) J. Vanajakshi,
  Dr. J. Sanathkumar,
  J. Balagopal.
  "Maheswari, G. D. Naidu St., Coimbatore 18.
  (Transferor)
- (2) The Coimbatore Real Eestate Co. Office Layout No. 1, "B" Block, Coimbatore-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at R. S. No. 273/1B, 2, 3, 274/2B3A, 275/Part Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam. (Doc. No. 429/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006,

Date: 5--9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1979

Ref. No. 6925.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. 1, situated at Chari Street, Madras-17,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at T. Nagar, (Doc. No. 90/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 A. M. Kothandapani Thevar, Lakshmi Ammal, 79, Sami Naicken St., Chintadripet Madras.

(Transferor)

(2) Shri Ranganayaki, Shri Sridharan, Shri M. Devanathan 15, Ramakrishna St., Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at No. 1, Chari St., T. Nagar, Madras-17. (Doc. No. 90/79)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10023.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 273/1B, 2, 3, 274/2B 3A, 275 (Part) at Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 430/79) on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri J. Vanajakshi,
  Dr. J. Sanath Kumar,
  Shri J. Balagopal,
  "Maheswari", G. D. Naidu St., Coimbatore-18.

  (Transferor)
- (2) The Coimbatore Real Estate Co. Office Layout, No. 1, "B" Block, Coimbatore-14,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at R.S. No. 273/1B, 2, 3, 275/2B3A, 275 (part) Dr. Jagannatha Nagar, Uppilipalayam, (Doc. No. 430/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxAcquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 5-9-1979

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 8478.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 107, Bodi Chetty St., situated at Thiruppapuliyur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Cuddalore (Doc. No. 98/79) on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pertent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any sincome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) D. Veerappan Chettiar, 53, Subbarayulu Nagar, Thiruppapuliyur Cuddalore. (Transferor)
- (2) Smt. G Vatsala Devi.52, Sanjivi Naidu St., Thiruppapuliyur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I and and building at 107, Bodi Chetty St., Thiruppapuliyur, (Doc. No. 98/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 5-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10017.—Whereas, J. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 459/2, 468/1&2, 469, situated at 470, 471/1, 472 Perianaickenpalayam,

(and more fully described sin the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 51/79) on January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Lakshmi Machine Works Ltd., Perianaickenpalayam. Coimbatore-641 020 (Transferor)
- (2) Lakshmi Card Clothing Manufacturing Company (P) Ltd., Kuppuswamy Naidupuram Post 638 662, Coimbatore Dt. (Transeferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands, at \$S.No. 459/2, 468/1 and 2, 469, 470, 471/1 and 472 at Perianaickenpalayam, Coimbatore Dt. in extent of 8 Acres and 85 Cents and 74 sq. ft. (Doc. No. 51/79).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 5-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10016.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'sald Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 243 situated at Palladam

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palladam (Doc. No. 44/79) on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-sax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Sambandam, Official Receiver, on behalf of Shri Lalan Thomas, 113A, Mangalam Road, Palladam,

(Transferor)

(2) Lovely Thomas, Perur House, Chengana Cherry (PO) Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Lands at S. No, 243 and pump set and tiled house at Palladam.
(Doc. No. 44/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 5-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th September 1979

Ref. No. 10031 - Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 2525 Door Nos. 59, situated at 60, 70, 71,

Ootacamund,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No. 144/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Shri A. Sheik Mohamed M. Shahul Hameed, Main Bazar, Ootacamund. (Transferor)
- (2) Shri M. Gul Mohamed Sait S/o Shri V. Muthaliff Rowther. Upna Cottage, Gool Mohamed Sait Line, Ootacamund,

(Transferce)

PART III -SEC. 1

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 deva from the date of the publication of this in the notice Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building in R.S. No. 2525 of Ootacamund Door Nos. 59, 60, 70 and 71. (Doc. No. 144/79).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 5-9-1979

#### FORM ITNS ....

(1) A. Shri A. Srinivasan, 14/21-1, Sivananda Colony, Coimbatore. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri K. Neelavathy, 1/21A, N. G. Narayanaswamy St., Siddapudur, Coimbator.

### GOVERNMENT OF INDIA

r, Coimbator.
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Madras-600 006, the 5th September 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 10068.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

Chapter.

No. T.S. No. 55/2A2 and 56/2A2, situated at Sanganur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coimbatore (Doc. No. 367/79) on February 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 55/2A2 and 56/2A2 Sanganur 14/21-I, Savananda Colony, Tatabad, Coimbatore. (Doc. No. 367/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Date: 5-9-1979

31—296GI/79

#### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1979

Ref. No 6920.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 53, Usman Road, situated at T. Nagar, Madras-17, (and more fully described in the schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. No. 5/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri J. Jamuna, 8-2-701/A, Road No. 12, Banjra Hills Hyderabad-34. (Transferor)
- (2) Shri G. Ramakrishna and Geetanjali, 93, Habibulla Road, T. Nagar, Madras17, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 53, Usman Road, T. Nagar, Madras-17. (Doc. No. 5/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-9-1979

Ser.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1979

Ref. No.: 8486.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing

No. 14, situated at Dr. Varadarajan Road, Vedachala Nagar, Guntur Village, Chinglepet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chinglepet (Doc. No. 145/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Vedavalli Ammal, 18, Hindi Prachara Sabha St., Madras-17. (Transferor)

(2) Shri P. K. Doraiswamy Reddiar, S/o. Kothandrama Reddiar, 345, Kodur Village, Madurantakam TK. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 14, Dr. Varadarajan St., Vedachala Nagar, Guntur Village, Chinglepet.

(Doc. No. 145/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-ax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Abdul Majeed Khan, Shri Abdul Aziz Khan, Shri Abdul Hamid Khan, 14, Esuf Labbal St., Madras-5.

(Transferors)

(2) Tan India Wattle Extracts Co. Ltd. 315 and 316, Mount Road, Madras-18,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th September 1979

Ref. No. 6932.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 315 and 316, (95A) Mount situated at Road, Madras-18, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar. (Doc., No., 128/79), on January 1979

T. Nagar, (Doc. No. 128/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 315 and 316, Mount Road, Madras-18.
(Doc. No. 128/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 10052.—Whereas, I. RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 1165, 1162, 1163, situated at Ebenezer Villa. Missionary Hill, Ootacamund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. No 233/79) on February 1979

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri B. B. Mundkur, Prop: M/s Ulka Advertising, Deepak Mahal, Vir Nariman Road, Bombay-1. (Transferor)
- (2) Mrs. Balbir Kaur, Widow of late Lt. Col. Gurbachan Singh, Whitefields, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building 'Ebenezer Villa. Missionary Hill R.S. No. 1165, 1162 and 1163, Ootacamund. (Doc. No. 233/79).

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 10015.-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7, Anamalai Hills situated at Valparai (Muthumalai Estate) G. S. No. 1/1-C-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. No. 26/79), on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in resect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shri S. Nachimuthu Gounder,

  - (2) Shri N. Janardhanan,
    (3) Shri A. S. Ramaswamy,
    (4) Shri A. K. Manickam,
    (5) Shri A. K. Balashanmugham, Sethumadai Road, Anaimalai(PO).

(Transferors)

- (2) (1) Shri C. Alamelu Achi, 15, Kamber St., Mahalingapuram Pollachi.
  - (2) Shri V. Meenakshi Achi, 13, Kamaraj St., Mahalingapurain, Pollachi.
    (3) Shri M. Lakshmi Achi,

135, Bazaar St., Pollachi,

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Plot No. 7, G.S. No. 1/1-C-1, Anaimalai Hills Village Valparai (Muthumalai Estate). (Doc. No. 26/79)

> RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 10015.--Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6, G.S. No. 1/1-C-1 situated at Anamalai Hills Valparai (Ramarmalai Estate),

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. No. 27/79) on January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer vith the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

- Shri S. Nachimuthu Gounder,
   Shri M. Janardhanan

  - (3) Shri A. S. Ramaswamy,
    (4) Shri A. K. Manickam
    (5) Shri A. K. Balashanmugha Sethumadaj Road, Anaimalai.

(Transferors)

- (2) (1) Shri C. Alamelu Achi, 15, Kambar St., Mahalingapuram Pollachi.
  - (2) Shri M. Lakshmi Achi,
  - 135, Bazar St., Pollachi.
    (3) Shri V. Meenakshi Achi,
  - 13, Kamaraj St., Mahalingapuram, Pollachi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Plot No. 6, G.S. No. 1/1-C-1, Anaimalai Hills Village, Valparai (Ramarmalai Estate).
(Doc. No. 27/79).

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-9-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th September 1979

Ref. No. 6952.-Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6/17C, New No. 89, situated at Anna Salai, Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer et Triplicane, Madras (Doc. No. 81/79) on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Ldr. Jamshid Dinsha Italia (Retd.), Dr. Farid J. Italia Attorneys of the Estate of late D. D. Italia, Dinroze Estate, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mrs. S. M. Rajiha Beevi, W/o, M. M. Ahamed, Shri A. Mohamed Jameel S/o, M. M. Ahamed, Hotel Sheriff, 89, Anna Salai, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 89 (6/17C), Anna Salai, Madras-2. (Doc. No. 81/79).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1979

Ref No. 8475/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the having a fair value immovable property market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. T.S. No. 3604/4 situated at Jail Road, Pudukettai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO Pudukottai (Doc. No. 182/79) on January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of anv or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--32-296GJ/79

(1) (1) Shri V. K. S. Abdul Majeed, (2) Shri V. K. S. Kalifulla, (3) Shri V. K. S. Jafarullah,

Mookkanamalaipatti, Pudukottai Dist.

(Transferors)

(2) Shri P. Abdul Hameed, S/o. Shri N. M. Pichali Ibrahim, Pudukottai.

Timber Merchant, North Main Road, Document No. 182/79 SRO Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No 3604/4 Jail Road, Pudukottai.

RADHA BALAKRISHNAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AND THE PERSON NAMED AND ADDRESS OF THE PERSON NAMED AND ADDRE

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1979

Ref. No. 8473/79,---Whercas, I. RADHA BALAKRISH-NAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Plot No. 40

No. 46 situated at Yanaon Vingadasalapillai Street, Pendichetry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at JSRO I Pondicherry (Doc. No. 11/79) on January 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Sen'huyyar Chinnappan,
  - (2) Shri Senthuyyar Valantheen, 46, Yunaon Vingadasalapillai Street, Posidicherry. (Transferor)
  - (2) Suit. S. Clementine Saint Gues, Rep. by: Saint Gues Simon, 156, Thattotou Kalapet, Ulavakarai Vattam, Pondicherry,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE Document No. 11/79 JSRO I Pondicherry.

Land and buildings at Door No. 46, Yanaon Vingadasala-pillai Street, Pondicherry,

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 12-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Rajam Vaithianathan.

(Transferor)

(2) Smt. Bharathi, Care of Vijaya Hospital, Madras-26.

may be made in writing to the undersigned -

32, Madhavan Road, Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th September 1979

Ref., No. 6926/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 3, situated at Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Madras (Doc. No. 97/79) on January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if anf, to the acquisition of the said property

(b) by uny other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 97/79 SRO T. Nagar, Madras. Land & Buildings at Plot No. 3 R.S. No. 533/25 Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34.

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 12-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1979

Ref. No. 6958/P. 1/79.—Whereas, I, RADHA BALA KRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 71 (New Number) situated at Anna Salai, Madras-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Triplicane, Madras, (Doc. No. 38/79) on January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Ldr. Jamshed Dinsha Italia (Retd.) Dinroze Estate, 1/17, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) The Central Co-op. Printing Works Ltd., New No. 71, Anna Salai, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Doc. No. 38/79/P.1 SRO Triplicane, Madras Land and buildings at Door No. (New) 71, Anna Salai, Madras-2.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge-II.
Madras-600 006

Date: 18-9-1979

#### FORM ITNS ---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1979

Ref. No. 6958/P. 2/79.—Whereas, I, RADHA BALA-KRISHNAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door (New No.) 77 situated at Anna Salai, Madras 2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), 1.8 been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Triplicane, Madras (Doc. No. 38/P. 2/79 on January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Ldr. Jamshed Dinsha Italia (Reid.) Dinroze Estate, 1/17, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) The Central Co-op Printing Works Ltd., New No. 71, Anna Salai, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 38/P. 2/79 SRO Triplicane, Madras
Land and buildings at New Door No. 77, Anna Salai,
Madras-2.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madros-600 006

Date: 18-9-1979

Smt, P. L. Kothai,

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) (1) Shri Valampuri Somanathan and
 (2) Shri Palaniappan,
 Mayileru, Periasamy Road, Coimbatore.

(Transferor)

(Transferce)

W/o. Shri Palaniappan, 33, K. K. Pudur, Coimbatore.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 18th September 1979

Ref. No. 10058/79.—Whereas, I, RADHA BALAKRISH-NAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 201-A, situated at 3rd Street, Gandhipuram. Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SRO Gandhipuram. Coimbatore (Doc. No. 195/79) on January 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Document No. 195/79 SRO, Gandhipuram, Coimbatore Land and buildings at Door No. 201-A, 3rd Street, Gandhipuram, Coimbatore.

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range II.
Madras-600 006

Date: 18-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Gajendra Singh s/o Shri Sant Singh Dua, R/o Ambala Road, Saharanpur.

(Transferor)

(2) Sardat Iqbal Singh s.o Shri Sant Singh, R/o Patel Nagar, Saharanpur.

(Transfree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANFE, KANPUR

Kanpur, the 10th August 1979

Ref. No. 1019/A/Saharanpur.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Saharanpur on 16-3-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1900 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property No. 2/424/1 situated at Mehalla Sarai Dhoom Singh Gali Saharanpur sold for an apparent consideration of Rs 30,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kunpur

Date: 10-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANFE, KANPUR

Kanpur the 17th August 1979

Ref. No. 742/Acq/Etawah. --Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marekt value exceeding Rs.: 2,5000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etawah 30-5-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Devendra Pd. s/o Jai Chand, Gaushala, City Etawah.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Surendra Kaur Joje,

Darshan Singh and Shri Santosh Singh (2) Shri Bhatia S/o Dela Singh, R/o Etawah Moh. Choughari and

(3) Shri Mohan Chand S/o Mahadee Pd.,
(4) Shri Harish Chand S/o Bateshwar Pd. R/o Etawah Mohalla Kashganj,
(5) Shri Abdul Malik, Abdul Salim S/o Haji Abdul Gudan Gaffar

R/o City Etawah Moh. Naurangabad.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Barus Bathopur sold for apparent consideration of Rs. 20000/-, the fair market value of which has been determined at Rs. 1,00,370/-

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date 17-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th August 1979

Ref. No. 902-A/Ghaziabad.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Scnedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 31-1-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33---296GI/79

The General Talkies Limited,
 M. J. Building, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferors)

(2) M/s. Gopal Das Estate and Housing Private Limited, 28 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of 4600 sq. yds. Bagh Bhatiari, G.T. Road Ghaziabad sold for an apparent consideration of 7,00,000f- the fair market value of which has been determined at Rs. 10,08,940/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Date: 18-8-1979

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 20th August 1979

Ref. No. 939-A/Mecrut.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 2-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- Shri Ajit Singh s/o Indrapal Singh, Sarswati Mandi Suraj Kund Roud, Meerut City. (Transferor)
- (2) Shri Faizal Ali s/o Shri Zafar Ali Khan, R/o No. 1 R.A. Lines Meerut Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot situated at Clement Street, Hazari Ka Plao, Meerut for apparent consideration of Rs. 48750/- the fair market value of which has been determined at Rs. 75000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 20-8-1979

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st August 1979

Ref. No. 648-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 11-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Chander Bhan Gaba s/o Shri Dhani Mal Gaba, R/o Quarter No. 1 Lal Singh Quarters, 4 Dhamenwala Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Lal Bahadur Lal S/o Shri Guru Deen, R/o 13/242 Parmat Kanpur New at Dehradun.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at 19/1 Mohini Road, Dehradun sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 31-8-1979

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1979

Ref. No. 922-A/Meerut/980.—Whoreas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baghpat on 15-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chandra Bhan Pisar late Munshi Lal, Kamil minor, Sambhudhan, Sahdes, Ashok s/o Shri Chandra Bhan R/o Tatori Pargana and Tehsil Baghpat Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Rameshar Dayal s/o Lala Babu Ram, Smt. Angoori Devi W/o Shri Deo Karan Das R/o Agarwal Mandi Tatori, Pargana and Tehsil Baghpat Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this zotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Property with boundry situated in Agarwal Mandi Tatori Pargana and Tehsil Baghpat Distt. Meerut sold for an apparent consideration of Rs. 1,00,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-9-1979

Seal ·

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1979

Ref. No. 899-A/Ghaziabad/79-80.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 17-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ch. Desraj Singh s/o Shri Ch. Chhotu Ram, R/o Old Market Malviya Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Prakash Sharma s/o Shri Chiranjee Lal Sharma 1001 West Gorekh Park Shahadara Delhi 32 and Smt. Surdesh Chawla w/o Shri Kishori Lal Chawla, R/o 1/9263 West Rohtasnagar Shahadara Delhi 32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A cinema Building No. 1030 and 1030A situated in Muradnagar Distt Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 4,50,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 1-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th September 1979

Ref. No. 1013/Acq/Agra/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 12-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vidyadhari Johari W/o Shri Chandradhar Johari, Shri Prabhat Kumar Johari R/o 56, Ilyat Road, Calcutta, Project Engineer Indian Explosive Ltd; Calcutta Mukhtar-a-am and s/o Smt. Vldyadhari Johari Majkoor Hall Varid, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Govind Pd., Mahesh Chandra, Ashok Kumar, Bakunth Nath, Shri Gopal Dass and Brij Bihari s/o Shri Phool Chand R/o Namak Ki Mandi, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property No. 25/35 and Plot No. 21-A situated at Vijay Nagar Colony, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 2,40,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kaupur

Date: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th Scptember 1979

Ref. No. 907-A/G.Bad.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 9-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concedement of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ravendra Singh s/o Pitam Singh, R/o Village Bamnauli, Post Khus Parg, and Tehsil Sardhana Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Indrajit Singh Vedi s/o Chanchal Singh Vedi, R/o 3/8 Desh Bandhu Marg Paharganj, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agra, land situated at Village Mirpur Kala Parg, and Tehsil Hapur Distt. Ghaziabad sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- and the fair market value has been determined at Rs. 1,38.000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Dated: 7-9-1979

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th September 1979

Ref. No. 918-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hardwar on 22-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

- Shri Vaidya Vishnu Datt s/o Late Pt. Vaidya Ramchand, R/o Mohalla Rajghat, Kankhal Post Khas, Pargana Jwalapur, Roorkee, Saharanpur.
   (Transferor)
- (2) Himalaya Property Agents, Upper Road, Hardwar through Sri Sant Kumar Sharma s/o Pt. Jai Narain Sharma R/o Kankhal Mohalla Latovali share holder of Himalya Property Agents, Upper Read, Hardwer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

As per enquiry made by this office and the evidence available with us the fair market value of agricultural land is more than 15% of the apparent consideration,

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1979

Ref. No. GRG/27/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 20 kanal 6 marlas with Tubewell thereon and situated at Village Daulatpur Nazirabad (Gurgaon),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Gurgaon in February 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---34-296GI/79

(1) Shri Sampat S/o Shri Deep Chand Ahir R/o Village Mulahera Teh. & Distt. Gurgaon.

(Transferor)

(2) M/s Usha Stud and Agriculture Farm (P) Ltd. Village Daultpur Nazirabad. Distt. Gurgaon. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing land measuring 20 kanal 5 marla alongwith Tubewell and a room, situated at Village Daulatpur Nazirabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3663 dated 2-2-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

> RAVINDER KUMAR PATHANIA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th August 1979

Ref. No. PNP/11/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. land measuring 5 Bigha 2 Biswa situated at Patti Rajputan, Panipat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bimla Chaudhari Wd/o Shri Lachhman Dass, House No. 188, Model Town, Panipat.

(Transferor)

(2) Shri Radhey Sham S/o Shri Kidar Nath and Shri Roop Chand S/o Shri Lachhman Dass resident of Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing land measuring 5 Bigha 2 Biswa situated at Pathi Rajputan, Panipat and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 4264 dated 19-1-1979 with the Sub Registrar, Panipat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 9-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/15/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Line, Gurgaon situated at Gurgaon,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon in January 1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satish Kumar Jain S/o Raja Ratti Ram Jain, Civil Lines, Gurgaon. (Transferor)
- (2) Shri Raj Pal Singh Sarna S/o Shri Ishar Singh Sarna and Ishar Singh Sarna S/o Shri Inder Singh Sarna R/o G-Block Hari Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3586 dated 25-1-1979 with the Sub-Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/16/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, sitated at Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. K. Jain So Raja Ratti Ram Jain, 1, Civil Lines, Gurgaon.
  - (Transferor)
- (2) Shri Harvinder Singh Chhatwal S/o Shri Darshan Singh Chhatwal R/o 136, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3587 dated 25-1-1979 with Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979.

FORM ITNS ---

(1) Shri S. K. Jain, S/o Shri Raja Ratti Ram 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jasbir Kaur W/o Jagjit Singh C-7, Green Park Ext. New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohiak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/17/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pensos, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3588 dated 25-1-1979 with Sub-Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979.

FORM ITNS ----

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Join I, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Kalwant Kaur W/o Shri Jasbir Singh C-7, Green Park Ext. New Delhi,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/18.78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon,

(and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in the Sale deed registered at No. 3589 dated 25-1-1979 with Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. K. Jam S/o Raja Ratti Ram Jajn 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh S/o Shri Darshon Singh Chhatwal, C-7, Green Park Ext., New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/19/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in sale deed registered at No. 3590 dated 25-1-1979 with the Sub Registrar, Gurgeon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979,

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/20/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri S. K. Join S/o Raja Ratti Ram Jain, 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Kirtan Kaui W/o Shri Darshan Singh Chhatwal, R/o C-7, Green Park Etc., New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines Gurgaon and as more described in sale deed registered at No. 3591, dated 25-1-1979 with the Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/21/78-79.—Whereas I, H. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
35—296GI/79

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Jain 1, Civil Lines, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Shri Durshan Singh Chhatwal S/o Mehtab Singh, 136, Gautum Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property being 1/8th share in kothi No. 3, Civil Lines, Gurgaon and as more described in sale deed registered at No. 3592, dated 25-1-1979, with Supb Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979.

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 1st September 1979

Ref. No. GRG/22/78-79.—Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civil Lines, situated at Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gurgaon in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, inp ursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. K. Jain S/o Raja Ratti Ram Jain 1, Civil Lines, Gurgaon,

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh Chhatwal S/o Darshan Singh Chhatwal, C-7, Green Park Ext., New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property being 1/8th share in Kothi No. 3, Civit Lines, Gurgaon and as more described in sale deed registered at Sr. No. 3593, dated 25-1-1979, with the Sub Registrar, Gurgaon.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Rohtak

Date: 1-9-1979.

(1) Shri Parsa S/o Shri Telu Ram, R/o Vill. Munak, Teh. Assandh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Attar Singh S/o Shri Daya Singh, R/o VIII. Gagsina Teh. Assandh. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 21st September 1979

Ret. No. ASD/2/78-79.....Whereas I, E. K. KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 79 kanals 14 marks, situated at village Munak, Tch. Assandb,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Assandh in January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being land measuring 79 kanal 14 marlas situated in village Gagsina, Teh. Assandh and as mentioned more in the sale deed registered with the Sub Registrar, Assandh at serial No. 2091, dated 9-1-1979.

E. K. KOSHI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 21-9-1979

### THE GAZETTE OF INDIA, OCTOBER 27, 1979 (KARTIKA 5, 1901)

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACOUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BUILDINGS ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 4th August 1979

Ref. No. L.C. 314/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 22-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and have reasons to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Dr. Indira Devi,
  - Shri Krishnan.
     Shri Govindan.
     Shri Sivan.
- (by Indira Devi)
- Shri Vijayan.
- Kizhakke Thottakkattu House, Ernakulam. 6. M/s Joseph Michael & Bros., Palai (by Joseph

(Transferce)

- (2) 1. Smt. Girija Devi,
  - Smt. Nalini,
  - Smt. Saraswathi,
  - Smt. Parvathi, and Srl Sivarama Krishan, Kizhakke Thottakkattu

House, Ernakulam.

(Transferors)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 right over 58.5 cents of land and building as per schedule attached to Doc. No. 222/79 of SRO, Ernakulam,

> K. NARAYANA MENON Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 4-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BUILDINGS ANAND BAZAR, COCHIN-682016 Cochin-682016, the 7th September 1979

Ref. No. L.C. 319/79-80.--Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chalai on 16-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri N. Sivathanu Pillai, Director of Physical Plant, Kerala Agricultural University, Trichur.

(Transferors)

(1) 1. Mathew,

Sosamma,

3. Roy M. Mathew,

 Nissy Mathew,
 Sosamma Mamman, and
 Sherly Mathew, C/o Muthoottu Brothers, Kozhencherry.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

43 cents of land in Sy. Nos. 2613/2, 2614/2, 2615/2 of Chengazhassery Village.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 7-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS

ANAND BAZAR, COCHIN-682016 Cochin-682016, the 10th September 1979

Ref. No. L.C. 333/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trivandrum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Trivandrum on 3-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mathew, K. U. "Molmunmount", Kunnukuzhi, Trivandrum.

(Transferor)

 Smt. Ammini Valsan, T.C. 13/831-832, Kunnukuzhi, Trivandrum.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

9 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 37/79 of SRO, Trivandrum.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 10-9-1979.

Sent:

### FORM ITNS——

(1) Smt. V. Anandavally, W/o C. G. Kesavan, Advocate, Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. Devadasan Nair land Shri P. Achuthan Nair, Mangattu Veedu, P.O. Vettoor, Varkala,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BUILDINGS ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 10th September 1979

Ref. No. L.C. 331/79-80.—Whereas J, K. NARAYANA MENON,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Varkala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ouilon on 28-1-1979

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, n respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition or the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

40 cents of land with buildings as per schedule to Doc. No. 328/79 of SRO, Quilon.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 10-9-1979.

Shri C. G. Kesavan, (1) Smt. V. Anandavally, W/o Advocate, Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri A. Ashraf, Puthenvila Vecdu, Odayam, Var-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BUILDINGS ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Cochin-682016, the 10th September 1979

Ref. No. L.C. 332/79-80.-Whereas I, K. NARAYANA MENON,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Varkala,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Quilon on 29-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- nad/or

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Explanation:—The terms and expressions used herein as

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

61 cents of land as per schedule attached to Doc. No. 327,79 of SRO, Quilon.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1979.

NOTICE UNDER SECTIOL 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
ANJIPARAMBIL BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 13th September 1979

Ref. No. L.C. 335/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Quilon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 30-1-1979,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—296GI/79

(1) Shri Abdul Karim (For M/s Mytheen Kunjhu & Sons Pvt. Ltd.), Quilon.

(Transferor)

(2) Shri Mohanan Nair, S/o Dr. K. P. Nair, Nair Hospital, Quilon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

30 cents of land as per schedule attached to document No. 348/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-9-1979.

(1) Shri Abdul Karim (For M/s Mytheen Kunjhu & Sons Pvt. 1.td.), Quilon.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. K. Parameswaran Nair, Nair Hospital, Quilon.
(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

ANTIPARAMBIT BUILDINGS
ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 13th September 1979

Ref. No. J.C. 336/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA, MENON,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Sy. No as per schedule situated at Quilon, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Quilon on 30-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

12 cents of land with building as per schedule attached to document No. 349/79.

K. NARAYANA MENON
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BUILDINGS ANAND BAZAR, COCHIN-682016

Cochin-682 016, the 13th September 1979

Ref. No. L.C. 337/79-80.—Whereas I, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule, situated at Quilon,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Quilon on 30-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Abdul Karim (For M/s. Mytheen Kunju & Sons Pvt. Ltd.), Quilon.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmikutty Amma, W/o Dr. K. P. Nair, Nair Hospital, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

30 cents of land with building as per schedule to document No. 350/79.

> K, NARAYANA MENON Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam

Date: 13-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 17th April 1979

Ref. No. III-317/Acq/79-80/131.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khunti on 8th January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jwala Pd. Jalan & Sri Sawal Ram Jalan, sons of late Sri Maliram Jalan, No. 8/IA Nafar Kundu Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Samar Singh Jaiswal, Managing Director of Id/s Bardhan Brothers (Pvt.) Ltd., 27B Camac Street, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Several pieces or parcels of land measuring 9 acres 61 decimals together withall messuage houses, out-houses, bungalows, godown, building, sheds and structures erected thereon bearing:

Plot No.	Khata No.	Plot No.	Khata	No.
158	2/16	207		40/5
167	2/11	161,162,163. & 166	164.165	51
170	2/11	533 & 534		52
147	2/15	160		51
204,205,206	39	147		2/16
152	39	487		38

Situated in village Dudri and Murhu, Pargana Sonapur, Thana and sub registry Khunti in the district of Ranchi morefully described in deed No. 7 d/d 8.1.79

J. NATH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 17-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna, the 28th June 1979

Ref. No. III-333/Acq/79-80.—Whereas, I. J. NATH Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patno,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 237, Khata No. 2, Tauzi No. 9, Khewat No. 1 situated at village Bahadurpur, P.S. Pirbabore at present known as Kankarbagh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna City on 12-1-1979,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomt-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### Enclosure (A)

- (1) M/s "Bihar Cable Company", Kankarbagh Road, P. S. Sultanganj, Dist. Patna through its partners namely:—
  - (i) Sri Madan Lal Bishnoi.
  - (ii) Sri Dr. Shantilal Bishnoi Both sons of Sri Hari Dutta Bishnoi, resident of Boring Road, P. S. Kotwali, Dist., Patna.
  - (iii) Smt. Suresh Kumari Bishnoi W/o Sri Ratan Lal Bishnoi, resident of Srikrishnapuri, P.S. Kotwali, Dist., Patna.
  - (iv) Sri Anjani Kumar Bishnoi S/o Sri Madanlal Bishnoi, resident of Boring Canal Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna representing himself through his lawful attorney Sri Madanlal Bishnoi S/o Daridutta Bishnoi of Boring Canal Road, P.S. Kotwali, Dist. Patna.
  - (v) Sri Udai Bishnoi S/o Sri Ratan Lal Bishnol resident of Srikrishnapuri, P.S. Kotwali, Dist. Patpa.
  - (vi) Sri Devendra Kumar Singh, and
  - (vii) Sri Yogendra Kumar Singh.

Both sons of Sri Rajendra Kumar Singh resident of Baradani F.S. Kotwali, Dist. Muradabad representing themselves through their lawful attorney Sri Ratanlal Bishnor S/o Sri Haridutta Bishnor of Mohalla Srikrishnapuri P.S. Kotwali, Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) M/s Road Transport Corporation Head Office at 14, Tarachand Dutt Street, Calcutta-73, zonal office at R. K. Bhattacharjee Road, Patra-1, through the zonal Manager, Sri B. S. Jain S/o late Sri Ugger Jain, holder of power of attorney on behalf of all the partners of the said Road Transport Corporation namely Sri Kishan Lal Sureka s/o late Sri Kani Ram Sureka.
  - (ii) Sri Ghanshyam Das Goyal.
  - (iii) Sri Brahma Nand Goyal.
  - (iv) Sri Om Prakash Goyal.
  - (v) Sri Tara Chand Sureka s/o late Sri Kanl Ram Sureka, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of raiyati land measuring about 254 (twenty five and half) Kathas being part of plot No. 237, Khata No. 2, Tauzi No. 9, Khawat No. 1, situated at village Bahadurpur, under pargana Azimabad Survey, P.S. Pirbahore, which is at present known as Kankarbagh under pargana Azimabad Survey, P.S. Sultangani, Thana No. 10, District Patna, Sub Registration Office Patna City under P.R.D.A. inclusing three godowns, one pueca room, one transformer room, one Kutcha built house including boundary walls on three sides measuring 155 feet from east to west main Road and 235 feet from North to South from eastern side, 145, feet from east to west from the routhern side and 220 feet from North to South on the Western side.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 28-6-1979.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Patna-800001, the 25th September 1979

Ref. No. III-346/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 8 (old) 15 (New) Circle No. 23, Sheet No. 67, Holding No. 6 situated at Ashoke Raj Path, Patna (Near Patna Market),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 15-1-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that kthe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Abdul Moiz, S/o Sheikh Abdul Aziz, Mohl. Muradpur, P.S. Pirbahore, Patna Town.

(Transferor)

(2) Shri Jainath Prasad, S/o Late Sri Debi Lal Sah, resident of Radhika Niwas, Anugraha Narain Road, (New Area) Kadamkuan, Patna.

(Transferce)

- (3) M/s Top Tailoring, Muradpur, Patna.
- (2) M/s Big Ben Watches, Muradpur, Patna.
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A share of 2 annas 8 paise in a house property situated at Ashoke Raj Path in area .37 Kari at Muradpur, Ashoke Raj Path, P.S. Pirbahore, Patna more fully described in deed No. 247 dated 15-1-79 registered with the District Sub-Registrar, Patna.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Patna

Date: 25-9-1979.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/589.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Ajmer,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aimer on 9-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Ram Swaroop Hingad s/o Gaueshilal Hingad.
  - Dhanpat Kumar (Minor).
     Kumari Kusmlata (Minor) son and Daughter of Shri Ram Swaroop Hingad Nehru Nagar, Beawar.

(Transferor)

(2) 1. Ranglal.

2. Hardin ss/o Mangla.

3. Ganpat minor son through father Shri Mangla R/o Village Dantra Teh. Ajmer.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 37 bigha and 12 biswa including well situated at Village Dantra Teh. Ajmer and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Ajmer vide registration No. 680 dated 9-3-79.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 23-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACOUISITION RANGE

Jaipur, the 31st August 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/590.—Whereas, I, M. R.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. situated at Madanganj Kishangarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kishangarh on 26-3-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferefor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s Mahavir Sizing Factory Through its partners—Shri Ladulal, Shri Prakash Chand and Shri Mahavir Prasad sons of Shri Navratan Mal Gangwal Lain.
Resident of Village Dadia, Teh. Kishangarh and Shri Jatan Singh. Shri Gopichand and Shri Nahar Singh sons of Shri Gulab Singh Mehta, Resident of Village Dasuk, Teh. Kishangarh

(Transferors)

2. M/s Oswal Silying Industry, Through its partners Javarilal Modula (HUF) Through Trilokchand, S/o Javarilal, Smt. Prem Devi, W/o Sohanlal, Smt. Siriadevi, W/o Trilokchand Resident of Bagusari, Teh. & Distt., Ajmer and Mahavir Pd. S/o Bheru Singh Jamad, Surender Kumar, S/o Gulab Singh Saklecha, Ashok Kumar, S/o Jethmel Mehta, Madanganj, Kishangarh, Ajmer.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at Azadpur Madanganj Kishangarh and more fully described in sale deed registered by S.R. Kishangarh vide registration No. 119 dated 26-3-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 31-8-1979

PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Kamal Chand Navlakha s/o Seth Sirehmal Navlakha Jain Oswal R/o Kundi Gar Ke Bheru ka Rasta Chokri Ghat Gate, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Rameshwarlal Dalwala s/o Shri Ghisilal Vaish Agarwal R/o Nathmal ji ka Chowk Chokari Ghat Gate, Jalpur.

(Transferee)

8569

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

#### ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 23rd August 1979

Ref. No. Raj/AC(Acq.)/591.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. A-29 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dsiclosed by the transferte for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
37—296GI|79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property situated at Plot No. A-29 Janta Colony facing West and more fully described in the conveyance deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 16 dated 6-1-1979,

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 23-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I,

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/592.—Whereas, 1, M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 27-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Konti Chondra Marg Bani Park, Jaipur.

Transferor)

(2) Shri Shyamsunder Lal Bafna s/o Shri Vishnulal Bafna R/o 7 Ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

(3) M/s National Seeds Corporation, Jaipur (Tenant).
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 116 dated 27-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I

#### ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/593.—Whereas, I, M. R. AGGARWAL.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. situated at Jaipur, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 21-1-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which-ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Kanti Chandra Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Shyamsunderlal Bafna s/o Shri Vishnulal Bafna R/o 7 Ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferee)

(3) M/s National Seeds Corporation (Tenant) Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 28 dated 21-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/594.—Whereas, I M. R. AGGARWAL.,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

No. situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 27-1-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Kanti Chandra Marg, Bani Park, Jaipur. (Transferor)
- (2) Kumari Aruna Bafna D/o Shri Shyamsunder Lal Bafna R/o 7 Ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur. (Transferce)
- (3) M/s National Seeds Corporation, Jaipur (Tenant).

  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 117 dated 27-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/595.—Whereas, I, M, R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

No. situated et Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 30-1-1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kumari Rashmi Bansal D/o Srikishan Bansal Plot No. A-27 Kanti Chandra Marg, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

- (2) Shrimati Sardar Kumari W/o Shri Shyamsunderlal Bafna R/o 7 ka 15 Jawahar Nagar, Jaipur. (Transferee)
- (3) M/s National Seeds Corportaion, Jaipur (Tenant).
  (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house named as Bansal Bhawan situated at Gulab Path Sardar Patel Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 192 dated 30-1-1979.

M. R. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 4th September 1979

Ref. No. Raj/AC (Acq.)/596.--Whereas, I M. R. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. J-47 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 9-2-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act,
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferte for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-

(1) Shrimati Shyama Devi Wd/o late Shri Kapoor Chand Sanghi Plot No. J-47 Krishna Marg C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Nihal Chand s/o Shri Gulab Chand Kasliwal Plot No. J-47 Krishana Marg, C-Scheme, Jalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. J-47 Krishna Marg C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 265 dated 9-2-1979.

M. R. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-9-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1321/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963) (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

HOUSE situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 1st January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bansilal, S/o Shri Laxmichand Jain 775, Baldarpur, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Chhaganmal, S/o Keshrimal, and Shri Mangilal Pannalal, S/o Chhaganmmal, Sadar Bazar, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 288 on plot No. 166/1 at Gorakhpur, Jabalpur. Date: 29-8-1979

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-8-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1322/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 13th March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) S/Shri
  - Virendrakumar Samaiya,
  - Arvind Kumar Samaiya, Santosh Kumar Samaiya, sons of Ghasiram

Samaiya, 528, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) S/Shri

- Amritlal Jain,
- Dayachand Jain,
- Rajendrokumar Jain,
- Kewalchand.
- Prakashchandra. 6. Ajay Kumar,

Rajkumar, sons of Amritlal Jain and Mukesh Kumar Jain, resident of 117, Lordganj,

Jabalpur.

(Transferees)

- (3) Tenants.
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 874 on plot No. 45 measuring 1100 sft, at Lordganj, Jabalpur.

> K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1323/79-80,—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot and House situated at Dewas,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dewas on 8th January 1979,

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow persons, namely :--38-296GI/79

(1) S/Shri

1. Vasant Trimbakrao Pande,

 Rajnikant, s/o Trimbakrao Pande,
 Madhusudan, S/o Chandrasekhar Pande,
 Smt. Parvati Bai, Wd/o Chandrasekhar Pande, Yeshwant, S'o Madhusudan Pande, 12, Jail Road, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Sanghyi Brothers, Maharaja Tukojirao Cloth Market, Indore through partners.

(Transferee)

Objeticons, if any, to the aquistion of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a: are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property known as 'Kishorkunj' on Dewas Ujjain Road, Dewas (Plot measuring 3.84 acres out of survey No. 65 of Dewas Jr. Plot with structure standing thereon in Ward No. 4. Dewas).

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-8-1979

FORM ITNS-----

(1) Sardar Harban Singh S/o Sardar Wazir Singh, 12, Lajpat Kunj, Jabalpur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Shri Khushiram, S/o Hiranand Kekwani, Nai Basti,

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE BHOPAL

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal, the 29th August 1979

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1324/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 28th March 1979,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

#### THE SCHEDULE

House No. 12 constructed on plot measuring 2245 sft, at Napier Town, Jabalpur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act.

K. K. ROY Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Bhoral

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1325/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 31st March 1979,

far an apparent consideration which is less

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Freni Rustomji Gerda, W/o Rustom Bomenji Garda, Napier Town, Jabalpur.
  - (Transferor)
- (2) S/Shri
  - 1. Rochiram, S/on Amulmal;
  - 2 Chanderlal,
  - 3. Lalchand and
  - Narayandas, sons of Shri Rochiram, Amul Market, Omti Jabalpur.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bunglow No. 776 of North Civil Lines (Napler Town) with Nazul Plot No. 20/2, Block No. 1, Civil Station, Jabalpur measuring 20473 sft.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sardar Rajindro Singh Sareen, No. 4, Lajpat Kunj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) S/Shri

 Bhagwandas, S.o Bulchand Rupchandani;
 Smt. Hira Bai, W/o Bhagwandas;
 Shri Ishwarlal Roopchandani, 1071, Napier Town, Jabalpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 29th August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1326 '79-80.-Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House situated at Jabalpur,

has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jabalpur on 31st March 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which, ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sold immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 1071-B to B/2, Napier Town, Jabalour.

> K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 29-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Ishwaribai, W/o Khanohandji, 213, Palsikar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Sewaram, S/o Basharamji, 213, Palsikar Colony, Indore.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 31st August 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1327/79-80,—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 2nd January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storeyed house No. 212 on Rakba 2241.6 sft, at Palsikar Colony, Indore.

K. K. ROY
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 31-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Chhotabhai S/o Purshottamdasji Patel, Madhavnagar, Ujjain.

#### (Transferor)

(2) Shri Keshavdeo, S/o Harprasadji Gupta Madhavnagar, Ujjain.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1328/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House (Part) situated at Ujjain,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uniain on 4th January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house Municipal No. 6/328 (New No. 51) situated at Amarsingh Marg, Ujjain.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-9-1979

(1) Smt. Sire Kunwar, W/o Shri Vallabhdasji Bhattar, Piparia, Teh, Sohagpur, Distt. Hoshangabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Ishwardas, S'o Monakchand Gandhi (Maheshvari), C'o Ms. Mohanlal Manekchand, Gole Bazar, Pipariya, Teh. Sohagpur, Distt. Hoshangabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1329, 79-80,—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Sohagpur (Dist. Hoshangabad),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Piparia on 4th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on Plot No. 105, Kh. No. 174 at Deogaon, Pipariya, Tilak Ward, Teh. Sohagpur, Distt. Hoshangabad.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-9-1979

(1) Shri Ganpatrao, S/o Ramraoji Jawkar 34, Bansi Press Ki Pichhali Chal, Malwa Mills, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rakhabchand, S/o Hiralal Jain, 7, Marothia Bazar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1330/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

of transfer with the object of :--

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 16th January 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 19 on Rakba 1728 sft. at Ram Laxman Bazar... Indore.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-9-1979

#### FORM IT'NS---

(1) Shri Sadashiv Shankar Rande.

Rajendra Nagar, Indore

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPJ/1331/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. House situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 15th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act lo respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---39--296G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(2) Smt. Sharadabai, W/o Ganesh Bhalerao, 48-B.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perjod of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 48-B. Rajendra Nagar, Indore.

K. K. ROY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-9-1979 Seal :

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITY: COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/1332/79-80.—Whereas, I. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Mangani (Damoh),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Damoh on 3rd January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri 1. Raghavendra Singh, 2. Vanmali Singh 3. Yadumath Singh, sons of Thakur Makundsingh Rajput, 'Rampur, Teh. and Distt. Damoh.

(Transferor)

(2) Shri Devandrakumar, S/o Babulal Jain, Mohalla Manganj, Diett, Davioh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 59, at Manganj, Mohalla No. 1, Tehsil and Distt., Damoh.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopst

Date : 7-9-1979

Scal .

(1) Shri Devendrakumar, S/o Babulal Jain Manganj No. 1, Teh. and Distt. Damoh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1333/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Manganj (Damoh).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Damoh on 3rd January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Shri

1. Makund Singh;

Raghvendrasingh;
 Deshrajsingh;

4. Vanmali Singh;

5. Yadunathsingh;
6. Bhagat Singh, Rampur, Teh. and Distt. Damoh.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House on land bearing No. B-306, Halka No. 59-A. Mangani Mohalla No. 1, Teh. and Distt. Damoh.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shopal

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE

#### BHOPAL

Bhopal, the 7th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1334/79-80.--Whereas, 1, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

House situated at Jabalpur,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on 1st January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajendrakumar, S/o Phulchand Yadav 181 Mohalla Dixit Pura, Uprenganj Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Prakashchand and Rajendtakumar (Minors) both sons of Shri Balarom Sahu, through guardian mother Smt. Gopi Bai, W/o Balaram Sahu, 224, Uprenganj Watd, Jabalpur—at present Parasar Colony, Cherital Ward, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House Nagar Nigam No. 90/J, 90/J1 to 90/J7 at Cherital Ward, Jabalpur.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 7-9-1974

Name of the control o

#### FORM ITNS

### (1) Shri Sadashivrao, S/o Shanker Rao Akolkar, Station Road, Mandsaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (?) Shri Omprakash, S/o Bhuralalji Sutar, Sharma, Mandsaur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

#### ACQUISITION RANGE BHOPAI

Bhopal, the 10th September 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1335/79-80.—Whereas, I. K. K. ROY,

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Not. 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immosable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House and land situated at Mandsaur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 12th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - e arising from the transfer;

    THE SCHEDULE
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of House No. 29 with open land situated at Station Road, Mandsaur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—286GI/79

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range; Bhopal

Date: 10-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1336/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

open land and Garrange situated at Mandsaur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mandsaur on 12th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sadashiv, S/o Shanker Rao Akolkar, Station Road, Mandsaur. (Transferor)
- (2) Shri Bhagwanswaroop and Shri Mukesh, hoth sons of Shri Omprakash Sharma, 29, Station Road, Mandsaur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open plot with a garage and pacca Otala, total Rakba 3048.75 sft. at Station Road, Mandsaur.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-9-1979

Soal :

 Smt. Anopkumari, W/o Anokhilal Dakh Jain Dalu Modi Bazar, Ratlam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tassadak Hussain, S/o Yusuf Ali Bohara Talwala, Chandni Chowk, Lakhadpitha, Radam.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./1337/79-80.—Whereas, I, K. ROY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ratlam on 25th January 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o. which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12/337 Rakba 7000 sft. at Mitra Niwas Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-9-1979

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1338/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY,

being the Competent Authority under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot situated at Ratlam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 25th January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smr. Anopkumari, W/o Anokhilalaji Dakh, Dalu Modi Bazar, Ratlam

(Transferor)

(2) Shr: Shabbirbhai, S/o Hakimuddin Bohra, Singapurwata, Chandni Chowk, Lakhadpitha, Ratlam.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. 12/337, Rakba 7000 sft. at Mitra Niwas Road, Ratlam.

K. K. ROY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1339/79-80.—Whereas, I, K. K. ROY.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhopal on 3rd January 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

40-296GI/79

(1) S/Shri Hasib Ahmad and Mohd. Ahamad, sons of Ahamad Mujtuba, Amirganj, Shahjehanabad, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Nareshkumar, S/o Harishchand and Shri Harishchandra, S/o Jiyandmal, Legal Guardian of S/Shri Kamleshkumar, Sunder and Prakashchandra, Islmigate, Shanjenanabad Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 3 on Rakba 3248 sft. at Amirganj, Shahjehanabad, Bhopal.

K. K. ROY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 12-9-1979

(1) Smt. Gowramma W/o Late H. A. Hanumanthiah, 35, 7th Main Road, Yadavagiri, Mysore-2.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Smt. Noor Aish W/o Feroz Hazarath Rahim,

#### 4286, Vallabhai Road, Hassan. (Transferoe)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 30th July 1979

Notice No. 249/79-80/Acqn.-Whereas, I, P. RANGA-

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 1064 on site No. 49

situated at K. R. Puram, G. K. Extension, Hassan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hassan, Under Document No. 3316 on 4-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-seetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3316 Dated 4-1-1979]
Property bearing house No. 1064 on site No. 49 consisting of land, residential building, a garage and out house, situated at K. R. Puram, G. K. Extension, Hassan.

P. RANGANATHAN Competent Authority. Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Dharwar.

Date: 30-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4

Dharwar-4, the 30th July 1979

Notice No. 250/79-80/Acqn.—Whtreas, I, P. RANGA-NATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

Revenue No. 450 and Land Registration No. 38964. situated at Porvorim of the Freguesia of SOCORRO Village of SERULA, Taluka of Bardez, Sub-district of Bardez (Goa) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Mapusa-Bardez, Under Document No. 17 or 6-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (a) Sri Francisco Xavier Teodore De Miranda, R/o Loutulim, Salcete.
  - (b) Mrs. Maria Dos Anjos Adelina Gonsalves Miranda, R/o Loutulim, Salcete.
  - (c) Sri Antonio Renato Menezes, Porvorim, Goa. (d) Mrs. Maria Luisa Ana Ribeiro Da Costa Menezes, Porvorim.
    (e) Miss Maria Manuela Paulacina Luciana Barreto Xavier, R/o Margao.
    f) Mr. Jose Critsovam Pinto, Betim, Bardez.

  - (g) Mrs. Telma Margelina De Sa e Pinto, Betim, Bardez (Goa).

(Transferor)

(2) Mr. Shyam Shankardas Nathani, R/o Porvorim, Bardez (Goa).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 17 Dated 6-1-1979]
Property bearing Land Registration No. 38964 at Book
B 100 and Revenue No. 1695 of the Primeira Circunsricao which contains a Residential House bearing Revenue No. 1693 of the Primeira Circunsticae which contains a Residential House bearing Revenue No. 450. The property known as "Fondem Gallum" and "Villa Maem" consisting of four properties. The properties bearing Land Registration No. 38840 at Book B-99; No. 38841 at Book B-99; No. 40833 at Book B-104 and No. 40834 at Book B-104. All properties situated at Porvorim, Tq. Bardez.

> P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Dharwar.

Date: 30-7-1979

#### FORM ITNS ----

 Shri Nimmagadda Satyanarayana, S/o Ramulu, Duggirala.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kambhampati Venkateswara Rao, S/o Sitaramaiah, Duggirala.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 6th July 1979

Ref. No. 897.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/situated at Duggirala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at Duggirala on 29-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the Registered Document No. 52 before the S.R.O. Duggirala on 29-1-79.

B. V. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range (1/C), Kakinada.

Date: 6-7-1979

#### FORM ITNS ----

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 901.—Whereas, I, K. SUBBA RAO,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

33-1-55 situated at Main Road, Kakinada (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 3-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

M/s. Palepu Venkataramana and others,
 Oil Merchant, Near Udipi Hotel, Main Road,
 Kakinada-1.

(Transferor)

(2) Sri Badam Prabhakar Rao, Jawahar St., Kakinada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 34 dated 3-1-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Delhi/New Delhi.

Date: 7-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADΛ

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File No. 902.—Whereas, I, K. SUBBA RAO being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2-42-72 situated at Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 8-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rebeccamme, P. Ruth Children Home, Bommuru Road, Rajahmundry. Bommuru Road, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) Sri P. J. Ranjan, Director, Evangellistern's Helping Hand, Bommuru, Rajahmundry Tq. E.G. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 126 dated 8-1-79 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date: 7-8-1979

#### AKI III—SEC. IJ

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. Acq. File No. 903.—Whereas, I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20-40-86 situated at 1st Road, Rajahmundry

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Dr. P. Ramamurthy, D. No. 14-76, Gandhipuram-2, Rajahmundry.

(Transferor)

 Sri P. J. Ranjan, Director, Evangellist's Helping Hand, Bommuru, Rajahmundry Tq. East Godavari District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 248 before January 1979 registered before the S.R.O. Rajahmundry.

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date: 7-8-1979

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Ref. No. 907.—Whereas, I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

16/227 situated at 16th Ward, Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 6-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Sint. Grandhi Ranganayakamma,
  - S/o Brahmanandam,
    (ii) G. Venkataramana,
    S/o Brahmanandam
  - S/o Brahmanandam,
    (iii) G. Ramakrishna,
    S/o Brahmanandam,
    (iv) G. Laxminarayana,
    - v) G. Laxminarayana,
       S/o Brahmanandam,
  - (v) G. Vecrana, S/o Brahmanandam,
  - (vi) G. Suryanarayana,
  - S/o Brahmanandam, (vii) G. Nagaraju,

S/o Brahmanandam, Venugopalaswamy Street, Rajahmundry.

(Transferor)

(2) M/s. Bonam Krishnamurthy and Venugopala Rao, Laxmivarapu Pet, Rajahmundry.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 110 dated 6-1-79 registered before the S.R.O. Rajahmundry,

K. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date: 7-8-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th August 1979

Rcf. No. 908.—Whereas, I. K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8-3-15 situated at Gandu St. Amalapuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kakinada on 25-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :\_\_\_ 41--296GI/79

- (1) (i) Smt. Ramadevu Rani,
  - W/o Satyanarayana,
    (ii) Shri Kurma Rao,
  - S/o Satyanarayana,
  - (iii) Shri Nageswara Rao, S/o Satyanarayana, (iv) Shri Murali Krishna,
    - S/o Satyanarayana, Jagannaickpur, Kakinada,

(Transferor)

- (2) (i) Smt. Bandaru Laxmi
  - W/o Satyanarayana, (ii) Smt. Bhagyalaxmi
  - W/o Venkata Koteswara Rao,
  - (iii) Smt. Suryakumari W⊅o Ramu. Vanapallivari veedhi Amalapuram.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) my any other person interested in the said immovalle property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 393 dated 25-1-79 registered before the S.R.O. Kakinada.

> K. SUBBA RAO Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range (I/C), Kakinada.

Date: 7-8-1979

Scal;

#### FORM ITNS----

(2) Smt. Komma Lakshmi Samrajyam, W/o Ranga Rao, Patamatalanka, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Navaranga Co-operative Housing Society, Rep. by Nallamilli Bhaskar Vijayawada.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

---

ACQUISITION RANGE,

Kakinada, the 7th August 1979

KAKINADA

Ref. No. 939.—Whereas, I, K. SUBBA RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. - situated at

Gunadala--R.S. No. 395/2

hand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 19-1-79

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the acduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIOS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 275 dated 19-1-79 registered before the S.R.O. Vijayawada.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (1/C), Kakinada.

Date: 7-8-1979

\_\_\_\_

#### FORM ITNS----

(1) Sumatibai Marotrao Dhanwantay.

(Transferor)

(2) Rajlaxmi N. Pawar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1979

Ref. No. A.R.I./4119.9/79, -- Whereas, I, V. S. SHESHA-DRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1261) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 98-B of Worli division situated at A. Basant Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Ac, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1 957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(3) 1. M/s. Orwo Pvt. Ltd. 2. M/s. Mehra Carpet Show Room,

3. M/s. Motor Industries Co., Ltd. 4. J. L. Morison Son & Jones (India) Ltd.,

5. M/s. Textiles Committee, 6. M/s. Bradma of India Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered deed No. 2240/ 73 Bom, and as registered on 16 I 79 with the Sub Registrar Bombay.

> V. S. SESHADRI, Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Bombay

Date: 30-6-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1979

A R.I. /4118.18/79.—Whereas, I, V. S. Ref. No. SHESHADRI,

being the Competent Authority under Section of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 98-B Worli division situated at Dr. A. Basant Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bombay on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sumatibai Marutitrao Dhanwantay,

(Transferor)

(2) Ushadari Shankar Rao Powar.

(Transferee)

- (3) 1. M/s. Orwo Pvt. Ltd.
  - 2. M/s. Mehra Carpet Show Room,
    3. M/s. Motor Industries Co., Ltd.
    4. M/s. J. L. Morison Son & Jones (India) Ltd.,

  - 5. M/s. Textiles Committee,
  - 6. M/s. Bradma of India Ltd.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The Schedule as mentioned in the registered deed No. 2239/ 73/Bom, and as registered on 16-1-79 with the subregistrar Bombay.

> V. S. SHFSHADRI. Competent Authority. Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 30-6-1979

(1) 1. Ramchandra S. Billampalli,

Kamenandra S. Billampalli,
 Indirabai S. Billampalli,
 Vijaykumar S. Billampalli,
 Anilkumar S. Billampalli,
 Hanmant S. Billampalli,
 S. S. Billampalli,
 Miss Mangola S. Billampalli.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

المراجعة ال المراجعة ال

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 30th July 1979

Ref. No. AR-I/4111-1/Jan.79.--Whereas, I, V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 85/10 of Matunga Dadar Divn. situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have coson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any conveys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

42--296GI/79

(2) 1. Navnitlal Manilal, 2. Lilavati N. Shah.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. Bom/236/78, and registered on 1-1-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> V. S. SESHADRI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 30-7-1979

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1979

Ref. No. AR-I/4117-7/Jan.79.—Whereas, I. V. S. SESHADRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C.S. No 165 situated at Malabar & Cumballa Hill Divn.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18th January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th esaid instrument of transfer with the onject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

- (1) I. Smt. Hazima Alma Latif
  - Smt. Jamcela M. Lukhmani
     Shri Kamran A. Latifi

  - 4. Shri Danial A. Latifi
    5. Shri Iqbal M. Lukhmani
    6. Smt. Nasreen Mehboob Lattii
    7. Smt. Anjum Farhan Lukhmani
  - 8. Miss Yasmeen M. Lukhmani
  - 9. Miss Nascem Mehboob Latifi 10. Miss Azra K. Latifi 11. Shri Anjum K. Latifi
  - 12. Miss Iffet Mehboob Latifi.

(Transferors)

(2) M/s. Kalpatru Builders (P) 1td.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 3464/72/Bom. and registered on 18-1-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> V. S. SESHADRI. Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 31-7-1979

(1) Smt. Jyoti Parasram Narang.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 31st July 1979

Ref. No. AR-IV/8/87314/79-80.—Whereas, I. V. S. SESHADRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 109 TPS-II situated at Ghatkopar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Bombay on 17-1-79 (document No. R.5252/70)

for an appoint consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) New Vishwa Jyot Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

(3) 1. Smt. Vimla Krishna

Smt. Panchana Sharda Bhaskar Nair

3. Shri Velji Valji Nathani

Shri Tulsidas Morarji Sampur Shri Manilal Laxmichand Vora

Shri Kanji Purshottam Toprani 6.

Shri Satyandra Vithaldas Thakkar Smt. Nirmala Mangaldas Kapadia and

Sm<sup>t</sup>. Malti Jamnadas Hariyani Smt. Kusumben Kantilal Bhuptani

10. Shri Sumanlal Dalpatram Tailor

12. Shri Varadaraja Iyer Mahadevan. 11. Shri Arvindbhai Ishwarlal Patel

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. R 5252/ 70/Bom. and registered on 17-1-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

> V. S. SESHADRI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 31-7-1979

(1) M/s. Glosswell (India) Pvt. Ltd.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Enterprises, Co-op. Premises Society Ltd.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th August 1979

Ref. No. AR-II/2744-6/Jan.79.—Whereas, I, P. L. ROONGIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 45 Final Plot No. 1223 situated at TPS.IV Mahim, Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said inistrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (3) Sr. No. and Name of the tenant.
  - 1. Mrs. Sabina D'souza
  - 2. Mrs. Netali D'souza
  - 3. Mrs. Netali D'souza
  - 4.. Shri Devji Kashinath Patil
  - 5. Shri Pandu Rama Bhoir
  - 6. Shri Benjamin Trinidado
  - 7. Shri M. M. Brito
  - 8. Shri Feliz D'souza
  - 9. Shri Thomas D'meilow
  - 10. Shri Balu Sadeshiy
  - 11. M/s. Jay Motor Repewering
  - 12. Mrs. Kewal Bros.
  - 13. M/s. Ahuja Type Foundry
  - 14. M/s. Ideal Printers
  - 15. M/s. Diana Pelipse Co-
  - 16. M/s Wagie Process Studio
  - 17. M/s. Joseph Leslie and Co.
  - 18. M/s. Poly Pack
  - 19. Smt. Puspa I. Sayani
  - 20. M/s. Swastic Fertiles
  - 21. M/s. Suman Ait Prints
  - 22. M/s. Modimaz Engineers
  - 23. Shri T. A. Kachawalla
  - 24. M/s. Jain Metal Industries
  - 25. Shri Rasiklal M. Shah 26. M/s. Panna Products
  - 27. M/s. British Dies Fquipt
  - 28. M/s. B.F.S.T. Undertaking
  - 29. M/s. M.C. Modi
  - 30. M/s, M, C. Modi
  - 31. Smt. Minaxi M. Zaveri
  - 32. Smt. Sudha J. Zaveri
  - 33. M/s. Miraco Industries
  - 34. M/s. Ahuja Type Foundry
  - 35. Shri Vinayak P. Verekar
  - 36. M/s. Jay Motor Repowering
  - 37. M/s. Arun Hostel
  - 38. Smt. Leela B. Boolani
  - 39. M/s. Vijeta Trading Corp.
  - 40. Shri Bhajaulal B. Ound
  - 41. M/s. Gopilal B. Lund
  - 42. M/s. Pravin B. Gandhi
  - 43. M/s. B. A. Bachooali
  - 44. M/s. Shroff Multi Plast
  - 45. M/s. Pack Art Prints
  - 46. Shri Shabanali Ramzanali
  - 47. M/s. Matoshri Mudranalaya
  - 48. Shri T. N. Shenoy
  - 49. M/s. Meera Boutique
  - 50. M/s. Shree Rajmudra

Sr. No. and Name of the tenant

- 51. M/s. Unity Printing Press
- 52. M/s. Alanka
- 53. Dr. S. D. Dabholkar
- 54. M/s. Arco Industries
- 55. M/s. Blue Star Ltd.
- 56. Shri Gajanan N. Chonkar
- 57. M/s. Pestonji & Co.
- 58. M/s. Postonji & Co.
- 59. M.'s. Arphi Incorporated
- 60. Dr. Ratan H. Doctor61. M/s. G.B.C. Printing
- or. Mays. C.D.C. Trimming
- 62. M/s. Bharat Electronics
- 63. M/s. Camball Electronics64. M/s. Camball Electronics
- 65. M/s. Remit Mfg. Co.
- 66. Smt. Smita M. Sabnis
- 67. M/s. Sovereign Printery
- 68. M/s. Deepak Printers
- 69. Shri S. P. Sharma
- 70. Smt. Yashodabai C. Gupta
- 71. Shri G. D. Mohota
- 72. Shri Rasiklal A. Dagli
- 73. Shri Navalchand J. Shah
- 74. Shri B. K. Shivdasani
- 75. Shri Hariomlal Parmanand
- 76. Smt. Renuka H. Vaswani
- 77. Smt. Pramodini M. Wagle
- 78. M/s. Noble Trading
- 79. Shri Satish J. Shringi
- 80. M/s. Vin Vish Corp.
- 81. M/s. Machsons Pvt. Ltd.
- 82. M/s. Textogravurs
- 83. M/s. Electromag Methods
- 84. Shri Ulhas S. Pai
- 85. M/s. V. S. Soni & Co.
- 86, M/s. M.P. & G.M. Advani
- 87. M/s. The Vacum Forming
- 88. M/s. Pravin Laboratory
- 89. M/s. Nina Printers
- 90. M/s. Industrial Equipt.
- 91, M/s. Industrial Equipt.
- 92. M/s. Industrial Instruments
- 93. Smt. Kamalabai Gopaldas
- 94. Shri P. A. Paston Jamas
- 95. Smt. Mangalaben Mohanlal
- 96. M/s. A. R. Chohan & Co.
- 97. Smt. Rekha M. Mchtani 98. Shri Asha H. Mirchandani,
  - (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in Registered Deed No. 3575/70 (Bom.) and registered on 18-1-1979.

V. S. SESHADRI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

(4) The Church of Our Lady of Salvation, Dadar, Bombay-28.

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Date: 8-8-1979

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th October 1979

Ref. No. RWR/CAL/1to3/78-79.--Whereas, KOSHI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 2823, in Gokal Bazar (Moti Chowk) situated at Rewari

find more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Calcutta in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the tranfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Gandi Devi Bindawala, R/o 6, Hanspukar, 1st Lane, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri Surinder Kumar Jain, 2. Smt. Kiran Mala Jain 3. Shri Subhash Chand Jain R/o House No. 2823, Moti Chowk, Rewari.

(Transferees)

(3) Tenants S/Shri

Roshan Lal Vadav

2. Tirgugi Bhargava 3. Jaguish Paishad S/o Laxmi Narain

I. Khushi Ram

S/o Mool Chand
5. Sarup Lal Wazir Chand.
6. Gokal Chand Gurdial

Fatch Chand

8. Chiman Lal S/o Tikaya Ram

9. Narain Dass S/o Khushi Ram

10. Chiman Lal S/o Tikaya Ram 11. Ram Parshad

12. Mohan Lal S/o Narain

13. Punjab National Bank.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property being House No. 2823. Gokal Bazar Chowk), situated at Rewart and as mentioned more in the sale deeds registered at Nos. 279, 289 and 323 dated 19-1-1979 and 20-1-1979 with the Registering Authority. Calcutta.

> E. K. KOSHI, Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 4-14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 11th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ-1/SR-111/1-79/935.--Whereas, I, MISS ANJAN1 OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Agricultural Land situated at Village Bijwasan,

Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of New Delhi on 9-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ram Singh
 Sho Shri Nihalu
 Pho Village Bijwasan,
 Tehsil Mehranli, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Singh S/o Shri Nanchey Mal R/o Village Bijwasan, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 19 Bighas and 4 Biswas situated at Village Bijwasan, Tchsil Mehrauli, New Dclhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 9-1-1979.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-10-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 11th October 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/961.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural Land situated at Village Shaurpur,

Tehsil Mchrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bhikan, Chatter, Ram Phal, Chotey Ss/o Shri Suraj Mal R/o Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Ravi S, Vachani S/o Shri Sunder T, Vachani R/o B-22 May Fair Garden, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 6 Bighas and 14-2/3 Biswas situated at Village Shaurpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 20-1-1979.

MISS ANJANI OZA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range.-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 11-10-1979

! ORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 9th May 1979

Ref. No. 469/Acq.R-III 79-80/Cal.--Whereas, I, VASKAR SEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 81/4, situated at Raja S.C. Mullick Road 81/4, situated at Raja S.C. Mullick Road, Calcutte

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcula on 18.1.1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sunita Choudhuri 81/4, Raja S. C. Muilick Re.d, Calcutta-47.

(Transfer⊃r)

(2) Shri Shibabrata Bhattacharya, 64, Jodhpur Park, Calcutta-68.

(Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece and parcel of undivided half share in premises No. 81/4, Raja Subodh Chandra Mullick Road, P. S. Jadavpur, Calcutta-47, consisting of 5.5. cottahs of land with building thereon.

VASKAR SEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 9.5.1979

